

DUE DATE SLIP**GOVT. COLLEGE, LIBRARY**

KOTA (Raj)

Students can retain library books only for two weeks at the most

BORROWER'S No	DUE DATE	SIGNATURE

ॐ

अंकों में छिपा भविष्य

(A Treatise On Numerology)

U. G. U. BOOKS



लेखक :

कीरो [CHEIRO]

(विश्वविख्यात भविष्यवेत्ता)



रंजन पब्लिकेशन्स

16, मन्सारी रोड, दरियागढ़

नई दिल्ली-110002

प्रकाशक :

रजन पब्लिकेशन्स

16, बंगसारी रोड, हरियाणज,

नई दिल्ली-110002

फोन : 3278835

● सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

संस्करण 1996



मूल्य 40 00

मुद्रक स्पीडोग्राफिक्स दिल्ली



पुस्तक पढ़ने से पहले...

अत्यन्त प्राचीन काल से ही मानव के मन में नियतिके गूढ़ रहस्यों को भेदकर अज्ञात भविष्य को जान लेने की चाहत रही है। उसकी इसी चाहत ने ज्योतिष-विद्या को जन्म दिया। उसने ग्रहों की चालों का सूक्ष्म अध्ययन कर भौतिक तथा मानव-जीवन में घटित होने वाली घटनाओं पर उनके प्रभाव को जानने का प्रयास किया, हाथ और पांव की रेखाओं से व्यक्ति के भविष्य को पढ़ने का उद्यम किया, राशियों और स्वप्नों को अर्थ दिए। इसी क्रम में उसने अनुभव किया कि ग्रहों के साथ-साथ एक भी हमारे जीवन की घटनाओं को प्रभावित करते हैं।

अकों के रहस्य और शक्ति को जानने का प्रयास हजारों वर्षों से होता रहा है, यद्यपि उसका क्रमबद्ध इतिहास अधिक पुराना नहीं। हमारे प्राचीन मनीषियों को शक्ति का पता था। तन्-मंत्रों में उन्होंने उसका जमत्कारी उपयोग किया है, किन्तु वेद की बात है कि अपनी विद्या के अपने साथ ही से गए। तंत्रों के अंक-शक तो बढ़ भी मिल जाएँ किन्तु उनके कस में क्या कल्पना रही है, यह बड़ा पाना सम्भव नहीं है।

अंक-विज्ञान को विज्ञान का रूप देने और उसे सर्वजन सुलभ बनाने का श्रेय पश्चिमी विद्वानों को ही है। विग्विज्ज्यात ज्योतिषी कीरो इनमें एक है। सन्-मप चार हजार वर्ष पूर्व बेबीलोनिया और बाबिलिया में, और भारत, मिस्र, यूनान आदि में भी, प्रचलित अंक-विज्ञान का गहन अध्ययन कर उन्होंने प्रति-पादित किया है कि अंकों, ग्रहों और शक्तियों में एक गूढ़ सम्बन्ध है। सन्ताह के सात दिन भी इससे अप्रभावित नहीं हैं, इस सम्बन्ध की ओर किसी अज्ञात शक्ति के हाथों में है और विश्व की तथा मानव जीवन की घटनाओं में इसकी रहस्य-पूर्ण तथा महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। अंक-विज्ञान के विकास में कीरो की शोध का अग्रिम स्थान है।

प्रस्तुत पुस्तक 'कीरो' का ऐसा ही एक महत्वपूर्ण प्रभाव है। इसमें उन्होंने बेबीलोनियन तथा बाबिलियन अंक-विज्ञान के आधार पर जन्म-तिथि के अनुसार व्यक्ति के चरित्र, स्वभाव, धनरा सम्पत्तियों, स्वास्थ्य तथा महत्वपूर्ण घटनाओं

को निरूपित किया है। ज्योतिष में रचि रखने वाले पाठकों के लिए यह पुस्तक निस्संदेह अत्यन्त उपयोगी है। उन्हें इस विषय का विशद ज्ञान होना भी आवश्यक नहीं है। अपने बारे में जानकारी का साथ उठाकर वे अपने ध्येय की प्राप्ति कर सकते हैं और उन्नति के उच्चतम शिखर तक पहुँचने में सफल हो सकते हैं।

इसमें सायन सूर्य के संचार के अनुसार ग्रेगोरियन कैलेंडर वर्ष के बारह मासों को भ्रूज की बारह राशियों में विभाजित किया गया है। यथा जनवरी-मकर, फरवरी-कुम्भ, मार्च-मीन, अप्रैल-मेघ, मई-वृष, जून-मिथुन, जुलाई-मकर, अगस्त-सिंह, सितम्बर-कन्या, अक्टूबर-तुला, नवम्बर-वृश्चिक तथा दिसम्बर-धनु।

एक दिसवत्स बात यह है कि सायन सूर्य मास की पहली तारीख को नहीं, बल्कि 21 तारीख को यथा उसके आस-पास एक राशि से दूसरी राशि में संचार करता है। प्रारम्भ के सात दिन राशि-संघि के होते हैं जिसमें पूर्ववर्ती और नई, दोनों राशियाँ प्रभावी रहती हैं, पूर्ववर्ती राशि का प्रभाव उत्तरोत्तर घटता जाता है, नई राशि का बढ़ता जाता है। नई राशि 28 तारीख के आस-पास पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। और अगले मास की 20 तारीख तक पूर्ण प्रभावी रहती है। उल्लेखनीय है कि शक (सौर) सम्बत् का मासारम्भ भी ग्रेगोरियन मास की 22 तारीख को यथा उसके आसपास होता है।

विभिन्न राशियों के स्वामी वे ही ग्रह हैं जो परम्परागत ज्योतिष में हैं। यथा—सूर्य सिंह, चंद्र-मकर, मंगल-मेघ तथा वृश्चिक, बुध-मिथुन तथा कन्या, गुरु-धनु तथा मीन, शुक्र-वृष तथा तुला और शनि-मकर तथा कुम्भ। 'कीरो' ने यूरेनस और नेपचून को भी अपनी गणना में सम्मिलित किया है। इन्हें धूमक से किसी राशि का स्वामित्व प्रदान न कर यूरेनस को सूर्य के साथ और नेपचून को चन्द्र के साथ संयुक्त किया गया है। ऐसा सम्भवतः उनके गुणों के कारण है। इन तीनों ग्रहों में तीनों भूल अर्थों का विभाजन इस प्रकार किया गया है—सूर्य 1, चंद्र 2, मंगल 9, बुध 5, गुरु 3, शुक्र 6, शनि 8, यूरेनस 4 तथा नेपचून 7।

परम्परागत ज्योतिष और 'कीरो' द्वारा प्रतिपादित अर्ध-ज्योतिष में कुछ मौलिक अन्तर भी है। परम्परागत ज्योतिष में विषम राशियों (मिथ, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, तथा कुम्भ) को ओज (Positive) और सम राशियों (वृष, मकर, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन) को सौम्य (Negative) माना गया है। 'कीरो' दुहरे स्वामित्व वाले ग्रहों की पहली राशि को ओज और दूसरी को सौम्य मानते हैं। अतः उनके अनुसार मेघ, वृष, मिथुन, धनु, मकर, ओज राशियाँ हैं तथा कन्या, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन सौम्य। इसके अतिरिक्त सिंह ओज राशि

है जबकि वर्ष सौम्य । राशि के अनुसार उसका स्वामी भी शीघ्र या सौम्य होता है ।

पुस्तक की भूमिका में 'बीरो' ने कहा है 'ज्योतिषियों ने सुबूर अर्थात् से आज तक मानन जाति को अपने अनुभव से जो ज्ञान दिया है, उसके आधार पर मैंने इन पृष्ठों में हर मास का बुनियादी वर्ष समझाया है । साथ ही बाल्किमन भक्त-विज्ञान के अनुसार यह भी बताया है कि प्रत्येक तिथि पर ग्रहों का क्या प्रभाव पड़ता है । अपने दीर्घ अनुभव से मैंने इनकी पुष्टि की है ।'

जन्म-तिथि के अनुसार ग्राम्यजन जानने के लिए पाठक को पहले उस मास का आम फल देचना चाहिए जिसमें उक्त तिथि पड़ती है । इसके पश्चात् मूलार्क के अनुसार उक्त तिथि का फल देचना चाहिए । उदाहरण के लिए यदि जन्म तिथि 14 मई है तो पहले मई मास की आम प्रवृत्तियों को पढ़ना चाहिए और फिर $14 = 1 + 4 = 5$ मूलार्क वाले व्यक्तियों की प्रवृत्तियों को ।

एक स्वामाधिक ग्रन्थ यह पैदा होता है कि नई तिथि की गणना किस समय से की जाए । पारंपारिक कैलेंडर के अनुसार वह राशि 12 बजे से आरम्भ हो जाती है । भारतीय ज्योतिष में सूर्योदय से नई तिथि की गणना की जाती है । कुछ भारतीय भक्त शास्त्रियों का विचार है कि नए तिथि अंक की गणना सूर्योदय के बाद से की जानी चाहिए, अर्थात् यदि किसी व्यक्ति का जन्म सूर्योदय से पहले हुआ है तो उसकी जन्मतिथि पहले दिन वाली गिनी जानी चाहिए । 'बीरो' ने इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन समझा जा सकता है कि वह पश्चिमी कैलेंडर के अनुसार ही तिथि मानते होंगे ।

इस सम्बन्ध में हमारा विनम्र सुझाव है कि राशि 12 बजे से सूर्योदय तक का समय तिथि-संधि का समय माना जाए जैसे 'बीरो' ने सात दिन का समय 'राशि-संधि' का समय माना है । कुछ मामलों में हमारा अनुभव है कि इस तिथि-संधि बात में जन्मे व्यक्तियों पर दोनों तिथियों का मिला-जुला प्रभाव रहता है, पूर्ववर्ती तिथि का प्रभाव उत्तरोत्तर कम होता जाता है और नई तिथि का उत्तरोत्तर बढ़ता जाता है ।

भक्त विज्ञान में मूलार्कों का भारी महत्व है । ये मूलार्क हैं—'एक' से 'नौ' तक के अंक । किसी भी सख्या को उसके मूलार्क में बदला जा सकता है । इसके लिए इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार आदि के सभी अंकों को जोड़ना होता है । यदि जोड़ 'नौ' से अधिक हो तो इकाई, दहाई आदि के अंकों को पुनः जोड़ना होगा । यह कम जब तक जारी रहेगा जब तक हम एक मूलार्क पर न पहुँच जाएं । उदाहरण

के लिए 78 का मूलंक है $7+8=15=1+5=6$ । 4567 का मूलंक है $4+5+6+7=22=2+2=4$ । •

मूल पुस्तक का कुछ संक्षेप किया गया है किन्तु इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि पाठक किसी महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित न रहें । मूल पुस्तक में मुद्रण की भूल चूक के कारण यत्र-तत्र जो अशुद्धियाँ रह गई थीं, उन्हें भी दूर करने का प्रयास किया गया है । इस अनुपम पुस्तक को व्यवस्थित एवं सुन्दर रूप में प्रस्तुत करने का श्रेय श्री शरदेन्दु (अवकाशप्राप्त सहायक सम्पादक, 'दैनिक हिन्दुस्तान' नई दिल्ली) को जाता है । उनके परिश्रम एवं पूर्ण सहयोग के हम आभारी हैं । हमें आशा ही नहीं, विश्वास भी है कि पाठकों को हमारा यह प्रयास अवश्य पसन्द आएगा ।

—प्रकाशक

ज्योतिष-साहित्य

सरस एवं व्यावहारिक शैली में

आयु निर्णय	भा० टी०	आचार्य भुवन्ध ईशत विरचित	
नष्ट घातकम्	"	"	"
प्रसव चिन्तामणि	"	"	"
भाव मजरी	"	"	"
ज्योतिष शब्दकोश	"	"	"
षष्टक वर्ग महानिबन्ध	"	"	"
प्रश्न मार्ग	भा० टी	3 खण्डों में	
दैवप्रवृत्तभा	"	डा० सुकदेव चतुर्वेदी	
दाम्पत्य सुख	आचार्य बराह मिहिर	" " "	
शूक प्रश्न विचार	(ज्योतिष के सरोखे से)	" " "	
भुवन दीपक		" " "	
रत्न प्रदीप		डा० गौरीशंकर कपूर	
अक्षों में छिपा भविष्य	(श्रीरो)	" " "	
हस्तरेखाएँ बोलती हैं	(श्रीरो)	" " "	
भाव दीपिका	करसीय ज्योतिष	" " "	
हस्त परीक्षा	अरु अमलकार	" " "	
स्वप्न और शकुन	ज्योतिष सीखिए	" " "	
उत्तर कामानुत	(कवि कानिदास)		
आचार्य रत्नाकर	(रामानुजाचार्य)		
प्रश्न दर्पण	वर्षफल विचार	महिषासुर और ज्योतिष	
दशाफल रहस्य	चन्द्रकलानाडी	अपमनाथ असीम	
ज्योतिष और रोग	बुने हुए ज्योतिष योग	" "	
कर्मित सूत्र	रत्न परिषय	" "	
पारम्पर्य ज्योतिष	शोचर विचार	" "	
व्यवसाय का चुनाव	अनिष्ट ग्रह (कारण और निवारण)	" "	
जन्मचरित्र स्वयं बनाइए	(डा० सुरेश चन्द्र मिश्र)		
महामृत्युञ्जय	(साधना एवं सिद्धि)	डा० ब्रह्मदेव त्रिपाठी	
मंत्र शक्ति	तन्त्र शक्ति	" "	
यन्त्र शक्ति	(दो भागों में)	" "	
माहेश्वर तन्त्र	रुद्रयामल तन्त्र	" "	
व्यापार रत्न	तेजी मदी सबधी	हरदेव लर्मा त्रिदेवी	

पाठकों के लिए निम्न तात्पर्या निरवय हो उपयोगी रहेगी

क	धर्मोदी भाग और भाग	राशि	स्वातंत्र्य	मुख्य रंग	भाग्य-रत्न
1	चतुर्थी	शेष (यस विज्ञान)	शनि (शेष) 8	शनि, गुरु नीला, बुध	शनि, शनि नीला, गुरु नीला
2	चतुर्थी	शेष (यस विज्ञान)	शनि (शेष) 8	"	"
3	भाष	शेष (यस विज्ञान)	शुक्र (शेष) 3	शनि, शनि, शनि, शनि (शनि)	शनि (शनि) या शनि
4	भाष	शेष (यस विज्ञान)	शनि (शेष) 9	शनि, शनि (गुरु से हलके रंग)	शनि (शनि) शनि, शनि (शनि) या शनि
5	भाष	शेष (यस विज्ञान)	शुक्र (शेष) 6	शनि (गुरु से हलके रंग)	शनि, शनि
6	शुक्र	शनि (यस विज्ञान)	शुक्र (शेष) :	हलके, शनि रंग	शनि, शनि रंग (शनि रंग या शनि)
7	शुक्र	शनि (यस विज्ञान)	शुक्र 2	हलका शनि, शनि, शनि	शनि, शनि रंग शनि, शनि रंग

8 अगस्त	श्रावण	सिंह (अग्नि त्रिकोण)	भूयं 1	गुलहर, पीला, नारंगी, बूरा	हीरा, पुष्करज
9 सितम्बर	भाद्र	कन्या (वध त्रिकोण)	भुध (सौम्य) 5	हलके, धमकीले रंग	हीरा, बमहीले रंग
10 अक्तूबर	आश्विन	तुला (वाम त्रिकोण)	शुक्र (सौम्य) 6	नीला (गहरे से हलके तक)	फीरोजा, नीलम
11 नवम्बर	कार्तिक	वृश्चिक (जल त्रिकोण)	मंगल (सौम्य) 9	लाल (गहरे से हलके तक)	लाल, लामड़ा, रत्नमणि
12 दिसम्बर	अग्रहायण	मृग (अग्नि त्रिकोण)	गुरु (बोख) 3	बैंगनी, जामुनी, फातसई (फातनी)	चटैसा (जमुनिया) या अनैयिट
13. °	—	—	मूरेनस 4	सिसेटी, वेस्टल (हलके) इलेक्ट्रिक (गोख)	नीलम
14 °	—	—	नेप्चून 7	कबूतरा, वेस्टल (हलके) इलेक्ट्रिक (गोख)	लहसुनिया

°मूरेनस भूयं के साथ और नेप्चून चंद्र के साथ संयुक्त हैं ।

एक दृष्टि में

बीरो के अनुसार हमारे पृथ्वी के सौर मण्डल में चक्कर लगा रहे ग्रहों की संख्या नौ है।

सूर्य, तादा और चन्द्र पृथ्वी का उपग्रह होने हुए भी ज्योतिषियों ने उन्हें ग्रहों में सम्मिलित किया है।

ज्योतिष की सम्पूर्ण दण्डना पृथ्वी को स्थिर केन्द्र मानकर की जाती है, अतः पृथ्वी को वे ग्रहों में सम्मिलित नहीं करते।

हमारे पूर्वजों की नगी अन्ध से दिखाई दे सकने वाले केवल साठ ग्रहों का ज्ञान था। ये हैं सूर्य, चन्द्र मंगल, बुध, शुक्र, शुक तथा शनि।

हाल में नए वैज्ञानिक उपकरणों की सहायता से वैज्ञानिकों ने तीन और ग्रह खोज निकाले हैं—यूरेनस, नेपचून, प्लूटो। बीरो के नवग्रहों में यूरेनस तथा नेपचून सम्मिलित हैं, प्लूटो नहीं। हमारे देश में नवग्रहों में यूरेनस तथा नेपचून के स्थान पर दो छायाग्रह राहु तथा केतु सम्मिलित किए जाते रहे हैं। नवग्रह पूजन में इन दोनों ग्रहों की भी पूजा होती है।

मूलांक या एबन अको की संख्या भी नौ ही है। एक से नौ तक। इससे बरी किसी भी राशि को उसके अको को जोड़ कर मूलांक में बदला जा सकता है। इस प्रकार 10 का मूलांक 1 हुआ, 11 का 2।

बीरो के अनुसार सभी ज्योतिषियों को एक मूलांक में डाला जा सकता है। इसी प्रकार हर ग्रह एक अक-विशेष के प्रभाव में है। सूर्य के लिए 1, चन्द्र के लिए 2, मंगल के लिए 9, बुध के लिए 5, शुक्र के लिए 3, शुक के लिए 6, शनि के लिए 8, यूरेनस के लिए 4 और नेपचून के लिए 7 मूलांक निर्धारित किए गए हैं।

हर सौर भाग एक ग्रह के प्रभाव में है। सूर्य और चन्द्र एक-एक भाग को तथा मंगल, बुध, शुक्र, शुक और शनि दो-दो भागों को प्रभावित करते

हैं। मूरेनस तथा नेप्चून किसी मास को प्रभावित नहीं करते, किन्तु मूरेनस को सूर्य के और नेप्चून को चन्द्र के साथ समुक्त किया गया है।

ये ग्रह और ये अंक हमारी धरती के सम्पूर्ण जीवन को नियन्त्रित करते हैं, मानव का हज़ारों वर्षों से ऐसा विश्वास रहा है। इसी विश्वास ने ज्योतिष विद्या को जन्म दिया। सामुद्रिक शास्त्र तथा अंक शास्त्र भी उसी के अंग हैं। कोरो जैसे ज्योतिषियों ने अपनी दीर्घकालीन शोधों से इस विद्या विज्ञान का रूप देने का प्रयास किया है।

व्यक्ति की प्रकृति, स्वभाव, कर्म, व्यवहार, स्वास्थ्य आदि पर उसकी जन्म-तिथि के मूलोंक का और जिस मास में वह पैदा हुआ है उसे नियन्त्रित करने वाले ग्रह के अंक का प्रभाव पड़ता है। इनकी स्थितियों में अन्तर का कारण होता है।

किस मास की किस तिथि को जन्म लेने पर व्यक्ति की प्रकृति, स्वभाव, कर्म, व्यवहार, स्वास्थ्य, भविष्य, पारिवारिक जीवन आदि की क्या सम्भावनाएं हो सकती हैं, वही इस पुस्तक का विषय है।

विश्वव्याप्त अविष्य वक्ता कीरो (CHEIRO)
द्वारा लिखित हिन्दी में सर्वप्रथम प्रकाशित पुस्तक

हस्त रेखाएं

बोलती हैं

जो हा, यह सत्य है कि आपकी रेखाएँ बोल रही हैं
आवश्यकता है उनकी भाषा को समझने की

पढ़िए ! पढ़ने और मनन के पश्चात् आपको अपने और सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के चरित्र, स्वभाव आदि के सम्बन्ध में आश्चर्यजनक जानकारी प्राप्त होगी । विषय को स्पष्ट करने के लिए प्रसिद्ध व्यक्तियों के हाथ व स्वयं कीरो का हाथ भी इसमें सम्मिलित है ।

ग्रन्थ अंग्रेजी पुस्तक से बेसम अनुवाद ही नहीं किया गया है, अपितु विद्वान् अनुवादक ने स्वयं-न्याय पर भारतीय सांख्यिक शास्त्र के मर्मों को प्रस्तुत कर पुस्तक की उपयोगिता को और बढ़ाया है ।

हस्तरेखा विज्ञान पर यह स्पष्ट व पूर्ण पुस्तक मानी जाती है । इतनी सरसता से समझाना यह इसकी विशेषता है । उसीसाथ एव सत्य के सावधान कुछ समय लगाइए । आप पाएंगे कि आपने ज्ञान का अपूर्व खजाना पाया ।

आकार बड़ा, पृष्ठ 216, बिज 50, मुद्राजित कवर ।

मूल्य 40 रुपये, डाक मध्य मसल

रत्नों में दैवी शक्ति होती है। उनकी बरकत से मनुष्य को सदा सुख-समृद्धि व शान्ति मिलती रही है। उनकी रेडियो तरंगें (Radio activity) शरीर की सारी रचना को अपने स्पर्श से प्रभावित करती है, यह बात विज्ञान सम्मत है। इस ग्रन्थ में रत्नों व उपरत्नों का विस्तृत विवेचन है। उनकी बनावट, ढलाव कटाव आदि के बारे में जानकारी देकर जहाँ रत्न विक्रेताओं के लिए यह सदा पास रखने योग्य है वहीं पर आपको भी वास्तविक रत्न खरीदने में अवश्य सहायक होगा। रत्नों के विषय में आधुनिक जानकारी से भरपूर ग्रन्थ में चौरासी रत्नों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी है। मुख्य नौ रत्नों पर अलग-अलग अध्यायों में विस्तृत वर्णन किया गया है। रत्नों की शुद्धता तथा उन पर ग्रहों के स्वामित्व व प्रभाव का निरूपण, उनकी अद्भुत शक्ति का परिचय देने वाली घटनाओं से भरपूर ग्रन्थ में आप अपने लिए पावेंगे—

- (i) जांच परख के सम्पूर्ण तथ्य व प्रकार।
- (ii) सभी प्रसिद्ध रत्नों का विस्तृत वर्णन।
- (iii) रत्नों की चमत्कारिक विशेषताएँ।
- (iv) राशि, ग्रह व रत्न का परस्पर वैज्ञानिक सम्बन्ध।
- (v) अपने लिए लाभकारी रत्न आप स्वयं चुन सकते हैं।
- (vi) कीमती रत्नों का विकल्प (Substitute)।
- (vii) सस्ते किन्तु चमत्कारिक नमों का विवेचन।
- (viii) विचित्र किन्तु सत्य जानकारी, जैसे—फीरोजा कपट आने पर रगहीन हो जाता है। पितामहा में सूर्य ग्रहण का प्रतिबिम्ब साफ दिखता है। रत्नों में दैवीशक्ति और बरकत। साथ ही रत्नों के विषय में अनेक देशी-विदेशी व्यक्तियों के सत्य अनुभव।
- (ix) रत्नों से रोग शान्ति।

व्यवसायियों व रत्न प्रेमियों के लिए समान रूप से उपयोगी।

मूल्य 40 रुपये

मन्त्र शक्ति

— डा० चन्द्रदेव त्रिपाठी

मन्त्रों की अद्भुत शक्ति का रहस्य एवं मानव जीवन में उनकी उपयोगिता विविधा है। प्रस्तुत रचना में दैनिक उपयोग में आने वाले विभिन्न मन्त्र एवं उनकी साधना विधि सरल एवं व्यावहारिक रूप में दी गई है।

नवीन संशोधित संस्करण

मूल्य 20 रुपये

सामुद्रिक शास्त्र की प्राचीन भारतीय परम्परा का सर्वांग विवेचन

हस्त संजीवन (हिंदी व्याख्या व मूल पाठ सहित)

हिन्दी व्याख्या व सम्पादन—डॉ० सुरेशचन्द्र मिश्र

लगभग 300 वर्ष पुराना यह ग्रंथ हस्तसामुद्रिक पर भारतीय पद्धति से लिखे गए ग्रंथों में अनुपम व प्रामाणिक है। मूल ग्रन्थकार मेघविजय गणि महाराज ने जो एक जैन साधु थे, अपनी तप पूत प्रतिभा से निष्पन्न ज्ञान की सामुद्रिक शास्त्र के साथ अनूठे ढंग से समायोजित किया है।

पञ्चगुलिदेवी की माधना व मूल अमोघ मन्त्र, जिसकी साधना बड़े-बड़े हस्त-रेखाविद् भी किया करते थे। 500 बसोंकी (अनुष्टुप्मान) में रचा गया एक ऐसा सदृश ग्रंथ है जिसे अनेक विद्वानों ने प्रमाण रूप में उद्धृत किया है।

सरल व्याख्या पद्धति व विषय का सुंदर विवेचन शास्त्र के गूढ़ तरंगों की आपके समक्ष प्रकाशित कर देगा।

इसमें आप अनेक अद्भुत विषयों का विवेचन पाएंगे।

- 1 हाथ का स्पर्श करने मात्र से ही जीवन के उद्विग्न प्रश्नों का समाधान।
- 2 हाथ देखकर ही जन्म कुण्डली आदि बनाकर सूक्ष्म फलादेश।
- 3 शरीर के सभी अंगों का प्रामाणिक फल विवेक।
- 4 हाथ देखकर ही भूक प्रश्न का निर्णय।
- 5 हाथ देखने से ही भूमण्डल के फल का ज्ञान (मैदिनीय ज्योतिष)
- 6 सामुद्रिक के असीम चिह्नों का फल।
- 7 स्त्री व बालक के हाथ देखने की पद्धति।
- 8 हथेली पर अनेक चित्रों का ग्यास करके प्रामाणिक फल।

हस्त सामुद्रिक पर एक ऐसा आप ग्रंथ जिसमें आपकी अनेक अनुत्तरित शकाओं का समाधान मिलेगा। ज्योतिष के होरा, राहुन, मूहून, प्रश्न आदि अंगों का सामुद्रिक के साथ अनोखा तालमेल देय कर आप धित उठेंगे।

“विद्वानों से इस ग्रन्थ की गरिमा छिपी नहीं है।”

“सरल व प्रामाणिक हिंदी व्याख्या व उत्तम प्रश्रुति।”

मूल्य 40 रुपये

ज्योतिष सोपिए

—डॉ० गोरोतार बपूर

स्वयं ज मन्त्री बंदान व अन्य ज्योतिष सम्बन्धी मधुपूष ज्ञान के लिए सरल ढंग में लिखी गई अनूठी पुस्तक।

मूल्य 10 रुपये

विषय-सूची

1 जनपरी	17—30
स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति, विवाह सबंध, साझेदारी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति ।	
2 करवरी	31—46
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह सबंध, साझेदारी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति ।	
3 माघ	47—61
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह सबंध, साझेदारी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति ।	
4 मंग्रंत	62—76
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह सबंध, साझेदारी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति ।	
5. मई	77—91
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह सबंध, साझेदारी, आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति ।	
6 जून	92—105
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह सबंध, साझेदारी आदि मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति ।	

7. असाई	106—119
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति	
8. अगस्त	120—134
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति ।	
9. सितम्बर	135—150
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति ।	
10. अक्टूबर	151—160
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति ।	
11. नवम्बर	161—182
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति ।	
12. दिसम्बर	183—197
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में जन्मे व्यक्ति ।	
अंक 13 का आतक परिशिष्ट	198—201
बीरो की मविम्ववाजियां	

जनवरी

यह मास मकर राशि में है। यह राशि 21 दिसम्बर के अक्ष-मास प्रारम्भ हानी है। नान दिन तक धनु के साथ राशि-मधि चलती है और इस राशि का पूरा प्रभाव 28 दिसम्बर से प्रारम्भ हाकर 21 जनवरी तक रहता है। फिर मकर और कुम्भ का सान दिन का सधि-काल शुरू हो जाता है।

मकर पक्ष-त्रिकोण की तीसरी राशि है। इसका स्वामी शनि (ओज) है। इसे शनि की राशि भी कहते हैं।

यदि आप इस मास में जन्मे हैं तो आपके चरित्र और स्वभाव में निम्न बुनियादी विशेषताएँ होगी

प्रकृति में महवाकासी, उग्र, जीवट और लगन वाले। लक्ष्य-सिद्धि के लिए अपार प्रयासों की क्षमता। आपका प्रतीक-ग्रह शनि सावधानी और विवेक का मूर्त रूप है। गम्भीर चिन्तन और फल के बारे में पूर्ण विश्वास के बिना कोई महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाएंगे। शनि में दाव लगाने का तत्व नहीं है। आप शकालु, बाल की घाल निगलने वाले, कुछ-कुछ सदेही हैं, नये सिद्धान्तों की देर से अपनाने वाले, लेकिन उदार-मन, तर्कसम्मत बात को स्वीकारने वाले। दृढ़ मानसिक शक्ति, स्वभाव से दार्शनिक और वैज्ञानिक, गम्भीर चिन्तक और तर्कशील। धार्मिक विश्वासों में या तो एकदम कट्टर या इसके एकदम विपरीत अनास्थावादी। सबसे अधिक बुद्धिपूजक। असाधारण बुद्धि या प्रतिभा वाले मित्रों के सभी दोष क्षमा करने को तत्पर।

व्यक्तियों तथा वस्तुओं के बारे में तत्काल राय बनाने वाले, लेकिन अपनी योजनाओं में शीघ्र हतोत्साह होने की प्रवृत्ति और पहली असफलता या निराशा पर ही टूटने वाले। प्रेम, कर्तव्य और सामाजिक अर्थशास्त्र के बारे में आपने विचार सदा अनोखे रहेंगे जिससे आपको प्रायः झक्की और सनकी समझा जाएगा। अभिमानी और स्वतन्त्र विचारों के होने के कारण आपको हर काम में अगुआ होना चाहिए या फिर आपकी दिलचस्पी खत्म हो जाएगी। आप किसी प्रकार के अकुश को नापसंद करते हैं और हर उद्यम का विरोध करते हैं। यह अजीब विरोधाभास है कि परम्परा और सत्ता के लिए आपको मन में गम्भीर सम्मान है। जीवन आपके लिए बहुत गम्भीर किन्तु समस्याओं से भरा है, और धीरे-धीरे निराशा के दौर में आप सबसे अधिक चमकेंगे।

लगानार काम और परिश्रम आपके लिए एक तरह से सनक बन जाती है, लेकिन उत्तेजना या जल्दबाजी के बजाय लक्ष्य को सामने रख धीरे-धीरे और चुपचाप काम करते रहने से आपको बड़ी अधिक लाभ होगा। निजी प्रयासों और व्यक्तित्व के

चन पर जन्मकाल की परिस्थितियों से ऊपर उठने की सम्भावना। चरित्र मूलता ओजस्वी विन्नु निराशावाद की गहरी प्रवृत्ति के कारण मन में प्रसन्नता पैदा करने की आवश्यकता।

आमतौर में आपकी काफी गलत समझा जाएगा। आसानी से लोगों में मिले-जुलेंगे नहीं। घनिष्ठ मित्र कम होंगे। मन में बहुत अवेनेपन का अनुभव करेंगे।

विवाह में प्रायः भदा अलोकप्रिय हितों या 'छुपे रूमनों' का पक्ष लेने से आप अनेक दुष्मन पैदा कर लेंगे।

आपके लिए सबसे अच्छा कोई सार्वजनिक जीवन अपनाना रहेगा जैसे नगर-पालिका राजनीति, सरकारी नौकरी या जिम्मेदारी और धनकाम के पद।

स्वास्थ्य

रगि के प्रभाव से मृगलिज काया और अच्छी काय-समता। साथ ही निराशा की गहरी प्रवृत्ति। रोगी न गई तो पित्त के प्रकोप, पित्ताशय में गड़बड़ी, आमाशय में घाव, पाचन अंगों में खराबी और आंतों में रकाबट की सम्भावना। स्वस्थ बने रहने के लिए आशावाद और प्रसन्नता का वातावरण पैदा कीजिए। शीत में सावधानी न बरतने पर दमा, श्वास रोग जैसे बीमारियों की आशंका। निचले स्थानों की अपेक्षा ऊँचे और शुभ्र जलवायु वाले स्थान अधिक अनुकूल।

भाजन पर ध्यान दीजिए और समुचित व्यायाम में रक्त-संचार ठीक रखिए। नम और ठंडी हवाओं से बचिए। आपके लिए बार-बार हवा बदलना अत्यंत आवश्यक है विन्नु एकान स्थलों पर कभी मत जाइए।

देहान में, सम्भव हुआ तो किसी पर्वत की तलहटी में कुछ ऊँचाई पर या किसी पहाड़ी स्थल पर, घर बनवाने की आपकी बलवती इच्छा रहेगी। निचले और नम स्थानों में कभी मत रहिए क्योंकि आपके गठिया, पैरों में दर्द तथा सूजन पाल लेने की निश्चित प्रवृत्ति है। दुर्घटनाएँ भी एटियों, पावों और टांगों में ही अधिक होंगी।

आर्थिक स्थिति

रगि का व्यापक प्रभाव आर्थिक स्थिति के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इससे आर्थिक उन्नति में, कम-से-कम प्रारम्भिक वर्षों में, निम्नस्व, बाधाएँ और अशुभ पैदा होंगे।

उद्यम, लगन, सावधानी और मिलव्ययिता में धन लाभ का योग है। दरअसल, राज्य की बजाय निजी प्रयासों में सम्पत्ति प्राप्त होने की सम्भावना अधिक है। पूँ या गृह-सम्पत्ति में धन संग्रहण, कारखाने खटे करना, विशेषकर कोयला, शीशा या लोहे की वस्तुओं, परिवहन या कृषि की मशीनों के क्षेत्र में, कृषि उद्योगों का विकास और अन्य ठोस उद्यम लाभ के रहेंगे।

जपाना ही रंग कापम पाने में भारी बड़नाई सामन आणगी। जपानन के बिना, बिम्मे का पैसा उधार मन देजिए, नहीं जो उपाय दूबना निश्चिन है।

विवाह सबंध, सामेदारी आदि

आपकी अपनी राशि मकर (21 दिसम्बर से 20 जनवरी), त्रिकोण की अन्य दो राशियाँ, वृष (21 अप्रैल से 20 मई) तथा कन्या (21 अगस्त से 20 दिसम्बर), इन राशियों के अंत में सात दिन के संधि-काल और मकर से सातवीं राशि कर्क (21 जून से 20-27 जुलाई) की अवधि में जन्मे व्यक्तियों के साथ आपके सबसे अधिक मधुर सबंध रहेंगे।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

मूर्ख, घरेलू और अनि (ओज) आपके कारक ग्रह हैं। मूर्ख और घरेलू आपकी अपना एक अलग व्यक्तित्व प्रदान करेंगे। विचारों में बहुत स्वतंत्र, मौलिक और भावनाओं से रचनात्मक। बहुत असाधारण परिस्थितियों को छोड़, सफलता बाद के वर्षों तक निलम्बित रहने की सम्भावना है, लेकिन मिलेगी जरूर। 28 दिसम्बर को भी इसी वर्ग में सम्मिलित कीजिए।

हृदय से बहुत चिंतनशील और गम्भीर। अपने हर काम में अत्यंत मुचाह, सतुलित और व्यावहारिक, दूसरे व्यक्तियों के विचारों से आलानी में न बहकने वाले।

सभी योजनाओं के पीछे 'निश्चित ध्येय' रहेगा, कठिनाइयों से कभी हतोत्साह नहीं होंगे। बहुत उदार स्वभाव के होने पर भी बात धीरे जाने के प्रयास को पसंद नहीं करेंगे, अपनी उदारताओं पर अपने ढंग से अमल करेंगे।

आप निश्चय ही महत्वाकांक्षी होंगे और अपने साधियों तथा परिवार के दूसरे सदस्यों में ऊंचा उठने की सम्भावना है। आपके मार्ग में अनेक बाधाएँ आएँगी लेकिन धैर्य और दृढ़ता से सभी कठिनाइयों को पार कर लेंगे।

आर्थिक वृद्धि

वित्तीय मामलों में बज्जूस और सावधान, अपना धन अच्छी आय का आवासन देने वाले व्यापार या उद्योगों में लगाएँगे। हर अवसर और हर स्थिति का अधिक-से-अधिक लाभ उठाने का प्रयास करेंगे।

दूसरे लोगों पर आपका गहरा आकर्षक प्रभाव होगा, विशेषकर जन-जीवन में। माघ ही, अनेक घोटालों और बदनामों का सामना करना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

आपने भारी जीवनी-शक्ति होगी वसंतें आप किसी नशापत्नी के चक्कर में न पड़े। कभी-कभी तेज़ सर्दी-जुकाम और गठिया की प्रवृत्ति रहेगी। इससे बचने के लिए जितना सम्भव हो, आपको ऊँचे, शुष्क जलवायु वाले स्थान में रहना चाहिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'एक' (मूर्ख) और 'चार' (घरेलू)। हर महत्वपूर्ण काम इसी मूलांक वाली तिथियाँ पर करने का प्रयास कीजिए, जंग मांग दें

1, 4, 10, 13, 19, 22, 28 तथा 31 तिथियां।

प्रभाव बढ़ती और भाव्य चमकाने के लिए सूर्य और यूरेनस के रंग का कोई वस्त्र अवश्य पहनिए। ये रंग हैं—सूर्य—गुनहग, पीला, नारंगी और भूरा। मरेनस—नीले, सिलेटी या हल्के (पेस्टल) रंग। आपके भाव्य रत्न हैं—हीरा, नीलग और अम्वर (कहस्ता)।

जीवन के सबसे घटनापूष्ण वर्षं हाये 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73, और 4, 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67, 76।

‘एक’ या ‘चार’ मूलोक वाली तिथियो, जैसे 1, 4, 10, 13, 19, 22, 28 तथा ‘1’ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप बहरा सगाय मद्गुन करेंगे।

2, 11, 20, 29 (मूलोक 2) जनवरों को जन्मे उद्वित

अग्नि (ओज) के अतिरिक्त आपके चारक ग्रह हैं चन्द्र और नेप्चून। चन्द्र और नेप्चून आपके स्वभाव को अधिष उदार, कल्पनाशील और पूर्वाभासी बताते हैं। इच्छानुसार काम न होने पर हताश होने लगते हैं और दूसरों के विरोध या उद्द कारवाई पर अपने से सिमित जाते हैं। अति संवेदनशील और बहुत जल्दी अपमान महसूस करने की प्रवृत्ति।

व्यापार के क्षेत्र वाले उपायों के यज्ञाद कल्पना-शक्ति से सफलता की सम्भावना अधिष है। आप ऊँचे-ऊँचे पदों से सपने देखेंगे। अपन काम से आत्ममिश्रता पैदा करने से सपने पूरे हो सकते हैं। अति संवेदनशील होने से आप ऐसे प्रोत्साहन की कामना करते हैं जो आपकी योग्यताओं से अधिषतम लाभ दिला सके। परिस्थितिदा से बच जाने पर आप बेचैन और दुखी हो उठेंगे। आपका अपन गहरा पूरे करार की छूट चाहिए।

आर्थिक दशा

आपको धन का मोह नहीं होगा, उसे बेवस ‘तदपपूर्ति का साधन’ समझेंगे। आपसे यह अजीब भावना रहनी कि आपको धन की कोई आवश्यकता नहीं, दिमाग से जो चाहें पा सकते हैं। वास्तविक में अधिष धनी समझे जाएंगे। किसी के मांगों पर इनकार करने से आपके संवेदनशील स्वभाव को घाट पड़ूँगी। अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के प्रयास से अपना मारा धन भी मुटा सकते हैं। इसका वाकजुद धन के मामले में आपसे सावधान रहने की सशभाविक प्रवृत्ति है।

स्वास्थ्य

अत्यधिक सामाजिक पन्थिम में आप टूट सकते हैं। ऐसी स्थिति से धाँसेने विप्राय से हो आप पुन स्वस्थ हो जाएंगे। सम्भव है, आपने मन में यह धीट जाए कि

विशेष प्रकार के भोजन से भारी लाभ हो सकता है। गठिया से सावधान रहिए और सम्भव हो तो शुष्क जलवायु में रहिए। कभी-कभी आँखों की परेशानी हो सकती है। रीढ़ में कमजोरी भी।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'दो' (चन्द्र) और 'मातृ' (नेप्चून)। अपने सभी महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांकी वाली तिथियों पर कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकी वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकी वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए आप चंद्र तथा नेप्चून के रंगों का कोई-न-कोई वस्त्र हमेशा धारण किए रहें। ये रंग हैं चन्द्र—सफ़ेद, क्रीम और हलका हरा। नेप्चून—हलके से गहरे तक कबूतरी। भाग्य रत्न है जेड (हरितमणि या मंगसाम), मोती, चंद्रकांत मणि, सहस्रनिया।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

शक्ति (श्रोत्र) के अतिरिक्त आपका कारक ग्रह है गुरु। गुरु का गहरा प्रभाव आपको अपनी योजनाओं और इच्छाओं में कुछ दबकपन प्रदान करेगा।

आपके सभी कामों के मूल में महत्वाकांक्षा रहेंगी। निजी प्रयत्न और सफलता के मकल्य में उन्नति करेंगे। भारी ईर्ष्या और विरोध का सामना करना पड़ेगा। कोई वृत्ति चुनें, आपके अनेक दुश्मन बन जाएंगे।

छाटे-बड़े, सभी प्रकार के जन-जीवन में आप सक्रिय रहेंगे, दूसरों पर नियंत्रण और जिम्मेदारी वाले अधिकार के पदों पर भी।

विवाह में अधिक मुख नहीं मिलेगा, जब तक जीवन-भाथी आपको अपने से अधिक बुद्धिमान न समझे।

आप विचारों से रचनात्मक, बड़ी-बड़ी योजनाएँ बनाने में सक्षम होंगे। आपको अपने निजी विचारों पर अमल का प्रयास करना चाहिए और दूसरों पर बहुत अधिक धरोसा नहीं करना चाहिए।

21 या 30 तारीख की वैशा होने पर आप जिम्मेदारी के ऊँचे पदों पर अधिक आसानी से पहुँचेंगे। आपमें दूसरों की सहायता करने या 'दलित वर्गों' को ऊँचा उठाने की बलवती भावना होगी। व्यक्ति से अधिक आप समाज का भला करना चाहेंगे। फलतः व्यक्तिगत शत्रुओं की घृणा और दुर्भावना के शिकार होंगे और कभी-कभी उनसे जीवन को खतरा भी हो सकता है।

आप अपने काम में पूरा दम लगा देंगे और अनेक बार पूरी तरह टूट लेने का जोखिम भी उठाएँ।

आर्थिक दशा

अपनी योजनाओं या महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आप विपुल धन-

राशि खचं करने का प्रयास करेंगे । इसने काफी जोखिम भी उठाएंगे क्योंकि जरा-सी भूल-चूक से भी शत्रुओं को आपकी टांग खींचने का अवसर मिल जाएगा । आम तौर से सफलता की आशा कर सकते हैं, बशर्ते बहुत अधिक निजी लाभ के प्रलोभन में न पड़ें ।

स्वास्थ्य

ज्ञानदार काया होने पर भी लगातार मानसिक तनाव और अति परिश्रम से आप अपने स्वास्थ्य को आघात पहुंचा सकते हैं । सावधानी बरतिए और शक्ति को सुरक्षित रखिए अन्यथा पक्षाघात या दिल का दौरा पड़ सकता है । यदि औसत आदु न भोग पाए तो आपका अपना ही अधिक दोष होना ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'तीन' (गुरु) और 'आठ' (शनि) । इन्हीं मूलाका वाली तिथियों को अपनी योजनाओं पर अमल कर प्रयास कीजिए । सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांको वाले होंगे । इन्हीं मूलांको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे, लेकिन 'आठ' मूलांक वाले व्यक्ति आपके लिए 'तीन' मूलांक वाले व्यक्तियों जैसे भाग्यशाली नहीं रहेंगे ।

30 जनवरी को जन्मे व्यक्ति शनि (सोम्य) की कुम्भ राशि के अधीन आएगा । उनके अंक यही रहेंगे, लेकिन शनि (सोम्य) के प्रभाव के कारण उन पर अकुशल काम होंगे और जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करेंगे ।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए गुरु के रंगों का कोई वस्त्र अथवा धारण किए रहिए । ये रंग हैं—जामुनी, बैंगनी या फालगुनी (काली) । आपके भाग्य रत्न हैं—कटंता (अमैथिस्ट या जामुनिया), बैंगनी या जामुनी रंग के नंग, काला मोती, काला हीरा ।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपने कारण यह हैं गुरुतम, मूय और शनि । गुरुतम शनि के आम प्रभाव को और बढ़ाएगा ।

विचारों में मानिक, स्वभाव में अति स्वतंत्र, दूसरे लोगों या जिनसे साथ रहना है, उनकी योजनाओं या विचारों में तानमेत न रखने वाले । धरलू या वैवाहिक सम्बन्धों में कठिनाई । आपके नामों का बहुत गलत समझा जाएगा और आप जीवन में अकेलापन महसूस करेंगे । विचारों में परम्परा विरोधी, सफलता के लिए अपना निजी मार्ग बनाना होगा । महत्वाकांक्षा का भारी विरोध का सामना करना होगा । परिवारजनों पूरी करन में अधिकतम धन से काम लेने की आवश्यकता है ।

दिन में आप बहुत गम्भीर होंगे । गम्भीरता सिदान के लिए कभी-कभी बहाना यह करेंगे कि आप जोधा के उत्तर चढ़ावा का उपहाम कर रहे हैं और भाग्य पर हम रहे हैं । दरअसल, अनात्म में आप भाग्यवादी हैं । जीवन के समय पर अपना या

बुरा, जैसा भी हो, अभिनय-भर कर रहे हैं।

आपके सभी कार्यों के पीछे दूसरों पर अधिकार जमाने की भावना होगी, कलम में मिले, वाणी से या तलवार से, इसमें कोई अंतर नहीं पड़ता। एक प्रकार से ये नियिया नेताओं के लिए अच्छी हैं, लेकिन इनसे असाधारण कार्यों, विचार की मौलिकता और सनक की गहरी प्रवृत्ति मिलती है।

भार्यिक दशा

इसने भी जन्मापाय घटने की सम्भावना है। पैसा आएगा लेकिन पानी की तरह हाथ में निरन जाएगा। अच्छा हो या बुरा, धन से अधिक नाम टिकेगा। आपका यात्र किया जाएगा लेकिन आपकी मजार की उम्मेद होगी। यदि आपने भविष्य के लिए पैसा दवा—इन में पूरी मावधानी नहीं बरती तो बुढ़ापे में आपको दशा बहुत गम्भीर हो सकती है।

स्वास्थ्य

रोगों की अपेक्षा दुर्घटना जलिन परेशानिया की सम्भावना अधिक है। प्रमुख टांगें और पाव प्रभावित होंगे। किन्तु आपमें असाधारण जीवनी-शक्ति होगी। हिंसा या दुर्घटना के अलावा किसी अन्य उपाय से आपको मारना कठिन है। इन दोनों से ही पाला पटने की सम्भावना है।

आपके मरने महत्वपूर्ण अर हैं 'चार' (यूरेनस), 'एक' (सू) और 'अठ' (शनि)। 'चार' और 'एक' मरने भाग्यशाली रहेंगे। 'अठ' से भी बार-बार पाला पड़ेगा, लेकिन यदि टांग सके तो मैं आपको 'अठ' काम में लेने का परामर्श नहीं दूंगा। अपनी योजनाएँ 'चार' या 'एक' मूलाका वाली नियियों से पूरी करने का प्रयत्न कीजिए।

जीवन के मरने घटनापूर्ण वर्ष हैं 10, 13, 19, 22, 28, 31, 37, 40, 46, 49, 55, 58, 64, 67। वर्ष 8, 17, 26 आदि भी महत्वपूर्ण रहेंगे किन्तु इतने भाग्यशाली नहीं होंगे।

'चार' और 'एक' मूलाका वाली नियियों का जन्म व्यक्तिपा के प्रति आपका गहरा लगाव रहेगा। 'अठ' मूलाक की नियिया को जन्म लाग भी आपके जीवन में आएगा किन्तु भौतिक दृष्टि में आपके लिए इतने भाग्यशाली नहीं रहे।

प्रभाव बढ़ाने या भाग्य कमजोरने के लिए पीने, मुनडर, नोने, मिलेटो या पेस्टल (ड्रैक) रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं—हीरा, पुड्राग, नीलम, काना मोती।

5, 14, 23 (मूलाक 5) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कागज धन बुरा और जलिन हैं। आपके लिए बुरा अशुभ लगानों को कम

कर देगा या उनका महत्व घटा देगा ।

आप बहुत हरपनमौला होंगे । मुख्य कठिनाई प्रतिभा और महत्वाकांक्षा के अनुकूल काम दूझने की है । जीविका में अनेक बार परिवर्तन करेंगे । देर तक एक काम से चिपके रहना कठिन है ।

व्यक्ति और विद्या, दोनों के अनुकूल अपने को ढाल लेने की आपमें भारी क्षमता होगी । आप गतिशीलता से प्रेम करेंगे । यात्रा कर दुनिया का बहुत बड़ा भाग देखेंगे । आपकी मार्ग में आश्चर्यजनक और अप्रत्याशित अवसर मिलेंगे ।

आपका मस्तिष्क पैना, शोधपरक और आलोचनात्मक होगा, लेकिन पहली बार सम्पर्क में आने वालों को कुछ सन्देह की नजर न देखेंगे । लोग दया और महानुभूति में ही आपको प्रभावित कर सकते हैं ।

आप नीतिबुधल होंगे, दूसरों के मन के भेद निराल लेंगे और व्यावहारिक उद्देश्य में उनका उपयोग करेंगे ।

साहित्य में रचि रखने वाले और पढ़ाकू होंगे । विज्ञान, रसायन और नयी खोजा में भी आपकी दिलचस्पी हा सबसे है । आप पारलौकिक विद्याओं की आश भी भावित हों सकते हैं किन्तु सपने देखने के लिए आपका दिमाग अति व्यावहारिक है । लोग कहेंगे, आपके तरण कथा पर एक परिपक्व दिमाग है ।

कभी-कभी निराशा की भावनाओं से पराए लेंगे के लिए आपको आशावाद पैदा करना चाहिए ।

आर्थिक दशा

रपये-पैसे के मामले में आप सावधान और बज्जुम होंगे । बर्तन से आप भय खाएंगे । पैसा लगाने के बारे में आपके सुंदर व्यावहारिक विचार होंगे । लेकिन अनि-सावधानी में अनेक सुअवसर छो देंगे ।

स्वास्थ्य

आपकी मुख्य बिन्ता आराम की आर तनाव दूर करने की होनी चाहिए । हर धान को गहराई में लेंगे और आशा-निराशा के भावा में दीक्षित रहेंगे । कभी निराशा के दोरे पड़ सकते हैं जिसका कुप्रभाव पावन अंगों पर पड़ेगा । रक्त में अम्लता से जोड़ो, हड्डियों, विशेषकर घुटनों में दर्द हो सकता है । मुगटिन बाया के कारण आपमें किसी भी रोग का प्रतिरोध करने की भारी क्षमता होगी ।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंग 'पाच' है, किन्तु 'चार' और 'आठ' को छात्र अन्य सभी अंग भी समान रूप से सौभाग्यशाली रहेंगे । अपनी मज्जा में 'पाच' मूलाक वाली निधिया का पूरी करने का प्रयत्न कीजिए ।

आपके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होंगे 5, 14, 22, 32, 41, 50, 59, 68, 77 । इनके अतिरिक्त 8, 17, 26, 35, 44, 53, 62 और 71 भी ।

5, 14, और 23 तारीख को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आर गहन लगाव महसूस करेंगे। 8, 17, 26 तारीख को जन्मे लोग भी आपके जीवन में आए बिना आपके लिए इतने सौभाग्यशाली नहीं रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाव्य चमकाने के लिए जहां तक हो सके, इनके रंगों का उपयोग करें।

आपके भाग्य रत्न हैं हीरा और सभी चमकीले नंग।

6, 15, 24 (मूलांक 6) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक यह हैं गुरु और शनि। गुरु का प्रभाव आपके लिए मकर राशि के लक्षणों को भौतिक अनुकूल बनाएगा।

प्रेम और विवाह की आपके जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। विपरीत विपरीत व्यक्ति का प्रभाव आपके जीवन और वृत्ति के लिए अति घटनापूर्ण रहेगा। उस प्रभाव में खो न जाए, इसके लिए आपको दृढ़ इच्छाशक्ति और व्यक्तित्व के विकास का प्रयास करना चाहिए। विनोद आमतौर से आपको अपने आकर्षक व्यक्तित्व में काफी लाभ होगा।

आम जनता के सम्पर्क में जान वाले व्यवसाय या धंधा जैसे—मर्गान कला, नाट्य, रंगमंच और समाचार्य छात्रों में आपका सबसे अधिक मफना निर्देश।

प्रारम्भिक वर्षों में परलू परिस्थितियां या सम्बन्धियों के दबाव से या पीर के किसी भीतर अंग के राग से, आप पिछड़ सकते हैं। जेन्नि जन्म में सभी वाता को पार कर लेंगे। जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसी में मफन होंगे।

15 या 24 जनवरी को जन्मे व्यक्ति 6 जनवरी का जन्मे व्यक्तियों में अधिक भाग्यशाली रहेंगे। प्रारम्भिक वर्षों में समान कठिनाइया हो सकती हैं, विनोद फिर पहली धेपी व लोग अधिक आसानी से उन पर काबू पाएंगे और जिस काम में पूरा करने का सक्क्य करेंगे, उसी में यश और प्रतिष्ठाक माएंगे।

आर्थिक दशा

6 जनवरी को जन्मे लोगों में अनेक अवसर मिलने पर भी पैसा जालन की ओर झकाव नहीं होगा। लेकिन 15 या 24 जनवरी को जन्मे लोग धीरे-धीरे लगातार अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने जाएंगे। वे भविष्य के लिए अच्छा पैसा जमा कर लेंगे और उनके धनी बनने की पूरी सम्भावना है।

स्वास्थ्य

आप जीवन-भर बीम में अच्छे स्वास्थ्य की आशा कर सकते हैं। आपको आग, मोटरकार आदि में चपरा रहेगा। अपना और अपनी सम्पत्ति का अच्छा बीमा करा लेना चाहिए।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण शक्ति 'छ' है। महत्वपूर्ण काम 'छ' मूलक वाली तिथियों को हो करने का प्रयास कीजिए। 'चार' या 'आठ' मूलक वाली तिथियों पर बहुत सावधानी से काम करने की जरूरत है।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'छ' मूलक वाले ही होंगे। इसी मूलक वाली तिथियों को जमे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा भगाव महसूस करेंगे। 'चार' और 'आठ' मूलक वाली तिथियों को जमे व्यक्ति भी आपके जीवन में लाएंगे, लेकिन अपना भार और कठिनाइयाँ आपके कंधों पर डाल देंगे।

अपना प्रभाव बढाने और भाग्य चमकाने के लिए शुक्र के राशियों को धारण किए रहिए जो हमरे-से-हमके नीले से गहरे-से-गहरे नीले तक हैं। आपके भाग्य तल है। फीरोजा और सभी नीले नग।

7, 16, 25 (मूलक 7) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं नेचून, जड और शनि। यह योग इन राशियों के तलनों में और वृद्धि करेगा।

कौई वृत्ति अपनाए, आप में तीव्र भक्तिभाव और धर्म के प्रति आस्था रहेगी लेकिन आपका धार्मिक सुभाव किसी अनात्मिक या गैर परम्परागत रूप के प्रति होगा।

रुमानी, आदर्शवादी, अत्यन्त कल्पनाशील, अपन निजी विचारों की दुनिया में रहने वाले। यात्रा के लिए, विशेषकर सागर-यात्रा के लिए तीव्र इच्छा। व्यावहारिक या व्यावसायिक दुनिया आपके आदर्शवाद के लिए बहुत कुछ बखेड़ा ही होगी। यदि ऐसा करने की स्थिति में हुए तो आप बहुत यात्राएँ करेंगे और जीवन-काल में अनेक बार अपना निवास-स्थान बदलेंगे। जन्म-स्थान से दूर दुनिया के किसी दूसरे भाग में, जहाँ आपका वाला अपने देश में भिन्न दूसरे देशों के नागरिकों से पड़े, बसकर आप अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

परिस्तिथियाँ या भाग्य आपको दूसरों के ऊपर अधिकार या जिम्मेदारी के पदों पर पहुँचा देंगे। साथ ही जीवन एकदम 'फूलों की सत्र' नहीं होगा, विशेषकर घरेलू मामलों में या सम्बन्धियों द्वारा पैदा किए गए दुखों और निराशाओं के बारे में।

आर्थिक दशा

पद में आपका यश और बारी सावधानता मिलेगी, लेकिन आपके हाथों से जो पैसा खर्च होगा उसमें अधिक प्रगति नहीं मिलेगी। दुनिया की नजरों में आपका विशाल मुठमर होगा, किन्तु आपका गहरी परेशानियों में गुजरना पड़ेगा।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में बीमारी बोलमाल रहने की सम्भावना है। आप अजीब बीम-

रियो के शिकार हो सकते हैं। बिनका साधारण साधनो से निदान कठिन होगा। गले, फेफड़ों और दिल पर विशेष ध्यान दीजिए।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण ढक हैं 'सात' और 'दो'। अपने महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलकों वाली निधियों को करने का प्रयास कीजिए। 'चार' या 'आठ' मूलकों वाली निधियों को जन्मे व्यक्तियों की ओर से पैदा होने वाली कठिनाइयों या अप्रिय प्रमणा में यथानुभव सावधान रहिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'सात' और 'दो' मूलकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली निधियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाते और भाग्य चमकाने के लिए सितेटी और हरे रंग के वस्त्रों को धारण किए रहिए।

आपके भाग्य रत्न हैं हस्ति मणि (जिह), चन्द्रकांत मणि और मोती।

8, 17, 26 (मूलक 8) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

इन निधियों को जन्मे व्यक्ति 'दुहरे शनि' के प्रभाव में आते हैं। उनके कंधों पर आम तौर में सारे जहां का दर्द या भारी जिम्मेदारी थोप दी जाती है। शनि का शक्तिशाली प्रभाव राशि के आम प्रभाव को दुगुना कर देता है।

आपको भारी कठिनाइयों और विगड़ का सामना करना पड़ेगा। दूसरे से कोई महापना मिलेगी भी तो बहुत थोड़ी। सफलता के लिए स्वयं पर ही निर्भर रहना होगा। लेकिन अपना काम पूरा करने के लिए आपमें भारी धैर्य, लगन और सकल्प रहेगा। आपमें प्रबल महत्वाकांक्षा होगी। कैसा भी विरोध आपको आपके ध्येय या योजना के मार्ग से विचलित नहीं कर पाएगा।

कमी-कमी आपका निराशा के गम्भीर दार से गुजरना होगा। पारिवारिक बन्धन या प्रियजनों की मृत्यु से परेशानियों और दुखों का सामना करना पड़ सकता है। विवाह जितनी देर से हो, आपके लिए उतना ही शुभ होगा।

जूआ, सट्टा या 'शीघ्र अमीर बनिए' वाले नुस्खों में आपका भाग्य चमकने वाला नहीं है। आप धीमे, अस्थायी साधनों से, कठोर दिमागी परिश्रम में पैसा जमा करेंगे। कुछ मात्रता में भूमि के विकास, खानों की खुदाई, कोयला, सीमा जैसे खनिजों के दोहन, कंक्रीट के काम में या बड़ो-बड़ो इमारतों के निर्माण में भारी जिम्मेदारी के पदों का सम्भारते हुए आप लाभ कमा सकते हैं।

आपका स्वभाव प्रवृत्ति गम्भीर होगा। आप गहन चिन्तक होंगे। दूसरों के लिए योजनाएं प्रस्तुत करने में कुशल और वाद-विवाद में उत्तम होंगे। गत यह है कि विपक्षी दलों में आपको विरोधी पर प्रहार या अपनी सफाई के लिए उत्तेजित कर सकें।

आप निश्चय ही महत्वाकांक्षी होंगे, झूठी शान या भ्रम के प्रेम में नहीं बन्कि-

ठोस भावनात्मक उद्देश्य से, विशेषकर जब आप समझते हों कि उससे आप दूसरों की सहायता कर सकेंगे।

अपने से छोटे व्यक्तियों के साथ आपका अजीब मानसिक और नैतिक लगाव होगा, जिससे आपकी खुली आलोचना होगी और अदरखाने विरोध। हालांकि आप दूसरों की दोषा की जोर से आखे बन्द नहीं करेंगे, फिर भी उनके गलत कामों को सही दृष्टान्त के लिए कोई बहाना खोज लेंगे या उनकी जिम्मेदारी अपने बंधा पर आट लेंगे।

आपका हर जगह अपना एक असम्य व्यक्तित्व होगा। कभी-कभी आप निराशा की गहरी भावना में ग्रस्त हो जाएंगे, विशेषकर वृत्ति के ऐसे बिन्दु पर पतुवन पर जहां आप दूसरा का अधिक भला न कर सकें।

आप न तो अपना मन छानेंगे और न अपन दिल का दृढ़ दूसरों को बताएंगे। आपकी आवाज म चमक होगी जबकि पाव अघबार में घटक रहे होंगे।

आर्थिक दशा

अनेक अवसर मिलने पर भी इसकी सम्भावना नहीं है कि आप बुढ़ापे के लिए अधिा दबन कर पायेंगे। आपकी दशा 'पर उपदेश कुशल बहूतेर' जैसी होगी। आपके मित्रों का घर देखकर आपका हाथा कि तुल्य में अपना धन दूसरा का देखकर या पुगटी-नीधी बर्णोदन कर आपने करीबों आठ ली है।

स्वास्थ्य

आकस्मिक और अद्रव्याणि बीमारिया सम्भव हैं। अदरुनी अग्रा में स्वावट में आपरगन की जलन हा सकनी है। इसके अनाया स्वास्थ्य सम्ये समय तक अच्छा रहेगा। भोजन पर जीवन में अधिक ध्यान देने की जरूरत है। नम और निधले स्थलों पर देर न रहने में बचि।

गिरन में या दुषटनाश्रा में पैरों में घाट, गडिधों में लकव या मोठ तथा गीठ में घाट लगने की सम्भावना है।

आपका दिन नवमे महत्वपूर्ण जब 'चार' और 'आठ' हैं। इन मूलकों पानी निदिया आपके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। इन्हीं निदियों की जमे व्यक्तियों का प्रतिभाव गहरा लगाव महशूस करेंगे, जिन आस तोर पर ये व्यक्ति अपना बाप आपके बंधा पर टाल देंगे।

आपके नवमे घटनापूर्ण वर्ष भी 'चार' और 'आठ' मूलकों वाले ही रह्य। अपना प्रभाव बढान और भाग्य चमकाने के लिए निम्न रगों को धारण कीजिए गहरा जामुनी, बाला या नीला बाना, नीला, स्पिटेरी। आपके भाग्य रत्न है बाना मानी, बाना हिरा, नीचम।

9, 18 27 (मूलांक 9) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं भाग्य और शनि । भग्यत आपने जीवन को बहुत घटना-पूर्ण अस्थिर और कुछ भाग्यवादी बनाया । आपके सभी मामला में ऐसी परिस्थितियाँ का हाथ रहेगा जिन पर आपका नियन्त्रण बहुत कम या बिल्कुल नहीं होगा ।

आप भी काम हाथ में लेगे उसमें आगे बढ़ने का रास्ता बना लेंगे लेकिन भाग्य के समामान्य उत्तार-चढ़ाव आ सकते हैं । सभी ऐसा सपेगा जैसे हर बात आपके अनुकूल जा रही है फिर ऐसा समय आएगा जिसमें सब कुछ उलट जाएगा । यदि सम्मान परिवार में जन्म नहीं लिया है तो प्रारम्भिक जीवन बहुत कठोर और कठिन होने की सम्भावना है । लगभग सौनौम से पैनीम वय तक के लिए ऐसे मकेन हैं कि अपनी प्रकृति और इच्छा के विरुद्ध आपको बहुत-से अप्रिय काम करने होंगे ।

आप अति महत्वाकांक्षी होंगे और तब तक सन्तोष नहीं मिलेगा जब तक अपने सहयोगियों से अलग और ऊँचा कोई प्रमुख पद प्राप्त न कर लें । आप में काफी साहस और आत्मविश्वास रहेगा जो जीवन-न्याय में आपको बल प्रदान करेगा ।

आपमें औसत व्यक्ति से अधिक काम और सगठन की क्षमता होगी, किन्तु उचित यह रहेगा कि काम के लिए व्यापक क्षेत्र मिले । किसी प्रकार का प्रशासन या सरकारी काम अथवा उद्योग-उद्यम में जिम्मेदारी का उच्च पद आपकी प्रकृति के अनुकूल रहेगा ।

दुस्साहम और जिज्ञासा के प्रति प्रेम के कारण आपको तरह-तरह के सफ़टों का सामना करना पड़ेगा । अनेक दुर्घटनाओं की भी सम्भावना है और असामान्य परिस्थितियों में जीवन को जोखिम में डालने में ।

परिणामी और ग्रहांगोल होने से आप किसी भी व्यक्तित्व का बड़ा लेंगे लेकिन स्वभाव में दाव लगाने की अनुभावना होने में प्राम् ऐसे अधिक उठ लेंगे जो आप पर भारी पड़ जाएंगे ।

विवाह में आपको सामाजिक नाभ होने की आशा है किन्तु आगे चलकर इस सम्बन्ध में कुछ विचित्र अनुभव हो सकते हैं ।

आप शीघ्र क्रोध करने वाले, हठी और जिद्दी होंगे । अनजाने में अनेक सबल शत्रु बना लेंगे । बुढ़ापे में जलसाजी और झूठे मित्रों के कारण बदनामी उठा सकते हैं । अश्रुत्यागिनी शत्रु के घड़्यन्त्रों से भी भारी हानि उठा सकते हैं ।

आर्थिक दशा

15 या 27 जनवरी का जन्म होने पर 35 से 60 वर्ष की आयु तक जीवन हाथ में बड़ी रकम रहेगी या खर्च होगा । उनके बाद पद और सम्पत्ति धनाए रखने के लिए भारी दुःखिता और माश्रानों से काम लेने की जरूरत है ।

स्वास्थ्य

प्रारम्भ से ही आपको सुगठित बायाँ का वरदान मिलेगा । बुढ़ापे तक ऐसा हो

रहने की सम्भावना है। उसके बाद आपका दिल जवाब देने लगेगा। विश्राम से कुछ समय के लिए दुर्भाग्य को टाल सकते हैं लेकिन सखण बिना चेतावनी के आर्वात्मिक मृत्यु के हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक नौ है। 9, 18 या 27 तारीख को अपनी योजनाएं या महत्वपूर्ण काम पूरे करने का प्रयास कीजिए। अंक 'आठ' और 'चार' तथा इन मूलांक वाली तिथियों को जमे व्यक्ति भी आपके जीवन और वृत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे लेकिन वे सामान्य से अधिक दुर्भाग्य साएंगे। निजी तौर पर 'चार' और 'आठ' अंकों से बचासम्भव बचिए।

आपके लिए सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी नौ मूलांक वाले ही होंगे। 'तीन' 'छ' और 'नौ' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव रहेगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए भगल के गुलाबी या लाल रंगों का उपयोग करें। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, तामड़ा (गार्नेट), पित्तौनिया या रक्तमणि (रूड स्टोन)।

अध्याय 2

फरवरी

फरवरी मास बुध राशि के प्रभाव में है। इसे जनि (मीम्य) की राशि भी कहते हैं। यह लगभग 21 जनवरी से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि के साथ इसका सधि-काल रहता है। 28 जनवरी से 19 फरवरी तक ही यह अपना पूर्ण प्रभाव दिखाती है। फिर नयी राशि मीन के साथ सधि-काल शुरू हो जाने से उत्तरोत्तर यह अपना प्रभाव खोती जाती है। सधि-काल में जन्मे व्यक्तियों में दोनों राशियों के गुण मिलते हैं।

आप अति सवेदनशील हैं, बाग़्बाणों से शीघ्र तिलमिला उठने की प्रवृत्ति है। बहुत से लोगों के सम्पर्क में आये फिर भी अकेलापन महसूस करेंगे। प्यार का प्रदर्शन नहीं करेंगे लेकिन जिन्हें प्यार करेंगे उनके प्रति पूरी तरह समर्पित होंगे। मित्र के लिए या अपने किसी उद्देश्य के लिए अंतिम क्षण तक सघर्ष करते रहेंगे।

सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों को पूर्वाभास या अतः प्रेरणा से प्रायः सही-सही पहचान लेंगे लेकिन चोट न पहुँचाने की भावना से अपनी राय को मन में ही छिपाकर रखेंगे। इससे मन का भार कभी-कभी सीमा से अधिक बढ़ जाएगा और उसे सहन न कर पाने के कारण आप उसे उगल देंगे तो मन में बुरी तरह पछताएंगे। क्षति-भूति के लिए आप किसी सीमा तक जा सकते हैं।

आपके मन में आम जन का नसा करने की उत्कट भावना रहेगी। दूसरों का कष्ट दूर करने में सामान्य से अधिक उदार होंगे। औसत से अधिक दान करेंगे।

आप बहुत ताकिक बुद्धि वाले हैं। चाहेंगे कि मनभेदों को तर्कों द्वारा शांतिपूर्वक सुलझा लिया जाए। आप में बहुत बढ़िया व्यापार-बुद्धि भी होगी और दूसरों को उत्तम सलाह देंगे। लेकिन जिम्मेदारी के पदों पर रहते हुए ज़ाम तौर से दूसरों को ही अधिक लाभ पहुँचाएंगे।

अपने उत्तम गुणों को प्रकट करने के लिए आपको कण्व की पुकार या परिस्थितियों की दरकार है। पुकार होने पर आप स्वयं को अवसर के अनुकूल ढाल लेंगे। अपनी छिपी शक्तियों और योग्यताओं का प्रदर्शन कर सभी को आश्चर्य में डाल देंगे। सवेदनशीलता पर काबू पा सकें और आत्मविश्वास पैदा कर सकें तो ऐसा कोई पद नहीं जिसे आप न पा सकें।

सबसे अधिक सफलता आपको किसी ऐसे बड़े कार्यक्षेत्र में मिलनी जिसमें दूसरों की भलाई करने का अवसर हो। जिन्हें 'बोध' हो जाता है वे मानव कल्याण का कोई बड़ा काम या खोज करके दुनिया में अपना नाम छोड़ जाते हैं।

ऐसे जन आंदोलनों में जिनमें बड़ी मस्या में लोग शामिल हो, आपकी गहरी दिनचर्या होगी। राष्ट्रीय हित के महत्वपूर्ण समारोहों में आप भाग लेने नजर आएंगे। अपनी दुनिया में रहते हुए भी भीड़ और भीड़ वाले स्थानों जैसे आम-सभाएं थिएटर, मनोरंजन-स्थल आदि में आपका स्वागत होगा। एक विचित्र बात यह है कि स्वयं भारी मानसिक तनाव की स्थिति में रहने पर भी आप शीघ्र उत्तेजना या जाग्रत में आन धारा अथवा मानसिक रोगिया पर प्रबल प्रभाव डाल सकेंगे। आप स्वयं का प्रायः ऐसे लोगों के बीच में पाएंगे।

यदि आप धनी परिवार में जन्म हैं तो अपने सर्वोत्तम गुणों का विकास कर पाने की सम्भावना नहीं के बराबर है। वस, धारा के साथ बहते जागें। चत होने तक परिवर्तन के लिए बहुत देर हो चुकी होगी।

अन्य वर्ग की अपेक्षा शायद आपको अपने साधियों के चुनाव में साधधानी और आवश्यकता अधिक है। जागृतिशक्ति की कमी के कारण सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों से आप बहुत आसानी से प्रभावित हो सकते हैं।

स्वास्थ्य

नसा, आमाशय, जिगर और पित्ताशय की बीमारियों से आपके ग्रस्त होने की सम्भावना है। डाक्टरों के लिए भी उनका निदान और उपचार करना कठिन होगा। आप विनाशित वाली भीम-हुरीमी दबाए धरीरते नजर आएंगे। मित्रों के लिए भी आपके पास कोई-न-कोई नई गोली या बलबलक दवा मिल जाएगी। बुद्धि में आप रक्त-मन्त्र में गड़बड़ी और रक्त-मन्त्र, निर और पीठ में दर्द, दिल की धड़कन में तेजी और कमजोरी, मस्तान और मुट्ठी की कमजोरी, पादों में अजीब दुधटनाओं, एडियो में मांस, या हड्डी टूटने जैसी परेशानियाँ के निम्न हों सके हैं।

आर्थिक दशा

जान और यूरेनस के प्रभाव से भाग्य में बड़े बड़े और नाकस्मिक उतार चढ़ाव आने की सम्भावना है। अनिश्चयात्मक या खतरनाक ढंग के मामलों में बहुत सावधानी की जरूरत है। न्यायो, बीमा कम्पनियाँ, बैंक, रेलवे कम्पनियाँ, बिजली मस्यानों, उद्भयन और नवी-नवीद्योजपरियाजनाओं से अच्छा लाभ हो सकता है। पूरी बुद्धिमत्ता में काम नहीं करेंगे तो बाय बहुत कुछ अनिश्चित रही आएगी, सभी बहुत कम, सभी बहुत अधिक। एक बार एकदम अचानक गृह से और बड़े विचित्र ढंग से भारी धन-लाभ हो सकता है।

बियाह, सम्बन्ध, मामलादारी आदि

आपकी निजी, वायु विवाह की तासरी राशि कुम्भ (21 जनवरी से 19 फरवरी) वायु विवाह का जय हो राशियाँ, मिथुन (21 मई से 20 जून) तथा तुला (21 गिनम्बर से 20 अक्टूबर), इन राशियों के अन्त में सात दिनों के सधि-पाल और

अपने राशि में सान्ध्या निह (तुल्य के अंत में अग्रिम के अंत तक) में जन्मे व्यक्तियों के मोक्ष और उनके सबसे मनुष्य सम्बन्ध है।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

सूर्य, मरनेस और शनि आपके वारक ग्रह हैं। प्रायः पूरा फरवरी मास शनि (सौम्य) के प्रभाव में है, अतः जनवरी की दृष्टि निधियों को जन्म व्यक्तियों की तुलना में जिन पर- शनि (जात्र) का प्रभाव है, आप पर भाग्य का दबाव कम रहेगा। आप अपनी यात्रायात्रा और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में अधिक स्वतंत्र होंगे।

प्रारम्भिक वर्ष घटनापूर्ण और हलचल भरे रहेंगे। परिवार में अप्रत्याशित परिवर्तन होंगे। परिवर्तनों द्वारा आपके लिए मौखिक गर्द योजनाओं के पूरी होने की सम्भावना नहीं है, सम्भावना यह है कि आप कम आयु में ही अपना निजी रास्ता खोजने के लिए दुनिया में निकल पड़ेंगे।

आप सर्वतोमुखी प्रतिभा के धनी और मौलिक विचारा से पूर्ण होंगे। आपमें भागी महत्वाकांक्षा, दृढ़ दृष्टि, शक्ति और सकल हास। सफलता की संतुष्टियों पर घटन के लिए आप अनवरत माग अपना सकते हैं।

आपमें ईर्ष्या करने वाले लोगों के मन में जलसाजी और गुप्त व्यवहार के भाव पैदा होंगे। जीवन के प्रारम्भिक भाग में आप अपनी वृत्ति में कई बार परिवर्तन करेंगे।

दूसरे लोगों के साथ आप लोभान्ध्रता नहीं रहेंगे। साझेदारी या सहयोगियों के साथ व्यवहार में अधिकतम सावधानी बरतिए। अपनी योजनाओं पर अकेले भ्रमल बेहतर होगा। क्योंकि दूसरे लोग आपकी ओर दे सकते या लूट सकते हैं।

आपको हमेशा बड़े-बड़े नक्षत्र सामने रखने चाहिए और अपने से ऊँचे पद वालों के सम्पर्क में आने का प्रयास करना चाहिए।

आर्थिक दशा

जुए और मटेबाजी से बचिए। कभी-कभी सौम्य धन कमाने का प्रयास में आप मौमा का अतिक्रमण करने लगेंगे।

डाक्टर, वकील, अभिनेता, कलाकार आदि का व्यवसाय करने वालों के लिए फरवरी का मास धन-संचय की दृष्टि से अधिक अच्छा ही है। इसका विपरीत साह-कार या बड़े उद्योग के मुखिया जैसे ठोस व्यवसाय में लगे व्यक्तियों के लिए यह अच्छा योग है। इसका कारण ज्ञात यह है कि इस राशि में जन्मे व्यक्ति अपने बचाव दूसरों लोगों के लिए बेहतर काम कर सकते हैं।

28 फरवरी का जन्म होने पर कुम्भ राशि का प्रभाव खत्म हो चुकेगा और मीन राशि का प्रभाव आरम्भ हो जाएगा। अब अकुश कम हो जाएंगे और आप जो भी वृत्ति अपनायें, इसी में पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं।

स्वास्थ्य

1, 10, 19 फरवरी को जन्म लेने पर आपमें प्रचुर मानसिक शक्ति होती किन्तु 28 फरवरी को जन्मे व्यक्ति के समान शारीरिक शक्ति नहीं होगी। पावन त्रिया बहुत जल्द गढ़बढ़ाने लगेगी। हुक्का खाए, सेबिन बार-बार खाए। ओसत आदमी से अधिक सोए। लेकिन आपकी काया का गठन ऐसा होगा कि बीमार होने पर बहुत शीघ्र स्वस्थ हो जाएंगे।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'एक' (सूर्य) और 'चार' (चूरेनस) हैं। अपने सभी महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांशों वाली तिथियों को करने का प्रयत्न कीजिए। आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांशों वाले होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए सूर्य और चूरेनस के रंगों के वस्त्र धारण कीजिए। वे इस प्रकार हैं—सूर्य—सुनहरा, पीला, नारंगी भूरा। चूरेनस—नीला, सिलेटी।

आपके भाग्य रत्न हैं—हीरा, नीलम, अम्बर और पुखराज।

19 या 28 फरवरी

यदि आप 19 या 28 फरवरी को जन्मे हैं तो आगामी राशि मीन के सधि-काल में आत है। इसका स्वामी गुरु (सोम्य) है। 19 या 28 फरवरी की अपेक्षा इन तिथियाँ जो जन्म लेना अधिक लाभकारी है। इनके कारण यह सूर्य, चूरेनस तथा गुरु हैं और महत्वपूर्ण अक्षर हैं 'एक' 'चार' तथा 'तीन'। अपने सामान्यवर्द्धक रंगों में बैंगनी, जामुनी, फालतई और रत्नों में बटैला का भी शामिल कर लीजिए।

सबसे अधिक बदलाव स्वास्थ्य में आएगा। 19 या 28 फरवरी को जन्म लेने पर आपमें आरक्षकजनक जीवनी शक्ति होगी, हालांकि अत्यधिक परिश्रम से आप अपने को दबा भी सकते हैं। हर प्रातः आप सूर्य की भाति नयी शक्ति लेकर जायेंगे। लेकिन आपमें जिगर की बीमारियों, रक्तदोष तथा शोथ सर्दी-जुकाम पकड़ने की प्रवृत्ति रहेगी। फेफड़ों में पानी भरने और कमजोरी का भी खतरा प्राप्त रहेगा।

'एक', 'चार', या 'तीन' मूलांश वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

2, 11, 20, 29 (मूलांश 2) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह है चन्द्रमा और नेप्चून। शनि की सोम्य राशि में जन्मे होने से आप पर शनि का अधिक अनुकूल प्रभाव रहेगा और अपनी यात्राओं तथा महत्वा-कांक्षाओं को पूरी करने में अधिक सक्षम होंगे।

आप हम्मीनी तथा आदर्शवादी होंगे। अनेक असामान्य प्रेम प्रसंग होंगे। प्रजन महत्वाकांक्षी होंगे। पटोलति के अनेक अवसर भी मिलेंगे।

प्रारम्भिक पारिवारिक जीवन और बाल्यावस्था बहुत मोहकपूर्ण रहने की

सम्भावना नहीं है। हो सकता है, अपने पावों पर खड़े होने के लिए घर से निकलकर चल दें। लेकिन आपको अपनी अति संवेदनशीलता पर काबू पाना होगा और आत्म-विन्यास पैदा करना होगा।

जीवन और वृत्ति में अनेक बदलाव आएंगे। आपमें जन्म-स्थान से दूर दसरे देशों की यात्रा करने और उन्हें देखने की बलवती इच्छा होगी।

आपमें बहुमुखी प्रतिभा है लेकिन प्रवृत्ति कल्पनाशील गुणों के बरदान को विकसित करने की रहेगी। नयी खोजों में, विशेषकर जिनसे मानव जाति को व्यापक लाभ पहुंचना हो, आप अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे। कला, साहित्य, संगीत या नाटक से अपने को अभिभूत करने की प्रबल भावना होगी। आप इनमें सफल भी होंगे।

आर्थिक दशा

अपनी योग्यता से ही जीवन के अन्तिम वर्षों में धनी होने की सम्भावना है, लेकिन धन या सम्पत्ति विरासत में भी मिल सकती है। आपको अनेक महत्वपूर्ण उपहार और सम्मान प्राप्त होने की सम्भावना है।

यदि 2, 11 या 20 फरवरी को जन्मे हैं तो प्रारम्भिक वर्षों में धन के मामले में अनेक कठिनाइयाँ और बाधाएँ आ सकती हैं, बशर्ते आप धनी परिवार में ही न पैदा हुए हों। लेकिन अन्त में निजी मानसिक प्रतिभा से सफलता मिलनी निश्चित है, विशेषकर खोजों के क्षेत्र में या कला जगत में। यदि आप अपने अधिकार वाले पूँजी निवेश सम्बन्धी किसी बड़े पद पर पहुँच जाते हैं तो सब कुछ ठीक रहेगा, किन्तु यदि किसी व्यवसाय में हैं तो खतरा है कि पैसा आपके हाथों में नहीं रुकेंगा और दुश्मनों के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं कर पाएँगे। 'सोप' के वर्ष में 29 फरवरी को जन्म होने पर आप मीन राशि के प्रभाव में आएँगे। प्रारम्भिक वर्षों में कम बाधाएँ आएंगी तथा अधिक साम्यशाली रहेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में आपको अधिक चिन्तायत नहीं होगी। आपके शरीर का अच्छा गठन होगा और आप 'सादा जीवन' बिताने के लिए कुछ नियम बना लेंगे, जिनसे लम्बी आयु भोगेंगे।

आपके लिए सौभाग्यवर्द्धक रंग और रत्न वे ही हैं, जो जनवरी में इन्हीं तिथियों को जन्म लेने वालों के लिए हैं, लेकिन अक 'आठ' के प्रभाव से डरने की जरूरत नहीं है। हाँ, 'आठ' के साथ इस अक से यथासम्भव सावधान रहने और बचने का प्रयत्न अवश्य करना चाहिए।

20 तथा 29 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण अक 'दो' 'सान' और 'तीन' रहेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलकों वाले रहेंगे। 'दो' और 'सात' मूलकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

3, 12, 21 (मूलांक 3) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं गुरु और शनि । 3 तथा 12 फरवरी को जन्मे व्यक्तियां मे जनवरी की इन्ही तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के समान गुण होंगे किंतु अब आपकी राशि का स्वामी शनि (सौम्य) है, इसलिए गुरु के गुणों को अपना प्रभाव दिवान के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी । संशेष में ये गुण हैं दृढ़ दृष्टिवांछ, सकल्य, सगठन-प्रतिभा, विशेषकर मार्गजनिक मामलों, सरकारी विभागों या राजनीति में । कुम्भ राशि में पैदा हुए जातक के लिए सौम्य शनि का धीरे-गम्भीरकारी प्रभाव सर्वोत्तम है । इसका सबसे अच्छा उदाहरण अब्राहम लिंकन के चरित्र में देज सकते हैं, जो 12 फरवरी को पैदा हुए थे ।

यदि आप 21 फरवरी को पैदा हुए हैं, जा आगामी राशि मीन की संधि में है, तो उसके स्वामी गुरु (सौम्य) का सुप्रभाव महसूस करेंगे । आप पूर्व तिथियों को पैदा हुए लोगों की तुलना में अधिक भौतिक सुख भोगेंगे । आप अपनी महत्वाकांक्षाओं को खुला छोड़ दीजिए उनकी पूर्ति की पूरी सम्भावना है । जिम्मेदारी और दूसरों पर अधिकार दिलाने वाला कोई भी काम आपके लिए निश्चित रूप से लाभकारी होगा ।

महत्वाकांक्षा जगा सके तो कोई वृत्ति ऐसी नहीं जिसमें गपन न हो । गुरु सौम्य होने से आपकी महत्वाकांक्षा भौतिक से अधिक मानसिक होगी । इसका मतलब है, हालांकि आप अधिकार के पदों के लिए उपयुक्त हैं फिर भी 'भौतिक सम्पद' से बचेंगे । उस हासत में आप बड़े उसमी का संचालन कर रहे होंगे किन्तु सार्वजनिक मान्यता आपको न मिलकर दूसरा को मिलेगी । पर आप मन से कोई दृष्टिकोण अपनाएँ । 21 फरवरी को जन्मे व्यक्ति सफलता की पूरी आशा कर सकते हैं ।

आर्थिक दशा

आप कोई काम करें, सामान्य से अधिक सफलता और फल-लाभ की आशा कर सकते हैं । 12 या 21 को जन्मे व्यक्ति अधिक भाग्यशाली होंगे । कभी-कभी बुद्धिमत्ता के बावजूद आपको धन हानि का सामना करना पड़ सकता है ।

स्वास्थ्य

आपका अधिक परिश्रम में स्तब्धचित्त बनाने और बीमारियों यात्र का दृढ़ जितन में मजबूत, रक्त शिराओं और धमनियों का रक्त पड़ना और उच्च रक्तचाप जैसे रोगों का खतरा हो सकता है । जहां तक ही गले और म्हायंत्रिक तन्त्रों तक करें, मादा भावों करें और जी भरकर खाएं ।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक है 'तीन' और 'आठ' । आप पर अंक 'चार' का भी प्रभाव पड़ता है आपके सबसे घटायुक्त वर्ष 'तीन' के मूलान्त पाले हुए । इसी मूल यात्री निधियां, जन्म व्यक्तियों के प्रति अपना गहरा प्रभाव होगा और ऐसे

व्यक्तियों का आपके जीवन तथा वृत्ति पर सद्प्रभाव होना चाहिए।

आपके लिए सौभाग्यवर्द्धक रंग हैं बैंगनी, जामुनी, हलका फालसई। गन्ध रत्न हैं कटेल (अर्मेयिस्ट) और जामुनी रंग के नग।

4, 13, 22 (मूलाक 4) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपने कारक ग्रह हैं यूरेनस, सूर्य, शनि (मौम्य)। आपके गुण और विशेषताएं वे हैं जो जनवरी को इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की हैं, अन्तर यही है कि जब आप शनि (ओज) के बजाय शनि (मौम्य) के प्रभाव में हैं, इसलिए आप पर दम ग्रह का बाह्य प्रभाव कम है और अधिक उपलब्धियां मिलनी चाहिए।

माय हो मेरी चेतावनी है कि 'चार' और 'आठ' शब्दों के प्रयोग से यथामन्त्र बचने रहें और इन मूलाका वाली तिथियों के लिए कोई योजना न बनाएं और न महत्वपूर्ण सम्पर्क करें, आपके लिए सर्वोत्तम तिथियां मूल के मूलाक 'एक' वाली रहेगी।

आप अपने विचारों में मौनिक और व्यवहार में लौकिक से हटकर बनने वाले हैं। आपका सदा नये विचारों की ओर झुकाव रहेगा। नये दर्शन या नये धर्म, नये तरीकें और विचार तथा कार्य की स्वतन्त्रता आपको बहुत अधिक आकर्षित करेगी। आपके साथी-मगो आपको जजीब, विचित्र तथा अपनी किस्म का एक कह सकते हैं। इसीलिए आप सामान्य सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के विचारों से आसानी से मेल नहीं खाएंगे।

शनि (मौम्य) का प्रभाव इन प्रवृत्तियों को बढ़ाता है, जो मौम्य होने के बावजूद आपकी प्रवृत्ति के वैचारिक पक्ष की अधिक प्रभावित करता है। आप शनि के तमस-वर्धित भाग्यवादी प्रभाव से काफी हद तक बच जाएंगे। तैरिन खिन्नता और दार्शनिकता का पुट आपमें रहेगा। आपके यूरेनस की विशेषताओं के साथ मिलकर वह आपकी संवेदनशीलता को बढ़ाएगा और आप प्रायः लोगों से मिलने में कतराएंगे।

विशेषकर जनवरी में और 22 फरवरी तक इन तिथियों को जन्मे बच्चों के साथ, और दरअसल 'चार' तथा 'आठ' मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे बच्चों के साथ, काफी मूलद्रव्य और महानुभूति में पेश आना चाहिए। कठोर व्यवहार उनके मानसिक विकास के लिए एकदम हानिकारक रहेगा। वे इतने संवेदनशील होते हैं कि हर बात को गहराई में महसूस करते हैं। छिपाने और प्रकट न करने की प्रवृत्ति के कारण वे अपनी बात को ठीक में समझा नहीं पाते और उन्हें गलत समझ लिया जाता है। यहाँ तक कि मैंने उन पर अनर्गल आरोप तक लगते देखे हैं। मैं ऐसे बहुत-से व्यक्तियों को जानता हूँ जिन पर अदालत में झूठे आरोप लगे हैं और उन्हें सामान्य अधिकारों से भी वंचित किया गया है।

22 फरवरी को जन्मे व्यक्ति अधिक भाग्यशाली होते हैं क्योंकि उन पर गुरु के स्वामित्व वाली मीन राशि का प्रभाव पड़ने लगता है।

4, 13 तथा 22 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए केवल सूर्य का मूलांक 'एक' ही लाभकारी है। 'चार' और 'आठ' मूलांक वासी तिथियों को रद्द हुए व्यक्तियों से मेरा प्रबल आग्रह है कि वे ऐसे नाम रखें जिनमें 1, 2 तथा 6 अंकों का शक्तिशाली योग हो।

4 और 13 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए सोमाम्बरवर्क रत्न और रत्न वे ही हैं जो जनवरी में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के लिए हैं।

22 फरवरी

अब हम 22 फरवरी पर विचार करेंगे। मीन राशि की संधि में होने से यह गुरु (सीम्य) का अधिपार-क्षेत्र में अधिक है। शनि का प्रभाव समाप्त हो रहा है। किन्तु इस राशि में गुरु भौतिक को अपेक्षा वैचारिक पक्ष में अधिक सम्बन्धित है। फलस्वरूप इस तिथि को जन्मे व्यक्तियों में हम एक 'चार' के यूरेनस से जुड़े हुए गुरु के उदात्त मानसिक गुणों का विकास पाते हैं।

यूरेनस विचारों की स्वतन्त्रता, परम्परा से विरोध, राजतन्त्र या सरकार के प्रचलित रूप से विद्रोह आदि पर अमल के लिए उन्मुख है। साथ ही गुरु का प्रभाव विद्रोही को विजयी बनाना है। वह अपनी सड़ाई में नये विचारों का उपयोग करता है और यूरेनस के भौतिक गुणों का साथ उठाना है। यह युद्ध की हिसा से घुणा कर सकता है किन्तु प्रसव-पीडा के बिना, तथा जन्म सम्भव नहीं है। सड़ाई समाप्त होने पर वह शत्रु से उदारता से पेश आता है। गुरु के गुण के कारण उसका व्यवहार अत्यन्त ही हो नहीं सकता। यूरेनस ने 'नये को'—एक नयी स्थिति को जन्म दिया है किन्तु यूरेनस शून्य तथा गुरु के योग से जो भी होगा, उसका शीघ्रगैर अतामान्य और लौकिक में हटकर होगा।

22 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों को आस ही है। अपने विचारों या याचनाओं में काफी विरोध का सामना करना पड़ेगा। वे अपनी ही दुनिया में रहने हैं। इसलिए उनको बहुत गलत समझा जा सकता है। वे प्रदर्शन नहीं करते और शत्रुओं में अपने को अभिषेक करने के लिए तैयार नहीं होते। यही स अधिक वे सगठन नहीं होते हैं। वे परम्पराओं की या दूसरों की राय की धिन्ना नहीं करते। जीवन को वे एक दार्शनिक काण में देखते हैं।

अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति जार्ज वॉशिंगटन, जो 22 फरवरी को जन्मे थे, इस योग के उत्प्रेरणीय उदाहरण हैं।

आर्थिक दशा

पैसा आपको अपना औचित्य नहीं करेगा जितना एक औसत आदमी को करता है। आप असाधारण उम्मीदों से उसे बचाएंगे भी। कुछ अधिक बुद्धिमत्ता और सतर्कता बख्तर आप कुछ सोना एक अपनी रक्षा कर सकते हैं किन्तु आपका मध्य धार्मिक

और 'अन्दी अमीर बनिए' नुस्खा से सावधान रहना होगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य आपके मामले में सदा 'शरीर पर मन' का सवाल रहेगा। जब तक आप मन से प्रसन्न हैं और अपने काम दितचस्पी से करते हैं, आप स्वस्थ रहेगे और रोग आपके घाम नहीं फटके। लेकिन यदि निराशा के विचार पाल लेंगे तो आप कभी मनने की म्बन्ध महसूस नहीं करेंगे और स्नायविक गड़बड़ी या पाचन क्रिया की ऐसी परेशानी में फँस जाएंगे जिसका उपचार बहुत कठिन होगा।

जीवन के नये घटनाक्रमें वषं होंगे 'एक' और 'चार'। एक, चार और आठ मूलाको वाली निधियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

5, 14, 23 (मूलांक 5) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपका चारक कह है गनि (सौम्य) के साथ बुध। यह योग शुभ है क्योंकि इसमें बुध के गुण गनि की विवेकपूर्ण तथा अमशील प्रकृति में प्रभावित होते हैं। मानसिक विकास के लिए यह उत्तम है।

23 फरवरी गुरु के स्वामित्व वाली मीन राशि की संधि में है। यदि इस दिन पैदा हुए हैं तो आपका स्वभाव बृहत् दृढ़ और स्वतन्त्र होगा। दुनिया आपके काम की पसन्द करती है या नहीं, इसकी आप बिन्तुन चिन्ता नहीं करेंगे।

ये सभी निधियां मन को बहुत दोषदर्शी बनाती हैं। ये मानव स्वभाव की गहरी पैठ और सोचो पर अजीब ढंग का प्रबल प्रभाव प्रदान करती हैं। ऐसे लोगों में अद्भुत 'नजर' होती है। उन्मेजना में आने वाले लोगों को वे आसानी से शान कर सकते हैं और उन्हें लक्ष्मण बाण सुनने को बाध्य कर देते हैं। बाह्यदोषों में निदान की अद्भुत क्षमता होती है। वे बड़े पडाकू होते हैं। जो कुछ पढ़ने या सुनने हैं, शीघ्र याद कर लेते हैं और फिर अवसर आने पर लोगों के सामने के लिए उन्हे काम में लेते हैं। वे विज्ञान और प्रमाणी से प्रेम करते हैं। निदानों के प्रति सदेही होत हैं। फिर भी मन से उनमें दर्शन के प्रति झुकाव होता है। वे सम्पत्ति या पद के पीछे नहीं भागते, लेकिन साथ ही सम्पन्न महत्वाकांक्षी होते हैं और चाहते हैं कि उनके काम को मान्यता मिले।

आमनुष्ट होने पर भी वे शोलाहन की गहरी वज्र करने हैं। प्रायः प्रशंसा या कृपा के कुछ शब्दों के बदले कुछ भी कर सकते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी न होने पर वे उदास हो जाते हैं।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में ऐसे व्यक्ति दूसरे लोगों को उत्तम सलाह दे सकते हैं लेकिन स्वयं उन पर शायद ही चलते हों। वे दिमाग लगाकर अक्सर धन कमा लेते हैं लेकिन बहुत कम उस रोक पाने या बुझाने के लिए बचाने हैं। मेरी सलाह है कि आप

मृदुवाला घघा मन बोजिए और अपना पैसा लेने घघा ने लगाए बिना पर आरता निमंत्रण हो। सोच आपसे ले नो आगानी में लेंगे नैजिन दहने न बम-बम-बम दें।

स्वास्थ्य

आम तौर से आप स्वस्थ और जोशले होंगे लेकिन कभी-कभी जिन्हा जिन्हो, तुरी और पित्तानय की शिकस्त हो जायेगी। धनी परिवारों में जन्मे कुछ लोग गरब, मादक द्रव्य और गानोशौवन की ज़िन्दगी से अपना स्वास्थ्य बिगाड़ सकते हैं। ऐसे लोगों को उनकी उद्देश्यहीनता, चंचलता और अत्यन्त चिड़ावड़ेपन में पहचाना जा सकता है।

आपके लिए सबसे अच्छा शब्द 'पाब' है। इसी मूलाक्ष के दब आरसे नीरस में सबसे घटनापूर्ण रहेंगे। इसी मूलाक्ष वाली विधियों का जन्म व्यक्तियों के प्रेम और गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सभी हलके रंग, विशेषकर मरुद या चमरीले और हारे तथा मरुद घमरीले नग आपके लिए सौभाग्यवर्धक रहेंगे।

6, 15, 24 (मूलाक्ष 6) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

6 और 15 फरवरी का जन्मे व्यक्तियों के लिए बारम्बार यह है 'गुरु' और 'गति' (सीमा)। 24 फरवरी को जन्मे व्यक्ति मीन राशि की संधि में आते हैं और शुक्र तथा गुरु के प्रभाव में होते हैं। 6 और 15 वाला के लिए शुक्र के गुण पर गति की छाया रहती है। इन व्यक्तियों के लिए प्यार ही सब कुछ है, फिर भी 'अभंग' रहते हैं, मुख्यतः मन के आवेग और 'एक ही दिशा में सावने' के गुण के कारण। अग्रविश्राम या अति समर्पण-भावना से वे अपने प्रेम-पात्रों को सर्वस्व निछावर कर देने हैं भले ही वे निरुद्ध निवर्तन। मर्त्य से यदि कोई उनकी समर्पण-भावना को मगहने वाला मिल जाए तो भी उह भारी अटकनों का सामना करना पड़ता है। कुछ भी हो, प्रेम में उह मनचाहा सन्तोष नहीं मिलता। शायद वे अपने से निम्न सामाजिक स्तर वाले के साथ अपना बुद्धि में पिछड़े व्यक्ति के साथ विवाह करत हैं।

फरवरी की इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में मुझे प्रेम और आत्मज्ञान के कुछ अत्यन्त आश्चर्यजनक उदाहरण मिले हैं, लेकिन सभी मामलों में उनके जीवन में प्रेम की भावना ही बलवती रही।

आम तौर से फरवरी में 6 मूलाक्ष वाली सभी विधियों को जन्मे व्यक्तियों में स्वाभाविक रतामक भावना होती है। जनता के आगे लाने वाली किसी बलि में वे पग और नाम बसा सकते हैं। उह जनता का प्यार मिलता है और जनता का उनका।

बला में उहे बिना पैसा मिलता है, इसकी व बिना नहा करने। अतः उमें हर काम को बड़े पैमाने पर करने का श्रुवाव रहता है और पतनस्वरूप अत्यन्त पगाली व्यक्ति उनकी ओर आकर्षित होते।

आप हर प्रकार के सामाजिक जीवन की ओर आकर्षित होंगे। जहा जाएंगे, आसानी से मित्र बना लेंगे। छोटे और अधीनस्थ लोग आपकी पूजा करेंगे, ऊंचे पद वाले और धनी व्यक्ति आपकी ओर आकर्षित होंगे।

आप हमानी और बौलुक कथाओं को पसंद करेंगे। विपरीत तिथियों पर आपका काफी प्रभाव रहेगा। फिर भी 'वक्तव्य की पुकार' के लिए आप सुखों का त्याग करने को तैयार हो जाएंगे। स्वयं को अदशवादी स्वप्न देखने वाला नायक समझते रहेंगे। फिर भी आप सफल होंगे, हममें रहमान मन्देह नही है। कभी-कभी यह मोक्षकर कि आप कुछ भी कर सकते हैं। अम्ममव काम करने का जाग्रिम उठाएंगे।

जब तक अत्यधिक दुःख टूट्टाशक्ति न हो, आपमें भांगविलास और अपव्यय में प्रेम की स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी। कर्मस्वरूप आप क्षणप्रसन्न भी हो सकते हैं। गकिन आपका यह भाग इतना अच्छा है कि अपनी महज उदारता में जय किसी सबट में फस जाएगा ता लोग आपकी मन्त्रायना के लिए भाग आएंगे।

आर्थिक दशा

व्ययन गीतने ही आप लक्ष्य को अपने पास खनन हुए महमूस करेंगे। आर्थिक मामलों में आप जनक मूत्रनापूष काम कर सकते हैं और हवाई याजनाभा में फस सकते हैं, फिर भी अपने पाबों पर छोड़े ही जाएंगे। सावजनिक उद्यमों अथवा जमना के सहयोग का न कामा स आपका लाभ हो सकता है। कम्पनी छोड़ कर और अपने याजनाभा के लिए बड़ी सख्या में समर्थक जुटाकर अच्छी सफलता मिल सकती है। तैबिन हमगा मोमाओं का अतिप्रयत्न करने और कभी-कभी भारी आर्थिक हानि उठाने का स्वभाव रहेगा।

स्वास्थ्य

शरीर स्वस्थ रहेगा और बीमारी की बिन्दा कम होगी। हवा-पानी बदलने से सर्दी जुकाम होने का खतरा है। निमोनिया, श्वास नली और कंफडो की कमजारी और स्नायविक तनाव की भी सम्भावना है।

आपके लिए भाग्यशास्त्री अंक 'छ' है। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महमूस करेंगे। आपके जीवन के सबसे घटनापूष वर्ष भी इसी मूलांक वाले होंगे।

आपके लिए सबसे भाग्यवर्द्धक रंग है—हजके से गहरे नर नीला। 24 फरवरी को पैदा होने पर बैंगनी, फालसई या जामुनी रंग का भी प्रयोग कर सकते हैं।

7, 16, 25 (मूलांक 7) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके वाक्य ग्रह हैं नेपचून (7), चन्द्र (2), यूरेनस (4) और शनि (8)। जो लोग 7 या 16 फरवरी को पैदा हुए हैं, उनका स्वभाव 25 फरवरी को पैदा हुए लोगों से बहुत भिन्न होगा क्योंकि बाद के लोग गुरु (सौम्य) की भीत राशि में पैदा

हानि से उत्तरे जीवन में शक्ति का बाधक प्रभाव कम हो जाएगा। 7 या 16 परवरी को पैदा होने पर आपका स्वभाव विचित्रता लिए हुए अत्यन्त संवेदनशील होगा। आपके लिए नहीं स्थान या वृत्ति खोज पाना अत्यन्त कठिन है और सारा जीवन उसी की खोज में निरन्तर चलता है। लेकिन यदि किसी लक्ष्य के प्रति आकर्षित हुए तो पूरे साहस और दृढ़ता से उससे चिपके रहेंगे।

बनावटपूर्ण और दूरतरे लोगों के व्यवहार का आप पर भारी धमर पड़ेगा। दूसरों निराम-स्थान और सम्पर्क में आने वाले व्यक्तिता के बारे में अधिक-से-अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

आपमें हल्कपना, आरतवाद और समासोपन का अनाग्रह्य गुण हो सकता है। परमाणु आत्मविश्वास न होने की प्रकृति रहेगी जिसमें किसी बाह्यी पुकार पर ही आप जनता की नजर में आ सकेंगे। यदि पुकार आई तो आप वर्तमान जालन के लिए कोई भी स्थान या कठिनाई खेत न करने दें।

किसी कला में ध्यान लगाएँ न। एक ही ढंग पर चलन रहें। निजो लाभ की चपल धन से अधिक आकर्षित हों। गुप्त विद्याओं की ज्योतिष की खोज में भी लग सकेंगे हैं।

मानसिक विचित्रता के प्रति आपकी असाधारण सहानुभूति रहेगी। उनके और उनके कारण के लिए काम करने वाली समस्याओं को धन भी द सरल है।

दूसरे लोगों के बारे में महज पूछना होगा किन्तु अपनी समझों और नापसन्दगी का आप साफ ही कोई नकमन कारण बना सकें। इसी प्रकार वस्तुओं का भी आप खरेद लेकिन सामान्य अध्ययन में नहीं।

25 परवरी को जन्म शक्ति अपने जीवन में काफी सफल रहे। दिन किसी काम में लगे हों, आर्थिक लाभ की बिना दिए बिना पूरे मन से करेंगे।

परवरी में पैदा 'मान और बाने' सभी व्यक्ति मौलिक, अध्ययनशील और मार्गदर्शक या कला में प्रायः यश प्राप्त करने वाले होते हैं। धन के बारे में उनके विचित्र विचार घन जात हैं और किसी परम्परा का पालन नहीं कर सकते। वे अध्यात्मिक तो नहीं हैं परन्तु उनके रहस्य और जनता पर प्रभाव का मानत हैं किन्तु किसी प्रकार के कटुश्रम को समझ नहीं करते।

आर्थिक दशा

ये लोग नीतिवत् लाभ की बिना नहीं करते। घर के मामले में साफ ही भाग्यशाली हैं और मनुष्यता में प्रायः ज्ञानि उद्यत हैं। उनके उदार स्वभाव और परापन्न भावना के कारण कभी-कभी उनके हाथों में लोभ खच हो जाता है। परापन्न है कि मनुष्यी बोट जमी चोखा पर कम आय में मनुष्य रू, मनुष्यी और सभी प्रकार के जुए में खच।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में इन व्यक्तियों के अनुभव बहुत विचित्र रहते हैं। बचपन में बामतौर से बहुत नाजुक होते हैं। डाक्टरों के लिए पहेली ही रहते हैं और उनके परीक्षणों के जिकार करते हैं। वे स्वयं तरह-तरह की 'बमत्कारी' औषधियों पर पैसा बर्बाद करते हैं। वे प्रायः पेट की किसी रहस्यपूर्ण बीमारी से ग्रस्त रहते हैं। उनका भोजन भी विचित्र होना है। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहने में, जिससे वे घिंटते हों, बीमार पड़ जाते हैं।

इन लोगों को, जहां तक हो सके, मादक पदार्थों और दवाओं से बचना चाहिए। विशेषता की अपेक्षा डेर-सा लाजा जानी, निद्रा और मादा भोजन उन्हें शीघ्र स्वस्थ करेंगे।

आपने सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात' और 'दो' हैं। अपने सभी महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर करने का प्रयास कीजिए। 'चार' व 'आठ' मूलांकों वाली तिथियां से अत्यंत सावधान रहिए। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'सात' और 'दो' मूलांकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलांकों और साथ ही 'एक' व 'चार' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे।

आपने लिए भाग्यवर्द्धक रंग हैं सभी फलकों में हरा, नील, सफेद और कबूतरी।

25 फरवरी को जन्मे लोग फाल्सई, बैंगनी तथा जायुनी रंगों का भी प्रयोग कर सकते हैं। इन लोगों को परम्परागत कामों में से कोई विशेष प्रकार का काम खोजने का पूरा प्रयास करना चाहिए। अपने विचारों की दुनिया में खोए रहने के कारण उन्हें भौतिकतावादियों से या पैसों की भगवान समझने वाले लोगों से धोखा या दुर्व्यवहार मिलने की अपेक्षा है।

8, 17, 26 (मूलांक 8) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपने कारक ग्रह हैं शनि (सौम्य) और मूरेनस। 26 फरवरी का जन्म लेने पर इन दोनों के साथ मीन राशि के स्वामी गुरु का भी प्रभाव पड़ने लगता है।

आपका अपना व्यक्तित्व होगा। साथियों में आपका जीवन सबसे अलग होगा। आप भी बूति अपनाए, आप रहने दार्शनिक विचारों वाले होंगे। प्रयास न करने पर भी जीवन में अनेक विचित्र परिस्थितियां और अवसर आएंगे। भाग्य की विचित्र धारा बहाकर त्रिमेसारी के पदों पर ले जाएगी।

26 फरवरी को जन्म लेने पर गुरु के प्रभाव से अधिक भौतिक सफलता की आशा है, जो अंक 'आठ' के प्रभाव के अधीन जन्मे सभी व्यक्तियों की कभी-न-कभी छिने शत्रुता के हमले की और बदनामी तथा तीव्र अपमानना का जिकार करने की सम्भावना रहती है। -

सम्पन्नता में न जन्मे हो तो प्राग्भिक जन्म कठोर तथा कठिन रहता और

उससे भविष्य की सफलता का संकेत मिलेगा। प्रेम-प्रसंगों और घरेलू जीवन में आपको गम्भीर चिन्ताओं और दुःख का सामना करना पड़ सकता है। इष्ट-मित्रों का विछोह, उनकी बीमारी या मृत्यु का दुर्भाग्य आगे आ सकता है। विवाह का असाधारण अनुभव होगा और बच्चे हुए तो वे शोक या गम्भीर चिन्ता का कारण बनेंगे।

आपकी भौतिक से अधिक मानसिक संतोष मिलेगा। आप पैसा बना सकते हैं, घनी रस सकते हैं अथवा किसी शक्तिशाली पद पर भी पहुँच सकते हैं, लेकिन बहुत बड़ी कीमत अदा करनी होगी।

आर्थिक दशा

यदि पक्का इरादा कर लें तो पैसा अवश्य बना सकते हैं, विशेषकर 26 फरवरी को जन्मे व्यक्ति। लेकिन विपरीत परिस्थितियों की कार्रवाइयों अथवा मुकदमों की या धोखाधड़ी से उसे गवा देने की भी सम्भावना है।

स्वास्थ्य

शरीर में जैम हैं, उसकी अपेक्षा ऊपर से अधिक स्पष्ट दिखाई देंगे। बीमारी की पूर्व चेतावनी बहुत कम मिलती है या बिल्कुल नहीं मिल पाती। अकस्मात् दिल के दौरों से या दिमाग में छून का घबरा जमने में चस देते हैं।

आम तौर से अब 'आठ' के लोगों की अपनी विशेषता होती है वे बाह्य जिस मौसम में पैदा हुए हों। मारी सफलता मिलती है या सारी विफलता। इस पार या उस पार, यदि तब पहुँचने की प्रवृत्ति। वे या तो जीवन-मर पर अच्छी-बुरी कोई बड़ी भूमिका अदा करते हैं या आजाद होने में असमर्थ पिछड़े का पछी बनकर रह जाते हैं। हर हाल में उनमें असाधारण जीवन व्यतीत करने की आज्ञा की जानी है। भाग्य-वश हो या उनकी अपनी प्रवृत्ति के कारण, ध्येयपूर्ति के लिए उन्हें पूर्ण शक्ति जुटाने का प्रयास करना चाहिए।

जीवन में या जीविका में कोई असामान्य काम करने के लिए सारी पाँड़ियाँ आपको तदा याद करेंगी, आपका घरेलू जीवन या आगमन का वातावरण अने ही अत्यंत सुखद न हो, जहाँ कहीं होंगे, आपका अपना एक 'व्यक्तित्व' होगा।

आप किसी काम में पैसा बना सकते हैं, लेकिन सम्भावना यह है कि लंग या परिस्थितियाँ उसे आगे धँस देंगी। कुटापे के लिए बचत करके रखा। मृत्युवाजी के बचकर में मत पड़िए। ऐसी परिस्थितियाँ पैदा हों, जिनमें है जिन पर आपका कोई वक्त नहीं होगा और आपको आर्थिक दशा टाढाडोल हो जाएगी।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अब है 'चार' और 'आठ'। 26 फरवरी का जन्मे लोगों के लिए 'तीन' का अब भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा और अधिक भाग्य-चक्र रहेगा। जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलकों वाली निधियों को जन्म व्यक्तित्व के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे भाग्यवर्द्धक रंग हैं—गहरे नीले और लाल का छोड़ अन्य गहरे ना। भाग्यवर्द्धक रत्न हैं नीलम, काला मोती और काला होरा।

9 18, 27 (मूलांक 9) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण ग्रह हैं मंगल और जनि (सौम्य)। 27 फरवरी को जन्म होने पर मंगल (सौम्य) के साथ जो लोग 19 फरवरी की संधि के जिनमें पास जन्मे होंगे उनका व्यक्तित्व अपना ही प्रखर होगा। फलस्वरूप 9 फरवरी का जन्मे व्यक्तियों की अपेक्षा 18 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों में अधिक आशा की जा सकती है।

27 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए मंगल और गुरु ग्रह का योग शुभ है। सौम्य गुरु मानसिक गुणों को उत्साह तथा महत्वाकांक्षा प्रदान करता है और मंगल हर काम में अनपेक्ष शक्ति देता है। ये लोग प्रायः यश प्राप्त करते हैं। 18 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों में भी व्यक्तित्व का बहुत कुछ ऐसा ही गुण होता है।

फरवरी में नौ मूलांक की तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों में वैसी ही मानसिक विशेषताएँ होंगी जैसी जनवरी में इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के लिए बताई गई हैं। केवल उनकी प्रवृत्तियाँ अधिक मानसिक होंगी। वे अपने 'भाग्य के मालिक' दिखाई देंगे और भाग्य के उत्तार-चढ़ाव के दृढ़ शिकार नहीं होंगे।

आप विचार और कामों की स्पष्ट स्वतंत्रता प्रदर्शित करेंगे। अपने ध्येय के लिए या अपने विचार में सजाए हुए व्यक्ति के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देंगे। हर काम पर अपने स्पष्ट व्यक्तित्व की छाप छोड़ेंगे।

आपमें अच्छी तर्कशक्ति होगी, वाद-विवाद में प्रभावी और दबंग होंगे, तर्कों के दोनों पक्षों का समझने की योग्यता होगी तथा विपक्षी की कमजोरी का तत्काल लाभ उठा सकेंगे।

बहुत मुहफ्ते और भावुक भाषण के लिए आपकी आलाचना हो सकती है लेकिन आप अपनी बात मनवाकर ही छोड़ेंगे। व्यक्तित्व के आकर्षण में लोगो को अपने पक्ष में कर लेंगे।

मन से मानवतावादी होंगे, सदा दूसरों को साथ पहुँचाने में समर्थ लगाने या समाज-सुधार के काम में भाग लेने के लिए तैयार रहेंगे। आपकी प्रवृत्ति आपके लिए अनेक दुश्मन भी पैदा कर देगी और आपका काफी विरोध उठ खड़ा होगा।

आप अच्छे संगठनकर्ता होंगे, अपने अधीनस्थों के प्रति बहुत उदार होंगे और उनकी हितों का ध्यान रखेंगे। सेवा की खिलाने-पिलाने की व्यदम्या में उद्योग के विकास तक, अनेक क्षेत्रों में आपका मान्यता मिलेगी। आपके हर कान में जनता की आकांक्षकता प्रधान रहेगी।

आर्थिक दशा

कुछ परिस्थितियों में आप अधिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। धन के उपयोग

का अपना ढा दूसरो को आश्चर्य में डाल देगा। बहुत सम्भव है कि किसी तरह परम्परागत ढा से अपने जीवन-काल में ही उससे छुटकारा पा सें, उसे किसी दृष्ट को मौप दें या असाधारण परोपकार के काम में लगा दें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में आपको अधिक भय नहीं करना चाहिए। उसके बारे में कम-से-कम सोचेंगे, चायद इमीलिए आम बीमारियों से बच भी जाएंगे। किंतु आपको फेफड़ों और दिल का ध्यान रखना चाहिए।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अङ्ग 'नौ' है। अपने प्रयास नौ मूलाङ्ग वाली निपिया को ही कीजिए। सबसे घटनापूर्ण बच्चा इसी मूलाङ्ग वाले रह्येंगे। आठ' या नौ मूलाङ्ग वाली निपिया को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आश्चर्यित होंगे कि उनमें प्रभावित होंगे। 27 फरवरी का जन्मे व्यक्ति तीन 'नौ' मूलाङ्ग वाली निपिया का जन्म व्यक्तियों के प्रति आश्चर्यित होंगे।

आपके लिए सबसे अनुकूल रङ्ग है लाल। भाग्यवद्भक्त रङ्ग हैं लाल, लाल, लाल और सभी लाल नग। 27 फरवरी का पैदा होने पर आप फलसई, बैंगनी और जामुनी रङ्गों का भी उपयोग कर सकते हैं। रङ्ग में आप बटनर या नीलमणि (अमैपिन्ट) भी पहन सकते हैं।

अध्याय 3

मार्च

19 फरवरी से मीन राशि शुरू होती है, सात दिन तक पूर्व राशि के साथ उसकी सृष्टि रहती है, अर्थात् उसका पूरा प्रभाव 26 फरवरी से 28 मार्च तक रहता है। इसके बाद मीन राशि मेष के साथ उसकी सात दिनों की सृष्टि शुरू हो जाती है।

इस अवधि में 19 फरवरी से 28 मार्च तक जन्मे व्यक्तियों में सहज बुद्धि और जनार्दन हाता है। वे विशेषकर ऐतिहासिक ज्ञान की और यात्रा तथा भूमि के उद्योग, अन्वेषण आदि विषयों की ओर आकर्षित हुए रहते हैं। साधारणतः जिनने दिखाई देने हैं, विचारों में उमर कहीं अधिक महत्वाकांक्षी होते हैं, लेकिन किसी विषय पर बोलने या लिखने से पहले उनके दिमाग में पूरी जानकारी प्राप्त कर लेना चाहते हैं।

यदि उन्हें यह एहसास हो जाए कि उन पर विश्वास किया जा रहा है या उनको सम्मान दिया जा रहा है तो मित्र या अपने धर्म के प्रति वे भारी निष्ठा का परिचय देते हैं। सभी जिम्मेदारों के पदों पर वे आम तौर से सफल रहते हैं, साथ ही अपने को आगे धकलाने की प्रवृत्ति नहीं दिखाते और अपनी राय प्रकट करने से पहले प्रामाण्यपूर्ण करते हैं कि कोई उनकी राय पढ़े।

वे कानून और व्यवस्था का भारी सम्मान करते हैं तथा अपने क्षेत्र की परम्पराओं का पालन करते हैं।

सबसे दृढ़ और सबसे दुर्बल चरित्र इसी राशि में मिलते हैं। कुछ भावनाओं में बहकर भोग-वििलास का मार्ग अपना लेते हैं। बाल्यावस्था के क्षम हो जाते हैं या बूढ़े मित्रों के चक्कर में फँस जाते हैं। कुछ मादक पदार्थों या शराब के आदी हो जाते हैं। लेकिन यदि उन्हें जीवन का कोई सत्य मिला जाए तो जीवन के अनुरूप अपने को ढाल लेते हैं। कभी तो वे अपने स्वभाव में आकस्मिक परिवर्तन से मित्रों को आश्चर्य में डाल देते हैं। एक क्षण में ही वे अपनी दुर्बलता या आत्म-रति को उत्तर फेंक आत्म-सन्तुष्टि की किसी सीमा तक उठ सकते हैं। इस अवधि में जन्म सभी व्यक्ति द्विभारती होते हैं। मन्त्र यह है कि वे कौन-सा मार्ग अपनाते हैं।

वे प्रामाण्य-सागर-यात्रा के बहुत शौकीन होते हैं। यदि परिस्थितियाँ सागर-यात्रा न कर पाएँ तो अपना घर सागर-तट पर या किसी नील अमवा नदी के किनारे बनाते हैं।

मान-दुनाई, विदेशों से व्यवसाय, ज्ञान-निर्यात या समुद्री व्यापार में वे अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं।

प्रायः सभी के स्वभाव में आध्यात्मिकता और व्यावहारिकता का पुट रहता है। लोग उन्हें अधविश्वासी समझते हैं। सभी गुप्त विचारों के प्रति वे एक या दूसरे रूप में आकर्षित होते हैं। अज्ञान, दागनिक या रहस्यमय की खोज करना उन्हें पसन्द है। प्रकृति में उदार होते हुए भी उनके मन में गरीबी का अज्ञात भय समाया रहता है, इसलिए अपनी उदारता को तब तक हाथी नहीं होने देते जब तक किसी प्रियपात्र का प्रभाव में न हों। फिर तो वे अपना सर्वस्व तब निछावर कर सकते हैं।

उनकी दृष्टि में रुपये-पैसे का कोई मूल्य नहीं है। उनके लिए वह मात्र लक्ष्य-पूनि के साधन से अधिक कुछ नहीं है।

स्वास्थ्य

इस राशि में जन्मे व्यक्तियों के स्वास्थ्य का सबसे अधिक खतरा शारीरिक न होकर मानसिक होता है। अत्यधिक चिन्ता में जन्मी निराशा का कुप्रभाव पाचन अंगों पर पड़ता है, स्वाभाविक गडबडों की प्रवृत्ति बनती है और अनेक रोगों को पक्षाघात भी हो सकता है। फेफड़े भी कमजोर हो सकते हैं। उन्हें शय्यरोग की सम्भावना अधिक रहती है। शरीर से, विशेषकर हाथ-पैरों से, शीघ्र पसीना निकलने लगता है। आंगों में बृद्धि या फोड़ा इस राशि की विशेष बीमारी है।

आर्थिक दशा

महत्वाकांक्षा जान जान पर ये व्यक्ति जीवन में काफी सफलता प्राप्त करते हैं लेकिन गुरु (सौम्य) के प्रभाव से महत्वाकांक्षा भीतिक से अधिक मानसिक होती है। ये भविष्य के बड़े-बड़े सपने देखते हैं लेकिन प्रायः सपन या प्रयासों का अभाव होता है। अतः धन की दृष्टि में इस हम खसत राशि कह सकते हैं और जब तक ये व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षा को अन्तिम सीमा तक पूरन के लिए अपन शो तैयार नहीं करते, उनके भ्रात्र्य में अनेक उतार-चढ़ाव को धारा रहता है। स्वाभाविक प्रवृत्ति—सपन के अभाव—पर बावू पा लेने पर फिर ऐसा कोई पद नहीं जिसे वे प्राप्त कर सकें। समय समय पर उन्हें महान् अवसर मिलते रहते हैं।

ये व्यक्ति धन के मामले में कुछ सापरवाह होते हैं और उनमें बुरे दिनों के लिए पैसा खर्चने की प्रवृत्ति नहीं होती। कुदार्प में प्रायः अपने साधना का वर्णन करते और गरीब होने या पद छोड़ने से गए हैं। भ्रात्र्य में यदि किसी 'मुनिधि' को पंदा हो गए तो सब कुछ टूट जाएगा और पद या रुपये-पैसे के धार में उनके सपने पूरे हो सकेंगे।

विवाह, सम्बन्ध, सामेदारो आदि

19 फरवरी से 20 मार्च तक जन्मे व्यक्तियों के सबसे अधिक भयुर सम्बन्ध अपनी तिथि राशि मान (19 फरवरी से 20 मार्च) करें (21 जून से 30 जुलाई) या वृश्चिक (21 जनवरी से 20 नवम्बर) और उनसे सात दिन पीछे के सप्तिहास में



जन्मे व्यक्तियों के साथ रहेंगे। अपनी से सम्बन्धित (कन्या) के दोस्त जन्मे व्यक्तियों के प्रति भी वे आकर्षित हो सकते हैं।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) भास्वर्ग राशि

आपके चारक ग्रह हैं सूर्य और मरुत। ये आपका जीवन को घटनापूर्ण बनाएंगे और आपको काफी प्रकाश में लाएंगे। उनका प्रभाव आपको मनोविज्ञानी और अतद् दृष्टि वाला बनाएगा।

आपका जीवन प्रबल सम्भावनाओं से समृद्ध होगा। जो काम करेंगे उसमें परिश्रमी तथा मौलिक होंगे, लेकिन अधीरता और जिद्दीपन की प्रवृत्ति रहेगी। जहाँ तक सम्भव हो अपने में धीरज पैदा कीजिए और अपनी योजनाओं पर सोचने में अधिक समय लगाइए।

आपमें अत्यधिक आशावादी होने की प्रवृत्ति है। विलम्ब होने या कठिनाइयाँ आने पर आप निराशा हो उठेंगे। धीरे-धीरे आप अवश्य ही अधिकार और आत्मविश्वास की भावना पैदा कर लेंगे। यह भावना जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में सापदा हो सकती है। इस भावना का पैदा होना आपके लिए शुभ रहेगा।

घर वालों के प्रति गहरा प्यार होने पर भी प्रायः उनके साथ आपके मतभेद रहेंगे और उनकी कार्यवाहियों से आपको हानि उठानी पड़ सकती है।

सब मिलाकर आप एक बहुत घटनापूर्ण भविष्य की आशा कर सकते हैं। आप कभी नहीं, कोई वृत्ति अपनाएँ, सफलता और प्रसूयता प्राप्त करेंगे।

28 मार्च अगली राशि मेष (स्वामी मंगल-ओज) की पहली 'एक-मूलांक' तिथि है। सूर्य इस समय अपनी उच्च राशि में होता है। अतः सफलता की आशा और भी अधिक रहेगी।

व्यापिक बरा

रपये-पैसे के मामले में आप मायमाती रहेंगे। आपको सफलता के असाधारण अवसर मिलेंगे, विशेषकर व्यापार में जिम्मेदार पद और बड़े उद्यमों का प्रमुख पद सम्भालते हुए। आपमें काफी दूर-दृष्टि होगी। अपनी निजी प्रेरणा से काम करना चाहिए।

आपको सबसे अधिक कठिनाई दूसरे का पिछलग्नु चलने में आएगी। जब तक अनुशासित रहेंगे, सब कुछ ठीक चलता रहेगा लेकिन आपका स्वभाव इतना दबंग होगा कि दूसरे के अधीन काम करना कठिन होगा। आम तौर से आप अच्छा पैसा कमाएँगे लेकिन जिस वृत्ति को भी अपनाएँ, उसमें अनेक परिवर्तनों के लिए तैयार रहिए।

स्वास्थ्य

कामा मुगलित होगी और भारी जीवनोन्मत्त होगी, लेकिन स्वास्थ्यविक प्रवृत्ति उसका दुरुपयोग करने और शक्ति का व्यर्थपन करने में रहेगी। सूर्य ग्रह की मानसिक

राशि में होने से अपनी महत्वाकांक्षाएँ पूरी करने में आप दिशा में अत्यधिक काम लेंगे। आप व्यापारवादी वर्ग के हैं और अधिक समय आपको देना नहीं रखा जा सकता। कमी-जमी बहुत अधिक चलने वाले व्ययनों की तरह आपकी भी ऊर्जा पूरी तरह ख़ुज जाएगी।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अब 1, 4 और 3 है। इन्हीं मूल्यों वाली विधियों पर अपनी योजनाएँ पूरी करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं मूल्यों के बर्ष आपके जीवन में सबसे घटनापूर्ण रहेंगे। 'एक' और चार मूल्यों वाली विधियों पर ज़रूर व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लक्ष्य महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य समराने के लिए अपन घटा के रंग के कुछ वस्त्र पहनिए। ये हैं—सूर्य, सुनहरा, पीला, कांस्य धूरा। यूरैम नीला, महरा नीला, सिलेटी। गुरु, बृषणी फालसई जामुनी। आपका भाग्य-रत्न है होरा पुष्कराक्ष, अम्बर, नीलम और सुनहरे पीले तथा नीले रंग के नग।

2, 11, 20, 29 (मूलक 2) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके चारों घट हैं ख़ास तौर नेप्चुन। ये ग्रह आपकी वापसागील और कलात्मक प्रवृत्तियों को बढ़ाएंगे। अपनी प्रतिभा से अधिकतम लाभ उठाने के लिए आपको अपनी दृष्टांतिक और सत्यता का विकास करना चाहिए। एक निश्चित लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर अथ सारी बातों को छोड़ देना चाहिए। ऐसा कर सके तो सफलता अवश्य मिलेगी, विशेषकर कला की आराधना में।

आपका स्वभाव अपने वातावरण के प्रति विशेष संवेदनशील है। उन माहार्द-पूर्ण परिस्थितियों के लिए प्रयास करना चाहिए। अपना छोटा-सा शांतिपूर्ण घर आपके लिए बेहतर होगा, ऐसा महल नहीं जहाँ के निवासी ही आपको तनाव में डाल रहे अथवा हतोत्साह करते रहें।

प्राकृतिक सुंदरता, रंगों के प्रभाव और संगीत की लय के आप गहन प्रेमी होंगे। मन में ख़ूबसूरती, रङ्गी, विशेषकर हमानो काव्यात्मक रंग की। आपका सती कलाओं में प्रवीण होना चाहिए, जैसे चित्रकला, संगीत, निनैस या नाटक, लेखन आदि। आपको अतर्दृष्टि और प्रत-प्रेरणा का वरदान है। आपके सपने भी प्रतापशाल होंगे।

शायद अपनी ही भौतिक प्रवृत्तियों के कारण प्रारम्भिक वर्षों में धन कमाने में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा।

— 29 मार्च को जन्म की अगली राशि में जन्म है, जन्म केन पर आपका जीवन और भी घटनापूर्ण रहता।

आर्थिक दशा

आर्थिक स्थिति कुछ कुछ अनिश्चित रहती। अवस्थान् उन जगहों की सम्भावना रहती। लेकिन नीचे समझकर सावधानी और बुद्धिमत्ता से काम लिए बिना ग़रब हो उसे हाथ में रख पाए। आपके विचार बहुत दबे-रोड़े होंगे जिनको अमल में

ताना आपकी शक्ति से बाहर होगा। आप जो पूजा लगाएंगे उससे आपको सुरक्षा या मानसिक शांति नहीं मिल पाएगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में आप अपने सभी परिचितों के लिए पहेली रहेंगे। आपको हर बीमारी मानसिक होगी। प्रसन्न और सन्तुष्ट हैं तो भले-बुरे रहेंगे। दुखी श्वाभरण में बीमार हो जाएंगे और दुनिया की कोई दवा आपको ठीक नहीं कर पाएगी।

आपकी मुख्य प्रवृत्ति कुपोषण, रक्त की दुर्बलता, ठीक से रक्त-संचार न होने और गीद, कमर तथा गुदों की समस्याओं की है। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि आपका मन बुझा हुआ है अथवा सज्जा हुआ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो' (चन्द्र), 'सात' (नेप्चून) और 'तीन' (गुरु) हैं। आपको अपनी योजनाएँ या कार्यक्रम इन्हीं मूलान्तों वाली तिथियों को पूरा करने या प्रणाम करना चाहिए। 29 मार्च को पैदा होने पर 'तीन' का अंक 'तीन' का स्थान ले लेगा।

आपके सबसे घटनावर्ज्य वय 'दो' और 'सात' मूलान्तों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलान्तों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप बहुत सयाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने या भाग्य चमकाने के लिए आपको चन्द्र, नेप्चून और गुरु के रंगों का कोई बपडा अवश्य पहनना चाहिए। ये रंग हैं—चन्द्र सफ़ेद, नीम और हल्का हरा। नेप्चून क्वलरी रंग, गुरु बैंगनी, फालसई रंग। 29 मार्च को पैदा हान पर गुरु के रंगों का स्थान भगत के रंग (लाल और गुलाबी) ले लेंगे।

आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, मोनी, चन्द्रकान मणि, उपल, कटला। 29 मार्च को जन्मे व्यक्तियों के लिए कटला के बजाय लाल, तामड़ा और लाल नग।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आप 'दुहरे गुरु' के प्रभाव में हैं जो बहुत शक्तिशाली योग है। यह आपको कभी न खूने वाली भासितिक ऊर्जा और भारी महत्वाकांक्षा प्रदान करेगा। लक्ष्य सिद्ध होने तक आप एक पल को भी चैन से नहीं बैठेंगे।

आप दूसरों पर नियन्त्रण पाने में सफल होंगे। जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसी में सञ्चना के पूरे लक्षण आपमें होंगे।

साझेदारों और सहयोगियों के सम्बन्ध में आप भाग्यशाली रहेंगे, बशर्ते आप सम्पदा के सर्वाधिकारी प्रमुख हों। समान रूप से न्यायवादी और आदर्शवादी होंगे। दानशीलता और मानवता के महान विचारों में ओतप्रोत होंगे।

स्कूल, कॉलेज, अस्पताल जैसी बड़ी-बड़ी मस्याओं में आपकी दिलचस्पी हो जाएगी। यदि घनवान हुए तो उनके लिए दान में बड़ी रकम छोड़ जाएंगे।

घमें या सम्प्रदाय का विचार किए बिना सदा बीमारों की महामता के लिए तैयार रहेंगे। आप चाहे जिस सम्प्रदाय के हो, सम्मान पाने की आशा कर सकते हैं।

बड़ी-बड़ी कम्पनियों, विशेषकर उद्योग, खान भूमि-विकास परिवहन और जहाजरानी में भी लगी कम्पनियों के सम्पर्क से आपका भाग्य चमकता।

यदि आप 30 मार्च को पैदा हुए हैं, जो मेष राशि में गुरु के प्रभाव में है, तो यह आपकी सफलता के लिए और भी शुभ रहेगा।

इन तिथियों को पैदा होने पर आप में वस्तुओं तथा व्यक्तियों के प्रति स्वाभाविक अनर्जन होगा। अपने सभी सेन-देन में उसी के अनुसार काम करने का प्रयत्न करना चाहिए। आप अतिथि-सत्कारण होंगे लेकिन दिखावा पसन्द नहीं करेंगे। आप पशुओं तथा मैदानी खेलों के शौकीन होंगे और स्वतन्त्र स्वभाव वाले बनेंगे।

आर्थिक दशा

आपमें धन कमाने की आकांक्षा होगी लेकिन अपने नाम और प्रतिष्ठा के बारे में बहुत सावधान रहेंगे। आपको ठोस उद्यमों से लाभ होगा। धनी बनने की पूरी सम्भावना है। आप अपने सभी कामों में उत्साही भावना का परिचय देंगे और जो भी कृति अपनाएंगे, उसी में प्रमुखता तथा ऊँचा पद प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

यह प्रथम जीवन के प्रति आपके अपने दृष्टिकोण पर निर्भर है। जब तक सक्रिय रहेंगे, स्वस्थ और ठीक-ठाक रहेंगे। किसी कारण से यदि निष्क्रिय होना पड़ा तो विलासप्रिय हो जाएंगे, मोटापा बढ़ने की श्रद्धा बढ जाएगी और जीवन की डोर आपके हाथ से छिन्नक जाएगी।

अधिकतर दबंग स्वभाव का होने के कारण और दूसरे का दृष्टिकोण न समझ पाने के कारण घरेलू या विवाहित जीवन में अधिक सफल होने की सम्भावना नहीं है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' है। अपनी सभी योजनाएँ और कार्यक्रम इसी मूलांक वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' मूलांक वाले होंगे। 'तीन', 'छ' और 'नौ' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका विशेष लगाव रहेगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए बैंगनी, फाल्सई या जामुनी रंग का कोई वस्त्र पहनें। 30 मार्च को पैदा होने पर मंगल का लाल रंग गुलाबी रंग भी इसके साथ जोड़ लें।

आपके भाग्य रत्न है कटेला या बैंगनी व जामुनी नय। 30 मार्च वाले लाल, तामड़ा और लाल नय भी पहन सकते हैं।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक यह हैं यूरेनस, गुरु और सूर्य। यूरेनस का प्रभाव आपको

गैर परम्परावादी या सनकी बनाएगा।

जीवन के प्रारम्भ में काफी दुःख और विपदाएं आ सकती हैं। सम्बन्धियों, घरवालों और समुदायवालों के साथ दिक्कतें पैदा आएगी। लोग देने के बजाय लेने ही और आपको अपनी योजनाएं पूरी करने के लिए अपने पर ही निर्भर रहना होगा।

आप अपने विचारों में मौलिक और बहुत कुछ गैर परम्परावादी होंगे। कान में बहुत ध्वनित्व और आलोचना को न्योतनेवाले। सभी गुप्त विद्याओं और मनोविज्ञानी खोजों के प्रति आप विचित्र ढंग से आकर्षित होंगे। आपके असामान्य अनुभव भी रहेंगे। अत्यन्त आप अपने तक सीमित रहना चाहेंगे।

आपका कला, साहित्य और संगीत में, अथवा पुरातत्व की वस्तुएं, चित्र आदि खरीदने में 'आत्मनिष्पत्ति' का प्रयास करना चाहिए।

आपमें दूर दृष्टि, सपन और पूर्वाभास रहेंगे। व्यक्तियों और वस्तुओं के बारे में गहन धन्यज्ञान होगा। रुपये-पैसे के सेन-देन में पूरी बुद्धिमत्ता का परिचय देंगे। सट्टेबाजी से बचिए।

मित्र भी असाधारण होंगे। आप बहुत कम व्यक्तियों को पसन्द करेंगे और आपकी इच्छा अधिक-से-अधिक अपने तक सीमित रहने की होगी।

असाधारण घटनाओं और मनोनिष्पत्ति खोज के लिए आपमें बलवती, किन्तु गुप्त प्रवृत्ति रहेगी। लेकिन ऐसा स्वयं करने के बजाय आप दूसरों से कराएंगे। सवेदनशील, आत्मसीन स्वभाव के कारण अपने निजी अनुभवों को दुनिया से छिपा जाएंगे।

3: मार्च को (मंगल-ओज की मेष राशि में) पैदा होने पर आप अपने उपायों से अधिक दबंग होंगे लेकिन अधिक विरोध भी पैदा करेंगे।

आर्थिक दशा

आपकी तीव्र बुद्धि और दूसरों पर अविश्वास आर्थिक मामलों में आपकी रक्षा करेंगे। धन या सम्पत्ति अर्जित करने के बजाय विरासत में पाने की सम्भावना अधिक है। ऐसा होने पर उसे बढ़ाने के बजाय आप सावधानी से उसकी रक्षा का प्रयास करेंगे। कला, साहित्य, संगीत अथवा अन्वेषण या वैज्ञानिक खोज में आप बहुत सफल हो सकते हैं।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में आप अपने डॉक्टर स्वयं बन जाएंगे। भोजन और वर्षा के बारे में विचित्र विचार पात लेंगे। आपको 'खज्जी' समझे जाने का खतरा है। घर में मनमुटाव और रोष भी पैदा हो सकता है क्योंकि आप अपने विचार अन्य व्यक्तियों पर लादने का प्रयास करेंगे।

आप अपने को बहुत सबल या हट्टा-बट्टा महसूस नहीं करेंगे। ऐसा आयु के

साथ आपमें निराशावादी प्रवृत्ति बढ़ने और आलोचना को बहुत गम्भीरता से लेने के कारण है।

आपके मन्त्रमे महत्वपूर्ण अंक 4, 1 और 3 हैं। अपने सभी महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलाक्षी वाली तिथियों को करने का प्रयास करें। 31 मार्च को पैदा हुए लोगो के लिए 'नौ' 'तीन' का स्थान ले लेगा। इन तिथिया को विविध घटनाएँ घटन की भी सम्भावना है।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' तथा 'चार' मूलाक्षी वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलाक्षी वाली तिथियों को पैदा हुए लोगो के प्रति आप गहरा समाव महसूस करेंगे। 31 मार्च को पैदा हुए लोग 'नौ' मूलाक्षी वाली तिथियों को पैदा हुए लोगो के प्रति भी। वे 'चार' तथा 'आठ' मूलाक्षी वाली तिथिया को पैदा हुए लोगो को अपनी ओर आकर्षित करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य घमकाने के लिए अपने सबसे महत्वपूर्ण ग्रहो यूरेनस (गहरा नीला, मिलेट्री), मूर्य (सुनहरा, पीला भूरा, नारंगी) शुक्र (बैंगनी, फाल्गुनी, जामुनी) के रंगों के कपड़े पहनिए।

आपके भाग्य-रत्न है नीलम, सभी गहरे नीले नग, हीरा, पुतराज, अम्बर और बटैला।

5, 14, 23 (मूलाक्ष 5) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपका कारण यह बुद्धि है। गुरु के लाभकारी प्रभाव के साथ मिलकर बुद्धि का प्रभाव इस मास की बुद्धि प्रवृत्तियों को कम करेगा।

आपको या तो भारी सफलता मिलेगी या भारी विफलता। यह इस पर निर्भर है कि आप अपने चरित्र की दृढ़ता का विकास करते हैं या कमजोर पक्ष का हावी हो जाने देते हैं। दुष्ट पक्ष का विकास होने पर आपको असाधारण बुद्धि का बरदान प्राप्त होगा, अपनी दृष्टि के कामों के लिए अपने को डाल सकेंगे, आस तौर से वस्तुओं की बहुमुखी समझ होगी, बहुत निष्पक्ष खोजपरक, हाज़िर जवाब और कठिनाइयों से भी साम उठा लेने वाले होंगे।

आर्थिक मामलों में सट्टेबाजी के प्रति आपको भयंकर विचार होंगे। राश्व लगान आपकी बहुत प्रिय होगा और हमेशा जोखिम उठान के लिए तैयार रहेंगे। लेकिन दयानिष्ठता आपके हाथ में नहीं रहेगा और जीवन में अनेक आर्थिक उतार-चढ़ाव आएंगे।

यदि चरित्र में कमजोर पक्ष को हावी होने दिया तो किसी बात पर देर तक नहीं टिके रहेंगे। हर काम में टांग अड़ाएंगे लेकिन विशेषता किसी में प्राप्त नहीं करेंगे। अवसर, पैसे और पद सभी को दाव पर रखकर गया देंगे। आपमें हर प्रकार की आत्मरति की प्रवृत्ति होगी और प्रारम्भ में मिली बुद्धि को खर्च कर देंगे।

यदि बेहतर पक्ष का विकास करें तो आपमें व्यक्तियों और वस्तुओं को परखने

का गहरा अनुमान और ज्ञान का विशाल भंडार अद्वित करने की क्षमता होगी। आपका मन कुछ-कुछ चंचल रहेगा। उस पर नियन्त्रण नहीं किया और एकाग्रता पैदा नहीं की तो आपके लिए हानिकारक होगा।

इन निधियों को जन्मे लोंग प्रायः अपने आवास बदलते रहते हैं। वे देर तक एक जगह से बचना या एक घर में रहना पसंद नहीं करते। वे हमेशा बदलाव या यात्रा के लिए तैयार रहते हैं और उनके लिए कोई-न-कोई बहाना खोजते हैं। उनका ज्ञान सर्वनोमुखी होता है और आम चर्चाओं में किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से बोल सकते हैं। उनमें पर्याप्त आर्थिक योग्यता होती है। आर्थिक क्षेत्र में मफल भी होते हैं, बशर्ते वे अपनी लम्बी-चौड़ी योजनाओं की काबू से बाहर न निकलने दें।

आर्थिक दशा

मानदार प्रतिभाओं के धनी होते हुए भी ये लोग मरते समय तक शायद ही रुपए-पैसे बचते रहें। पैसा उन्हें बचाने लगता है और बुढ़ापे के लिए वे बहुत कम बचाकर रखते हैं। अनेक विरवविन्यात साहूकारों की योजनाएँ उनके मरने से पहले ही तीन-तीरह हो गईं।

स्वास्थ्य

आप स्नायविक दुबलना से पीड़ित रहेंगे और विरोध में चिड़चिड़ा उठेंगे। आपको इसे काबू करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा आपकी वैचारिक योजनाओं के पूरी होने में बाधा पड़ेगी। आपकी प्रतिभा इतनी सबनोमुखी होगी कि आपको उसका वास्तविक स्वरूप पहचानने में बहुत कठिनाई होगी। इसका आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा। यदि स्नायुओं को पूरे काबू में नहीं रखा तो मन से टूट सकते हैं।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पाच' और 'तीन' हैं। आपको इन्हीं भूलाकों वाली निधियों पर अपनी योजनाएँ पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' भूलाक वाले रहेंगे। इसी भूलाक वाली निधियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष सहाय महसूस करेंगे।

आपकी सभी रंग बत्त जाएँगे लेकिन बैंगनी या फातसई कलक लिए हलके रंग अधिक अनुकूल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा और सभी धमकीले नंग।

6, 15, 24 (भूलाक 6) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके चारित्र्य में शुभ और दुःख हैं। इस याग का शुभ प्रभाव आपको मार्च में अशुभ लक्षणों से बचा जा सकेगा। इसने शुभ सहाय्य में भी यदि आप सफल नहीं हो पाते तो आपका ही दोष है।

आप सभी क्षेत्रों में सौन्दर्य की ओर आकर्षित होंगे। संगीत, चित्रकला, कविता, साहित्य, मूर्तिकला अन्य ललित कलाओं और नाटक के आप प्रेमी होंगे। किसी एक

कला में नाम भी कमा सकते हैं।

आप सामाजिक सुखों और सुन्दर वातावरण से भी प्रेम करेंगे। अनेक रोमांस और प्रेम प्रसंग रहेंगे। प्रेम के प्रति आपकी रुचि बदलती रहेगी। एक से अधिक विवाह होंगे और विवाहित जीवन में कुछ बनेसे अनुभव होने की पूरी सम्भावना है। एक विवाह से आप भारी कठिनाई में पड़ सकते हैं और सम्बन्धीगण आपके शत्रु बन सकते हैं।

आप भावुक, पीड़ितों के प्रति सवेदनशील, दयालु, दानशील और उदार, आदर्शवादी, सामाजिक, मित्रों के सत्कार के प्रेमी तथा अच्छे मेजवान होंगे, किन्तु अपव्यय की प्रवृत्ति प्रबुद्धि रहेगी। आप अनेक लोगों को अपना मित्र बना लेंगे जो आपकी प्रति परम भक्ति भाव रखेंगे।

आप ऐसे घघो में पैसा कमा सकते हैं जिसका सम्बन्ध मौज-मम्नी से हो, जैन होटल रेस्तरा, मनोरंजन के साधन, भोजों का आयोजन, पुरातत्व या कला-वस्तुओं की बिक्री आदि। आपको अकर्मण्यता आत्मरति तथा अपव्यय से बचना चाहिए और बुझापे के लिए पैसा बचाकर रखना चाहिए।

आर्थिक दशा

आम तौर से आप रुपये-पैसे के मामले में आत्मशास्ती होंगे। रपया-पैसा, उपहार और कीमती रत्न अवस्थाभिन डग से आएंगे। जब तक आप बुझापे के लिए पैसा बचाकर जलग रखने का इरादा न करें, खर्चोंसे स्वभाव में कारण बुझापा गरीबी में बदले का खतरा है।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में आपका शरीर बहुत स्वस्थ रहगा, लेकिन फिर भोग-विभोग का जीवन बिताने से उसके बर्बाद होने का खतरा है। बुझापे में दिल की किसी बीमारी और उच्च रक्तचाप का शिकार होने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ' और 'नौ' हैं। अपनी योजनाएँ रूढ़ी मूलकों वाली विधियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं मूलकों वाली विधियों को अपने व्यक्तियों के प्रति आप महारा सगाव महसूस करेंगे। आपके जीवन में सबसे घटनापूर्ण वर्ष छ मूलक वाले ही होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य कमजोर के लिए शुक्र (सभी प्रकार के नीले) और गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) के रंग के वपडे पहलिए। इन्हीं रंगों में रत्न और नग धारण कीजिए।

7, 16, 25 (मूलांक 7) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपने चारक ग्रह हैं। नेप्चून, बृहस्पति तथा गुरु। नेप्चून तथा चन्द्र का प्रभाव

आपके राशिगत युगों में और वृद्धि करेगा और अत्यंत अप्रत्याशित घटनाओं का कारण बनेगा ।

आप उच्च आदर्शों और भारी महत्वाकांक्षा वाले होंगे लेकिन स्वतंत्र गैर पर-परायण जीवन बिताने की ओर झुकाव रहेगा । उदारमना होंगे किन्तु धर्म के बारे में विविध विचार होंगे और आपका अपना देखने का ढंग होगा । प्रकृति के रहस्यों को खोजने की स्पष्ट प्रवृत्ति रहेगी । जो भी काम करेंगे, उसमें बड़े-बड़े सपने और असाधारण प्रेरणा रहने की सम्भावना है ।

हमें सांसारिक धोखे नहीं बह सकने । इसलिए रुपये-पैसे के मामले में बहुत सतर्क रहिए, हालांकि कुछ परिस्थितियों में व्यावसायिक मामलों में अन्तर्ज्ञान से आप बहुत धनी बन सकते हैं ।

आपका स्वभाव विरोधी में पूर्ण होगा । एक ही समय में सबल और दुर्बल दोनों होंगे । दूसरे लोग आपके आदर्शवाद का कुरदकर आप पर हावी हो सकते हैं, लेकिन आप उनकी बातों में नहीं आएंगे । ऐसे अवसर पर आप अपने निजी हित के विरुद्ध भी अन्यन्त हठी स्वतन्त्र का परिचय देंगे ।

आप कला-प्रेमी और कम्पाशनील होंगे । चित्रकला, लेखन, संगीत, नाटक और उच्च कलाओं में मग्नता मिलनी चाहिए । आपमें मुप्रेरणा के गुण हैं किन्तु उनका सबसे अच्छा विकास शान्ति एकाग्रता में कर सकते हैं, जहाँ दूसरे लोग अपने प्रभाव से आपको परेशान न करें ।

विवाह शुभ रहने में बहुत मन्द है वरतों वह बड़ी आयु में और आपके सिद्धान्तों से सहानुभूति रखने वाले व्यक्ति के साथ न हो ।

आप उदार तथा दानशील होंगे और जनसेवा में सभी संस्थाओं की सहायता करना चाहेंगे । जाहें परिस्थितियाँ आपकी कला-प्रतिभा को विकसित न होने दें, फिर भी पैसा पान में होने पर आप कलाकारों की छुट्टी से सहायता करेंगे, उनकी कला-कृतियों को खरीद लेंगे, या कला दीर्घाओं को उपहार देंगे ।

आर्थिक दशा

अपने निजी मानसिक प्रयासों में आप आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे । किसी भी काम में पैसा कमा लेंगे । कभी-कभी अनि उदार हो सकते हैं या अपने विचारों में दूसरों को आर्थिक लाभ कमाने दे सकते हैं । धन-समृद्ध आपके जीवन का एवमात्र लक्ष्य नहीं होगा ।

आप जहाजाँ द्वारा एक देश से दूसरे देश को माल भेजने और जन्म-स्थान से दूर रहना में पैसा कमाने में सफल हो सकते हैं लेकिन अपने स्वभाव के प्रेरणा-पक्ष का विकास कीजिए और अपने अन्तर्ज्ञान पर चलिए ।

स्वास्थ्य

आप जैसा दिखाई देते हैं, अंदर से वैसा शक्तिशाली नहीं होंगे । आप उच्च

मानसिक तनाव में रहेंगे और कभी-कभी गहरी चकान के दौरों में गुजरेंगे। आप परिवर्तन की दृष्टि करेंगे, सागर और व्यापक जलराशि से प्रेम करेंगे। धरत या बोमारी में समुद्री यात्रा से सदा आपको लाभ पहुंचेगा।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'मात', 'दो' और 'तीन' हैं। इन्हीं मूलाका वाली तिथियों को अपने सभी महत्वपूर्ण काम कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दा' और 'मान' मूलाको बाने रहेंगे। इन्हीं मूलाको वाली तिथिया में जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 'एर' और 'चार' मूलाको वाली तिथिया का जन्मे व्यक्तियों के प्रति भी।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए नेप्चून (बदौतगी, विशेषकर शोध मितेदी, चन्द्र (सभी हर, सफेद व गोम) और गुरु (बंमनी, फानमई, जामुनी) के रगा के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न है—हरा जेड, चन्द्रकान मणि, मोती, बटैला और जामुनी नम।

8, 17, 26 (मूलांक 8) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह शनि और गुरु हैं। शनि का प्रभाव आपके स्वभाव की गम्भीरता को बढ़ाएगा। यह ग्रहभाग प्रारम्भिक वर्षों में जीवन का बहुत बड़ोर और कठिन बनाएगा। किन्तु 33वें या 35वें वर्ष से पर्याप्त सुधार की पूरी भागा है।

इन लोगों का प्राय गलत समझा जाता है और उनकी बर्फी बदनामी होने की भी सम्भावना रही है। ऐसी बातें योजनाएँ और महत्वाकांक्षाएँ पूरी करने के लिए धनाभाव से, नाने-रिश्तों से या दूसरों के सम्पर्क से हो सकती हैं।

आपको इन प्रच्छन्न दुःखा तथा निराशाओं का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार रखना चाहिए। इच्छाशक्ति के विकास, सत्कर्म और महत्वाकांक्षाओं पर बढिया रहकर अब में आप सभी कठिनाइयों में पार पा सकते हैं।

आपके बन्धों पर भारी जिम्मेदारियाँ डाली जा सकती हैं। आपको सफलता या पद प्राप्त करने में योग्यता के अभाव में कठिनाई नहीं होगी, बल्कि ऐसी परिस्थितियों के कारण होगी जो आपकी योग्यता और पुरस्कार छीनने के लिए उठ खड़ी होगी।

यदि विवाह जन्दी हुआ ना धरेनू बन्धों के कारण या जीवन-साथी की बीमारी के कारण आपकी गतिविधियाँ पर अकुश लगने की सम्भावना है। विवाह आपके लिए बहुत मुश्किल अनुभव नहीं रहेगा बल्कि कि आप उसे दायित्व भाव में न लें।

इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में जमाधारण कर्तव्य भावना और घर तथा परिवार के प्रति गहरा प्रेम पाया जाता है। विशेषकर जनता के लिए उनके उच्च आदर्श होते हैं और वे प्राय मानव जाति के कल्याण की बड़ी-बड़ी योजनाओं से सम्बद्ध होते हैं। वे कोई वृत्ति अपनाएँ, अपनी आंतरिक भावनाओं को छिपा रखने के लिए

मर्यादा और गम्भीरता का वातावरण बनाए रहते हैं। वे आम तौर से प्रतिष्ठा और जिम्मेदारी वाले ऊँचे पदों पर पहुँचते हैं तथा सम्मान और यश प्राप्त करते हैं।

आर्थिक दशा

उक्त ग्रहयोग में जन्मे व्यक्ति शायद ही कभी धन को निजी दृष्टिकोण से देखने हों। वे अपने ध्येय की प्राप्ति के लिए पैसा चाहते हैं और प्रायः प्राप्त कर भी लेते हैं। आपको अपने निजी खर्च के मामले में अस्वभाविकी और संदेहवादी के जोखिम से बचना चाहिए। हालाँकि हमारे क्या करें, दूसरे वारे में आपको अच्छा अन्तर्ज्ञान रहेगा तथापि स्वयं अपनी ही सलाह पर नहीं चलेंगे। आप ऐसे लोगों के प्रभाव में आ सकते हैं जो आपको बजाय अपने लाभ की बात अधिक सोचें।

जीवन में भाग्य के कारण आकस्मिक विपदाएँ आने की सम्भावना है और ऐसी परिस्थितियों के लिए 'सुरक्षित कोष' रखने का प्रयास करना चाहिए।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के सभी मामलों में मानसिक दशा का भारी प्रभाव पड़ेगा। चिन्ता बीमारी के विरुद्ध आपकी लड़ने की शक्ति को सोख देगी। आपको उदासी तथा निराशा के दौर पड़ेंगे। आप देर तक परेशान करने वाले जुकाम, सर्दी और दुर्बल रक्त-मंचार के शिकार हो सकते हैं, विशेषकर 7 या 16 मास की जन्म होने पर।

आपको शुष्क जलवायु में रहना चाहिए। अधिक से अधिक घर से बाहर रहे, यात्रा करें और सम्भव हो तो हवा बदलें, नहीं तो गटिया और दाय के शिकार हो सकते हैं—विशेषकर धावा, एडिथी और घुटनों में।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंग 'चार', 'आठ' तथा 'तीन' हैं। ये अंक और इनके मूलांकों वाली तिथियाँ आपके जीवन में बार-बार आएँगी और गम्भीर परिणामों के साथ सम्बद्ध होंगी। अपने निजी लाभ के लिए 'तीन' अंक का काम में लीजिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले होंगे। इन अंकों या 'तीन' के मूलांक वाली तिथियों की जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपका मन अधिकतर गहरे रंगों के कपड़े पहनने की होगा, लेकिन हमेशा बैंगनी, फाल्सई या जामुनी रंग का कोई वस्त्र अपने परिधान में अवश्य रखिए।

आपके भाग्य रत्न हैं काला मोती और काला हीरा। इसके साथ कटला या नीलम भी धारण कीजिए।

9, 18, 27 (मूलांक 9) मार्च की जन्मे व्यक्ति

आपके वारक ग्रह मंगल और गुरु हैं। मंगल के प्रभाव से आपमें अशुभ तत्त्वों में लड़ने की शक्ति आएगी। आपका शरीर भी तगड़ा होगा जिससे सम्भावित रोग के प्रतिरोध में सहायता मिलेगी। कभी अपने मोचने और काम करने में जल्द-

बाजी और आवेश से भी काम लेंगे। स्वभाव कुछ चंचल होगा। अशांत रहेंगे, अपने धन्ये या वृत्ति में अनेक बार परिवर्तन करेंगे। उचित विचार किए बिना नयी योजनाओं की ओर दौड़ पड़ने की प्रवृत्ति रहेगी।

आपका अपने स्वभाव पर, विशेषकर छोटी-छोटी बातों पर, काबू पाना सीखना चाहिए। अपने आसपास के लोगों और सहकर्मियों के साथ सहिष्णु बनने का प्रयास करना चाहिए।

आपका गुप्त शत्रुओं, बदनामी और झूठी खबरों से काफी मुक्तान उठाना पड़ेगा। यदि मुकदमेबाजी में फसना पड़ा तो आपके साथ बठोर और अनुचित व्यवहार हो सकता है। आप उनके अधिकारी हो या न हो।

व्यापारिक योजनाओं में साझेदारों या सहकर्मियों से अत्यन्त सावधान रहना चाहिए। यदि कोई बड़बड़ हुई तो दोष आपके सिर मढ़ा जा सकता है।

आप रुपये-पैसे के मामले में अनि उदार होंगे, सट्टेबाजी की ओर भी दौड़ेंगे। आप बहुत महत्वाकांक्षी भी होंगे। अपा की स्वतंत्र बनाने की तीव्र इच्छा रहेगी, इस कारण पैसा जमा करने के लिए पूरा दम लगाएंगे और उसमें जोखिम भी उठाएंगे।

कठिनाइयाँ और दुर्भाग्या में एक सोचा तब आप भारी साहम का परिचय देंगे, किन्तु यदि हिम्मत में जवाब दे दिया तो उदास और चिढ़ाचिढ़े हो सकते हैं और कोई ऐसा काम कर सकते हैं जिससे बाद में पछताना पड़े।

आप उच्च पदस्थ व्यक्तियों की आसानी से मित्र बना लेंगे किन्तु अपने सम्बन्धों या अपने से नीचे के लोगों में अनेक बटु शत्रु पाल लेंगे।

प्रेम में अनेक कठिनाइयों और निराशाओं का सामना करना पड़ सकता है और बच्ची के साथ काफी परेशानी हो सकती है।

कभी-कभी जराब पीने या मादक द्रव्यों का सेवन करने की प्रवृत्ति हो सकती है, यह आपकी इच्छा और महत्वाकांक्षा पर निर्भर है। रुपये-पैसे को छुले हाथों खर्च करेंगे, अपव्यय भी कर सकते हैं।

व्यापार या उद्योग में लगे होने पर अधिकार के पद पर पहुँचेंगे किन्तु दुश्मन पाल लेने की प्रवृत्ति के कारण उमें अपने हाथों में रख नहीं पाएंगे। मरचारी मोचरी में होने पर काफी ऊँचे पहुँचेंगे और भारी जिम्मेदारी का कोई पद सम्हालेंगे।

आपका व्यक्तित्व बड़ा आकर्षक होगा। लेखक, कला, धर्मप्रचारक जैसी किसी भी मावजनिक वृत्ति में या किसी बड़े आंदोलन में नेता के रूप में सफल होंगे। 18 और 27 मार्च की जन्म तिथियाँ विशेष शुभ हैं।

आधिक दशा

यदि आप धनी परिवार में पैदा नहीं हुए हों, आपके जीवन में रुपये-पैसे के मामले में अनि उदार-बड़ाव आने की सम्भावना है। सट्टेबाजी या पूँजी विनियोग में आप भाग्यशाली नहीं रहेंगे, नेबिन अपने बजाय दूसरा की सदा अधिक लाभ पहुँचा

सकते हैं। यदि सम्भव हो तो बुढ़ापे के लिए एक वार्षिकी खरीद रखें क्योंकि आपमें पैसा बचाने या उसे अपने लिए अलग रख लेने की अधिक इच्छा नहीं है।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में आप सभी गम्भीर बीमारियाँ स वचे रहेंगे। लेकिन शारीरिक की आयु के बाद काया में काफी बदलाव आने की सम्भावना है। यदि इस अवधि में आप स्वास्थ्य का विशेषकर भोजन के बारे में, मासधानी में अध्ययन कर लें तो अपने शरीर को एक और अवधि झेलने के लिए तैयार कर लेंगे। गिमा नहीं किया तो अनेक गम्भीर रोगों के शिकार हो सकते हैं जैसे ज़िगर और गुर्दे की परेशानी, अन्तड़ियों में रुकावट, दिल की कमजोरी। शून्य चिकित्सक के चार्ज का भी काफी अनुभव करना पड़ सकता है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नी' और 'तीन' हैं। इन्हीं मूलांशों वाली निधियों का अपनी योजनाएँ पूरी करने का प्रयत्न कीजिए। 'चार' और 'आठ' मूलांशों वाली निधियाँ अशुभ होंगी। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नी' मूलांश वाले होंगे। 'नी' मूलांश वाली और कुछ सीमा तक 'तीन' तथा 'छ' मूलांशों वाली निधियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग लाल और गुलाबी (मंगल) तथा बैंगनी, फालसई और जामुनी (गुरु) हैं। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, तामड़ा, पित्तनीया और कटोना।

अध्याय 4

अप्रैल

अप्रैल मास मेघ राशि के प्रभाव में है। यह राशि 21 मार्च से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि के साथ इसकी संधि चलती है। 27 मार्च के बाद 19 अप्रैल तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर अगले सात दिन तक आगामी राशि के साथ, 'संधि काल' चलन के कारण इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी आनी जाती है। आगामी राशि शुक्र के स्वामित्व वाली वृष है।

21 मार्च से 19 अप्रैल तक जन्मे व्यक्तियों में दृढ़ इच्छाशक्ति, मत्स्य और अपना लक्ष्य पूरा करने का हठ पाया जाता है। वे जमजात मोड़ा होते हैं। उनमें बड़े-बड़े व्यावसायिक या जनबहुल सार्वजनिक कार्यो की भारी योग्यता रहती है।

वे काम करने में अत्यन्त स्वच्छन्द होते हैं। सभी बातें उनकी अपनी मर्जी की हारा चाहिए। इन्तसेप हाथ पर वे प्रायः बाहर निकल आते हैं और दूसरों को काम सम्हालने दते हैं।

जहाँ तक भौतिक सफलता या अधिकार की बात है, ऐसी बाँट ऊँचाई नहीं रहता तक व न पहुँच सकें। यद्यपि यह है, कि वे अपने आपे में रहें। किन्तु सफलता प्रायः उनके विनाश का कारण बन जाती है। प्रशंसा और चापलूसी से उनका स्तिर फिर जाता है। वे मोड़े नहीं देख सकत और जोक मामलों में हठ और जहवार से अपने रायों पर कुहाड़ी मार बैठत हैं।

उनमें भारी मानसिक ऊर्जा होती है। जिस बात में भी उनकी दिलचस्पी होती है उसी के बारे में उनके पास नयी-नयी और मौलिक योजनाएँ रहनी हैं। वे अपने में खोप "हम हैं और केवल बँडोर मचाई और तब में ही वे अपने अन्तर्गत किसी और के दृष्टिकोण में दृष्टि सकते हैं। उनमें मनकंठा का अभाव होता है, स्वभाव से सबेगी तथा काम करने में जड़बाज होने हैं।

प्रायः हर बात में वे जितना जानते हैं, दृढ़ता पूर्ण दिल के और सहकृष्ट होने हैं और व्यनहार कुशलता के अभाव में दुष्कृत पाव मन है। वे अत्यन्त महत्वाकांक्षी होते हैं। जीवन में प्रायः सफलता प्राप्त करने हैं—या तो सम्पत्ति अर्जित करने हैं या उत्तरदायित्व में पड़ा पा पहुँचने हैं।

हीन भावना या अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कुछ भी कर नवत है। मार्ग के लक्ष्य में वे न्याय और असाधारण होत हैं तथा प्रायः हितक मनुष्यों को प्राप्त करत हैं। उच्च भावना वाले अच्छे मार्गित हत हैं किन्तु साथ ही बँडोर अनुमान-

प्रिय भी होने हैं और दूसरों से कमकर काम लेते हैं। दोनों वर्गों में भविष्य में साकने की स्पष्ट इच्छा होती है और वह प्रायः सही पूर्वानुमान का बरदान मिला होता है। वे चाहते हैं कि घर में, व्यापार में और कार्यक्षेत्र में, सभी जगह उन्हें 'मुखिया' समझा जाए।

इस काम में जमे व्यक्ति प्रेम-सम्बन्धों में भारी यातना भोगते हैं। वे महिलाओं के मन को भावद ही पढ़ पाते हैं और उनके साथ सम्बन्धों में प्रायः बड़ी गलतियाँ कर बैठते हैं। नर-नारी दोनों को सबसे अधिक प्रसन्नता काम करने और बाधाओं पर विजय पाने से मिलती है।

मंगल (शुक्र) की यह राशि सूर्य का उच्च भाव भी है। इससे मंगल ग्रह की आग ऊर्जा और निष्ठुरता को व्यक्ति के स्वभाव और भाव्य में घनीभूत होने में सहायता मिलती है। युद्ध और कर्म का प्रतीक मंगल ग्रहण में जन्मे व्यक्तियों पर शक्तिशाली प्रभाव डालता है जो बड़ा कुत्तव को प्रखर बना देता है। वे सभी बाधाओं को चीरते हुए अपना सारा बनाते हैं अनेक खतरों का सामना करते हैं और अपने जीवन तथा वृत्ति में अनेक परिवर्तनों का अनुभव करते हैं।

उन लोगों का स्वभाव मूलतः जोरस्वी, दबंग और साहसी होता है और उनमें अनामान्य शक्ति होती है। वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समर्थ होते हैं। नफ़ला के लिए उन्हें अपने आवेश पर रोक लगानी चाहिए क्योंकि उनमें उचित-अनुचित का विचार किए बिना विवाद में कूद पड़ने की प्रवृत्ति प्रवृत्ति रहती है। वे प्रायः आवेश में निमग्न रहते हैं और तत्काल के लिए भविष्य की चिन्ता नहीं करते। वे दूरदर्शिता के अभाव में नहीं, बल्कि क्षणिक भावना में बह जाते हैं। साथ ही, यह विरोधाभास मान्य हो सकता है लेकिन वे जमझट नया, माउन्ड बना, व्यावहारिक, उद्यमी और महत्वाकांक्षी होते हैं, सदा प्रगति के मार्ग पर रहते हैं और नये विचार का समर्थन करने में सबसे आगे होते हैं।

वे स्वभावतः सभी प्रकार की परम्पराओं और अनुयायन से विद्रोह करने हैं। उनका घरेलू जीवन बहुत मुड़ी नहीं होना चाहिए कि उनका जीवन-साथी कामाती में उनकी योजनाओं और इच्छाओं चलाता न हो। किन्तु जहाँ तक भौतिक सम्पत्ति की बात है, ऐसी कोई ऊँचाई नहीं जिसे वे व्यक्ति अपने मर्यादा प्रामाणिक योजनाओं और शान्तद्वारा माउन्ड-व्यक्ति से प्राप्त न कर सकें।

आर्थिक दृष्टि

इन लोगों में कामकाज में उन कर्मों की प्रवृत्ति समझनी चाहिए कि उनमें मन में लम्बे-चोड़े उर्ध्व के भाव रहते हैं। जहाँ तक दूसरों के प्रयत्नों की बात है वे बहुत व्यावहारिक हो सकते हैं लेकिन सभी महत्त्वपूर्ण मामलों में आवेश न काम करने की प्रवृत्ति रहती है। धन में शान्त बानी किसी भी उड़ी आर्थिक योजनाओं और वे योजनाओं को मरने हैं। अपने अर्थात् स्वभाव और लम्बे चोड़े विचारों के कारण वे धन

अवस्थित और भारी घनहानि तथा भ्राम्य में उतार-चढ़ाव के तिकार हो जाते हैं।

उनमें सम्पत्ति अर्जित करने का दृढ़ संकल्प होता है किन्तु भाग्य के वजह बुद्धिमानी से विनियोग, उद्योग तथा व्यापार में उन्हें अधिक लाभ हो सकता है। उनमें मुबद्देबाजी और विवादों में उलझने की प्रवृत्ति रहती है और ऐसे मामलों में भाग्य उनका साथ प्रायः नहीं देता।

स्वास्थ्य

मंगल का प्रबल प्रभाव शानदार स्वास्थ्य और शक्ति देता है, हालांकि अत्यधिक कार्यवाही खतरनाक भी हो सकती है। उनकी अधिकांश परेशानियाँ अतिशय से पैदा होती हैं। एषदम प्रतिकूल परिस्थितियों में और अनुपयुक्त समय पर ही अपने उद्यम से विपरीत रहने की जिद बार-बार की निराशाओं के लिए जिम्मेदार होती है। पलस्वरूप बिड़बिड़ाहट और बेसब्री से दिमाग की कम्बजोरी या त्यागविराध कान पैदा हो सकती है जिससे बाद में पेट या गैस की परेशानी हो सकती है।

बे बहुत सावधानी नहीं बरत सकते। उन्हें शान और सदा समय की सीमा में रहना चाहिए। कभी-कभी हठारन या सूजन की प्रवृत्ति हो सकती है। उन्हें नित्य खुली हवा में कसकर व्यायाम करना चाहिए और शराब या मादक द्रव्यों से बचना चाहिए।

शरीर के अन्य भागों की अपेक्षा सिर से सम्बन्धित अंगों में बीमारी की सम्भावना अधिक रहेगी, जैसे दात, कान और आँख में दर्द, सिर में खून का दबाव, सिर-दर्द और मिरगी। इस मास में पैदा शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा हो जिसने दुर्घटना या मार-पीट में चोट, घाव या सिर पर चोट न खाई हो।

उनमें पेट, गुद और जिगर की बीमारियों की अधिक प्रवृत्ति रहती है। वे वित्तशाय की परेशानी के भी शिकार हो सकते हैं और आमतौर से डाक्टर के चारू का काफी अनुभव रहता है।

विवाह, सम्बन्ध, सासोबारी आदि

उनके सबसे मधुर सम्बन्ध अपनी निजी राशि मेष (21 मार्च से 19 अप्रैल), सिंह (21 जुलाई से 20 अगस्त), धनु (21 नवम्बर से 20 दिसम्बर), के पोछे के सात दिन के सधि-काल और 21 सितम्बर से 21 नवम्बर तक पैदा हुए लोगों के साथ रहेंगे। 21 अक्तूबर से 21-23 नवम्बर तक मंगल (सौम्य) का प्रभाव रहता है, अतः 21 मार्च से 19-27 अप्रैल तक (मंगल-ओज में) जन्मे लोगों का उनके प्रति काफी लगाव रहता है।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) अग्रंत को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण वह सूर्य और मंगल (ओज) हैं। यह एक प्रबल योग है जिससे आप अपनी योजनाएँ और महत्वाकांक्षाएँ सफलता से पूरी कर सकेंगे। आपके शक्ति-

शाली गुणों का परिचय वृत्ति के प्रारम्भिक काल में ही मिल जाएगा।

आप अपनी योजनाओं में अति रचनात्मक और मौलिक रहेंगे तथा लक्ष्य-प्राप्ति के लिए भारी निडरता और सेक्त्य से काम लेंगे। आप निश्चय ही महत्वाकांक्षी होंगे। अपने साधियों से ऊपर उठेंगे। परिवार में या सम्बन्धियों में आप सबसे अधिक प्रमुख रहेंगे।

आप साझेदारों के सहयोग के बग़ैर उनके बिना अधिक सफल होंगे। किसी भी प्रकार के अकुग को नापसंद करेंगे। अपना कानून आप होंगे और फलस्वरूप जीवन-सधर्म में जीपते हुए अनेक दुर्मन पाल लेंगे।

यदि मनमानी करने दी गई तो अत्यंत उदार होंगे किन्तु विरोध होने या आप से जरा भी लाभ उठाने का प्रयास होने पर सोहे जैसे बग़ोर हो जाएंगे। आप प्यार के भूखे रहेंगे लेकिन जब तक महत्वाकांक्षामें अनुकूल बैठने वाले व्यक्ति नहीं मिलेंगे, इसके लिए तरसते ही रहेंगे। बच्चों के साथ और परेलू मामलों में आपका विवाद रहेगा।

आपमें घर से बाहर जीवन बिताने और हर प्रकार के खेल-कूद के लिए बलवती इच्छा होगी। लेकिन बढ़क से जाने समय अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है। आग, विस्फोट, मोटरकार दुर्घटना तथा ऐसी ही बातों से काफ़ी खतरा रहेगा।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में मुख्यतः जल्दबाजी और अपने सामर्थ्य से बाहर के उद्यम अपनाते के कारण अनेक उगार-चढ़ाव आएंगे। आवश्यक प्रवृत्ति के कारण दूसरों पर, विशेषकर विपरीत लिंगियों पर, आपका भारी प्रभाव रहेगा।

आप कम्पनी प्रोमोटर, उपदेष्टक, बक्ता, सगठनकर्ता के रूप में या किसी भी सार्वजनिक जीवन में रूपाय रहेंगे। आपमें सदा धन कमाने की योग्यता रहेगी लेकिन अनेक लोगों को अपना बट्टा दुश्मन बना लेंगे।

स्वास्थ्य

आपमें बहुत जीवनी शक्ति और सुगठित बाया होगी, हालांकि कभी-कभी अधिक परिश्रम से आर उसे थोटापहुंचा सकते हैं। सबसे अधिक खतरा उष्ण रक्तचाप, दिल की बीमारी या ज्वाबे में रहेगा। सारा भोजन कीजिए और शरण्य तथा उत्तेजना पैदा करने वाले पदार्थों से बचिए।

आपने सबसे महत्वपूर्ण अक 'एक' तथा 'नौ' हैं। अपनी योजनाएँ इन्हीं मूलकों वाली तिथियों पर पूरी कीजिए। आपने सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलकों वाले रहेंगे। 'नार' और 'गठ' के अर भी आपके जीवन में बार-बार आएंगे लेकिन पहा तक हो गये उन्हें टाटना ही बेहतर है। उन्हें बेतावनी कमअर काम कीजिए।

'एक', 'चार', 'गठ' या 'नौ' मूलकों वाली तिथियों की जमे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढान और भाग्य चमकाने के लिए सूर्य (सुनहरी, पीला, नारंगी,

भूरा) और मंगल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रंग धारण कीजिए । आपके भाव चलें हैं, पुत्रराज, अम्बर, हीरा, लाल, लामछा और अन्य नए ।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) अप्रैल को जन्मे व्यक्तित्व

आपके कारक यह मंगल (बोज) के साथ चन्द्र और नेप्चून हैं । इनके प्रभाव से आपका चरित्र विरोधाभास से पूर्ण होगा । आपमें जबरदस्त व्यक्तित्व, इच्छाशक्ति और सफल होगा लेकिन कल्पनाशील और रुमानी गुणों में दहने की प्रवृत्ति रहेगी । विपार मौलिक और परम्परा से अलग होंगे । रचनात्मक और शोधपूर्ण काम के लिए काफी कल्पनाशक्ति होगी ।

आप किसी एक ठर्रे से बड़े रहना पसंद नहीं करेंगे और अकुशा तथा परम्पराओं से विद्रोह करेंगे । यदि रुमानी भावनाओं पर काबू नहीं पाया तो घरेलू जीवन में काफी परेशानी अनुभव होने की सम्भावना है । परम्परागत जीवन नहीं अपनाया तो विवाह के सुखद रहने की आशा नहीं है ।

आप हर काम बड़े उत्साह से करेंगे लेकिन अपनी राय को इतना आगे तक ले जाएंगे कि अंततः उससे भला होने वाला नहीं है । व्यवसाय में अनेक परिवर्तन करेंगे और किसी एक विशेष काम से बंधे नहीं रहेंगे । कोई पद मिल जाए, उससे मनुष्य नहीं होंगे ।

अधिकारी पदों पर आप दबंग, कुशल और आत्मनिर्भर होंगे । राजनीतिक जीवा या सैनिक संगठन में दिलचस्पी लेने पर आप एक प्रमुख नेता के रूप में उभरकर आगे आएंगे । ऐसे मामलों में आपके भाषण या लेख जंगीले रहेंगे । साथ ही बड़ी सख्या में लोगों को अपना अनुयायी बना लेंगे । व्यापार या उद्योग में आपका लक्ष्य प्रमुख बनने का रहेगा और अपने मौलिक विचारों के लिए जाने जाएंगे ।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आपकी बात का वजन और प्रभाव होगा । मामलेदारों ने रोका नहीं अटकाना तो आप सफल भी होंगे । लेखन या कलाकार की योग्यताओं का विकास होने पर आपको काफी यश मिलेगा । आप कुछ भी करें, आपका 'दबंग' व्यक्तित्व होगा ।

स्वास्थ्य

आपका शरीर मटीला होगा । लेकिन उम्रानि और उमराह के दौर में उगम अत्यधिक काम लेने की प्रवृत्ति रहेगी । आप बुद्धि और रक्तदोष की बीमारियाँ, जैसे फोडे-कुमी के शिकार हो सकते हैं । अनेक बार जन्म-चिकित्सक से चारू का अनुभव करना पड़ सकता है । अलडिमा को खतरा रहेगा । दात, भ्रूडे, नाक घात आदि की बीमारियों में ग्रासघात रहिए । आप अनेक बार दुष्प्रभावों के शिकार होंगे, दुष्मनों से जीवा का खतरा रहेगा और हत्या या उग्र मृत्यु का भी खतरा है ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'सात' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांको वाली तिथियों को अपनी योजनाएँ पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांको वाले होंगे। 'दो' या 'सात' मूलांको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव रहेगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए चंद्र (श्रीम, हरा और सफेद) नेत्रून (मिलेंटी) और मंगल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रंगों के कपड़े पहनिए। भाग्यरत्न है हरा जेड, चन्द्रकांत भण्ड, सहस्रुनिया, उपल, मोती, लाल, लामड़ा और सभी लाल रंग।

29 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों के लिए आगामी राशि युद्ध का प्रभाव शुरू हो जाएगा जिसका स्वामी शुक्र है। यह मंगल के गुणों को हल्का कर देगा। ऐसे व्यक्ति अधिक आकर्षक और ओजोले होंगे लेकिन विपरीत परिस्थितियों की पैदा की हुई उलझनें बढ़ जाने की सम्भावना है।

3 12, 21, 30 (मूलांक 3) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु और मंगल (ओज) हैं। यह योग आपको सामान्य से अधिक महत्वाकांक्षी बनाएगा। आप सभी अधिकारी पदों पर सफल, अपने विचारों में बहुत स्पष्ट और कुछ-कुछ तन्नाशाह होंगे।

सगठन, व्यवस्था और नियंत्रण की आपमें अच्छी योग्यता होगी। कानून का पालन इमाफ और बढोबत से करेंगे, यहां तक कि दूसरों को उदाहरण पेश करने के लिए जरूरत होने पर अपने निजी सम्बन्धियों का बलिदान करने से भी नहीं चूकेंगे।

आप प्रबल शत्रु और इतने ही प्रबल मित्र बनाएंगे। स्वभाव असाधारण रूप से स्वतंत्र होगा और किसी बंधन या अकुश को पसंद नहीं करेंगे। घर में हर प्रकार से 'मुक्ति' बनकर रहता चाहेंगे, नहीं तो बाफ़ी परेशानी और झगडा होगा।

अनेक प्रकार से आप चमत्कारी जीवन बिणेंगे और ऐसी दुर्घटनाओं तथा छतारों से बच निकलेंगे जिनमें दूसरे लोग मारे जाएंगे।

आपको प्रगतिशील और जोशीला दोनो कहा जा सकता है किन्तु आपमें आत्म भलाई की सच्च भावना रहेगी। अपने समाज में सम्मान मिलेगा, उच्च पदस्थ व्यक्तियों में आपके प्रभावशाली मित्र होंगे, फिर भी निम्नले वर्गों के प्रति विशालहृदयता और उदारता का परिचय देंगे।

आपको जिम्मेदारी के पद मिलेंगे। सरकारी पद भी मिल सकते हैं। सेवा और नोमेना में जाने पर तेजी से उन्नति होगी और सम्मान मिलेंगे। सम्भारना दो पक्ष पर रहन की है, एक अपने विशेष व्यवसाय में, दूसरा नगरपालिका या सरकार में।

अपने अनुचित निर्णय और तबके साथ न्याय करने की आंतरिक भावना के कारण आप एक उत्तम न्यायाधीश हो सकते हैं। आपमें साहस्य दिशा और गम्भीर अध्ययन के प्रति निश्चित प्रेम होगा। परिस्थितियों में मुद्यान में लित आपके पास

मौलिक विचार हमें ।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप भाग्यशाली रहेंगे । वाणी सम्पत्ति अर्जित करने की सम्भावना है । सट्टेबाजी, ठोस सस्याजों में पूँजी-विनियोग और उद्योग तथा व्यापार छोड़ करने के बारे में सावधान रहेंगे ।

स्वास्थ्य

आपका शरीर सुस्थिति होगा । आप बाहरी जीवन और ह् प्रकार के खेलों को पसंद करेंगे, लेकिन जानवरों से दुर्घटना का कुछ खतरा रहेगा । कभी-कभी दावतों में उलटा-सीधा खा लेने से तीव्र अपच की शिकायत हो सकती है । अघेड नाच में शोटापा चढ़ने और दिल की बीमारी हो जाने की सम्भावना रहेगी ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'छ' और 'नौ' हैं । लेकिन अब 'छ' महत्वपूर्ण होते हुए भी 'छ' अंक से सम्बन्धित व्यक्तियों के साथ काफी परगानी पैदा कर सकता है । आपको सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्ही मूलों को माने होंगे । इन्ही मूलों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे ।

30 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति अगली राशि वृष के प्रभाव में होंगे, जिसका स्वामी शनि है । वे अधिक दयालु, स्नेहशील और उदार होंगे ।

अपना प्रभाव बढ़ाने तथा भाग्य चमकाने के लिए शुक्र (बैंगनी, फालतई, यामुनी), शुक्र (नीले) तथा मंगल (लाल) के रंग के कपड़े पहनिए ।

4, 13, 22 (मूलोंक 4) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक यह धूरेनत, मूर्ख और मगन है । यह एक शक्तिशाली, विन्दु कुछ विविध योग है जिसमें आपको जीवन में अजीब विरोधाभास का सामना करना पड़ेगा ।

आप सफलता के दीये और विफलता के दीये से गुजरेंगे । प्रत्याशित के बजाय प्रायः अप्रत्याशित ही अधिक पड़ेगा । आप परिस्थितियों के प्रधीन रहेंगे और भाग्य महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा ।

जब तक किसी ऐसे निर्णय पर न पहुँच जाए जिसमें जी-जान से जुट सकें, तब तक आप अपनी वृत्ति और योजनाओं में अनेक परिवर्तन करेंगे तथा बेचैनी और अस्थिरता महसूस करने रहेंगे । मध्य मित्त बनान में नारी उठिनाइ होगी और जिह मित्त बनाएंगे वे विविध और अमान्य होंगे । आपने छिप दुश्मन होंगे और वाणी विरोध का सामना करना पड़ेगा । जहाँ तक भौतिक जीवन की बात है, आपको कभी बेच नही मिलेगा ।

आपने विचार मौरिक और परम्परा में अलग हानि । अपना निजी धर्म और ध्यान की तरफ करें । आप राजनीति हानि, करीना न भी आपकी रति हानि,

किन्तु विशेषकर नये बय की बिजली की मशीनों, रेडियो, टेलीविजन आदि में ।

आपके स्वभाव में कुछ ऐसी बात है कि सामेदारो के साथ आपने अनेक विवाद, टकराव और झुझझुकावों होगी । आपको सलाह देना आसान नहीं होगा क्योंकि जीवन के प्रति आपकी एक खास दृष्टि है । तर्कों में आप विरोधी विचार प्रकट करेंगे और आपने इतनी व्यवहार-बुद्धि नहीं होगी कि जिनसे आप सहमत नहीं हैं, उनके प्रति अपने गेप को छिपा सकें ।

कभी-कभी रुखे और मुहफट व्यवहार से लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते हैं, घने ही आपका बना आशय न हो । आम तौर से आपको गलत समझा जाएगा, लेकिन आप इसको परवाह नहीं करेंगे कि कोई आपको चाहता है या नहीं ।

आप अध्ययनशील होंगे, अच्छे साहित्य में आपकी गहरी रुचि होगी । अपने हर काम में आप तीव्र मानसिक शक्ति और शीघ्रगति का परिचय देंगे ।

आर्थिक वंशा

आप दूसरों के साथ मिलकर आसानी से काम नहीं करेंगे किन्तु अपने निजी विचारों पर अमल में काफी सफल हो सकते हैं । आर्थिक मामलों में इतने सतर्क रहेंगे कि आपकी क्षमता 'क्यूम' के रूप में हो सकती है । - -

प्रविध्य के लिए आप कुछ अधिक ही चिन्तित रहेंगे, इसलिए बुद्धि के लिए अच्छी रकम बचा लेने का प्रयत्न करेंगे । यदि व्यापार में सौं तो शीघ्र अवकाश लेने की सम्भावना है ।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में बहुत असामान्य रहेंगे । कभी जमकर काम करेंगे, कभी प्रयास करने को भी मन नहीं होगा । रहस्यमय बीमारियों के, जिनका निदान मुश्किल होगा, शिकार हो सकते हैं । ऐसे म प्राकृतिक जीवन और सादा भोजन से ही मुक्ति मिलेगी ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार', 'एक' और 'नौ' हैं । 'आठ' का अंक भी आपने जीवन में काफी आया । सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलकों वाले होंगे । इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे ।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए धुरेनम (खिलेटी और शोष), सूर्य (मुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) तथा मयल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रंगों के वस्त्र धारण कीजिए । लेकिन 22 अप्रैल को जन्मे होने पर लाल के बजाय नीले रंगों को काम में लीजिए ।

आपने भाष्य रत्न नीलम और नीले नय, पुष्कराव, पीले हीरे और अम्बर हैं । 22 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों को यथासम्भव पीरोजा और नीलम धारण करना चाहिए ।

5, 14, 23 (सूक्ताक 5) अग्रंत को जन्मे ध्यवित

आपके कारणक यह पुष्ट और मंगल है। यह याग बहुत शुभ भी हो सकता है, बहुत अशुभ भी। यह इन पर निर्भर है कि आप अपनी इच्छाशक्ति और आम स्वभाव का किस प्रकार विकास कर सकते हैं।

आप बहुमुखी प्रतिभा वाले, चतुर और बुद्धिमान होंगे किन्तु विचारा को मही दिशा मिलनी चाहिए। उच्चांगधायों को नियंत्रण में रखने पर ऐसा कुछ नहीं जिन पर काबू न किया जा सके या जिसे पूरा न किया जा सके।

सोचने, सोसने और काम करने में शीघ्रता की प्रवृत्ति रहेगी जवाब और दलीलें देने में तेज रहेगे, लेकिन सर्वशक्ति अफ़्टी होगी और ग्राम सभी विद्वानों के अनुभूत मन को डाल सकेंगे। इस प्रकार के नये विचारों को समर्थ करेंगे और आप मूढतर परम्परा का पालन करने के विरुद्ध सक्रिय विद्रोह की प्रवृत्ति रहेगी।

पढ़ने और इतिहास के सहन अध्ययन में रुचि होगी। तथ्या और निर्यातों को पार रखने की अद्भुत क्षमता होगी। वाणी या कथा के बरदान में दूसरों पर भारी प्रभाव डालेंगे।

इच्छाशक्ति का विकास कर लेने पर भारी जिम्मेदारियों वाले कितने उच्च पद को प्राप्त करेंगे। यदि स्वभाव के अशुभ पक्ष को हावी हो जाने दिया तो बुरे साधिया, सामाजिक अपव्यय, मद्यपान, जुआ खेलने आदि की ओर आकर्षित होंगे और सम्पद शीघ्र व्यतीत करेंगे।

दूसरों से भारी प्यार और भ्रष्टा मित्रता किन्तु स्वयं अपनी भावनाओं में निराले होंगे और प्यार के बख़्तर से कुछ दूर हो रहे जाएंगे। एक से अधिक विवाह होने और घरेलू जीवन में काफी परेशानियों का सामना करने की सम्भावना है।

तत्काल जवाब दे देने और मुहफ़टपन से लोग दुग्मन बन जाएंगे, लेकिन नव मित्राकर दूसरों पर आपका उल्लेखनीय प्रभाव रहेगा।

आर्थिक दिशा

आर्थिक मामलों में आप स्वयं अपन भाग्य निमाणा होंगे, लेकिन आपकी सफलता पहले आडे आएगी। यदि आप उच्च धरातल वाले हैं तो अपने धन के लिए अपेक्षित धन की कमी कमी नहीं रहेगी। लेकिन निम्न धरातल वाले मादक द्रवों, शराब तथा व्यसना में अपने अवसर खरा देंगे।

स्वास्थ्य

आपके अत्यधिक सक्रिय मस्तिष्क के कारण स्नायु-द्रव्यों की अत्यंत आवश्यकता रहेगी। जीवन में स्थिरता न आने का खतरा है। कभी-कभी बेहतर या आराम में तनाव महसूस करेंगे जो इन बातों की चेतावनी होगी कि आप अपनी मानसिक शक्ति का सीमा से अधिक व्यय कर रहे हैं। पाचन अंगों और आंतों में भी गड़बड़ी होने की



आशंका है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अन्तर्गत (और जिन्हें मैं अन्तर्गत मूल्यों वाले नियमों को अपनी योजनाएँ पूरी करने का प्रयत्न करूँगी। सबसे पहले मैं वर्ष भी 'पाच और 'नौ' मूल्यों वाले ही होंगे। किसी भी 5, 14 मार्च 1923 तारीख को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए आपको जहाँ तक हो सके, हलके रंगों के कपड़े पहनने चाहिए जिनमें साल-भूलाबी रंग की भी कुछ झलक हो। आपके धातु रत्न होंगे और साल और सभी सफेद या चमकीले नग हैं।

6, 15, 24 (मूलांक 6) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह शुक्र और मंगल है। यह एक शुभ योग है जो आपको मंगल की शक्ति और उत्साह के साथ शुक्र का मिलनसार और उदार स्वभाव प्रदान करता है। स्वभाव में आप स्नेहालु, प्रदर्शनकारी, सुहृदय और कामी होंगे तथा विपरीत लिंगियों की ओर आपका भारी आकर्षण रहेगा। आप समाज में लोकप्रिय होंगे, अहा जाएंगे मित्र बना लेंगे। बहुत उदारमनस होंगे, और दूसरों की सहायता को पुकार पग ढोडे आने।

आप धन को दोनों हाथों से खर्च करेंगे। घर और पदोस में उसका अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपमें भोग-विलास की और आय से अधिक खर्च करने की प्रवृत्ति रहेगी। लेकिन अमर्याद मित्रों तथा धन के मामले में आप भाव्यशाली रहेंगे। आपको अपनी उदारता पर नियन्त्रण लगाने और गरीबों को न त्यागने के लिए सावधानी से काम लेना चाहिए।

छोटी आयु में ही विवाह की सम्भावना है। तर्क के बजाय भावना में अधिक बहेंगे। ऐसा विवाह आपके लिए सुखद नहीं रहेगा। बाद में दूसरा विवाह अधिक शुभ होगा।

आपका चित्रकारी, संगीत, भूतिकांश, काव्य या साहित्य जैसे किसी कला में सफलता मिलनी चाहिए। आपको नाटक और आपेरा में रुचि होगी और ऐसे ध्वजों में पक्ष कमाया चाहिए।

आप धान्य के अत्यन्त शौकीन होंगे और दूसरे राश्ट्रों के रीति-रिवाजों तथा परम्पराओं में आपको गहरी दिनवस्पी होगी।

आर्थिक दशा

जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में धन के मामले में बहुत भाव्यशाली रहेंगे, लेकिन अग्रवय और प्रवृत्ति के तत्पश्चात् जमा पूँजी रखने के कारण अन्त समय आने से काफी पहले ही स्वयं की गरीबी की दशा में पाएँगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में आपका सुगठित शरीर होना। बीमारी से शीघ्र स्वास्थ्य लाभ करेंगे। लेकिन गला, नाक और कान की कमजोरी तथा भ्रमर लिरददें और चेहरे की बीमारियों से पीड़ित होने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ', 'तीन' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांको वाली तितियों को अपनी योजनाएँ पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'छ' और 'नौ' मूलांको वाले रहेंगे। 'तीन', 'छ' और 'नौ' मूलांको वाली तितियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक (नौला) और मंगल (लाल) के रंगों के कपड़े पहनिए।

7, 16, 25 (मूलांक 7) अग्रंत को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह नेप्चून, चन्द्र और मंगल हैं। यह विभिन्न मांग आपकी बहुत जटिल स्वभाव और बहुत असामान्य जीवन देगा।

आप रहस्यवादी और गुप्त सगठनों के प्रति तथा गुप्त विद्या और अतिभौतिक विषयों के अध्ययन के प्रति भी आकर्षित होंगे और उनकी छोज में जाना चाहेंगे। आपके मन में संगीत के लिए गहरा प्यार होगा और सम्भवतः किसी एक वाद्ययंत्र को बजाने में काफी कुशल भी होंगे।

धर्म और समाज के बारे में आपके मन में बहुत गहरी भावनाएँ और मौलिक विचार रहेंगे। आपको न समझने वाले आपको 'पागल' या 'सतर्की' कह सकते हैं लेकिन विरोध के बावजूद आप प्रसन्नतापूर्वक अपने मार्ग पर चलते रहेंगे।

आपमें जन्म-स्थान से सुदूर देशों की यात्रा तथा दर्शन की प्रबल इच्छा रहेगी। आपका सबसे बड़ा दोष स्वभाव में अस्थिरता तथा अपने आवावरण को निरन्तर बदलते रहने की इच्छा है।

किसी कला में या आपकी शोषपरक कल्पनाशील योग्यताओं को अभिव्यक्ति देने वाले किसी काम में आप अत्यधिक सफल हो सकते हैं। अपने व्यापार में आप अनेक परिवर्तन करेंगे। नियमित जीवन आपकी प्रकृति के अनुकूल नहीं है। नेप्चून भावनाओं को तेज करता है, लेकिन व्यावहारिकता प्रदान नहीं करता। इसलिए नियमित परम्परागत जीवन अपनाना आपके लिए कठिन होगा।

परोपकारी सत्वाओं में आपकी दिलचस्पी हो सकती है और ऐसे किसी राष्ट्रीय या राजनीतिक काम से सम्बद्ध हो जाए तो अच्छी सफलता मिल सकती है।

सम्पर्क में आने वाले अनेक व्यक्तियों के प्रति आपको गहरी अरुचि हो सकती है। स्वभाव से इस पक्ष पर नियंत्रण का प्रयास करना चाहिए अन्यथा आपके बारे में काफी गलतफहमी हो सकती है।

विपरीत लिंगियों के बारे में सपनों तथा भ्रम की दुनिया में रहने की प्रवृत्ति होगी और अनेक निराशाओं का सामना करना होगा।

आर्थिक दशा

आपके लिए आर्थिक प्रश्न बहुत विचित्र रहेगा। धन के मामले में सदा काफी अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव रहने की सम्भावना है। कभी-कभी अपने खोजी विचारों से भारी धनराशि प्राप्त कर सकते हैं। आपको सट्टेबाजी और जुए से बचना चाहिए।

स्वास्थ्य

आपकी शारीरिक दशा में तेजी में परिवर्तन हो सकते हैं। आप पर वातावरण का काफी प्रभाव पड़ेगा। आप सर्दी-जुकाम, नजला, बुखार, इन्फ्लुएन्जा और मलेरिया से अक्सर पीड़ित होते रहेंगे। जब कभी आप पर असामान्य भार पड़ेगा, आप बीमार पड़ जायेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अथ 'सात' और 'दो' हैं। इन्हीं मूलांशों वाली तिथियों को अपनी योजनाएँ या कार्यक्रम पूरे कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांशों वाले होंगे। इन्हीं मूलांशों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके सबसे भाग्यवर्धक रंग नेप्चून (नवूतरी और शोख), चन्द्र (हरा, फ्रीम, मफेद) और मंगल (लाल) के रंग हैं।

8, 17, 26 (मूलांक 8) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

8 व 17 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों के कारक ग्रह शनि और मंगल हैं, लेकिन 26 अप्रैल गुरु की राशि मृग के प्रभाव में आ जाने में इस दिन जन्मे व्यक्तियों का भाग्य बहुत भिन्न होगा। शनि और मंगल का योग बहुत शुभ योग नहीं है, अतः 8 व 17 अप्रैल को पैदा होने पर आपको अपने सभी कामों में भारी सतर्कता और बुद्धिमानता बरतनी होगी। जीवन के प्रथमांश में आकांक्षाओं की पूर्ति के मार्ग में भारी कठिनाइयाँ और बाधाएँ आएंगी। घर और परिवार के बंधन आपको रोकें रखेंगे और आपको अनेक लोगों का भरण-पोषण करना पड़ सकता है।

आप बहुत महत्वाकांक्षी होंगे। परिस्थितियों में जूझने में श्रुतलाहट पैदा होगी, लेकिन आपकी सबसे बड़ी सम्पत्ति आपकी दृढ़ता और सकल्प हैं।

व्यापार और विवाह के साक्षेदारों के साथ भाग्यशाली रहने की आशा नहीं है, विशेषकर प्रारम्भिक वर्षों में। आपको काफी विरोध और अप्रमन्नता का सामना करना पड़ सकता है। बड़ी आयु में साक्षेदारियाँ और विवाह अधिक शुभ रहेंगे।

नये उद्योग शुरू करने और बड़े पैमाने पर व्यापार फैलाने के लिए आपके पास अद्भुत विचार और योजनाएँ रहेंगी। आपकी सबसे बड़ी कठिनाई दूसरे ऐसे

लोग पाने की होगी जो आपसे सहमन हो सकें। बड़े पैमाने पर काम करने का प्रयत्न कर सकते हैं। अध्यवसाय, इच्छाशक्ति और सकल्प से अन्त में आपको सफलता मिल सकती है।

आप अपने तक सीमित रहें, लोगों का आशानो से विश्वास नहीं करेंगे, अज्ञानविद्या व प्रति बहुत-बुद्ध सदेहशील होंगे और सदा अपनी बात छिपाए रखने की प्रवृत्ति होगी। आप सग्रहशील होंगे, अलमारियो और टुकों में ऐसी वस्तुएं जमा करके रखेंगे जिनका कभी उपयोग नहीं करेंगे।

8 या 17 ग्रंथ को जन्म लो आम तौर से नामी डाक्टर, शल्य-चिकित्सक, वैज्ञानिक, रसायनशास्त्री या हर प्रकार के संगठनकर्ता होते हैं।

26 ग्रंथ की जन्मे होने पर शुभ आपके स्वभाव को काफी नरम बना देगा। विरोध होने पर अपने विचारों के लिए अन्त तक सहेंगे लेकिन सड़ाई खत्म होना पर अत्यन्त क्षमाशील बन जाएंगे और जल्दबाजी में बड़े बड़े शब्दों पर परचायाप करेंगे।

आपमें धैर्य का अभाव होगा और जरा में सड़काने पर आप से वाह्य हो जाएंगे। आपके अन्तर्मुखी लोगों में फसने की सम्भावना है। आम तौर से वकीला व काफी परेशानी और निराशा मिलेंगी तथा अपनी सड़ाई छुद लेंगे।

अर्धेड आधु तब रुपये पैसे में मामने में भाग्यशाली रहने की सम्भावना नहीं है, लेकिन एक बार भाग्यादय होने पर पिछली सब भरपाई हो जाएगी। भूमि के विवाह, अथवा सम्पत्ति, मकान आदि से आपको अच्छा लाभ होगा। शुक्र में सम्बन्धित सभी वस्तुएं आपके लिए शुभ रहेंगी, जैसे ट्रेड का निर्माण, पत्र कूट की गैरी। आप संगीत, चित्रकला और साज-सज्जा को आप बत्ता के भी अत्यन्त शौकीन होंगे।

आपके मुख्य दोष विचारों तथा कार्यों का अव्यय, हर काम को बड़े पैमाने पर करने की इच्छा, बहुत अधिक जिद्दी होने की प्रवृत्ति, सब सुकना चाहिए या बन में बुद्धि बहुत है की सीख न जानना है। आपका जीवन विरोधाभासों में पूरा होगा। आर्थिक दशा

आपका जडियन स्वभाव सदा आपके पक्ष में एक बड़ी सम्पत्ति होगी, लेकिन बहुत कम शक्ति आपको ऐसे मिलेगी, यदि मिलेगा, जितने साथ मिलकर आप काम कर पाएंगे। दूसरों में सहायता पाने के बजाय आप अपने भाग्य के स्वयं निर्माता होंगे, लेकिन कोई कारण नहीं कि अन्त में आप सफल न हों और सम्पत्तिवान न बनें।

स्वास्थ्य

आपको कुछ बहुत विविध अनुभव हो सकते हैं, जैसे बीमारों का यत्न निदान या गहन दवाओं की तजवीज। आपको सभी मादक द्रव्यों, शराब तथा तम्बाकू की दवाओं में बचना चाहिए। अपने भोजन की जांच कर अन्त का ठाह रखें, नहीं तो भोजन विष, फोर्टे-यूनी अदोष, पाटा, सब्जी की निमायते, बदहज्मों या रक्त विकार हो सकते हैं।

अनेक बार आपरेशन होने की भी सम्भावना है, विशेषकर जबड़े, दात और मिर की हड्डियों के। छोटी आयु में टोमिल का आपरेशन हो सकता है। नाक, गला, कान और फेफड़ा की भी जिकायते हो सकती हैं।

'चार' और 'आठ' के अंक आपके जीवन में काफी महत्वपूर्ण रहेंगे। मेरा परामर्श है कि जान-बूझकर इन अंको या इन मूलांको वाली तिथियों को अपने काम के लिए मन अपनाइए, किन्तु यदि वे आ ही जाएं तो उनसे लाभ उठाइए।

27 अप्रैल को पैदा होने पर शुक्र के अंक '6' और सूर्य के अंक '1' का अधिक-से-अधिक उपयोग कीजिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वष 'चार' और 'आठ' मूलांको वाले होंगे। इन्हीं मूलांका वाली और 'एक' तथा 'छ' मूलांको वाली भी तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए मैं आपको जहां तक सम्भव हो, सूर्य के रंगों का और उनके बाद शुक्र और मंगल के रंगों का उपयोग करने का परामर्श दूंगा। ये रंग हैं नूप (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा), शुक्र (नीला), मंगल (लाल)। आपके भाग्य रत्न हैं होरा, पुखराज, अम्बर, लाल, लाल नंग, नीलम और पन्ना।

9, 18, 27 (मूलांक 9) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह मंगल है। 27 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि वृष के स्वामी शुक्र के प्रभाव में भी आते हैं।

आप विचारों तथा कार्यों में अत्यन्त स्वतंत्र होंगे। मर्मी अकुशो और किसी भी प्रकार की सामां लगाए जाने पर आपको तत्पन नाराजगी होगी। दूसरों की भाङनाओं की चिन्ता किए बिना अपने विचार और राय व्यक्त करने में आप बहुत मुहफट होंगे। आप शीघ्र आवेश में आन वाले, झगड़ालू और सजिक आवेश में विवन्द या झगडा में उलप जाने वाले होंगे।

हर प्रकार के खेलकूद में आपको गहरा प्यार होगा। हर अवसर पर आप दुस्माहम की खोज में रहेंगे। भारी जोशिम उठान का तैयार रहेंगे, खतर में भी निडर, सभी अकमरों पर सहाई की सक्ती भावना प्रदर्शित करन वाले। आपमें मौखिक जीवन के लिए प्रतिभा होगी, अवसर आने पर एक क्षण की सूचना पर मुद के लिए जाने का तैयार रहेंगे।

दुर्घटनाओं, चोट, घाव, आग, विस्फोट आग्नेयाम्न और शल्य-चिकित्सा के खतर का सामना किए बिना आप कभी रह ही नहीं सकन। आखा और चेहर तथा मिर के ऊपरी भाग में चोट खाते की सम्भावना अधिक रह्यो। घर में वाह्य रहना पसन्द करेंगे। आप पशुओं के प्रेमी होंगे लेकिन उनमें काफी खतरा भी उठाएगा।

आप दूसरे व्यक्तियों के आगे आगामी से भुटने नहीं डेकेंगे। ऐसी किसी वृत्ति

मे सबसे सपन रहेंगे जहाँ आप अपनी मर्जी के मालिक हो सकें ।

आपने प्रबल निजी आकर्षण होगा, विपरीत तिनी आम तौर से आपको पसंद करेंगे और औमत से अधिक आपके प्रेम-प्रसाद रहेगे । इन प्रवृत्तियों के बावजूद यदि आप ऐसा साधो पा जाते हैं जो आपको बीरता के गुणों के कारण आपके दोषों को क्षमा कर सके तो विवाह शुभ रहेगा ।

कभी-कभी आप मदपान भी कर सकते हैं, किन्तु शराब से लगाव के बजाय सामाजिक सम्पर्क के प्रेम के कारण ।

आर्थिक दशा

सभी प्रकार के उद्योगों, व्यापार, संगठन या दूतियों की उम्मीद में धन कमाने की आपमें भारी सोचता होगी । आप कुछ भी काम करना पसंद करें, सदा बटि-नाइसों से निकलने का रास्ता निकाल लेंगे और आत्मनिर्भर तथा सकल्पवान होंगे । आप निडर और माहुरी होंगे । आप निडर और साहसी हो हैं, किन्तु सापेक्ष इतने जिद्दी हैं जिनसे आपका भला नहीं होगा । आप हर काम में बड़े पैमाने पर दाब लगाने वाले होंगे । आप जीवन को गम्भीरता से लेने के बजाय खेल अधिक समझेंगे । आम तौर से अधिकतर जीवन में भाग्य आपका साथ देगा ।

स्वास्थ्य

आपका शरीर मुगठिल और आपमें जीवनी-शक्ति होगी । किसी भी बीमारी से शीघ्र उठ खड़े होंगे । सबसे अधिक खतरा दुर्घटनाओं से रहेगा, विशेषकर आग्ने-यास्त्रो, आग, विस्फोट या मड़क-दुर्घटनाओं से । आप उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारी और पचापान के भी शिकार हो सकते हैं ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अङ्क 'नौ' और 'एक' हैं । सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलान्त वाले रहेगे । 'एक' या 'नौ' मूलान्त वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे ।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए मंगल (सात) और सूर्य (बीता, पुनहरा, भूरा, नारंगी) के रंग के कपड़े पहनिए । 27 अप्रैल को जन्मे लोग नीले रंग के भी कपड़े पहन सकते हैं ।

आपके भाग्य रत्न हैं—साम, तामड़ा, सोल ना, हीरा, पुष्पाकर, और अम्बर । 27 अप्रैल को जन्मे लोग पीरोजा और नीले नग भी धारण कर सकते हैं ।

अध्याय 5

मई

मई मास वृष राशि के प्रभाव में है। यह राशि 19 अप्रैल से प्रारम्भ होती है, किन्तु सात दिन तक पूर्व राशि के साथ उसका सधि-काल रहता है। अतः 26 अप्रैल तक इसका पूर्ण प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं होता। उसके बाद 20 मई तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर सात दिन तक आगामी राशि मिथुन के साथ इसका सधि-काल रहने के कारण इसका प्रभाव क्रमशः कम होना जाता है। वृष राशि शुक्र का भोज भाव है जो बल-त्रिकोण का पहला भाव भी है। मिथुन राशि का स्वामी बुध (ओज) है और यह राशि वायु-त्रिकोण का पहला भाव भी है।

जैमा नाम से विदित होता है, वृष राशि स्थिर और दृढ़ स्वभाव, काम के प्रति भारी लगन और दृढ़ संकल्प प्रदान करती है। 21 मई के बाद इन गुणों में कमी होती जाती है, अतः मई में शुरू की गीतियाँ बाद की तिथियों से अधिक ओजस्वी होती हैं।

कुछ मामलों में यह सबसे अधिक विरोधाभास वाली राशियों में एक है। इस राशि में जन्मे लोगो में बुध या बिल के गुण पाए जाते हैं। जब तक क्रोध या अन्याय से कुपित नहीं, धीरे-धीरे धैर्यपूर्वक अपना काम करते रहते हैं। वे अपने मकल्प में अडिग रहते हैं और प्रायः जिद्दी बहलाते हैं। लेकिन यदि कोई व्यक्ति उनके प्रेमी स्वभाव को पुरेदा सके तो उन्हें सबसे अधिक आसानी से बश में किया जा सकता है।

वे अपनी शारीरिक और मानसिक सहन-शक्ति के लिए प्रसिद्ध होते हैं। जब तक संकल्प काममें रहता है कितना भी तनाव सहन कर सकते हैं।

व अत्यन्त सामाजिक होते हैं और सबसे अधिक प्रसन्नता उन्हें अपने मित्रों या प्रेमियों का सत्कार करने में मिलती है। व उत्तम मेजबान होते हैं, भोजन के बारे में सुरक्षितपूर्ण, और अवसर पड़ने पर श्रेष्ठ व्यंजन तैयार कर सकते हैं। बलात्मक साज-सज्जा में विपुल और हर वस्तु को बरीन से रखने वाले होते हैं। उनमें नाट्य-कौशल प्रकट की गहरी समझ होती है। अवसर के अनुकूल जीवन के पक्ष पर वे कोई भी रुक-रुक सकते हैं और उसकी भूमिका को पूर्णता से निभा सकते हैं। आम तौर पर वे वास्तव में बहुत अधिक अमीर समझे जाते हैं और वे अपने हर काम में कम-अधिक दिखावटी होते हैं।

ये अधिकतर अपनी भावनाओं और संवेदनाओं के बल में रहते हैं लेकिन काम में अधिक प्रेम उन पर हावी होता है।

पुरुषों के आम तौर से चौड़े कंधे, मोटी गर्दन और चौड़े मांसे होने हैं। महिलाओं के उन्नत उरोज और प्रायः छोटे हाथ-पैर रहते हैं।

स्त्री-पुरुष दोनों अन्तिम सीमा तक उदार होते हैं। जिन्हें चाहते हैं उन्हें लिए किसी बलिदान को अधिक नहीं समझते। किन्तु जिन्हें घृणा करते हैं उनमें मृत्युपर्यन्त टक्कर लेते हैं। वे धृते और धर्मनुद्ध में विश्वास करते हैं, अतः प्रारम्भ में ही प्रकार की क्षति उठाते हैं लेकिन रक्त में एक बार उबाल आ जाने पर समर्पण करना नहीं जानते।

वे अपने बातावरण के प्रति विशेषकर सबेदनशील होते हैं। परिचा और प्रति-कूल परिस्थितियों में रहने को विवश होने पर प्रायः उदास या दुखी हो जाते हैं।

इस राशि वाले न तो पुरुषों को और न महिलाओं को छोटी आयु में विवाह करना चाहिए। उनका पहला प्रेम-प्रसंग या विवाह आम तौर से गलत रहता है। लेकिन वे जल्दी पुनः होते हैं और विवाह भी शीघ्र करते हैं।

पुरुष और स्त्री दोनों प्रेम के मामले में ईर्ष्यालु होते हैं। उनकी ईर्ष्या तर्कहीन कानों या आवेश से उपजती है। बाद में उसका ज्वर उतर जाने पर बुरी तरह पछ-रते हैं। घोड़ी-सी भी सहानुभूति या दया दिखाने पर वे सारा गुस्सा धुब देते हैं। अपने इस स्वभाव के कारण ऐसे काम करते हैं जिन्हें दुनिया मूर्खता कहती है।

किसी प्रेम के लिए नेता के रूप में वे अनुयायियों से प्रेम और लगन प्राप्त करते हैं और प्रायः उन पर भारी जिम्मेदारी सौंप दी जाती है।

इनमें सामञ्जस्य, सत्य और रा की अल्पनिहित समझ होती है और वे आम संगीत, काव्य तथा कला में अच्छी समझता प्राप्त करते हैं। लेकिन विविध बाध यह है कि कुछ घास निधिया को जन्मे व्यक्तियों को छोड़ वे अपने गुणों या प्रतिभा का पूरा अधिक लाभ नहीं उठा पाते।

इस राशि में पैदा हुए लोग अत्यन्त निष्ठावान मित्र, उत्तम सरकारी कर्मचारी, सरकार में या सेना और नौसेना में अधिकारी या प्रमुख बनते हैं। वे अच्छी नमक डाक्टर भी बनते हैं। प्रायः सभी को बागवानी, फूलों और घर से बाहर के जीवन के प्रति गहरा लगाव होता है।

आर्थिक दशा

जहाँ तक इन राशि का भवितव्य है, इस भास में जन्म लेना आम तौर से शुभ है। सहकारिता मानेदारों, मन्त्रियों तथा पिता से लाभ होने की आशा है। लेकिन मुक्त का प्रभाव उन्मुख प्रेम की प्रवृत्ति प्रदान करता है और दूरियों की सहारता करने में कुछ बटु अनुभव भी हो सकते हैं।

इन लोगों में घन बचाने और सम्पत्ति जमा करने की प्रवृत्ति बहुत होती है किन्तु हमने मूल में स्वार्थ उतना नहीं होता जितना आराम का जीवन बिताते और अपने प्रेमपात्रों की महायत्ना करने का भाव होता है।

महिलाएँ आम तौर से सम्पन्न घरानों में विवाह करती हैं लेकिन सामान्यतः उनके एक से अधिक विवाह होते हैं। वे अच्छी व्यावसायिक योग्यता और सगठन-शक्ति का परिचय देती हैं तथापि कला-प्रेम को जो उनके स्वभाव का एक मूल गुण है, दृष्टि में कभी ओझल नहीं होने देती।

पुरुष और स्त्री दोनों के लिए भूमि, खानों तथा छानियों का विकास विशेष शुभ रहता है। होटल, रेस्तराँ जैसे उद्योगों की योजनाएँ बनाना और उनकी सम्पत्तियों की देखभाल करना भी अच्छा रहता है और उन्हें सफलता प्रदान करता है।

स्वास्थ्य

कारण यह शुभ प्रचुर मात्रा में जीवनी-शक्ति देता है। उसे सही मार्ग पर और हमारे ही भलाई के लिए लगाना चाहिए, नहीं तो वह अपना ही भक्षण कर उदासी को दगा पैदा कर सकता है। स्वास्थ्य को सबसे बड़ा खतरा निष्क्रियता और आराम-रति है। अल्पिमात्रा में जलोदर भी आसानी हो सकती है, अतः भोजन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। गुदों, नसों और जनन-द्रव्यों में भी गड़बड़ हो सकती है। ऐसे लोगों को गंगा और गरिष्ठ पकवानों से बचना चाहिए।

य लोग नाक तथा फेंफड़ों के ऊपरी भाग की बीमारियाँ के भी शिकार हो सकते हैं। उनमें गले की खराश, टांसिल बड़ने, डिप्थीरिया आदि की शिकायत होने की भी प्रवृत्ति रहती है। अति धम से दिल पर भार पड़ता है। बिना किसी प्रकट कारण के उन लोगों को मूर्च्छा के धीरे पड़ सकते हैं। मिर की ओर बड़ी मात्रा में रक्त जान या पभाषा होने की भी प्रवृत्ति रहती है। उनकी त्वचा में खरोच बड़ी जल्दी आती है। नम स्थानों या नम जलवायु में रहने के लिए बाध्य होने पर द्यूमर आर आनखि बुद्धि की भी सम्भावना रहती है।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

अपनी निर्जा राशि वृष (19 अप्रैल में 20 मई तक), धन त्रिवाण की अन्य दो राशियाँ बन्धा (21 अगस्त में 20 सितम्बर तक) तथा मकर (21 दिसम्बर में 29 जनवरी तक), हर राशि के जन में मान दिन के सधि-काल और वृष में सानवी राशि वृश्चिक (21 अक्तूबर से 20-27 नवम्बर तक) की अवधि में जन्मे ध्वजिनियों के साथ उनके सर्वमंजिव मोहादपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे।

1, 10, 19, 28 (मूलारु 1) मई को जन्मे व्यक्ति

आपने कारण यह शुभ और नूब है। यह उद्भूत शक्तिशाली मांग है और यदि साध-समय पर उसे काम में लिया जाए तो आपको काफी सफलता मिल सकती है।

28 मई का बुध (आज) के स्वाधिनन्द वानों आगामी राशि मिथुन शुभ हो जाता है। यह हमें नित्य जन्म देता है और आपको मानसिक शक्ति और भी तेज होगी।

आपका। एन पर काफी असर होगा। आपकी सभी योजनाएँ सफल

और मौलिक होंगी। यदि ईर्ष्या या गुप्त प्रयासों से आपको क्रोध न दिलाया जाए तो आप बहुत धैर्यवान तथा विनम्र रहेंगे। लेकिन योजनाओं, आकांक्षाओं का विरोध होने पर कभी-कभी गुस्से से उबल भी पड़ेंगे।

जिस काम में भी लगे हों आपका दृष्टिकोण व्यापक होगा, विन्तु किसी प्रकार का हस्तक्षेप, चिड़चिड़ाहट या आलोचना आपको सहा नहीं होगी।

जतना के सामने साने वाले किसी भी काम में आप सफल होंगे। दफ्तरी या प्रशासनिक काम में ही, जैसे अस्पताल, सस्थानों और बड़े उद्यमों के प्रमुख के रूप में आपका सम्पत्ता मिलेगी।

भार्यिक दशा

आपका शरीर सुगठित और आपमें प्रचुर जीवनी-शक्ति होगी। कभी-कभी अपनी योजनाओं में अत्यधिक शक्ति लगाने और ठीक से विभ्राम या शयन न करने के कारण आप उसे आघात पहुँचाएंगे। जुबान की उपेक्षा करने से फेंफड़े और छाती प्रभावित हो सकते हैं। विन्तु स्वच्छ हवा और सूर्य-स्नान से आप ऐसी बीमारियों से बचे रहेंगे।

28 मई को जन्म होने पर स्नायु-प्रणाली अत्यधिक तनावग्रस्त और संवेदनशील हो सकती है।

अपनी महत्वाकांक्षाएँ पूरी करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण शब्द 'एक', 'दो' तथा 'छ' और इन मूलाको वाली तिथियाँ हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलाको वाले होंगे। इन्हीं मूलाको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, नारंगी, पीला, भूरा), चन्द्र (हरा, सफेद, नील) तथा शुक्र (नीला) के रंगों का अधिक-से-अधिक उपयोग कीजिए। 28 मई को जन्मे व्यक्ति बुध के हलके रंग का प्रयोग कर सकते हैं।

आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, अम्बर, चन्द्रकांत मणि, जेड और फीरोजा। 28 मई वालों के लिए सभी चमकीले रंग।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके चारों ग्रह चन्द्र, नेप्चून और शुक्र (ओज) हैं, लेकिन 29 मई को जन्म देने पर आप शुक्र के बजाय बुध (ओज) के प्रभाव में आते हैं जो रई राशि मिथुन का स्वामी है। चन्द्रमा अपनी उच्च राशि में होने के कारण आपको अधिक प्रभावित करेगा।

आप सम्पत्ताशील, समानी और कलाप्रिय होंगे। आदर्शवाद, रहस्यवाद, गुप्त विद्याओं और ज्योतिषवाद के अध्ययन की ओर आपका निश्चित झुकाव होगा। ये चाने आपको अपनी ओर आकर्षित करेंगी और आपने जीवन पर काफी प्रभाव डालेंगी।

आप अपनी प्रतिभा को साहित्य, कला, संगीत और नाटक में व्यक्त करना चाहेंगे।

आप अपने घर को सुन्दर वस्तुओं से सजाने का प्रयास करेंगे। मनोनुकूल वातावरण से आपने संवेदनशील स्वभाव को सन्तोष मिलेगा। आप अपने निवास को कई बार बदलेंगे। आपका मन यात्रा के लिए बेचैन रहा जाएगा। लेकिन स्थिर राशि में जन्म लेने के कारण आपकी इस इच्छा की पूर्ति में काफी कठिनाई होगी। 20 और 29 मई को पैदा हुए व्यक्तियों के लिए यह कठिनाई इतनी नहीं आएगी।

दूसरों के दुःख देखकर आपकी सहानुभूति शीघ्र उमड़ पड़ेगी। इसमें आपका समय भी खर्च हो सकता है।

आपका स्वभाव सहज ही मधुरता लिए होगा, अजनबियों को भी आकर्षित करेगा और आप नये वातावरण में बहुत जल्द रच-खप जाएंगे। आपके अनगिनत मित्र होंगे, इतने कि उनसे आपका भला नहीं होगा, लेकिन आम तौर से आप भाग्य-शाली रहेंगे, विशेषकर विपरीत परिस्थितियों के साथ सम्बन्धों में। आपमें अद्भुत अन्त-प्रेरणा होगी और आपके सपने बहुत सच हो सकते हैं।

पृथिवी और उससे पैदा सभी वस्तुएँ आपके लिए शुभ रहेंगी लेकिन आपको बहुत अधिक भोग, मनोरंजन और अच्छी-अच्छी वस्तुएँ पाने की इच्छा से सावधान रहना चाहिए।

आर्थिक दशा

आर्थिक दशा बहुत उतार-चढ़ाव की रहेगी। सभी भाग्य और मारेगा। फिर जितना ही समय उतार का रहेगा जिसमें कोई काम ठीक होता दिखाई नहीं देगा। आपको हर प्रकार की सट्टेबाजी से बचना चाहिए और फिजूलखर्ची की अपनी प्रवृत्ति पर रोक लगानी चाहिए। जनता की निगाहों में आने वाली वृत्ति में आप पैसा कमा सकेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में आपको नजला-जुकाम और इन्फ्लुएन्जा से सावधान रहना चाहिए। ये स्वामनली, फेफड़ों और गले को प्रभावित कर सकते हैं। मध्य आयु में नाक की हड्डी बढने की या साइनस की बीमारी हो सकती है और गुनने में कुछ दोष आ सकता है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'सान' और 'छ' हैं। इन्हीं मूलानुकी वाली विधियों को अपनी योजनाएँ पूरी कीजिए। 29 मई को पैदा हुए लोगों के लिए अंक 'पाच' भी इतना ही महत्वपूर्ण होगा। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' 'सान' 'छ' मूलानुकी वाले ही होंगे। 'एक', 'दो', 'छ' और 'सान' मूलानुकी वाली विधियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे। 29 मई को जन्मे व्यक्ति 'पाच' मूलानुकी वाली विधियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र (हरा, रुकड़ तथा नीम), शुक्र (नीला) और

नष्ट (बढ़ती तदा गाछ) रग के बपड़े पह्निए । 29 मई का जन्म लोग बुध के रग के चमकीले बपड़े पह्ने ।

आपने भाग्य रत्न है । जरा जेद, पन्ना चाटवान मणि बहुमुनिया, मोती, नीरंजना सभी नीले नग । 29 मई बाना में लिए सभी चमकीले नग ।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) मई को जन्म द्यवित

आपके कारण यह दुःख और शुक (ओज) हैं । यह बात बहुत शुभ है । यदि आप कुछ या अपने स्वभाव के प्रेम-मिल का अधिक हावी न हाने दें तो आपका बहुत मजबूत होना चाहिए । आपको अपनी आकांक्षाओं को चुन-चुन कर अवसर देना चाहिए और सामाजिक या व्यापारिक क्षेत्र में अपने में ऊँचे व्यक्तित्व में सम्पन्न बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए ।

आप हर अन्याय का विरोध करेंगे और जहाँ आपकी सहानुभूति हागी वहाँ सत्य में शोषिता का पक्ष लेने की कोशिश करेंगे ।

घर के बारे में आपने बहुत दुःख और स्वतन्त्र विचार होंगे । आप अपना निजी दर्शन बनाना चाहेंगे । अपने सभी विचारों में ओजस्वी और मरुत्पवान होंगे तथा अपनी योजनाओं पर अमल में कुछ हठी भी होंगे ।

आप कम आयु में ही विवाह करना चाहेंगे, लेकिन सम्भावना यह है कि आप तीन विवाह करेंगे और उनमें तीसरा विवाह सबसे शुभ रहेगा । आपने जीवन में कुछ प्रेम-प्रसंग असाधारण भी हो सकते हैं । आपका स्वभाव हर अर्थ में अत्यन्त कलाप्रिय होगा । आप चित्रकला, संगीत, साहित्य और अनेक प्रकार के जनजीवन में श्रेष्ठता का परिचय देंगे किन्तु आपकी प्रतिभा इतनी बहुमुखी होगी कि आपने लिए यह निश्चय करना कठिन होगा कि आप क्या करें ।

घर और मातृभूमि के प्रति आपने मन में गहरा लगाव होगा । आप सदा अपने देश के लिए सामकरी राष्ट्रीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे ।

आप परोपकारी और धर्मार्थ सस्थाओं की सहायता करेंगे, उनसे लिए समय भी देंगे । समाज से आपको सम्मान मिलेगा । अपने सम्प्रदाय के आप अत्यन्त सम्मानित सदस्य होंगे ।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामला में डर की कोई बात नहीं । आपने रास्ते में महान अवसर पाएंगे । न करने से भी बहुत कुछ कर लेंगे । एकमात्र खतरा यही है कि दाव लगाने की बड़ी-बड़ी योजनाओं में अपने साधन खराब सकते हैं ।

स्वास्थ्य

शुरु के वर्ष बीन जाने पर आपका स्वास्थ्य और शक्ति अच्छी रहेगी। अधिक परिश्रम और सेवा-कार्यों के लिए आपका आह्वान ही आपके स्वास्थ्य के एकमात्र दुश्मन होंगे। आपका मूलमंत्र होगा, 'धियो लेकिन जय मत् लब्धे दे।' इसीलिए आप दीर्घायु नहीं भोगेंगे। आपमें फेफड़ों और गले की समस्याओं की प्रवृत्ति रहेगी लेकिन मध्य आयु तक पहुंच लेने के बाद आप उससे पार पा लेंगे।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'छ' हैं। 30 मई को जन्मे व्यक्तियों के लिए 'पांच' भी महत्वपूर्ण है। अपनी योजनाएं इन्हीं मूलकों वाली तित्तियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलकों वाले होंगे। इन्हीं मूलकों वाली तित्तियों को पंदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 30 मई को जन्मे लोगों के लिए 'पांच' वा अंक भी जोड़ लेना चाहिए।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) और शुक्र (नीला) के रंग धारण कीजिए। 30 मई वालों के लिए बुध के हल्के और चमकीले रंग भी। आपके भाग्य रत्न हैं बटैला (अमेपिस्ट), बैंगनी रंग के वग और फीरोजा। 30 मई वालों के लिए हीरा और चमकदार नग।

4, 13, 22, 31 (मूलक 4) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह यूरेनस, न्यून और शुक्र हैं। 31 मई को जन्मे व्यक्ति बुध (भोज) के स्वामित्व वाली मिथुन राशि के प्रभाव में आते हैं। यह विभिन्न योग हैं जो सबसे अलग और असामान्य जीवन की सम्भावना देता है। वास्तविकता, लेखकों और संगीतकारों के लिए यह योग अत्यन्त शुभ है।

हो सकता है, दुनियावी दृष्टिकोण से आप भाग्यशाली न ठहरें। आर्थिक मामलों में अनेक परिवर्तन आते रहने की सम्भावना है लेकिन वे हमेशा आकस्मिक या अप्रत्याशित होंगे। आप दूसरे लोगों के विचारों के साथ आसानी से मेल नहीं बैठ पाएंगे और आपके काम तथा विचारों का आम तौर से विरोध होगा। लेकिन आप बाधाओं को चीरने और अवसर के अनुकूल ऊपर उठने में अपने सर्वोत्तम गुणों का परिचय देंगे।

चित्तन मौलिक होने के कारण नये विचार और तरीके आपको आकर्षित करेंगे। नये आविष्कार या असाधारण बातें भी, विवाह भी असाधारण होगा, अधिकतर परोक्ष के लिए या किसी खास उद्देश्य के लिए अपने विचारों और राय पर कट्टर होंगे। निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए पूरा विश्लेषण और समीक्षा करेंगे।

लोगों और वानावरण में आप बहुत रच-सच नहीं करेंगे। अपने तब अधिक सीमित रहेंगे और कम ही साधियों की चिन्ता करेंगे, लेकिन जिन्हें चाहेंगे उनका पूरा

ध्यान रखें ।

आपमें बहुत असाधारण बलाकार, लेखक या आविष्कारक बनने की क्षमता होगी, लेकिन आप जो भी करेंगे उस पर आपके गहरे व्यक्तित्व का कुछ-कुछ रंग अवश्य रहेगा ।

आर्थिक दशा

राए-मैसे के मामले में आपकी अजीब हालत रहेगी । महा भी अप्रत्याशित के घटने की सम्भावना है । आपके मस्तिष्क से पैदा मौनिक विचार और योजनाएँ दूसरे लोगों के विचारों से मेल नहीं खाएंगी । आप असाधारण ढंग से पैसा बनाएंगे । आप आविष्कर्ता या परम्परा से अलग लेखक, चित्रकार या संगीतज्ञ बन सकते हैं । रोजमर्रा का साधारण काम-काज आपको आकर्षित नहीं करेगा और आपका दूसरों के साथ मिलकर काम करना अत्यधिक कठिन होगा ।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की भी विचित्र दशा रहेगी । बीमारी आकस्मिक और अप्रत्याशित होगी । कभी-कभी उसका निदान भी कठिन होगा । जैसे पेट में दर्द और मरोड़, अम्लरुनी घाव, बिना चेतावनी के नजला-जुकाम, इन्फ्लूएंजा, फेफड़ों की सूजन आदि । आपको हल्का लेकिन थोड़ी-थोड़ी देर में भोजन करना चाहिए और आम भोजन करने के बजाय यह देखना चाहिए कि आपको क्या खाना अनुकूल बैठता है ।

'घार', 'छ', और 'बाठ' एक आपके मामलों में बार-बार आएंगी और महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगी । आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'घार' और 'छ' झूलांक वाले होंगे । इन्हीं झूलांकों वाली तिथियों को अपने व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे । 31 मई वालों के लिए 'घार' का झूलांक भी महत्वपूर्ण है ।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (गुहारा, पीला, नारंगी, भूरा) पूरेनम (सिलेटी और शीघ्र) तथा शुक्र (नीला) के रंगों की धारण कीजिए । 31 मई वाले इसमें बुध के सफेद, शीम और हल्के चमकीले रंग भी जोड़ सकते हैं । आपके भाग्य रत्न हैं - पुष्यराज, अश्वर, हीरा, नीलम ।

5, 14, 23 (झूलांक 5) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक यह बुध और शुक्र (भोज) है । मानसिक परा के लिए यह एक शुभ योग है । यह मस्तिष्क को असाधारण गहराई, मौलिकता और नतर्ज्ञता देता है । आपमें तर्क करने की अच्छी शक्ति होगी । आलोचना, विमर्श और निरीक्षण करने वाले रहेंगे ।

आप भावना में बहुत स्वतंत्र होंगे लेकिन सागा का और वातावरण का अपा

पर किसी तरह का प्रभाव न पड़ने देकर उनमें बहुत आसानी से रच-रूप जाएंगे।

आप बहुमुखी काम वाले होंगे और यदि मन में पर्याप्त दिव्यवस्ती पैदा कर सकें तो किसी काम में भी मफल हो सकते हैं।

आप किसी एक वस्तु या व्यक्ति में आसानी से बंधेंगे नहीं। पनत जीवन और वृत्ति में अनेक बार परिवर्तन की सम्भावना भी है।

आप पर आपके विपरीत लिंगियों का काफी प्रभाव होगा। फिर भी विभिन्न बात यह है कि आप उनसे स्वतन्त्र रहेंगे। आपके अनेक प्रेम-प्रसंग होंगे, लेकिन आप अपने प्रेम पात्रों को बदलते रहेंगे।

आप कम आयु में विवाह कर सकते हैं, लेकिन ऐसा विवाह अधिक समय तक टिकने वाला नहीं होगा। उसमें आपकी वृत्ति में बाधा और निराशा पैदा होगी।

आर्थिक बरा

आर्थिक मामलों में आप अपने मित्रों के लिए और अपने लिए पहली बने रहेंगे। आप उत्तरे-सीधे और असामान्य ढंग से पैसा कमाएंगे। यदि इरादा करें तो आमतौर से पैसा बनाने और सम्पत्ति जमा करने में भाग्यशाली रहेंगे, विशेषकर जमीन, मकान या सट्टेबाजी के सम्बन्ध में। असामान्य वृत्ति अपनाकर दुनिया में नाम और पद प्राप्त करने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य में आप स्नायविक परेशानियों के शिकार हो सकते हैं। आपको शल्य विविधता के चाकू का भी कई बार अनुभव करना पड़ सकता है। फिर, बेहरे, दाढ़ों और जबड़े में छोट लगने की सम्भावना है। जननेन्द्रिय कमजोर होगी और सृजन तथा नजले से पीड़ित होने की प्रवृत्ति रहेगी। लेकिन 23 मई को जन्मे लोगों को ये अस्वा-मर्त इतना नहीं मताएंगी जिनका 5 और 14 मई को जन्मे लोगों को।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'पाव' और 'छ' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलानुवांशों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलानुवांशों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हलके और चमकीले), शुक्र (नीले) और चन्द्र (हरे, क्रोम व सफेद) के रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य-रत्न हैं - हीरा, पीरोना, पना, हरा जेड और सभी चमकीले नग।

6, 15, 24 (मूलानुवांश 6) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह शुक्र और चन्द्र हैं। आपके लिए आपके स्वभाव का प्रेम-यत्न सम्बन्धी कोई भी मामला या स्वयं मानव-प्रेम सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। इसके लिए आप कुछ भी करने, कोई भी बलिदान देने या कोई भी कठिनाई झेलने के लिए तैयार रहेंगे।

अत्यन्त भावुक, समर्पित, अपने उद्देश्य के लिए उत्साह में बह जाने वाले होंगे चाहे वह आपको मुझ या त्राति में घसीट ले जाए, चाहे आप घमोपदेशक, कलाकार, लेखक का शान्तिपूर्ण मार्ग अपनाएं, चाहे अपने प्रेमपात्रों के लिए केवल अपना कर्तव्य-पालन कर रहे हों। कट्टर उत्साह की इस अन्तर्धारा के बिना आपको जीवन में कोई आनन्द नहीं आएगा।

आपमें वृषभ और शुक के सभी गुण और कमबोहिया अपनी पूरी मात्रा में होगी। आप तुहरे शुक के प्रभाव में हैं लेकिन मंगल (सौम्य) की विरोधी दृष्टि उभर रही है। आप पूरी गहराई से या तो प्यार करेंगे या घृणा। आपकी भावनाएं आपको देवता बना सकती हैं या शैतान। यदि अपने स्वभाव का अच्छी तरह बाढ़ में नहीं रखेंगे तो हृत्पां से आपको खतरा है। यदि आपका ऐसा खयाल है कि मानवता के भले के लिए त्राति आपके जीवन का उद्देश्य है तो आप उसके लिए कोई कमर उठा नहीं रहेंगे। इतिहास में इनके अनेक उदाहरण हैं—फासीनी त्राति के दौरान रोमियोरी और मरे, जिन्होंने अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए मित्रता भी छूट बहाया। दूसरी ओर फ्लोरेन्स नार्सिंगेन का उदात्त उदाहरण है जिनमें मुझ के बीमार और घायल सैनिकों की सेवा-सुधूपा के लिए भारी विपदायें सेली।

दिल में सुलभती हुई भावना और उत्साह की आग की बाढ़ में रखकर आपको किसी ऊँचे आदर्श में अपने को जगाना चाहिए और दुनिया में अपनी निशानी छंड जानी चाहिए।

आपके स्वभाव का एक अच्छा पक्ष यह है कि आप प्रकृति के गहन प्रेमी होंगे। आप सुन्दर दृश्यों, बागों और फूलों की पूजा करेंगे और अपने घर में अत्यन्त कला-प्रेमी होंगे। संगीत और हर प्रकार की कलाएं आपको आकर्षित करेंगी और इस दिशा में आपमें प्रचुर प्रतिभा होगी।

आप अपने मित्रों को आनन्द प्रदान करने में मुख्य अनुभव करेंगे। सामाजिक जीवन में, मैली, दादनी और हर प्रकार के तमाशा का आयाजन करने में विशेष सफल होंगे।

आपको बच्चों में बहुत प्यार होगा। अपने बच्चे न हों पर दूसरों के बच्चों को गोद ले लेंगे। विपरीत लिंगियों के साथ आपकी अनेक दोस्तियां होंगी लेकिन वामना से अधिक उनमें प्रेम और बन्धुत्व की भावना रहती। आप अपनी जवानी बनाए रखेंगे और जीवन भर युवा दिखाई देंगे।

आर्थिक दशा

आपको अनेक मुख्यतः श्रम होंगे और आम तौर से स्थल-यंत्रों के मामले में अधिक ही सौभाग्यशाली रहेंगे। यदि व्यापार में जाना पड़े तो जीवन को शांत शीतल प्रदान करने वाले उद्योग में अधिक लाभ होगा, जैसे पत्रों की मात्र मज्जा, महिनाओं के शिरोवस्त्र, पोशाकें, पूरा की दूतानें जयवा रेस्तरां या हाटन आदि। आपमें स्वभाव

का दूसरा पक्ष आपको किसी कलात्मक घड़े की ओर धकेलेगा, जैसे संगीत, चित्रकला, लेखन, रंगमंच या भाषण कला। आप इनमें अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

आप मुगठित वाया में जीवन्त की शुरुआत करेंगे लेकिन भोग-विलास और शान-शांति में रहने की प्रवृत्ति के कारण अपनी बुरा स्वयं खोदते दिखाई देंगे। बहुत मिठाईया और गरिष्ठ पकवान खाकर अपने छरहरे बदन को बेबाद कर लेंगे। सर्वा बल आने में दिल की बीमारी पकड़ सकती है। बल के वर्षों में जलोदर की शिकायत हो सकती है। लेकिन दृष्टा-शक्ति में इस पर काबू पाना आपके अपने हाथ में है। फेफड़ा, श्वास-नासिका और गले में भी कमजोरी की प्रवृत्ति हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'तीन' और 'छ' है। मेरे 'दो' का अंक बताने का कारण यह है कि चंद्र मई मास में अपनी उच्च राशि में होता है। 'तीन' का अंक इतना शुभ नहीं है क्योंकि वह धाम तौर से विरोध में काम करता है।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'छ' मूलाको वाले होंगे। 'दो', 'तीन' या 'छ' मूलाको वाली तिथियों का जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी आकर्षण अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बटाने के लिए चंद्र (हरे, सफेद, नील), शुक्र (नीले) और गुरु (बैंगनी, फलसर्द, जामुनी) रंग में कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं चन्द्रकांत मणि, लहमुनिया, जेड, उपल पत्थर, सभी हरे रंग और कटौत की।

7, 16, 25 (मूलांक 7) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण ग्रह नेप्चून, चंद्र और शुक्र है। 25 मई को जन्मे होने पर आप बुध (ओज) के स्वामित्व वाली मियुन राशि के प्रभाव में भी आ जाएंगे। यह तिथि बुध और मियुन के सधि-काल में है।

आपके स्वभाव का विनम्र या अधिक स्वप्नदर्शी पक्ष उभरकर आगे आएगा। 25 मई वालों में प्रबल मानसिक गुण अधिक प्रकट होंगे। इन ग्रहों का योग आपको विविध शक्तियों के प्रेम, रहस्यवाद, सुप्त विद्या तथा इन विषयों में जुड़ी बातों की ओर प्रवृत्त करेगा।

कभी-कभी आपको जदभूत सपने आएंगे, अजनबियों के साथ सम्पर्क में विविध अनुभव हास, मानव-जाति में सम्बन्धित भावी घटनाओं का इल्हाम होगा।

अमामास टग के आविष्कारों की ओर आपका झुकाव होगा। नये विचारों और वास्तविक, टेलीविजन, रेडियो जैसे वस्तुओं में आपकी बहुत सफलता मिलेगी।

विभिन्न प्रकार की एम्पत्ता में आपको जानद नहीं आएगा। लेकिन अमाधारण कामों में या जन-कल्याण के मानवीय कार्यों में जुड़ी किसी वृत्ति में आप सफलता की प्राप्ति कर सकते हैं। यदि आपके धर्म धर्म करण की पैदा हुआ है तो आप विनम्र,

प्रस्पताल या परोपकारी संस्थाओं की सहायता में लगना चाहेंगे।

आपके ऐसी गुप्त संस्थाओं या राजनीतिक संगठनों में रुचि लेने की आशा है, जिनका विशाल जनसमुदाय से पाला पड़े। आपको लिखने और बोलने का बरदान होगा जिससे आपको व्यापक क्षेत्रों में पद और महत्व मिलेगा।

आप जीवन के सामान्य आनन्दों की परवाह नहीं करेंगे और अपने रहन-सहन के ढंग से लोग आपको अजीब या सनकी समझ सकते हैं।

आप स्वभाव में दयालु और उदार होंगे, लेकिन आप अपने पैसे का क्या करें, इस बारे में आपके अपने विचार होंगे। स्वयं को विवाहित जीवन के अनुकूल ढालने में कठिनाई होगी, और यदि बचना सम्भव हो तो छोटी आयु में विवाह मत कीजिए।

आपमें असाधारण विचारशक्ति होगी और लेखन, कवि, पिनकार, संगीतज्ञ या आविष्कर्ता के रूप में सफल हो सकते हैं।

आर्थिक दशा

प्रारम्भिक वर्षों में आपको अनेक अनुविद्याओं का सामना करना पड़ेगा। इसके बावजूद श्रेष्ठ मानसिक शक्ति को अदोस्त, जो भाग्य या अवसर पर निर्भर नहीं होगी, आप काफी आर्थिक सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

स्वास्थ्य

आम तौर से आप अपने को बहुत शक्तिशाली महसूस नहीं करेंगे और परिश्रम से शीघ्र थकान महसूस कर सकते हैं। अन्तर्द्वियों के माग में भी कुछ गड़बड़ी हो सकती है। भोजन के बारे में पूरी सावधानी बरतिए।

आपमें जितना स्नायुविक दस, धैर्य और सहनशक्ति होसी उतना शारीरिक स्टैमिना नहीं होगा। कभी-कभी आप पर उदासी छा जाएगी। निराशा के झूठ से बचने के लिए नशीली और उत्तेजना देने वाली दवाओं से दूर रहिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात', 'दो' और 'छ' हैं। आप अपने कार्यक्रम या योजनाएँ इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को पूर्ण करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलकों वाले रहेंगे। 'दो', 'सात' और 'एक' व 'चार' मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप अधिक आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए नेप्चून (बनूतरी, भोग), चंद्र (हरे, प्रेम, सफेद) और शुक्र (नीले) के रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं पन्ना, मोनी, चन्द्रकांत मणि और फीरोज़।

8, 17, 26 (मूलांक 8) मई को जन्मे व्यक्ति

शनि, चंद्र और शुक्र आपके वारक ग्रह हैं। 26 मई को जन्मे व्यक्ति बुध (शुक्र) के स्वामित्व वाली मिथुन राशि के सवि-नाश में पैदा होने के कारण बुध के

प्रभाव में भी होंगे।

आप बहुत असाधारण जीवन और वृत्ति की आशा कर सकते हैं। या तो बहुत भाग्यशाली और शक्तिशाली रहेंगे या इससे एकदम उल्टे। आपको 'भाग्य' की सलाह कह सकते हैं। परिस्थितियाँ और वातावरण आपके जीवन में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

आप दूसरों से स्नेह के लिए सात्त्विक रहेंगे, और जीवन में बहुत अवैसाधन महसूस करेंगे। आप अपनी भावनाओं का प्रदर्शन नहीं करेंगे, उन्हें व्यक्त करने में भारी कठिनाई होगी।

आप दूसरों के लिए, विशेषकर अपने सम्बन्धियों और 'प्रेम-पात्रों' के लिए, भारी त्याग करेंगे, तथापि महसूस करेंगे कि आपको उसका उचित प्रतिदान नहीं मिला। सम्बन्धी लोग आपको काफी दुःख और हानि पहुँचाएँगे। सभी प्रेम-प्रसंगों में आपको अनेक गम्भीर परीक्षाओं से गुजरना होगा।

अपनी निजी महत्वाकांक्षाएँ पूरी करने में अनेक बाधाएँ और कठिनाइयाँ आठें आयेंगी। आप बहुत ऊँचा पद प्राप्त कर सकते हैं किन्तु आप पर हमेशा काम का भारी बोझ या दायित्व डाल दिया जाएगा। आपका स्वभाव गहन चिन्तनशील, अपने एक सीमित और निजी वृत्ति के बारे में सावधानी का होगा।

26 मई को जन्मे लोग व्यक्तियों और परिस्थितियों में अधिक रूढ़-रूप करेंगे।

आर्थिक दशा

कठोर क्लेश, सावधानी और बुद्धिमानी से किए गए ठोस पूँजी-निवेश से आपको लाभ होगा, मोघ अमीरी के तुच्छों या दाव खेलने से नहीं। भूमि और खानों के विकास और मकान खड़े करने की भी आपमें काफी योग्यता होगी।

स्वास्थ्य

आपका शरीर ठोस और कसा हुआ होगा, लेकिन काफी कुछ उत्साह रहित। आपमें फोफों, आंतरिक धावा, अपेंडिसाइटिस, अतडियो में स्क्वाब आदि की प्रवृत्ति रहेगी। गठ्ठा के गम्भीर दौर होने की आशंका है। जहाँ तक सम्भव हो, ऊँचे और शुष्क जलवायु वाले क्षेत्र में रहने का प्रयास कीजिए।

'चार' और 'आठ' के एक अनक अमामान्य तरीके से आपके जीवन में आते दिखाई देंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली निधियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए मैं आपको मूय (मुनहरा, पीला, घूरा, नारंगी), पद्म (हरा, नील, सफ़ेद), शुक्र (नीला) के रंगों को धारण करने का परामर्श दूँगा। आपके भाग्य रत्न हैं वाता हीरा, पुखराज, अम्बर, हरा जेड, मोती, नीलम और पीरोजा।

9, 18, 27 (मूलांक 9) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह मंगल, शुक्र और चंद्र हैं। 27 मई को पैदा होने पर आप मियुन राशि के संधि-काल या बुध (ओज) के प्रभाव में भी जा सकते हैं।

यह असाधारण शक्तिशाली योग आपके जीवन को बहुत घटनापूर्ण बनाएगा लेकिन वह अधिकतर दुस्साहस, खतरा, प्यार और रोमांस पर आधारित होगा। इन गुणों के पीछे अच्छा या बुरा, आपका साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और उद्देश्य का स्वरूप रहेगा।

आपमें पर्याप्त संगठन प्रतिभा बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं की इच्छा और धन तथा सम्पत्ति जमा करने की योग्यता है किन्तु साथ ही अपने सभी उद्यमों में आपके भारी ढक्कन में बाधा जान की प्रवृत्ति है।

आप शक्तिशाली दुश्मन और भारी विरोध पाल सेंगे। किसी-कभी खतरे और हिंसा का भी सामना करना पड़ेगा। आप सम्झौते और खर्चीली मुकदमेबाजी के लिए बाध्य होंगे और भारी आर्थिक हानि भी उठा सकते हैं।

यदि आप पर बाध या रुके हैं तो आप महान गुणों का काफी लाभ उठा सकते हैं। लेकिन खतरा यह है कि बड़ी मंगल आपको धोखा न दे और आपका जन्मजाती का स्वभाव आपके निष्पक्ष पर हावी हो विरोध खड़ा न कर दे।

विपरीत लिंगी आपकी ओर आकर्षित होंगे। ईश्या का भी खतरा है। शायद ही आप चोट, घाव और सम्भवतः द्विगुण मृत्यु के बिना पूरी आयु भोग सकें। इस योग के साथ पैदा हुए स्त्री और पुरुष दोनों में मद्यपान की प्रवृत्ति होगी, मद्यपन के बजाए विषमता की अवधि में अधिक।

आपमें बहुत व्यावहारिक गुण होंगे। प्रबंधक, निरीक्षक या किसी दायित्वपूर्ण अधिकारी के पद की भारी योग्यता होगी। सेना, नौसेना या सरकारी कार्य में आप तेजी में उन्नति करेंगे। दृढ़ताशक्ति और आत्मविश्वास से अपनी हर महत्वाकांक्षा को पूरा करने में सफल होंगे।

आर्थिक दशा

आप व्यापार में या उद्योग में अच्छा पैसा कमा सकेंगे। अपनी जिद्दी स्वभाव पर बाध या रुके का पैसा जमा करने के अनेक अवसर भी मिलेंगे, भयंकर आपका यह स्वभाव खर्चीली मुकदमेबाजी और शक्तिशाली दुश्मनों में आपके अच्छे भाग को लबाह कर सकता है।

अपनी संगठन-शक्ति और जनता का प्रभावित करने की योग्यता से आप पैसा बनाएंगे लेकिन व्यक्तियों के साथ निष्पक्ष और विवाद टालने में नीति से काम लेना सीखना चाहिए।

आप हाज़िर जवाब देंगे और योजनाएँ बनाने में दूरदर्शिता का परिचय देंगे लेकिन विनम्र या विरोध होने पर घीस गो बैठेंगे। फिर भी आप इन प्रयासों में

पर्याप्त सफलता की पूरी आशा कर सकते हैं।

ये बातें 27 मई को पैदा हुए लोगों पर उतनी लागू नहीं होंगी जितनी 9 और 18 मई को पैदा हुएों पर। 27 मई को सूर्य मिथुन राशि में प्रवेश कर चुका होता है और मानसिक पक्ष अधिक प्रबल हो जाता है।

स्वास्थ्य

शरीर ठीक हुआ और शक्ति से भरपूर होगा। लेकिन आपको अनेक बार शून्य-व्यक्तिक के चाकू का अनुभव करना होगा। सिर, चेहरा, दात, जबड़े, जन-नेन्द्रिय प्रभावित होंगे। अपेक्षित भी निकालना पड़ सकता है। दुर्घटना, आग, विस्फोट आदि का भी खतरा होगा। पशुओं, दाहरी जीवन और नये स्थानों की खोज के शौकीन होंगे, किन्तु उनसे काफी खतरा भी रहेगा।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नौ' और 'छ' हैं। घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांशों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांशों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करें।

अपना प्रभाव बढ़ाने लिए मंगल (लाल), शुक्र (नीला) और चंद्र (हल्का, क्रीम, सफेद) के रंग के कपड़े पहनिए। 26 मई को जन्मे लोग हलके चमकीले रंगों के कपड़े भी पहन सकते हैं। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, लाल नग, फीरोजा, पन्ना, हरा जेड, चन्द्रकांत मणि, हीरा और 27 मई वालों के लिए सभी चमकीले रंग भी।

अध्याय 6

जून

21 मई से मियुन राशि आरम्भ हो जाती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि दूय के साथ इसका संधि बाल चलता है, अर्थात् 28 मई तक यह पूर्ण प्रभाव में नहीं आ पाती। उसके बाद 20 जून तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि क्व के साथ सात दिन तक के संधि-बाल में इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

21 मई से 20-27 जून तक जन्म लेने वाले व्यक्तियों में मियुन राशि व गुण पाए जाते हैं। वे बहुत-कुछ दुहरे स्वभाव और मानसिकता वाले होने हैं। उनका दिमाग तीक्ष्ण, बहुमुखी और प्रतिभाशाली होता है। सभी राशियों वालों में उन्हें समझ पाना सबसे बठिन होता है। वे सोचने में तेज होते हैं और जहाँ हुआप बुद्धि की आवश्यकता होती है, वे अपने सभी प्रतिउद्दिष्टों को पीछे छोड़ देते हैं।

समाज को वे अपनी बातों से मोह लेते हैं। यदि उनके उस समय के भूढ़ को देखें तो उनसे मिलकर आपको सबसे अधिक प्रसन्नता होती है। लेकिन यह आशा करना ध्येय है कि आप उन पर कोई गहरा प्रभाव डाल सकेंगे या वे अपने वादों का पालन करेंगे। हाँ, उनका मनलब सप्रता हो तो दूसरी बात है।

अपने दिम में वे यही समझते हैं कि वे न बदलने वाले और बफादार हैं। उस क्षण के लिए यह बात ठीक भी हो सकती है, लेकिन हर क्षण का उनके लिए अलग अस्तित्व है।

उनके सामने यदि कोई योजना रखी जाए तो वे शीघ्र ही उसको एक-एक बाण की हृदयगम कर लेते हैं या फिर अपने तर्कों, धम्म बाणों या आलोचना से उनकी बखिया उधेड़कर रख देते हैं। यदि वे एक बात पर जमे रहने में अपनी इच्छाशक्ति का उपयोग करें तो जो भी काम करेंगे उसी में बहुत गानदार सफलता प्राप्त करेंगे।

जहाँ तक धन कमाने की बात है, इस अवधि में पैदा हुए कुछ लोग सट्टेबाजी में, शेयरों में, बम्पनी प्रोमाटर्स के रूप में, अथवा व्यापार में नये आविष्कारों या नये विचारों से लाभ उठाने में सबसे अधिक सफलता प्राप्त करते हैं। वे कूटनीतिक वार्ताओं में, लोगों से घोटवार्ता करने में, देश-विदेशों में घूमने में और अजनबियों को मोहने में भी ठीक रहते हैं।

प्रेम-प्रसंगों में वे सबसे बड़ी पहेली होते हैं। एक ही क्षण में हसकर प्यार कर सकते हैं और गैर बफादार भी हो सकते हैं। उनके प्रायः दो परिवार होते हैं और

वपनी अद्भुत व्यवहार-कुशलता के कारण पकड़े जाने से भी प्रायः बचे रहते हैं।

वे मित्रों का खूब सत्कार करते हैं और उस घड़ी जो भी उनके घ्यालो में हो उसके प्रति दयालु और उदार भी होते हैं, लेकिन बाह्य से ओझल होते ही वह दिमाग से भी गायब हो जाता है। उनके भुलस्वच्छपन के दोरो को सिर्फ इसी प्रकार समझा जा सकता है। -

वे अति सवेदनशील और चंचल रहते हैं। पैसा पास हुआ और घूमने की सुविधा हुई तो कभी एक जगह नहीं बैठेंगे। वे गति से प्यार करते हैं। वे एक्सप्रेस गाड़ियों, तेज मोटर कारों, विमानों और दूरी तथा समय की बचत करने वाले अन्य साधनों के सबसे बड़े ग्राहक होते हैं।

उनके जीवन में प्रायः उतार-चढ़ाव आते रहते हैं लेकिन उनका उन पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता। एक क्षण उदास होने हैं, दूसरे क्षण उनमें ही प्रसन्न हो सकते हैं। वे अपनी वृत्ति के दौरान कई बार जीवन के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलते हैं। लेकिन यदि किसी व्यक्ति के प्रति उनकी भावना या प्रेम में बदलाव आए तो ऐसा समझना चाहिए कि वह व्यक्ति उनके लिए मर चुका। वे प्रायः सफलता की घड़ी में ही अपनी महत्वाकांक्षा का त्याग कर देते हैं। अपना दायिस्त्वपूर्ण पद भी बड़ी आसानी से बेचल इस कारण छोड़ देते हैं कि उसमें दिलचस्पी नहीं रही।

ग्रह-योग और मियुन में सूर्य की स्थिति पूरे स्वभाव पर बुध का शक्तिशाली प्रभाव डालते हैं, उन्हें बौद्धिक मानसिक शक्तियाँ प्रदान करते हैं और साथ ही स्वभाव को दुर्बोध और गूढ़ बनाते हैं। ऐसे लोग विविधता की अतृप्त प्यास लिए हुए होते हैं। और दैनिक जीवन की एकरसता तोड़ने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। उनका मन इतना चंचल रहता है कि उस एक ही समय में अनेक दिशाओं में अभिव्यक्ति चाहिए।

ये लोग काम पूरा होने पर शायद ही कभी सन्तुष्ट होते हो क्योंकि उनमें बाद में अपने ही किए काम की बड़ी आलोचना करने की प्रवृत्ति होती है। वे प्रायः किसी प्रगतिशील आंदोलन में प्रमुख स्थिति पा जाते हैं किन्तु आम तौर से दो व्यवसाय अपनाते हैं, एक जनता के मतलब का और दूसरा अपने मतलब का।

आर्थिक दशा

इन लोगों की आर्थिक दशा की कता पाना कठिन है। बुध मूलतः मन का ग्रह है। मय बुध इस बात पर निर्भर है कि मन किस दिशा में सक्रिय होना है। हो सकता है कि केवल बौद्धिक वस्तुओं की ओर ही मन की प्रवृत्ति हो, जैसे विज्ञान, कला, साहित्य, संगीत आदि। इस दशा में व्यक्ति की महत्वाकांक्षाएँ उसे इनमें से किसी में श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए विवश कर सकती हैं।

लेकिन यदि मन धन-संग्रह की ओर दौड़ता है तो व्यक्ति शीघ्र धन कमा पाने वाले कामों की ओर प्रवृत्त होगा। व्यापार, विशेषकर सट्टेबाजी, उसे आक-

पिन करेगी। खतरा यह है कि इस अवधि में पचाए हुए पुरुष या स्त्री अपनी सफाई में व भी सन्तुष्ट नहीं होंगे और पैसा बचाने के चक्कर में सीमा से बाहर निकल जाएंगे। इसी प्रकार मन यदि बुद्धि-मश की ओर दौड़ता है तो व्यक्ति अपनी सारी शक्ति खर्च कर स्नायविक टूटन तक पहुँच सकता है जिससे प्रयास जारी रखने में बाधा पड़वेगी। दोनों दशाओं में परिणाम एक ही होगा—प्रयास का स्वना और फलस्वरूप अधिक अनिश्चितता।

यदि स्वभाव को ठीक से जानूँ में रखा जाए तो ऐसा समय आना जरूरी नहीं। लेकिन खतरा तो है ही।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में भी यही बात है। उसमें भी केवल 'शरीर पर मन के प्रभाव' का सवाल है। यदि व्यक्ति सफल और प्रसन्न है तो वह बीमारी को चक्का दे देगा। यदि नहीं, तो वह स्नायविक प्रणाली से सम्बन्ध रखने वाली हर प्रकार की बीमारियों का शिकार हो सकता है।

ये साग शायद ही कभी शरीर से तनडे होते हैं। वे अपने स्नायुओं के भराव में रहते हैं और स्नायविक शक्ति को खर्च करते रहते हैं। वे विजली की बैटरियों की तरह हैं जिन्हें समय-समय पर चार्ज करने की जरूरत होती है। यदि वे ठीक से सोकर ऐसा कर सकें तो स्नायविक टूटन के खतरा में बच सकते हैं।

उनमें हस्ताने, जिह्वा में रोग होने और कुछ मामलों में कैंटेलेप्सी की प्रवृत्ति रहती है। कंकड़े कमजोर हो सकने हैं और प्लूरिसी तथा विमोनिया आसानी से होने का खतरा रहता है। छाजन, घुजली और रक्त की बीमारियाँ भी हो सकती हैं।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

इन लोगों के लिए विवाह, सम्बन्ध या साझेदारी शायद ही कभी सफल रहती हो। हाँ, अपवाद हो सकता है, जैसे सभी नियमों के होते हैं। सफाई की मर्माधिक सम्भावना अपनी निजी राशि मिथुन (21 मई से 20 जून), तुला (21 सितम्बर से 20 अक्टूबर), कुम्भ (21 जनवरी से 19 फरवरी), इनके पीछे के सात दिनों के सधि-काल और अपने से सातवीं राशि धनु (21 नवम्बर से 21-28 दिसम्बर) में जन्मे व्यक्तियों के साथ रहनी।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके जन्म ग्रह मृग, यूरेनस और बुध (जोश) हैं। 28 जून को जन्म लेने पर मिथुन के बजाय आप बर्क राशि के क्षेत्र में और उसके स्वामी चन्द्र के प्रभाव में आ जाते हैं।

आप अत्यधिक दयालु और सहानुभूति दिखाने वाले होंगे। महानुभूति और

प्रशंसा से आसानी से प्रभावित हो जाएंगे, जिससे आपका प्रामाद अहित भी होगा। बहुत संवेदनशील, आदर्शवादी और मुखर कल्पनाशाली योग्यता वाले होंगे।

आपका दिमाग बहुत तेज होगा और किसी आपात स्थिति के लिए सदा तैयार रहेगा। आप महत्वाकांक्षी होंगे और अपनी महत्वाकांक्षाएँ पूरी करने में आपका भारी कठिनाईयों में गुजरना होगा।

एक ही समय में आपके दो व्यवसायों में लगने की सम्भावना है लेकिन आप अपने दम से काम करेंगे क्योंकि दूसरा का हस्तक्षेप सहन नहीं कर सकते। आप दुहरे स्वभाव के होंगे और दूसरे लोगों के लिए अपनी समस्याएँ कठिन होंगी।

आप चंचल, हमेशा गतिशील और यात्रा तथा परिवर्तन की सीढ़ी देखते लिए रहेंगे। इसके बाद जूट विज्ञान की सभी समस्याओं में गहरी दिलचस्पी लेंगे। आप अच्छा तर्क करने वाले और बाल की खान निकालने वाले होंगे। आप अध्ययनशील भी होंगे और स्वयं को लेखक के रूप में अभिव्यक्त करना चाहेंगे। आपके मन में मुखर घरेलू जीवन की इच्छा होगी और उसके लिए पूरा प्रयास भी करेंगे लेकिन इसमें भारी कठिनाईयाँ आने की सम्भावना है।

जब हर समय किसी-न-किसी काम में लग रहे हों और बहुमुखी प्रतिभा वाले होंगे। 28 जून को पैदा होने पर आपका व्यक्तित्व बड़ा आकर्षक होगा और अपने विचारों में असाधारण रूप से स्वतन्त्र होंगे।

आर्थिक दशा

आर्थिक सफलता के लिए, लेकिन अपने ही मानसिक प्रयासों से आपके प्रह-योग बहुत अच्छे हैं। शेयरों और उद्योगों के उतार-चढ़ाव के बारे में आपको इन्तर्ज्ञान हासिल करेगा। सट्टेबाजी और दाव लगाने की ओर आपका प्रबल मुकाबला होगा। अपने निजी विचारों और अनुप्रेरणा पर चले तो सफल होने की भी सम्भावना है।

स्वास्थ्य

आपका शरीर लतड़ा न होकर—दुर्बल और मोटा न होकर छत्रहूँ होगा। आप अपने स्नायुओं से काम लेंगे और कभी-कभी अत्यधिक परिश्रम में बंदी की तरह चुक लेंगे। तब फिर से शक्ति लाने के लिए विश्राम और निद्रा की आवश्यकता होगी। आपको अपव के जलावा कोई खास बीमारी नहीं होगी। बचपन में फेफड़ों में परेशानी की भी शिकायत हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' 'चार' और 'पाच' हैं। सबसे महत्वपूर्ण योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलकों वाली विधियों पर करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनशील वर्ष इन्हीं मूलकों वाले होंगे। इन्हीं मूलकों वाली विधियों को पंदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 28 जून को जन्मे व्यक्ति 'दो' और 'सात' मूलकों वाले व्यक्तियों के प्रति भी।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, भूरा, नारंगी), यूरेनस (सिलेंटी) और बुध (हलके चमकीले) के रंगों के कपड़े पहनिए। 28 जून को जन्मे लोग हरे, विशेषकर हलके हरे रंग के कपड़े भी पहन सकते हैं।

आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, मुखराज, अम्बर, नीलम और चमकीले रंग। 28 जून वालों के लिए चन्द्रवात मणि, सहस्रनियाम और मोती भी।

2, 11, 20, 29, (मूलांक 2) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह बुध (ओज) के साथ चंद्र और नेप्चून हैं। 29 जून को जन्म लेने पर बुध के बजाय आप चंद्र के प्रभाव में आते हैं।

आपमें अधिक नम्र और कल्पनाशील गुणों की अधिकता रहेगी। आम तौर से नए विचारों को ग्रहण करने के लिए तैयार रहेंगे। आप उदार विचार वाले और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाले हैं।

लड़ाई-संगड़े या मुझ से आपको स्पष्ट घृणा होगी। आप कूटनीति से या बातचीत से संगड़े निपटाने में कुशल होंगे, लेकिन प्रायः कठिन परिस्थितियों में फंस जाएंगे। आपको कूटनीति या कला से जुड़ा व्यवसाय अपनाना चाहिए।

पुस्तकों, साहित्य और इतिहास से आपको बहुत प्रेम होगा। आप बहुत यात्राएँ करेंगे और अनेक बार स्थान तथा निवास बदलेंगे। साहित्य में सफल हो सकते हैं।

समरस या व्यापारी ढंग का जीवन आपके अनुकूल नहीं होगा। आजीविका के लिए लेखकों के या कलाकारों के लिए लिखा-पढ़ी करना, स्वयं साहित्य-रचना, विशेषकर कल्पनाशील ढंग का, आपके लिए ठीक रहेगा।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप बहुत समझदार नहीं हो सकते। आप 'धन खींचने' के काम में नहीं हैं। आप मानसिक, बुद्धिजीवी वर्ग के हैं और यदि तत्काल जरूरतें पूरी करने लायक पैसा मिल जाए तो धन की अधिक परवाह नहीं करेंगे। आप सपनों की दुनिया में रहने वाले आभावादी वर्ग में हैं, किन्तु अबसर आपने सपने सच में बदल जाने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

यह योग आपको बहुत ताकत या शारीरिक दृष्टि से मजबूत होने का आश्वासन नहीं देता। पेट का ऊपरी भाग कमजोर होने की सम्भावना है। भोजन पर ध्यान देना और सोच समझकर धाना ठीक रहना। इसमें आप गम्भीर बीमारी में बचे रहेंगे और लम्बी जायु भाग्य भवेंगे, हालांकि बहुत ताकतवर सभी नहीं रहेंगे।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक योजनाएँ और आवाजाही पुरी करने के लिए 'दा' और 'तान' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'पाच' मूलान्कों वाले रहेंगे। 'दो',

‘पाच’ और ‘सात’ मूलाको वाली तिथियो को, और ‘एक’ तथा ‘चार’ मूलाको वाली तिथियो को भी, पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा सगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र, (हरा, शीम, सफेद), नेप्चून (कबूतरी, शोच) और बुध (हलके चमकीले) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं - जेड, चन्द्रकान मणि, सहस्रनिगा, मोती, नीलम, हीरा और चमकीले नग।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध (ओज) के भाग्य युव हैं। 30 जून को जन्मे व्यक्ति कर्क राशि के प्रभान में आते हैं जिसके स्वामी शत्रु और नेप्चून हैं।

आपका सबसे प्रमुख गुण अपन काम को सफलता तक पहुंचाने की आकांक्षा होगा। उसने काफी ऊँचाईयों तक पहुंच सकते हैं, फिर भी कभी सन्तुष्ट नहीं होंगे। अन्य तक उन दिशा में सोचने रहेंगे।

आपने पर्याप्त साठन कुशलता है। आर बड़े व्यापार के प्रभु या सरकारी नागरिकताओं, बड़े निगमों आदि के अधिकारी रूप में अच्छा काम कर सकते हैं। छोट तौर पर यात्री या किसी व्यापारिक सम्पान के प्रतिनिधि के रूप में और नये आविष्कारों का प्रचार कर सफल होंगे।

आप जहा जाएंगे दोस्त बना लेंगे और लोगों को शीघ्र प्रभावित कर लेंगे। अपनी बहुमुखी प्रतिभा से आप ओताओं को मात्रमुख्य कर लेंगे। किसी भी विषय पर बोल सकते हैं।

आपके दिमाग में आविष्कार का रक्तान है। विमान यात्रा, वायरलेस, टेली-विजन या खोज सम्बन्धी सभी मामलों में आपके दिव्यबल सेने की सम्भावना है। इनमें और नाट्यिक तथा वैज्ञानिक कार्य में आपको भाग्यशाली रहना चाहिए। आप मणि में प्रेम करेंगे।

व्यापिक ज्ञान

आपको आसानी से धन कमाने, सम्पत्ति जमा करने और ऊँचे पद प्राप्त करने की स्थिति में होता चाहिए, लेकिन आपको कभी सन्तोष नहीं होगा और सदा कुछ ऐसी बात की तालना करते रहेंगे जो आपकी पहुंच से बाहर होगी। इन-पैमें के मानने में आप अत्यन्त उदात्त होंगे। परोपकारी सस्थाओं को पैसा देकर और अपने सम्बन्धियों तथा समुदायियों की महानता कर जमा-पूजी कर कर लेने की प्रवृत्ति रहेंगे।

स्वास्थ्य

अधिक परिश्रम या दकान से आपमें म्नायिक टूटन की प्रवृत्ति रहेगी। आप शीघ्र बीमार पड़ जाएंगे लेकिन अपनी ही जन्मी टीका भी हा जाएंगे। भारी निरद

मानसिक रोगों, फेफड़े में गड़बड़ या श्वास लेने में आम परेशानी में प्राप पीड़ित हो सकते हैं। आँखों के प्रति विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। चम्पा पहनना पड़े तो बदलते रहिए जिससे आँखों पर जोर न पड़े। आपका बदन इच्छा होगा। आप लम्बे समय तक ध्यान अनुभव करते रहेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'पाच' हैं। 30 जून की जन्मे व्यक्ति 2-6 अंक का भी काम में ले सकते हैं। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' मूलांक वाले होंगे। 3 मूलांक वाली तिथियों की जन्म लेने वालों के प्रति आपाह्वार लगाएँ महत्त्व करेंगे। 10 जून को जन्मे व्यक्ति दो-सात मूलांक वाले के प्रति भी आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फाल्सर्न जामुनी) और बुध (हल्के चमकीले) के रंगों को धारण कीजिए। 30 जून वाले इन्टर हॉर रंग के वस्त्र जोड़ सकते हैं। आपके भाष्य रत्न है 'कर्टल', बैंगनी नग, होर आर चमकीले नग। 10 जून वाला के लिए कर्टल और बैंगनी नग के साथ माती, चाटनाथ मणि और लहसुनिया।

4, 13, 22 (मूलांक 4) जून का जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह बुध (ओज) के साथ घूर्णन और मूर्धन है। घूर्णन और बुध के प्रभाव से आपका जीवन असामान्य रहने की सम्भावना है। आपका अलग व्यक्तित्व होगा। आप खास लोगों या वस्तुओं को ही पसन्द करेंगे। आकर्षित और अप्रत्याशित घटनाएँ आपके जीवन में सबसे बड़ी भूमिका निभाएंगी।

आप अपने सभी कामों में भारी मौनिकता का परिचय देंगे। नयी खोजों, नये विचारों, समाज-सुधार और असामान्य अध्ययन के लिए आपकी अद्भुत अन्तर्ध्वरणा या शक्ति प्राप्त होने की सम्भावना है। आप बिजली, टेलीविजन, टेलीफोन, वायु तथा विमान-यात्रा सम्बन्धी खोजों जैसे विषयों की ओर आकर्षित होंगे। सरकारी समस्याओं और सामाजिक प्रश्नों के बारे में आपके विचित्र विचार होंगे।

आपकी विमानों, तूफानों, बिजली और हवा से जुड़ी सभी वस्तुओं में छतरा हो सकता है।

जब तक अपनी जैसी विचारधारा वाला साथी ही न मिले विवाह आपके लिए शुभ रहने की सम्भावना नहीं है।

आपके रहस्यवाद की किसी शाखा की ओर आकर्षित होने की सम्भावना है। ऐसा हुआ तो साहित्यिक कृतियों द्वारा और सम्भवतः भाषणों द्वारा भी, आप उसे जनता के सामने ला सकेंगे।

सम्बन्धियों की ओर से आपको काफी चिड़ और परेशानी होने की सम्भावना है। बहुत हलन्त्र स्वभाव के होने के कारण आप उनसे अलग होकर रहना पसन्द करेंगे। आपको काफी मुश्किलवाजी का सामना करना पड़ेगा। सम्भव है कि इन प्रति

आर्थिक दशा

आप कुछ अजीब और अनिश्चित हालत में रहेंगे। आप अवस्थानात् धन प्राप्त कर सकते हैं लेकिन उसे हाथ में रख पाने की सम्भावना नहीं है। आपके विचार आपकी अपनी पीढ़ी से बहुत आगे होंगे। आपमें दाब खेत्तने की इच्छा होगी लेकिन आम तौर से आप पिछड़े लोगों की सहायता करना चाहेंगे।

आपके सबसे अच्छे अवसर बिजली सम्बन्धी खोजों, वायुमल, रेडियो, टेली-विजन, टेलीफोन, सिनेमा, कोई असाधारण इमारत बनाने में और साहित्य या अत्यन्त बल्पनाशील रचना में भी हैं।

स्वास्थ्य

आपके तंगड़े होने की सम्भावना नहीं है, लेकिन रहस्यमय बीमारियां होगी। आप डाक्टरों की बातों में आसानी से नहीं आएं और बार-बार उन्हें बदलेंगे। दवाओं के प्रति अत्यन्त संवेदनशील रहेंगे। जरा-सी दवा भी शरीर पर बड़ा असर करेगी। अपने पर अनेक प्रयोग करेंगे, विशेषकर मानसिक उपचार में। आप नये ढंग के अच्छे डाक्टर बन सकते हैं लेकिन आपके बारे में काफी विरोध और गलतफहमी होगी। अब गए, अब गए, बानी स्थिति में रहने पर भी आपके दीर्घजीवी होने की आशा है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'पाच' हैं। 'तीन' का अंक और 'तीन' मूलान् वाली तिथियों को पैदा हुए लोग भी आपके जीवन में अक्सर आएं लेकिन विरोध की परिस्थितियों में अधिक। आप इस 'अंक' को काम में लाने से बचिए। 'आठ' के अंक को भी टालिए।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'पाच' मूलान्को वाले होंगे। 'चार', 'पाच' और 'एक' मूलान्को वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हलके चमकीले) और यूरेनस (तिलेटी व शाख) के राशों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं, नीलम, हीरे, और सभी सफेद या चमकीले नग।

5. 14, 23 (मूलान्क 5) जून की जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह दुहरा बुध होने से इन तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों पर बुध का प्रभाव दुगुना हो जाता है।

आपका दिमाग अत्यन्त चंचल, साधन सम्पन्न और तत्वात् साधन तथा अमल करने वाला होगा। आप छोटी गति से आगे बढ़ेंगे और एकरस काम को नापसन्द करेंगे। आपके लिए ऐसे साधक या सहयोगी पाना कठिन होगा जिनके साथ आप समकाम काम करें। फलस्वरूप यह आशा करनी चाहिए कि आपका जीवन या वृत्ति अनेक बार परिवर्तनों से प्रभावित होगा। शीघ्र धन कमाने की सभी योजनाएं आपको

आकर्षित करेंगी, विशेषकर जब आप जून के माध्य में पैदा हुए हों।

आपका रश्मि सट्टेबाजी में होगा। आप शेयरों में या ऐसे व्यापार में जोखिम उठाना चाहेंगे जिसमें तत्काल पैसा आने का आश्वासन रहे। कभी आपको भारी सफलता भी मिलेगी, और फिर अनेक दुर्भाग्यों से पाला पड़ेगा। फलस्वरूप, यदि आप सम्पन्न परिवार में पैदा नहीं हुए हैं और सम्पत्ति दूसरों के नियंत्रण में नहीं है तो आपको दुर्दिनों के लिए, जो आने ही हैं, पैसा बचाकर रखना चाहिए।

आप अत्यंत चंचल होंगे। कई बार घर बनाएंगे लेकिन उनमें अग्नि काट सका टिकेगा नहीं। आपमें यात्रा की दायित्व भावना होगी, एक क्षण की सूचना पर चल देने के लिए तैयार रहेंगे और सबसे तेज चाहेंगे पकड़ें। विमान, एकम्प्रेस गाड़ी और तीव्रगामी कारों से चलना आपकी नियति का अंग होगा। गति के लिए हर क्षण जीवन को धक्के में डालने को तैयार रहेंगे। कई बार यास-यास बर्बेस, लेकिन जाम तौर में ऐसे मामलों में भाग्यशाली रहेंगे।

सोचो में आपकी दिलचस्पी अधिक समय तक नहीं रहेगी। अपनी सफलता में अति उदार होंगे, लेकिन आपका मुख्य गुण 'आँखों से दूर मन से दूर' होगा।

आप दुहरे स्वभाव वाले होंगे। प्रायः सदा दो या अधिक कामों में उलझे रहेंगे। आप एक ही साथ दो व्यक्तियों को प्यार करेंगे और यह निश्चय नहीं कर पाएंगे कि किसे अधिक प्यार करते हैं। जीवन में किसी समय दो परिवार रखने और दो विवाह करने की सम्भावना है।

आर्थिक दशा

शीघ्र तोचने वाला आपका कुशल दिमाग आगे अवसर प्रदान करेगा। कभी आपने बहुत सम्पन्न होने की आशा की थी और कभी इसका टोक उलटा। जब पैसा होगा, आप दोनों हाथों से लुटाएंगे। जब नहीं होगा तो विपन्नता में ही गुज़ारा कर देंगे। दरमसल, आपको सबसे बड़ा खलरा यही है कि स्वभाव में आप दूसरे व्यक्तियों और परिस्थितियों में तत्काल रच-खर जाता है।

यदि आप अपने स्वभाव पर कानूनी या तर्क से तो जिस उद्यम, उद्योग या काम में सम्बद्ध होंगे उसी में आसानी से सफलता प्राप्त करेंगे। यह उन सभी लोगों के लिए बहुत शुभ ग्रहयोग है जिन्हें जनता की निगाह में आना होता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में अपने दुश्मन आप स्वयं होंगे। आपका शरीर उत्तम किन्तु अति संवेदनशील होगा। आप हर प्रकार से अपनी शक्ति का बहुत अदभ्यस करेंगे। चलते रहने के लिए कभी-कभी उत्तेजक दवाओं का भी प्रयोग करेंगे जो आपको पाचन अंगों को हानि पहुँचाएंगी। आप कायदे-कानूना में घूँसा करते हैं, इसलिए अपनी चर्चा में विचलित नहीं होंगे। दिन-रात मकाम या सरन है और जब दिन

जाए, तो सकते हैं। इस प्रकार आप अपने जानदार स्वास्थ्य को खोपट कर सकते हैं।

आपको स्नायुओं की परेशानों, पलकें झपकाने, जिह्वा या बोलने में कुछ दोष, रक्त में गड़बड़ी, छाजन और त्वचा की बीमारियां हो सकती हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक पांच है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलांक वाले रहेंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे।

आपको धृष्ट के हलके चमकीले रंगों के कपड़े पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हीरा और सभी मरेंद चमकीले नग हैं।

6, 15, 4 (मूलांक 6) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके वारक ग्रह शुक्र और बुध हैं। जहां तक जनता की निगाहों में आने की बात है, यह एक बहुत शुभ ग्रह योग है। आप एक से अधिक स्त्रियों से धन प्राप्त करेंगे और आपका जीवन में बड़े-बड़े अवसर आएंगे।

इस भूयोग वाला एक बर्ग निश्चित रूप से कल्पनाशील होता है और संगीत, कला या साहित्य में और अच्छे वक्ता या धर्म प्रचारक के रूप में सफल होता है।

आप सफलता और यश की आशा कर सकते हैं किन्तु भाग्यवाद की अंतर्धारा के साथ, जो कभी-कभी आपको निराशा और उदासी के दौर से गुजारेगी।

आपमें प्रजन आकर्षण है। विपरीत लिंगी आपकी ओर सबसे अधिक आकर्षित होंगे। आपके अनेक जसाधारण प्रेम-प्रसंग और रोमांस होवे तथा आपका जीवन घटनापूर्ण रहेगा। आप किसी प्रकार के अन्याय को पसंद नहीं करेंगे। आपमें स्वतंत्रता की तीव्र उन्मेष और अपने साधियों को ऊपर उठाने की आकांक्षा रहेगी।

आर्थिक दत्ता

आप पैसों के मामले में आपके भाग्यवाली रहने की अधिक सम्भावना है। आपको अनेक उपहार और सम्पत्ति विरासत में मिलेगी।

स्वास्थ्य

आपके अनि सवेदनशील स्नायुओं से पीड़ित होने की सम्भावना है। कभी-कभी हे फोवर, श्वास नलिका में मूजन और दमे की शिकायत हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ' और 'पांच' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका लगाव होगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हलके चमकीले) और शुक्र (नीले) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, मोती, पन्ना, फोरोजा, सभी नीले और चमकीले सफेद नग।

7, 16, 25 (मृतांक 7) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह नेप्चून, चंद्र और बुध हैं। आपका स्वभाव दूसरों के विचारों के लिए अति ग्रहणशील होगा, हाताकि अपने स्वभाव के इन पक्षों को आप तानाशाही ढंग से छिपाने की कोशिश कर सकते हैं। दित में आप अनादरण आदर्शवादों, संवेदनशील, उदात्त विचारों वाले, काव्य-प्रतिभा के धनी, स्वप्नदर्शी और भावी घटनाओं का पूर्वानुमान पा जाने वाले होंगे।

रहस्यवाद के प्रति आपमें गहरा आकर्षण होगा। इन दिशा में आपने अनेक असामान्य अनुभव रहेंगे। आपको आकाशाएँ आम नहीं होंगी। वे इतनी प्रशंसा होंगी कि अपने आत्म-वास के व्यक्तियों को भी प्रभावित कर सकेंगी।

आप नये विचारों के किसी रूप, मनोविज्ञान, झाड़-पूँच और ऐसे अध्वनियों में ठीक रह सकते हैं। इन पर अच्छी तरह बोल या लिख सकते हैं या इन गुणों को आम लोगों से छिपाकर रख सकते हैं।

आपने लम्बी यात्राओं के लिए, विशेषकर जलमार्ग से, प्रबल उत्सुकता रहेंगे। समुद्र, नदी या झील के किनारे रहना आपको मर्म में पसंद आएगा। इन ग्रहयोग में पानी में दुर्घटनाओं या डूबकर मृत्यु की भी काफी सम्भावना है।

साप्ताहिक दृष्टि से, निम्न सम्बन्धों द्वारा पैदा की गई परेशानियों के कारण पारिवारिक जीवन काफी अस्थिर रहने की सम्भावना है। विवाह के बहुत कुछ होने की आशा नहीं। ऐसे मामलों में आपने चारों में काफी दलदल रहनी रहेंगे।

आपको जितना हो सके, मुझसे के लिए पैसा बचाकर अलग रख देने का प्रयास करना चाहिए। आपको घटपटकारी बेईमान लोग धोखा दे सकते हैं।

आप प्रकृति के हर रूप से ध्यान करेंगे। कला में आपकी गहरी रुचि होगी। और आप विविध तथा सुन्दर वस्तुओं का संग्रह करना चाहेंगे।

25 जून को बर्क राशि के संधि-काल में जन्म लेने पर आपने खून में अरु भी अधिक घुमक्कड़ प्रवृत्ति होगी और आप परिवर्तन क्या समुद्र यात्राओं में प्रेरित करेंगे।

आर्थिक दशा

रुपए-पैसे के मामले में विविध अनुभव होने की सम्भावना है। आरम्भ में लिए वसीयत में छोटा गया धन कोई छोटा देकर आपसे ले लेगा और आपको अपना उचित भाग मिलने में कठिनाई होगी। आर्थिक दशा बहुत अनिश्चित रहेंगे। आपकी सट्टेबाजी के फंड में कमी नहीं पड़ना चाहिए, जो कुछ प्राप्त हो उसे सावधानी से बचाकर रखना चाहिए।

स्वास्थ्य

मन के अतीत पर प्रभाव से आपको कुछ विविध अनुभव होने की सम्भावना है। चिन्ता या दुःखद सातावरण से पेट और पाचन अंग मीघ गड़बड़ जाएँगे। समस-

समय पर निराशा और उदासी की प्रवृत्ति आपने स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। आप जुलाम, फेफड़ा की कमजोरी और दुर्बल रक्त-संचार के शिकार होंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'पाच' और 'सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांक वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति जाय अर्कषित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, नीम, सफेद), बुध (हलके चमकीले) और मङ्गल (बहुवर्णी) के रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हरा पेंड, मोती पत्रकात मणि, हीरा।

४, १७, २६ (मूलांक ४) जून को जन्मे व्यक्ति

बुध (भोज) के साथ शनि आपका कारक ग्रह है। २६ जून को पैदा होने पर आप चर्च राशि के सधि काल में आते हैं और उसके गुण आपने स्वभाव में प्रमुखता से रहेंगे।

आपमें भाव्यवादी गुण अधिक प्रकट होंगे। आपके सभी काम प्रबल व्यक्ति-वाद में प्रेरित रहेंगे। आप बहुत-कुछ भाग्य की सतार रहेंगे और आप पर ऐसी परिस्थितियों तथा दशाओं का प्रभाव होगा जिन पर आपका बहुत कम या बिल्कुल काबू नहीं होगा।

आपके दुर्भाग्यपूर्ण कानूनी मामलों के फनने की सम्भावना है और यदि आप अधिकतम सावधानी नहीं बरतेंगे तो वे आपके विरुद्ध जा सकते हैं। आप दुष्प्रचार, बदनामी और गुप्त शत्रुओं से अपना बचाव करने के लिए बाध्य होंगे तथा पड़ोसियों, सजातीयों और निकट सम्बन्धियों के साथ परेशानी में उलझेंगे। आप महसूस करेंगे कि सब-काल में बहुत कम मित्रों पर आप भरोसा कर सकते हैं।

यदि आप बचनवारी बानावरण से मुक्त हो सकें और दूसरे लोगों के मामलों से स्वतन्त्र हो जाएं तो आप पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं, विशेषकर विज्ञान, गणित, गम्भीर साहित्य में और दर्शन या किसी धर्म के अध्ययन में।

अपने व्यवसाय या ध्येयपूति में आपका अकेले रहना ही अच्छा है क्योंकि दूसरे लोग आपको काफी गलत समझेंगे।

अपने विषय के आप महान विद्वान्नील छात्र होंगे। हर बात में बाल की छाल निकालेंगे। छोटी छोटी गलतियों से काफी बिड़ महसूस करेंगे। आप नये विचारों के शीतल होंगे लेकिन आपके विचार आपके आस-पास के लोगों से अलग रहेंगे। परेगमियों और गलतफहमियों के बीच अपने को शान्त रखने के लिए आपको जीवन के प्रति दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जहाँ तक सम्भव हो, विमान से यात्रा को टार्निए।

सापक्षिक वशा

घन के बारे में आप समय और सकलता से बचेंगे। व्यापार में धीरे-धीरे उपाय पसन्द करेंगे और धीरे-धीरे तथा कुछ कष्ट के साथ धीरे, पैसा बचाएंगे। आप अपने में सीमित रहेंगे और बहुत कम लोगों का विश्वास करेंगे। नावधानी के बावजूद आपको हानि उठाने पड़ेगी और जहाँ रहेंगे वहाँ नौकरों तथा नाइके पर लगे लोगों द्वारा चोरी के शिकार हो सकते हैं।

स्वास्थ्य

स्नायविक प्रणाली आपको सबसे अधिक परेशान करेंगी। जोघ, चिन्ता या निराशा के प्रभावों में आप शीघ्र अस्व-व्यस्त हो जाएंगे और आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

अन्तर्द्विषों में गड़बड़, रक्त में विष और नशीली वस्तुओं से पीड़ित हो सकते हैं। हरी शाक-सब्जियाँ घूब खाइए और ठंडा पानी पीजिए। आप मिर-दर्द में भी पीड़ित हो सकते हैं। आँखों की ठीक से देखभाल कीजिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'जाठ और 'चार' हैं लेकिन आपको यथासम्भव उनसे बचने का प्रयास करना चाहिए। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलों को बाल रहेगा। इन्हीं मूलों को बाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति आपका लगाव होगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गहरे काले रंगों के वस्त्रों से बचिए और हलके रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रक्त हैं। काला मोती, काला हीरा, काला नीसम।

9, 18, 27 (मूलानक 9) जून को जन्मे व्यक्ति

बुध (शुक्र) के साथ मंगल आपका कारक ग्रह है। यह योग आपको गहरी, लौक्य बुद्धि प्रदान करेगा लेकिन मानसिक रूप से आपको झगड़ानु और बहस करने वाला बना सकता है। आप मुहफ्त होंगे और वाग्वाणियों से चोट पहुँचाकर लोगों को शत्रु बना लेंगे।

आप आविष्कारक, यात्रिक और विनोदपूर्ण बुद्धि वाले होंगे। रसायन, गणित और विज्ञान से आपको प्रेम होगा। आपमें डायनमी जैसी विद्युत् रहती जिसकी चिनगायिया पारों और छिटकती दिखाई देगी।

लेखन और आम अभिव्यक्ति में अपनी सापगोई और व्यक्तियों से आप काफी विरोध पैदा कर लेंगे। सम्बन्धियों से आपका तनाव रहेगा और भाइयों, बहनों तथा परिजनो से परेशानी। आप बहुमुखी प्रतिभा वाले और बुद्धन होंगे, किन्तु लोक पर चलना आपके बस का नहीं होगा। आप स्वतन्त्रता-प्रेमी होंगे और किसी भी अकुल का विरोध करेंगे।

आर्थिक मामलों में अनेक बार उत्तार-चढ़ाव आएंगे लेकिन कोई बात आपको देर तक निराशा या प्रभावित नहीं कर सकेगी। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी आप भारी साहस में काम लेंगे। आप लड़ाई में हार सकते हैं लेकिन हर बार मुस्तुराने हुए उठ खड़े होंगे।

विपरीत लिंगियों के साथ आपके अनेक प्रसंग जीर परेशानियां रहने की सम्भावना है। आप कानूनी विवादों में पसंगे जीर अपनी अधीनता तथा जल्दबाजी में उनमें हार सकते हैं।

आर्थिक दशा

आवेगी स्वभाव के कारण दिना मावधानों से मंजूर-समय आप योजनाओं की ओर दौड़ पड़ेंगे। लेकिन जोखिम या सयोग वाले आविष्कारों या व्यापार में अनेक प्रकार से भाग्यशाली हो सकते हैं। काम करने के ढंग पर आपके पास कुछ मौलिक विचार होंगे, लेकिन आसानी से सापेक्ष न मिल पाने के कारण आपसी अनेक उत्तम योजनाएं धरी ही रह जाएंगी। यदि भविष्य के लिए मावधानों से व्यवस्था नहीं की तो बुढ़ापा कष्ट में बट सकता है।

स्वास्थ्य

बीमारी के बजाय दुर्घटना के शिकार होने की सम्भावना अधिक है। कमर, कंधे, बांहों और हाथों को चोट आएगी। विजली, हर प्रकार के मोटर, वायु सम्बन्धी दुर्घटनाओं और 27 जून को पैदा होने पर पानी से भी खतरा है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंग 'नौ' और 'पाच' हैं। 27 जून का पैदा होने पर 'दो-सात' का भी प्रभाव रहेगा। सबसे घटनापूष वर्ष 'पाच' और 'नौ' मूलका बाने रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति लगाव होगा। 27 जून को पैदा होने पर 2-7 मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति भी।

अपना प्रभाव बढाने के लिए मंगल (सात) और बुध (हलके चमकीले) के रंग के कपड़े पहनिए। 27 जून वाले हरे और सफेद रंग के भी। आपके भाग्य रत्न हैं सात, ताम्बा, सात या गुलाबी नग, हीरा तथा चमकीले नग। 27 जून वाला के लिए इनके साथ चद्रकान मणि, मोती और लहसुनिया भी।

अध्याय 7

जुलाई

जल विरोध की पहली राशि कर्क 21 जून को प्रारम्भ होती है। साठ दिन तक पूर्व राशि मिथुन के साथ इसका संधि-काल रहता है। अतः यह 28 जून तक पूर्ण प्रभाव में नहीं आती। उसके बाद 20 जुलाई तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि सिंह के साथ इसका संधि-काल प्रारम्भ हो जाता है और मात्र दिन तक इसका प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है। संधि-काल में पैदा हुए व्यक्ति दोनों राशियाँ के गुण ग्रहण कर लेते हैं, अस्तु होती राशि और उदित होती हुई राशि के।

प्राचीन काल में इसे कर्क राशि इसलिए कहा गया क्योंकि इस समय सूर्य आकाश में कर्क (बैकडे) की भाँति गति करता हुआ आगे बढ़ता और पीछे हटता दिखाई देता है।

21 जून से 27 जुलाई तक कर्क राशि के दौरान पैदा हुए व्यक्ति अपने सभी कामों में मेहनती और उद्यमी होते हैं किन्तु उनके भाग्य में अत्यन्त शुभ और अत्यन्त अशुभ रहने की प्रवृत्ति होती है। बेचरो पर दाव लगाने में वे प्रायः हानि उठाते हैं जबकि मीठे-सच्चे प्यार में सर्वाधिक सफल हो सकते हैं। फिर भी आम तौर से उनमें सट्टेबाजी की प्रबल भावना होती है और प्रायः अपने स्वभाव की इस प्रवृत्ति के कारण वे बठोर परिधम से जमाए व्यापार को खोपट कर बैठते हैं।

'कर्क' के प्रतीक की भाँति वे काम और विचारों में प्रायः आगे बढ़ते हैं, पीछे हटते हैं। एक निश्चित योजना या वृत्ति में वे एक छान बिन्दु तक पहुँच आते हैं और फिर अत्यन्त नाजुक क्षण में स्वयं या पीछे मुड़कर सभी को आश्चर्य में डाल देते हैं।

यदि उन्होंने प्रारम्भिक जीवन में अपनी सट्टेबाजी की प्रवृत्ति को वायू में नहीं किया और धन बचाकर उसे आपात काल के लिए सुरक्षित नहीं रखा तो आम-तौर से उनके जीवन में स्पष्ट-पैसे के मामलों में भारी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्ति प्रायः बहुत ऊँचे पदों पर पहुँचते हैं या भारी यश प्राप्त करते हैं और प्रचार की चक्काचीध से बच नहीं पाते। लेकिन पारिवारिक जीवन में उन्हें काफी परेशानों का सामना करना पड़ता है और शायद ही कभी प्रमत्तता में डूबने हो, बाहर वाला की निगाह में वे कितने ही सफल क्यों न दिखाई दें।

आम तौर से वे बड़ी-बड़ी योजनाओं का सपना देखने वाले होते हैं। दूसरों के

कल्याण के लिए वे बड़े-बड़े वाद्यों को कायम करते हैं किन्तु यदि उनका विरोध और आलोचना हो तो उनके मन को भारी आघात पहुँचता है और उनके मन की हो जाने तथा स्वयं को अपने कटघरे में बन्द कर लेने की सम्भावना है।

हालांकि उनका स्वभाव बहुत स्नेहालु होता है, तथापि वे शामद ही कभी उसका प्रदर्शन करते हो। उन्हें गलती से रूखा और भावनाहीन समझ लिया जाता है। उनमें अपने निजी लांगो, पारिवारिक रीति-रिवाजों और परम्परा के लिए भारी प्रेम होता है।

उनमें बहुत कल्पनाशक्ति होती है और वे प्रायः उत्तम कलाकार, लेखक, समीक्षक या नाटककार बनते हैं। कुछ काम तिथियों को पैदा हुए लोग व्यापार या उद्योग का भी संगठन करते हैं। आम तौर से उनकी स्मरणशक्ति तेज होती है और वे हर प्रकार का ज्ञान अपने मस्तिष्क में समेट रहते हैं। वे उत्तम मनोविश्लेषक बनते हैं या गुप्त विद्याओं, धर्म या किसी अमाधारण जीवन-दर्शन में गहरी दिलचस्पी पैदा कर लेते हैं।

आर्थिक दृष्टि

नेचून तथा चन्द्र का प्रभाव उनके जीवन में अनेक अप्रत्याशित परिवर्तन लाएगा। दूसरों के छलपूर्ण वातावरण अथवा कम पूँजी पर बड़ी आय का प्रलोभन देने वाली कम्पनियों तथा सिडीकेटों द्वारा आर्थिक क्षति के प्रति उन्हें सतर्क रहना चाहिए। उन्हें आर्थिक लेन-देन में बहुत सावधान रहना चाहिए। ऐसे बागजों, करारों, समझौतों आदि पर, जिनमें जरा भी अनिश्चय का तत्व हो, हस्ताक्षर करते समय विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए।

उन्हे बड़े विविध ढंग से या विविध व्यक्तियों के सम्पर्क से अधिक लाभ होगा। वे प्रायः किसी एकदम अप्रत्याशित स्रोत से धन प्राप्त करते हैं और विविध साधनों में धनवान बनते हैं। उन्हें खेल-शोधन, कोयला, जहाजरानी, रेडियम, प्लेटिनम बिजली, पुरायस्त्वुओं, क्यूरियोज आदि में पैसा लगाने और दवाओं तथा द्रवों के आगमन में प्रायः सफलता मिलती है। सावजनिक जीवन और दायित्वपूर्ण पदों पर भी। जन उपयोग की बड़ी-बड़ी कम्पनियों और ऐरोनॉमिकलों में पैसा लगाना आम तौर से अच्छा रहता है लेकिन ऐसे संस्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आम जनता की आवश्यकताएँ पूरी करने हैं।

इस अवधि में पैदा व्यक्ति प्रायः अवैधक और खोजकर्ता के रूप में और भूमि तथा खानों के विकास में सफल रहते हैं।

स्वास्थ्य

उन्हे अपने भोजन के बारे में विशेष सावधान रहना चाहिए, क्योंकि पाचन अंग और पेट की सूजन, गैस की परेशानी, अन्धकनी फोड़े, कैन्सर और जलोदर के वे शिकार हो सकते हैं। चन्द्र का प्रभाव शरीर को कमजोर बनाता है किन्तु इच्छाशक्ति

से इस कमजोरी पर काबू पाया जा सकता है। अधिक भावुकता के कारण अधिकांश बीमारियाँ अनियंत्रित भावनाओं और उदास कल्पना से पैदा होगी।

भविष्य की चिंता और भय से बचना चाहिए। इन लोगों की गटियाँ, रक्त-संचार ठीक से न होना, सर्दी-जुकाम, फेफड़ों की कमजोरी आदि का भी डर रहेगा।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

इन लोगों के सबसे मधुर सम्बन्ध अपनी निजी रागिणिक (21 जून से 20 जुलाई) जब त्रिकोण की दो अन्य रागियों—वृश्चिक (21 अक्टूबर से 20 नवम्बर), तथा मीन (19 फरवरी से 20 मार्च) और इन रागियों के पीछे के सात दिन के सधि-काल में जन्मे व्यक्तिवा के साथ रहेंगे।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण घर मूय, यूरेनस, नेपचून और चन्द्र हैं। यह ग्रह-योग आपकी वृत्ति या पद में अनेक परिवर्तनों का प्रमाण देता है। आपके अनेक विचित्र अभियान और अनुभव होंगे तथा आप पर अपने दातादरश का भारी प्रभाव पड़ेगा।

आप अपने घर और परिवार से काफी बंधे हुए होंगे। आपके काम आत्मा की आमाज पर होंगे और आप अपने देश के प्रति अति भावना रखने वाले होंगे। इस ग्रह-योग में जीवन में प्राप्ति का अच्छा आश्वासन मिलता है।

आप स्वभाव से शांत और अपने तब सीमित लेकिन बहुत संवेदनशील होंगे। प्रकटन इससे विपरीत आप चाहें या न चाहें, आपका काफी नाम होगा। आपमें पैसा जमा करने की प्रवृत्ति भावना रहेगी, संपत्ति के प्रति प्रेम के बजाय उसके संहार के लिए प्रवृत्ति।

दिन से आप महान धार्मिक स्वभाव के होंगे, लेकिन दिखावे के धर्म व बजाय सीधे-सादे धर्म की ओर आपका रुचान होगा। धनदान करने पर आप सादगी से रहेंगे और धन को मानव बन्धन की बड़ी-बड़ी सत्याप खड़ी करने या उनकी सहायता करने में लगाए जाने की सम्भावना है।

आर्थिक दशा

आर्थिक रूप में इन तिथियों की जन्म व्यक्तिवा के दो स्पष्ट क्षेत्र दर्श हैं। एक सुदृढ़ने पथर के समान चकन प्रवृत्ति के जो एक बात यह एक स्थान पर टिककर नहीं रह सकते। घुमक्कटपन उनके खून में होता है, वे यात्रा और परिवर्तन के बिना तथा किसी भी बौद्धिक पर दुष्साहसिक अभियान के बिना नहीं रह सकते। ऐसे लोगों को उनकी आवां की चलना, हर समय हाथ पर हिलाते रहने और प्राप्ति से न बंध पाने में आसानी में पहुँचाया जा सकता है। उनका शास्त्र ही भला होता हो।

दूसरे वग के लोग ठीक इसके उलट होते हैं—शांत, अपने तब सीमित, घर और परिवार के प्रति भारी प्रेम प्रदर्शित करने वाले। कभी-कभी वे यात्रा पर भी

निकलते हैं लेकिन किसी खास उद्देश्य में। वे बोलते कम हैं, काम ज्यादा करते हैं।

ये दो विरोधी वर्ग अन्य किसी राशि की अपेक्षा इस राशि में अधिक मिलते हैं। चंचल प्रकृति वालों के लिए स्पष्ट-पथों की हमेशा कठिनाई रहेगी। दूसरी प्रकृति वालों के लिए यह एक समस्या होगी जिसे वे धैर्य और ईमानदारी से हल कर सकते हैं।

स्वास्थ्य

आपने काफी जीवनी-शक्ति होगी, फिर भी ऊपर से बहुत तंगड़े दिखाई नहीं देंगे। पाचन अंगों और आंतों में परेशानी हो सकती है। किन्तु आप खुद अपने डॉक्टर बन जाएंगे और भोजन को सावधानी बरतकर बीमारियों को नियंत्रण में रखेंगे। अपनी जीवनीशक्ति और तन्वी आयु से आप अपने मित्रों को आश्चर्य में डाल देंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक', 'दो', 'चार' तथा 'याद' हैं। अपनी सबसे महत्वपूर्ण योजनाएँ और कार्यक्रम पूरा करने के लिए इन्हीं मूलांकों वाली तिथियाँ से काम लीजिए। 'चार' और 'आठ' के अंकों से जहाँ तक हो सके, बचिए।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'एक', 'दो', 'चार', तथा 'सान' मूलांकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा), पूरेनम (शोख नीला सिलेटी), चंद्र (हरा, क्रीम, मफेद) और नेप्चून (कबूतरी और शोथ रंग) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, अम्बर, नीलम, और चंद्रकांत मणि।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह चंद्र, सूर्य, पूरेनम और नेप्चून हैं। आपमें कल्पनाशील गुण अधिक प्रकट होंगे। आप बड़े-बड़े सपने देखेंगे और सम्भावना यह है कि वे पूरे होंगे। आप अपना हर काम उत्साह से करेंगे और दूसरों के लिए कायदे-कानून बनाने में अत्यन्त तानाशाही स्वभाव का परिचय देंगे।

आप ऐसी नाटकीय परिस्थितियाँ पैदा कर देंगे जिनमें आपकी प्रमुख भूमिका रहेगी और आपका नाम फैलेगा।

मन से आप कलाप्रिय, मानी और भावुक होंगे। आप कविता, साहित्य संगीत और नाटक के प्रेमी होंगे। दूसरों की भावनाओं को जगाने की आपमें काफी योग्यता रहेगी।

आप एकरस जीवन को नापसंद करेंगे। अर्थ देशों को बदलने में समुद्र यात्रा करना चाहेंगे और उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे।

कभी-कभी आप तेज-तर्रार भी हो सकते हैं और अपनी रुखी बाणी से लोगों को दुश्मन बना लेंगे।

लेखक, संगीतज्ञ या बनावार के रूप में आप भारी कल्पनाशक्ति का परिचय देंगे और आपकी प्रतिभा बहुमुखी होगी। आप कपूरियोज, पुरावस्तुओं, पुराने पर्नोचर आदि के शौकीन होंगे और जहाँ तक हो सकेगा, उनका अधिक में अधिक संग्रह करेंगे।

आप नदियों, झीलें और समुद्र के किनारे रहना पसन्द करेंगे। यात्रा-उत्साह पढ़ने के बहुत शौकीन होंगे और विदेशों के बारे में काफी जानकारी जमा कर लेंगे।

आप अपना कोई अलग रास्ता बनाएंगे। जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसमें आपने किसी प्रमुख पद पर पहुँचने की सम्भावना है।

आर्थिक दशा

आर्थिक दशा भी बदलती हुई रहेगी। अनिश्चय की भावना रहने की सम्भावना है। पैसा पैसा करने के लिए किसी भी अवसर का लाभ उठा लेने की इच्छा होगी। अतः में एक दुश्चक्र बन जान की सम्भावना है जो आपु के साथ बदतर हो सकती है।

आपको आर्थिक मामलों में अन्यन्त सावधानी से काम लेना चाहिए। स्ट्रेट-वाजी और दाव लगाने के सभी प्रयासों में बचिए। धीरे-धीरे ही महो, पूँजी जमा करने का प्रयास कीजिए। शोषण धन प्रमान की योजनाओं से दूर रहिए। हो सके तो जमे-जमाए कारोबार में अपने को जोड़िए या उसके लिए काम कीजिए। आपके घर जहाजराती, आयात-निर्यात, माल तथा वस्तुओं की दुलाई या अविवसित देशों की खोज जैसे कामों के लिए शुभ है।

स्वास्थ्य

आपके स्वास्थ्य का निरीक्षण कर पाना कठिन है। या तो बहुत लगे आर गंठाले होंगे, या एकदम उलटे। 29 जुलाई वाले व्यक्ति दूसरे वर्ग में आ जाते हैं। वे अगली राशि सिंह में प्रवेश कर चुके होते हैं। यह बहुत सम्भावनाओं वाली राशि है लेकिन सफलता के लिए उनकी प्रबल महत्वाकांक्षा की जरूरत होगी।

यदि आप 2, 11 या 20 जुलाई को पैदा हुए हैं तो चन्द्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आप अपने बाल्यवर्ष के प्रति अत्यन्त संवेदनशील होंगे। यदि वह भाग्यशाली और अनुकूल हुआ तो आप बीमारी से अधिक परेशान हुए बिना जीवन काट देंगे। इसके विपरीत यदि निराशाजनक या दुःख परिस्थितियाँ हुईं तो आपका बीमारियाँ से काफी कष्ट उठाना होगा। आम प्रवृत्ति अदमनी अथवा में दर्द और ऐंठन की रहेगी। आंतों में फोड़े, रक्तावत या वृद्ध की भी कुछ सम्भावना है। इन तितियों को पैदा हुए पुरुष और स्त्री दोनों के लिए बहुत मादा भोजन करना और अधिक में अधिक पानी पीना लाभकारी रहेगा।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अब 'एक', 'दो' और 'मार्क' है। मरम घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलाना वाले रहेंगे। 'एक', 'दो' और 'मार्क' मूलाना वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा गौरव महसूस करेंगे।

सपना प्रभाव बढ़ाने के लिए (हरा, नीम, सफेद), सूर्य (सुनहरा पीला, नारंगी, भूरा) और नेप्चून (कबूतरी व शोथ) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके मान्यरत्न हैं जेड, मोती, चंद्रकांत मणि, पुष्कराज, अमर, हीरा।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह गुरु, नेप्चून और चंद्र हैं। यह योग आपके व्यक्तित्व को बढ़ाएगा और आपके जीवन तथा वृत्ति को अधिक महत्वाकांक्षी करेगा, विशेषकर 30 जुलाई को जन्म लेने पर। आप बहुत स्वतन्त्र भावना वाले और अपने विचारों तथा राय में निश्चय और साहसी होंगे। फिर भी उदार, दूसरों के साथ उपकार करने वाले तथा सहानुभूति रखने वाले होंगे। आप अपने से छोटे और समकक्ष दोनों लोगों में लोकप्रिय होंगे, विशेषकर यदि आप समय-समय पर मिनने वाले दायित्वों को कंधे पर ले लें।

आप जीवन को अधिक ऊँचे और बौद्धिक घरातल से देखेंगे। दूसरों पर अधिकार के पदों, सरकारी, नगरपालिका या सार्वजनिक कार्यों या बड़े उद्यमों के प्रमुख के रूप में आपको अच्छी सफलता मिलनी चाहिए।

परिवार और देश के प्रति आपके मन में बहुत गहरा प्रेम होगा और साथ ही यात्रा कर दूसरे देशों की दशा जानकर ज्ञान बढ़ाने की मन में प्रबल उत्कंठा होगी।

आप उद्यम या व्यापार खड़े करने में बहुत सफल होंगे किन्तु इतनी ही आसानी से किसी पेशेवर सार्वजनिक या राजनीतिक जीवन को अपना सकेंगे।

प्रारम्भिक जीवन में सम्भवतः आपको ऊपर उठने में कठिनाई हो और हर लाभ के लिए अपने श्रोते रहना पड़े। ऐसा हुआ तो करीब 30 या 35 वर्ष की आयु तक आपका मार्ग कठिन हो सकता है। उसके बाद भाग्य आपका पूरी तरह साथ देगा। आप अपने समाज या देश से सम्मान और जिम्मेदारी के पदों की आशा कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

दण्ड-पंक्ते के मामले में डरने की कोई आवश्यकता नहीं। एक बार प्रारम्भ के वर्ष कटे और नींव के पत्थर मिलने शुरू हुए, आप सम्पत्ति और पद दोनों प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

आपका शरीर स्वस्थ होगा और जीवन के प्रति प्रसन्न दृष्टिकोण से ठीक रहेगा। आप समीचीन और नियम में चलने वाले होंगे और बहुत मजबूत बीमारियों के शिकार होंगे। आप यथामुम्व अविवेक-से-अविवेक यात्रा जात रह्य। आपके साथ मचने बड़ा खतरा यह है कि अपने कंधों पर बहुत अधिक जिम्मेदारियाँ उठा लेंगे और अतिशय में अपनी आयु को कम कर लेंगे।

आपके समय महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'दो' और 'सान' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति

आप गहरा सावध रहने लगेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फाल्गुनी, ज्येष्ठ) और नेत्रून, (वृश्चिक व मेष) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपने भाग्य-रत्न है बटुता, बैंगनी रंग के नंग, हीरा चन्द्रकान्त मणि, मोती।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके चारों ओर सूर्य, चंद्र, नेत्रून और शनि हैं। यह चतुष्टय आपके बहुत भ्रमाधारण व्यक्तित्व प्रदान करेगा, लेकिन सम्मानित घटनाओं का सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के साथ उमका सातमेक बैठना आसान नहीं होगा। आपमें मौलिकता के प्रति प्रबल दृष्टान्त होगा जो सनकीपन की ओर झुकाव लिए होगा।

सम्बन्धियों द्वारा अथवा उन्हें सम्पर्क बनाकर और घरेलू मामलों में आपके लिए काफी परेशानी और तनाव पैदा होने की सम्भावना है। आप अनेक मुश्किलों में पड़ सकते हैं और अनेक बार भारी अन्याय का अनुभव करना पड़ेगा। आपको साधे-दारिद्र्य, सम्बन्धों और विवाहों के मामलों में अत्यन्त सावधान रहना चाहिए।

आपमें उच्च अल्प प्रेरणा होगी और स्वल्प पूर्वज्ञान आदि के मामलों में विविध अनुभव होंगे लेकिन इतने संवेदनशील होंगे कि उसका रहस्य कुछ छुने हुए मित्रों को ही बताएँगे।

आपमें असामान्य मानसिक योग्यता होगी और जो भी वृत्ति अपनाएँगे, उसमें ऊँचा पद प्राप्त करेंगे। अत्यन्त सफल होने पर भी आपको काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और आराम नहीं मिलेगा।

आर्थिक दशा

आप बहुत कम व्यक्तियों के साथ आर्थिक मामलों में जुड़ना पसन्द करेंगे। आप में पसन्दगी और नायनन्दगी की तीव्र भावनाएँ होंगी और आपको अपनी अल्प प्रेरणा के अनुसार चलना चाहिए। तबमें अच्छा यह होगा कि आप अपनी योजनाओं पर अनेक काम करें। और कुछ विविध आविष्कार भी कर सकते हैं जो आपके लिए भाग्य-शायी होंगे। आपके विविध दृष्टांते, तीव्र से हटकर पैसा पैदा करने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में आपके अनेक अनामान्य अनुभव होंगे। दाढ़ियों के लिए आपको समझने में गड़बड़ होगी। वे आपके कानों में सड़कों पर विचार नहीं करेंगे। आपके अपने सम्बन्धियों को भी आपसे बारी में काफी दूर रहने होंगे। बड़ी विषय का प्रभाव न हो जाए, इसके लिए आपका अपने भोजन में भारी सतर्कता चलनी चाहिए। मछली, घोंघे, बैंगने आदि नमूने भोजन के बारे में विशेष सावधानी की जरूरत है और स्वच्छ रहना चाहिए।

आपके मकान में गहरे अंधेरे और 'बार' और 'आठ' रहेंगे। मकान में घटनाएँ वर्ष-वर्षों से होती आती हैं। इसी मकानों वाली विविधों की पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति

आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे अच्छे रंग नीले या सुनहरी, पीला, नारंगी व भूरा रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं नीलम, मोनी, हीरा, चन्द्रकांत मणि।

5, 14, 23 (मूलांक 5) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध, चन्द्र और नेप्चून हैं। आप व्यक्तियों और वातावरण दोनों के प्रति अत्यन्त संवेदनशील और उन पर अपनी छाप छोड़ने वाले होंगे। दया के सभी कामों से आप तत्काल प्रभावित होंगे। आपके स्वभाव के लिए प्रशंसा और प्रोत्साहन वही काम करेंगे जो फूल के लिए पानी करता है।

प्रारम्भिक वर्षों में आप स्वयं में और अपनी योग्यताओं में विश्वास करने में अत्यन्त कठिनाई महसूस करेंगे। एक बार पाव पर खड़े हो जाए, फिर आगे बढ़ते ही जाएंगे और अपनी उद्देश्यपूर्ति में कभी नहीं सडखड़ाएंगे।

आपका दिमाग बहुत तेज होगा। बौद्धिक वस्तुओं के लिए प्रबल इच्छा होगी और जो भी कृति धुँँगे उसमें दूसरों पर प्रभुत्व पाने की बलवती आकांक्षा होगी। परलोक-विषयक प्रश्नों की खोजबीन के लिए आपके मन में भारी सलक होगी।

आपका सबसे बड़ा दोष यह होगा कि आप अपनी योजनाओं पर आवश्यकता से अधिक जोर देकर लोगों को दुश्मन बना लेंगे और भारी विरोध पैदा कर लेंगे।

आपमें यात्रा की, विशेषकर जलमार्ग से, तीव्र साहसा रहेगी और जहाँ तक परिस्थितियाँ अनुमति देंगी, आप इसे पूरा करेंगे। स्पष्ट-वैज्ञानिक के मामले में आपका भाग्य कभी-कभी चमकेगा लेकिन उसे हाथ में रखने में आपको भारी कठिनाई होगी।

आप दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास पैदा कर सकते हैं। इन दो शक्ति-शाली हथियारों से जीवन सघर्ष में आसानी से विजय प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि आपकी असाधारण बुद्धि का वरदान मिला हुआ है। आपमें काफी नीति कुशलता है। यदि आपकी दिलचस्पी जाग जाए तो आप राजनयिक के रूप में बहुत सफल हो सकते हैं। आप दूसरे देश के लोगों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकते हैं और उनका दृष्टिकोण समझ सकते हैं, भले ही उनके विचार आपके अपने विचारों के विपरीत हों।

आर्थिक वंश

यदि आप अपनी अन्तःप्रेरणा पर चलें और अपने ढंग से काम करें तो पैसा कमाने में बहुत सफल हो सकते हैं। आपका दिमाग दृढ़ता से और बहुमुखी है। आप लोभ वाले या एकरस जीवन से बौद्धिक ऊठ जाएंगे।

स्वास्थ्य

आप गम्भीर बीमारी से भी शीघ्र उठ खड़े होंगे। प्रमुख कठिनाई अत्यन्त

संबेदनशील स्नायुओं और पर्याप्त विधामन कर पाने से ही होगी। बुढ़ापे में चेहरे और आँखों की मसो में तनाव आ सकता है। टांगों तथा पैरों में चोट या पक्षाघात का भी खतरा है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पाच' और फिर 'दो' तथा 'सात' हैं। अपने महत्वपूर्ण कार्यक्रम या योजनाएँ इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' मूलांक वाले होंगे। 'पाच', तथा 'सात' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग हैं बुध (हल्के रंग), शुक्र (हरा, सफेद, क्रीम), नेप्चून (बबूलरी)। आपको काले या गहरे रंग के वस्त्र नहीं पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, मोती, सफेद जेमकीले नग, जेड।

6, 15, 24 (मूलांक 6) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र, शुक्र और नेप्चून हैं। इस ग्रहयोग में आपका जीवन दिलचस्प और असामान्य रहेगा लेकिन प्यार, रोमांस और महत्वाकांक्षा बड़ी भूमिका अदा करेंगे।

आप दयालु, उदार, दूसरों पर अपनी छाप डालने वाले और अत्यन्त आकर्षक होंगे बिन्दु अन्त में आपकी सफलता का राज आपकी महत्वाकांक्षा ही होगी।

रहस्यवाद के प्रति आपकी काफी रुचि होगी, लेकिन इसे अच्छी तरह नियन्त्रण में रखेंगे और बेकार के अधविश्वास को हावी नहीं होने देंगे। साथ ही आप भाग्य में विश्वास करने वाले होंगे।

अपने परिवार को, विशेषकर मातृ पक्ष को, बहुत प्यार करेंगे। आप सम्बन्धियों के हितों को साधेंगे और इससे आपके बन्धों पर जो बोझ आएगा, उससे धबकाएंगे नहीं। विवाह और आपका निजी घरेलू जीवन विशेष भाग्यशाली रहने की आशा नहीं है।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप अधिक भाग्यशाली रहेंगे। विपरीत तिथियों के साथ भाग्यशाली होंगे। विवाह से पैसा मिलने की सम्भावना है। विरामन में सम्पत्ति भी मिल सकती है। अथवा आप अपनी निजी मनोशक्ति से पैसा कमाएंगे।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में शरीर बमा हुआ और खनिज से भरपूर होगा। लेकिन बाद में अधिक परिश्रम और तनाव से आप अपने स्वास्थ्य को खोपट कर सकते हैं। आपको आन्तरिक बीमारियाँ हो सकती हैं, जैम आंतों में दवावट, ट्यूमर, अपेंडिसाइटिस इत्यादि

आदि। नाबधानी से रहने और सारे भोजन से ये शिवायतें ठीक की जा सकती हैं।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'छ', 'दो' और 'सात' हैं। इन्हीं मूलाको वाली तिथियों को अपने कार्यक्रम और योजनायें पूरी कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष छ मूलाक वाले रहेंगे। 'छ', 'तीन', 'नी' मूलाको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आकर्षण महसूस करेंगे लेकिन इनमें 'नी' का मूलांक इतना शुभ नहीं है।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (नीला), चन्द्र (हरा, नीम, सफेद) और नेप्चून (कड़नरी) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं फीरोजा, सभी नीले नंग और पन्ना भी।

7, 16, 25 (मूलांक 7) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपने क्षारक ग्रह नेप्चून और चन्द्र हैं। यदि आप चरित्र-बल और इच्छा-शक्ति का विकास करें तो यह ग्रहयोग आपकी बौद्धिक उपसम्पत्तियों से आपको दूसरों से अधिक लाभकारी स्थिति में पहुँचाएगा। आप असामान्य मानसिक व्यवसाय की ओर जाना चाहेंगे।

आप भावुक, कलाप्रिय और कल्पनाशील होंगे तथा आपको ऊँचे दर्जों की प्रेरणा और आध्यात्मिक शक्ति का वरदान होगा। इस पृष्ठभूमि में आप चित्रकार, लेखक, संगीतज्ञ, कला या धर्म-प्रचारक के रूप में काफी सफल हो सकते हैं। लेकिन आपकी इच्छाएँ भौतिक धरातल की न होने के कारण आपको प्रारम्भिक वर्षों में अपने काम से पैसा कमाना बहुत कठिन होगा, जब तक कि आप साधन-सम्पन्न न हो।

आपकी शक्ति और आदर्शों में परिष्कार की आवश्यकता होगी और आपका जीवन बिन्हीं दशाओं या परिस्थितियों में प्रारम्भ हुआ हो, आपकी इच्छाएँ महान होगी। आप अध्ययन से अपने मानसिक गुणों का हर प्रकार विकास करने का प्रयास करेंगे। यह ग्रहयोग दार्शनिक और गम्भीर धार्मिक स्वभाव प्रदान करता है।

25 जुलाई को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि, सूर्य के स्वामित्व वाली तिहु राशि के सन्धि-काल में प्रवेश कर जाने से भौतिक दृष्टिकोण से अधिक सफल हो सकते हैं। वे सार्वजनिक मामलों में अधिक प्रकाश में आयेगे लेकिन दार्शनिक रुझान फिर भी पृष्ठभूमि में रहा आएगा।

7, 16 या 25 जुलाई को पैदा हुए सभी लोगों में समुद्र-यात्रा या समुद्री भूमि-यात्राओं की नींव उत्पन्न रहती है। परिस्थितियाँ अनुकूल होने पर वे अज्ञात देशों के अवैयक बन सकते हैं।

परन्तु प्रति महार लगाव होने पर भी धरेतु जीवन में उनके अनुभव असाधारण होने हैं। विवाद होता है तो विभिन्न परिस्थितियों में। जितनी देर है, उतना ही अधिक उसके रूपत रहने का अवसर होता है।

आधिक दशा

आधिक मासों में मैं बहुत अधिक चेतावनी देना नहीं चाहता। इन लोगों के अत्यन्त असाधारण अनुभव रहने की सम्भावना है। एकदम अजनबी व्यक्ति सहसा उनके जीवन में आकर उनमें और उनकी प्रतिभा में गहरी दिलचस्पी लेने लगते हैं और फिर अकस्मात् छोड़कर चल देते हैं। यही बात सम्बन्धियों के बारे में है, कभी भारी दिलचस्पी लेंगे और सहायता करेंगे, कभी इसका उलटा होगा।

उन्हें सशर्त विरासन मिलने की भी सम्भावना होती है। मैं ऐसे व्यक्तियों को परामर्श दूंगा कि वे आत्मविश्वास पैदा करने का प्रयास करें, अपनी प्रतिभा को बनाए रखें और अपने हृदय में सदा आशा-आकांक्षा की ज्योति को जगाए रखें। मेरे ध्यान से इस नियम पर चलने से कभी-न-कभी उनके बौद्धिक गुण उन्हें वांछित पद तक पहुँचा देंगे।

स्वास्थ्य

इस राशि में स्वास्थ्य की दशा मनस्थिति पर निर्भर रहती है। आप शरीर से इतने मोटे-साजे नहीं होंगे लेकिन यदि आपका दिमाग किसी निश्चित उद्देश्य को पूरा करने में जुट जाए तो आप भारी सहनशक्ति का परिचय देंगे।

शरीर में आप किसी निश्चित बीमारी के शिकार हो सकते हैं। द्यूमर, आंतरिक अंगों में घाव, सम्बा नजला-जुकाम और इन्फ्लूएन्जा की सम्भावना है। लेकिन प्रसन्न मुद्रा से रहने पर ये प्रवृत्तियाँ गायब हो सकती हैं।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात' और 'दो' हैं। इन्हीं मूलों की वाली तिथियों को अपने काम या योजनाएँ पूरी कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलों की वाले होंगे। इन्हीं मूलों की वाली तिथियों को अपने व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 25 जुलाई को जन्मे लोग 'एक-बार' मूलों की वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति भी आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए नैचून् (बबूतर) और चन्द्र (हरा, क्रीम, सफ़ेद) के रंगों के वस्त्र पहनिए। 25 जुलाई वाले लोग गुनहरे, पीले, नारंगी तथा भूरे रंग को भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, चन्द्रकान मणि, लह-नुनियाँ, मोती।

8. 17. 26 (मूलांक 8) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

8 और 17 जुलाई का पैदा हुए लोगों के लिए कारक यह है मणि, नेप्चर तथा चन्द्र। 26 जुलाई को मूल्य नके राशि छोड़कर अपनी राशि सिंह में प्रवेश कर लेता है। यह तिथि उन लोगों के लिए शुभ है जो पादरी, संचक, आदि के रूप में काम करने हैं दिनका काम आम जनता को आकर्षित करता है।

यदि आप 8 या 17 पुसाई को पैसा हुए हैं तो आप बहुत गम्भीर स्वभाव के, दृढ़ इच्छाशक्ति वाले और अपनी राय में बहुत स्पष्ट होंगे। मध्य आयु तक दूसरे लोगों के बाधा डालने से आप पर अनुश्रुति और जिम्मेदारियाँ रहने की सम्भावना है। आप पिछड़े में बन्द कँदी के समान होंगे जो सीखचो से बाहर की दुनिया को देख तो सकता है लेकिन अपनी हालत नहीं बदल सकता।

आप कम-अधिक 'भाग्य' की सन्तान होंगे, जहाँ आपकी परिस्थितियों का निर्माण दूसरे लोग करेंगे। आप अपनी भावनाओं में अत्यन्त गम्भीर और ईमानदार होंगे लेकिन प्रदर्शन नहीं करेंगे और न यह व्यक्त कर पाएँगे कि आपने मन में क्या है।

प्रारम्भिक वर्षों में दूसरों के लिए आपकी बलि चढ़ाई जाएगी और आपको अपने काम के लिए बहुत कम सन्तोष या श्रेय मिलेगा। प्यार के मामले में आपको कुछ बहुत बड़े परीक्षणों और भारी जिम्मेदारियों से गुजरना होगा।

मध्य आयु तक आपको अपनी आकांक्षाएँ पूरी करने में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ेगा लेकिन अन्त में आप अपने सकल्प और दृढ़ता का पुरस्कार मिलने की आशा कर सकते हैं।

आपने माप दो बातें हो सकती हैं। आप उन व्यक्तियों में हो सकते हैं जिन्हें शाशासन और पारिवारिक मजबूरियाँ किसी सीक यासे काम में घनेल देती हैं और जहाँ उन्हें दूसरों के लिए काम करते हुए अपने जीवन का अधिकांश भाग बिताना होता है। अथवा आप अधिक भाग्यशाली वर्ग में से हो सकते हैं जिसे धीरे-धीरे धन जमा करने और भाग्यशाली शक्ति बनने का अधिक शीघ्र अवसर मिल जाता है। आम तौर पर इन स्थितियों को जन्मे व्यक्तियों का प्रारम्भिक जीवन भारी कठिनाई में बीता है।

वे व्यक्ति या तो अत्यन्त धार्मिक स्वभाव के होते हैं या उससे बिल्कुल उल्टे। उनके लिए सबसे अच्छा काम किसी ठोस धर्म से अपनाता रहेगा, जैसे भूमि या खान का विकास, तेल या द्रव्य में निकलने वाले द्रव्यों का व्यापार।

आर्थिक दशा

यदि आप मट्टबाजी के फेर में न पड़े तो आपका अध्यवसाय और सकल्प आपको पैसा बचाने और बचाए रखने का अवसर देगा। आप 'भार' और 'आठ' बको को बार-बार अपने जीवन में आता पाएँगे। वे और उनसे जुड़े व्यक्ति आपके मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निवाहेंगे।

स्वास्थ्य

आप पाचन अंगों, गुर्दा, जिगर और बड़ी आंतों को प्रभावित करने वाली बीमारियों के शिकार होंगे। आपके अन्दर अम्ल का प्रकोप होने और विशेषकर घुटनों, एडियो और पावों में गठिया की सकृयता होने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। मैं आपको जहाँ तक हो सके, 'नौ' नम्बर से बचने की सलाह दूँगा। 26 जुलाई वाले सौगों के लिए 'एक' और 'चार' के अंक अधिक महत्वपूर्ण होंगे, किन्तु 'आठ' का अंक भी समान महत्व का रहा आया। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' के मूलकों वाले होंगे।

आपके भाग्य रत्न हैं काला मोती, बाला हीरा, महीरे रंग का पत्ता या हरे रंग, विशेषकर चादी या प्लेटिनम में जड़े हुए।

9, 18, 27 (मूलक 9) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

9 या 18 जुलाई को जन्म लेने पर आपके कारक यह भगल, चन्द्र और नेप्चून होंगे। 27 जुलाई को जन्मे व्यक्ति सूर्य और भगल का प्रभाव में आते हैं। यह एक बहुत प्रबल योग है और जो भी वृत्ति आप अपनाएँ उसी में काफी सफलता और सश की आशा कर सकते हैं। आप किसी भी जिम्मेदारी और उच्च पद के लिए उपयुक्त रहेंगे। आपका स्वभाव हृदयुक्त, आत्मावादी और हिम्मत वाला होगा। आपका या सकल काल में आप अपने सर्वोत्तम गुणों का परिचय देंगे।

कर्क में मनुष्य अपनी नीच राशि में होता है। अतः यदि आप 9 या 18 जुलाई को पैदा हुए हैं तो आपका जीवन विरोधाभास से पूर्ण होगा और अपने सत्य या आकाशा की पूर्ति के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और चरित्र-बल का विकास जरूरी है। आपमें अकुशो के विरुद्ध विद्रोह करने की प्रवृत्ति होगी। व्यवहार में व्यवहार-कुशलता और समझदारी लानी होगी।

आप निडर और आजाद होंगे लेकिन प्रारम्भिक जीवन में आवेग के दौर पड़ने की सम्भावना है। उन पर ठीक से काबू पाकर प्रेरक शक्ति के रूप में उनसे काम लेना होगा।

आप अपने सभी कामों में दबंग और उछपी होंगे। आप में एक प्रकार की नेतृत्व भावना और दुस्ताहस से प्रेम होगा। आप अपने निवास को बार-बार बदल सकते हैं और अधिक समय तक एक स्थान पर जमकर बैठना आपके लिए आसान नहीं है।

सम्बन्धियों में आपका काफी मन-मुटाव रहने की सम्भावना है। विवाह कम आयु में न करना बेहतर होगा। जहाँ तक घरों और दुर्घटनाओं की बात है, आपके जीवन में विचित्र घटनाएँ घटेंगी, विशेषकर बाप, आत्मघात, तूफान, भूकम्प और पानी से। आपको सदा अच्छा बीमा कराना रखना चाहिए और बुढ़ापे के लिए पैसा बनाना जमन रख छोड़ना चाहिए, नहीं तो आपका आर्थिक बटिगाइयो का सामना करना पड़ सकता है।

आपका अनेक मुकदमों से घाला पड़ेगा जिनमें आप आम तौर से हारेंगे ही

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में या तो आपको भारी सफलता मिलेगी या भारी विफलता। बीच के रास्ते की कोई सम्भावना नहीं है। इस पार या उस पार। फिर भी आपके पाम पैसा कमाने के लिए इतने उद्यमी विचार और योजनाएं होगी कि किसी-न किसी योजना के सफल हो जाने और आपके धनो बन जाने की आशा है। आपको प्रनिवर्ष जुलाई, अक्तूबर, दिसम्बर और अप्रैल में कठिनाइयां, परेशानियों या चिड़न से सनक रहना चाहिए।

स्वास्थ्य

आपके लिए यह महत्वपूर्ण विषय नहीं है। आपमें भारी जीवन-शक्ति होगी और किसी भी बीमारी से शीघ्र स्वस्थ हो जाएंगे। महत्वपूर्ण बात दुर्घटनाओं से खतरा की है। टांगों और पावों में घाट सबने की सम्भावना अधिक रहेगी। रेल, मोटर तथा जहाज की दुर्घटनाओं से भी खतरा है।

आपको आँखों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। मोतिया बिन्द आदि का उपचार करना पड़ सकता है।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'नौ' 'दो' और 'सात' हैं। अपनी योजनाएं और कार्यक्रम इन्हीं मूलों की वाली तिथियों को पूरा करने का प्रयास कीजिए। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए मंगल (लाल), चन्द्र (हरा, नीला, सफेद) और नेप्चून (बबूतरी) के रंगों के वस्त्र धारण कीजिए। आपके जन्म रत्न लाल, लहसुन और नग हैं। इनके बाद मानी, चन्द्रकात मणि और जेड का नम्बर है, किन्तु ये इतने महत्वपूर्ण नहीं हैं।

27 जुलाई को जन्मे लोगों की सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और मंगल (लाल) के रंगों के कपड़े पहनने चाहिए। इनके लिए महत्वपूर्ण अंक 'एक', 'चार' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलों की वाली तिथियों पर अपनी योजनाएं और कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास करना चाहिए।

तीनों तिथियों वाली के लिए सबसे घटनापूर्ण अंक 'एक' और 'नौ' मूलों की वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति इनका गहरा प्रभाव रहेगा।

अगस्त

सिंह राशि का प्रारम्भ 21 जुलाई को होता है, लेकिन पूर्व राशि चक्र के साथ इसका सधि-काल चलने के कारण यह 28 जुलाई को ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इस तिथि से 20 अगस्त तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि कन्या के साथ इसका सधि-काल प्रारम्भ हो जाता है और इसके प्रभाव में उल्टरोल्टर कभी होती जाती है।

सिंह राशि का स्वामी सूर्य है। 21 जुलाई से 20-28 अगस्त तक इनमें व्यक्तियों में प्रबल विविष्ट गुण पाए जाते हैं। आम तौर से वे महत्वाकांक्षी होते हैं। उनका लक्ष्य आम लोगो से ऊपर उठने का होता है। वे भले ही छोटे परिवारों में जन्म लें, इच्छाशक्ति, सफलता और योग्यता से खास तौर से ऊँचे अधिकारी पदों पर पहुँचते हैं।

वे अन्य सब व्यक्तियों के प्रति गहराई से आकर्षित होते हैं। दरअसल, जब तक उनका अपना असल व्यक्तित्व और उद्देश्य रहता है, वे उनसे भी बसुर भी माफ करने को तैयार रहते हैं।

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्ति विशाल हृदय और उदार होते हैं। वे अत्यन्त स्वतन्त्र भावना वाले होते हैं। अक्रुश लगाए जाने या आदेश दिए जाने से घृणा करते हैं। उनमें अपने ध्येय के प्रति काफी आग्रह और इच्छाशक्ति होती है। यदि किसी योजना, उद्देश्य या पद पर ध्यान लगाए तो हर कठिनाई या बाधा के बावजूद आम तौर से अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं। लक्ष्य प्राप्त न होने पर उनमें निराशा और असंतोष पैदा होता है, लेकिन अपनी कमियों के लिए वे स्वयं को ही दोष देते हैं।

उनमें आश्चर्यजनक आकर्षण शक्ति होती है। दूसरों को महान कार्य करने की प्रेरणा दे सकते हैं। इस राशि (15 अगस्त) में जन्मे नपोलियन की भाँति दूसरों के भक्ति भाव को आकर्षित करते हैं और अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में भी लोगो को अपने पीछे चलने को प्रेरित कर सकते हैं। ऐसे लोगो को हमेशा सज्जित बने रहना चाहिए। यदि परिस्थितिवश वे जीवन-समर्थ की सरगर्मी और हलचल में अलग हुए तो उदास और निराश हो जाते हैं।

आम तौर से वे अत्यन्त धीर और देर तक सब कुछ सहने वाले होते हैं, लेकिन एक बार उत्तेजित हो उठने पर और की तरह भय नहीं जानते और हार नहीं मानते।

वे अपनी साफ बयानी और छिपकर घान लगाने से घृणा के कारण लोगों को दुश्मन बना लेते हैं। वे अपने मित्र की हर हमले से रक्षा करेंगे। केवल घोड़ेबाजी या गैर-वफादारी से ही उनके अभिमान को चोट पहुंच सकता है। वे उच्च आदर्श और आकांक्षा का परिचय देते हैं। स्वयं विशाल हृदय, ईमानदार और सच्चे होने के कारण अपने जाम-पास के लोगों से भी ऐसी ही अपेक्षा करते हैं और प्रायः भारी निराशा और घोसे के शिकार होते हैं।

अपनी सहिष्णुता, स्नेह, दया और प्रबल सम्मोहन-शक्ति से वे अत्यधिक लोक-प्रिय हो जाते हैं। बातावरण के प्रति अत्यन्त संवेदनशील होने से उनमें दूसरों की भावत और परिस्थितियाँ ओढ़ लेने की गहरी प्रवृत्ति होती है।

मानवीय स्वभाव में बड़-बड़कर विश्वास, प्रेम और मित्रता के मार्ग में उनके लिए रोड़ा बन जाता है। इसमें उन्हें अनेक दुःख परिस्थितियों, दिल टूटने और तनावों का सामना करना पड़ता है। उनमें शानदार संगठन क्षमता और महत्वाकांक्षा होती है, लेकिन अपने कंधों पर बहुत अधिक जिम्मेदारियाँ ओढ़ लेते हैं। उन्हें अपने 'शाही स्वभाव' को भी ज्यादा छींचने से बचना चाहिए अन्यथा वे दूसरों पर छाने का प्रयत्न करने लगते हैं।

स्वास्थ्य

इस अवधि में पैदा हुए लोगों का शरीर गठन दृढ़ और उनमें रोग से मुक्ति पाने की अच्छी शक्ति होती है। उनकी मुख्य परेशानी आम तौर से दिल की अनियमित घटकन रहती है जिससे रक्त-संचार पर प्रभाव पड़ता है। बेमेल बातावरण का भी उनके स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव पड़ेगा।

कभी-कभी तेज बुखार होने पर उन्हें गठिया के तीव्र हमले का भी शिकार होना पड़ सकता है। वास्तव में बहुत कम बीमारियों का संकेत मिलता है लेकिन जो आती हैं, उनका इलाज कठिन होता है। सूर्य-स्नान से लाभ होगा। दवाओं से अधिक लाभ खुली ताजा हवा पहुंचाएंगे। शोक या लम्बी चिन्ता अन्य बातों की अपेक्षा स्वास्थ्य को अधिक शीघ्र आघात पहुंचानी है।

आर्थिक दशा

इस अवधि में जन्मे लोग आर्थिक मामलों में अर्थ मामलों की अपेक्षा आम तौर से अधिक भाग्यशाली समझे जाते हैं। वे जो भी न्यायपूर्ण घटा अपनाएंगे उसी में सफलता मिल सकती है। पद और आयु में बड़े लोगों से लाभ मिलने की आशा है। प्रायः सट्टेबाजी और सम्झदारों से किए गए विनियोग से आर्थिक लाभ मिलता है। उनकी आर्थिक योजनाएँ बड़े पैमाने की होनी चाहिए और उन्हें व्यक्ति के दाय्ये आम जनता का संरक्षण प्राप्त होना चाहिए। सोने की धान, पीतल के काम, हीरे,

उपयोगी वस्तुओं के आयात निर्यात में पूँजी लगाने और सरकार या नगरपालिकाओं से धराने में अच्छी काम होगी।

विवाह, सम्बन्ध और साझेदारी

इन लोगों के अपनी निजी राशि सिंह (21 जुलाई से 20 अगस्त), अग्नि-त्रिकोण की अन्य दो राशियों धनु (21 नवम्बर से 20 दिसम्बर), तथा मेष (21 मार्च से 19 अप्रैल), इन राशियों के पीछे के सात दिन के संधि-वास और सिंह से सातवीं बुध्म राशि (21 दिसम्बर से 19-27 फरवरी) के दौरान जन्मे लोगों के साथ सबसे अधिक मधुर सम्बन्ध रहेंगे।

1, 10, 19, 28 (मूसाक 1) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

सूय और यूरेनस आपके कारक ग्रह हैं। यह योग आपको त्वरित तीक्ष्ण विचार शक्ति प्रदान करता है, महत्वाकांक्षी, योजनाओं पर अमल में सकल्यबद्ध, मेहनती, काम या बायदों में ईमानदार बनाता है, हसमुख और प्रसन्नचित्त स्वभाव, आकर्षक व्यक्तित्व, जीवन में सफलता और सम्मान का आश्वासन देता है। आप सरकार, नगर पालिका, जन जीवन, बंधु समाज और बड़े-बड़े संगठनों का सम्बन्धित कामों में विशेष रूप से सफल होंगे।

यूरेनस आपको असाधारण अंतर्प्रेरणा, मौलिकता के साथ विचारों की स्वतंत्रता आग बढ़ने की उद्यमी भावना प्रदान करता है। आपकी धनी पसंदगी और नापसंदगी होगी। आप तीव्र आसक्ति में फँसकर शीघ्र विवाह-सम्बन्ध स्थापित कर सकते हैं। आप शीघ्र जाय में उबलने लगेंगे लेकिन उतने ही शीघ्र सुष्ट भी हो जाएंगे। आप अत्यन्त ईमानदार स्वभाव के हैं, कुपचाय डेर सारा काम निपटार सकते हैं।

आप दूसरों से सम्मान और सराहना प्राप्त करना चाहेंगे। आप राजनीतिक जीवन में भी प्रवेश कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

आर्थिक दृष्टि में आपके ग्रह-यात्रा बहुत शुभ हैं। प्रारम्भिक वर्षों में कठिनाई हो सकती है, लेकिन प्रतिबन्ध-परिस्थितियों को पार कर लेंगे। आपके सम्पत्ति होने तथा अपने समाज में अधिकार व पद पाने की पूरी सम्भावना है।

आपकी जीवन-वृत्ति दो कालों में विभाजित होगी—पहले 36 वर्ष की आयु तक कठिनाइयों से जूझने में कठोर परिश्रम करना होगा, उसमें आगे आप बहुत-बहुत सम्पत्ति और सफल जीवन बितायेंगे।

स्वास्थ्य

वचपन में और जवानी के प्रारम्भ में अनेक छोटी-मोटी बीमारियाँ हो सकती हैं, विशेषकर बुखार, गठिया, रक्त में जल, फोड़े फुसी आदि। करीब 28 वें वर्ष से आप स्वस्थ और जीवन हो जाएंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' और 'चार' हैं। महत्वपूर्ण योजनाएँ या कार्यक्रम पूरे करने के लिए इन्हे काम में लीजिए। सत्रस घटनापूर्ण वर्ष भी 'एक' और 'चार' मूलकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए आप सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और यूरेन (सिलेटी, गहरा नीला, शीत) के रंगों के कपड़े पहनिए।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह चंद्र, नेप्चून और सूर्य हैं। 29 अगस्त को जन्म लेने पर आप आगामी राशि कन्या के क्षेत्र में प्रवेश कर चुके होते हैं और तब सूर्य के स्थान पर बुध के प्रभाव में आ जाते हैं।

आपका ग्रह योग बहुत शुभ है। यह आपको मानसिक और सामाजिक रूप से ऊपर उठाएगा। आपमें लोगो का विश्वास पैदा करेगा और आपको वृत्ति में आगे बढ़ने के अनेक अवसर प्रदान करेगा।

आप विपरीत लिंगियों में लोकप्रिय होंगे, आदर्शवादी प्रेम-प्रसंग और रोमांस आपके जीवन में विचित्र और असाधारण घटनाओं को जन्म देंगे। संगीत, साहित्य, कला या नाटक में आप काफी प्रतिभा का परिचय दे सकेंगे।

अपने जीवन-वृत्त में आप प्रमुख पद प्राप्त करेंगे और भारी व्यवहार-कुशलता, कर्तव्य तथा सुप्रबुद्ध का परिचय देंगे। आप अपने मित्रों और प्रेम पात्रों के प्रति आदर व श्रद्धा रखेंगे, दत्तने उदात्त और विद्वान् हृदय कि आपका कोई दुश्मन नहीं होगा, भले ही वह आपके विचारों से मतभेद रखन वाला हो। आप दूसरों में सर्वोत्तम गुणों को ही देखना चाहें और सम्भव हुआ तो उन्हें निवारण में सहायता भी करेंगे।

आपको भाषण या लेखन-कला के वरदान का विकास करने में समर्थ होना चाहिए। आप धर्म-प्रचारक शिक्षक या जज के रूप में सफल हो सकते हैं। आम लोगों के बारे में आपको गहरा अंतर्ज्ञान होगा, कठोर आलोचना की दृष्टि से नहीं, उन्हें मनन और समझाने की दृष्टि से।

आर्थिक दशा

स्पष्ट-रूप से सामने में आप भाग्यजाती होंगे, फिर आपके लिए उमर

अधिक मूल्य नहीं हीगा। पैसा विविध ढंग से आया, उपहार से, विरासत से, वसीयत से, लेकिन कभी-कभी अपनी उदारता से स्वयं को गरीब बना सकते हैं। आप अपने मानसिक गुणों से, जैसे भाषण देना, कला, संगीत, लेखन आदि से व्यापार की अपेक्षा अधिक धन कमा सकते हैं।

स्वास्थ्य

आपको स्वास्थ्य के बारे में सावधान रहना चाहिए और अपनी शक्ति जहां तक हो सके, संचित रखनी चाहिए। फेंफड़ों और घटने में कमजोरी, दिल की धड़कन में अनियमितता और रक्त का ठीक से संचार न होना आदि सिद्धांत हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 2, 7 और उसके बाद 1, 4 हैं। 29 अगस्त वालों के लिए भी ये ही अंक ठीक रहेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सान' मूलाकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलाकों और 'एक' तथा 'चार' मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव होगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए पद्म (हरा, नीम, सफ़ेद), नेप्चून (बहुतरी), सूर्य (मुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और यूरेनस (सिनेटी और शीश) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं मोती, चट्वात मणि, जेड, पुयराज, नीलम और अम्बर।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) अयस्क को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु, सूर्य और यूरेनस हैं। 30 अगस्त को जागामी राशि कन्या का क्षेत्र आरम्भ हो जाता है, अतः उस दिन जन्म लेने वालों के कारक ग्रह गुरु और बुध (सौम्य) हैं।

आपके स्वभाव में प्रबल महत्वाकांक्षा है, साधारण सफलता में आपको कभी सन्तोष नहीं होगा। देर-सबेर आपके मन में अपने समाज के प्रमुख और जिम्मेदार पदों पर पहुंचने की तीव्र इच्छा जाग उठेगी।

आप पूरी क्षमता और ईमानदारी से अपना काम करेंगे और उसमें अपने को भा नहीं रहेंगे। फलस्वरूप आप अपनी शक्ति को ब्रम कर लेंगे।

आप बहुत आदर्शवादी होंगे, अनेक मित्र भी बनाएंगे लेकिन प्रेम के मामले में अनेक निराशाओं और दिल टूटने का सामना करना पड़ेगा।

आपके ग्रहयोग हर प्रकार की सरकारी नौकरी अथवा राजनीति या नगर-पालिका के कामों में सफलता का आश्वासन देते हैं। आप अधिकारी पदों पर दूसरों से अधिक योग्यता का परिचय देंगे। आपके आग-पास के लोग आपको सराहेंगे, प्रशंसा और बड़ावे से आप जिनङ्गे नहीं, उल्टे उनसे आपको और जाने बहने के लिए बल मिलेगा।

आपका स्वभाव बहुत स्नेह-भरा है। आपमें पारिवारिक जीवन की गहरी समझ है, बच्चों से भारी प्यार है या उन्हें सिखाने-पढ़ाने की भावना है। आपकी उच्च आकांक्षाएँ हैं। चाहे नाली में पैदा हुए हो, लेकिन स्वभाव में कुछ-न-कुछ राजसीपन अवश्य रहेगा।

आप ऊँचे पद प्राप्त करेंगे। एकमात्र खतरा यह है कि आपकी महत्वाकांक्षा की कोई सीमा नहीं होगी। आप अपने कंधों पर बहुत अधिक बोझ उठाने का प्रयास करेंगे, ऐसे काम हाथ में लेना चाहेंगे जिनके भार से दबकर और अत्यन्त परिश्रम कर आप अपने को खतम कर लेंगे।

पूजी लगाने में आप सफल होंगे, बशर्ते कि अपनी अनप्रेरणा से कार्य करें और खुशामदियों के बहुवाच में न आएँ। आप जैसे पदों पर होंगे उनमें ऐसे व्यक्तियों से पाला पढ़ना निश्चित है।

आर्थिक दशा

अपने अच्छे निर्णय से आप सम्पत्ति और आर्थिक स्थिति में निरन्तर सुधार की आशा कर सकते हैं। व्यापार तथा उद्योग पर प्रभाव डालने वाले घटनाचक्र पर आपकी अलौकिक पकड़ होगी। आप पैसा जमा नहीं करेंगे बल्कि बड़ी बड़ी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए उसका ख़ुलकर सदुपयोग करेंगे।

स्वास्थ्य

यदि आप गरिष्ठ भोजन का लोभ सवरण कर सकें तो जीवन-भर अच्छे स्वास्थ्य की आशा कर सकते हैं। सार्वजनिक मोजों के कारण कभी-कभी ऐसा करना कठिन होगा। आपको सबसे बड़ा खतरा अत्यधिक परिश्रम के कारण उच्च रक्तचाप या दिल के दोरे से होगा।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'एक' और 'चार' हैं। इनमें 'तीन' और 'एक' सबसे शक्तिशाली हैं। अपनी योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलकों वाली विधियों को पूरा करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'तीन' मूलकों वाले हो रहेंगे। 'चार' मूलक वाले वर्ष घटनापूर्ण और महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन इतने शुभ नहीं होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी फालगुनी, जामुनी), सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और यूरेनस (गहरा नीला और शायद मिसेटी) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं कटँला, जामुनी नय, हीरा, अम्बर, पुष्कराज, नीलम।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

सूर्य और नय आपके कारक ग्रह हैं। 31 अगस्त को जन्म लेने पर अगली

राशि कन्या का क्षेत्र प्रारम्भ हो चुका होगा और आप पर सूर्य, यूरेनस तथा बुध (सौम्य) का प्रभाव अधिक रहेगा।

यूरेनस के प्रभाव से आपके चरित्र का व्यक्तिगत पक्ष अधिक प्रमुखता से उभरकर सामने आयेगा। आपमें विचारों तथा कार्य की स्वतन्त्रता के लिए निश्चिन्त मोह होगा।

आप हर प्रकार से लौकिक से हटकर चलना चाहेंगे। आपको बहुत कुछ सनकी समझा जाएगा और आप दूसरों की याजनाओं में आसानी से नहीं बैठ सकेंगे। आपके अपने सोग और निकट-सम्बन्धी ही आपका साथ देने में सबसे अधिक कठिनाई महसूस करेंगे। आप अकुश और आनोचना सहन नहीं करेंगे। यदि ऐसा करने की स्थिति में हुए तो घर-बार छोटकर सम्बन्धी यात्राओं पर चल देंगे।

आपको भारी धर्म के विकास की जरूरत होगी, विशेषकर निकट के सम्बन्धियों के साथ व्यवहार में। आप गायद किसी असामान्य वाय या धृति में सफलता प्राप्त

धर्म और जीवन के प्रति आपके विचार लौकिक से हटकर होंगे। अपने मुहकटपन से आप अनेक लोगों को दुश्मन बना सकते हैं। अपने जीवनकाल में आप अनेक दुष्साहसिक अभियान करेंगे। प्रेम-प्रसंगों में अनेक निराशाओं का सामना करना पड़ेगा, विशेषकर पारिवारिक जीवन में। 3। अगस्त को जन्मे व्यक्तियों पर यह बात इतनी लागू नहीं होगी।

आर्थिक दशा

आपकी आर्थिक दशा को समझ पाना कठिन होगा। प्रकटतः आप रपए-वीसे ही परवाह नहीं करेंगे, फिर भी उमकी शक्ति से प्रभावित होंगे। व्यापार में या तो मम्बद्ध व्यक्तियों पर आघ मूडकर भरोसा करेंगे या उनके प्रति सदेहमोल होंगे।

आपके लिए अनेक काम करना अच्छा रहेगा। आप हर प्रश्न के दोना पहलू देख सकते हैं और उन पर समान रूप से वाद-विवाद कर सकते हैं। आप माहककर के रूप में सफल हो सकते हैं। देर-मदेर आपके दिनाग में कोई ऐसा नया विचार आने की सम्भावना है जो आपको बड़ी धन प्राप्ति करा सकता है।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा किन्तु अधिकतर रोग पर निर्भर होगा कि वातावरण सौहादपूर्ण है या नहीं। भय की स्थिति वा स्वास्थ्य को अकामद चुगाई पर भारी प्रभाव पड़ेगा। दुर्गती होने पर चिन्ता करेंगे, उदाग हो जाएंगे और नरने में गिरफ्त जाएंगे। आपमें विष पाने, खाकटे आने और कठिनाई में निदान होने वाली बीमारियों की प्रवृत्ति होगी।

हड्डियाँ चटकने वाली होगी। आपको अकस्मान् गिर पड़ने और टांग-पाव में चोट से विशेष सतर्क रहना होगा। रीढ़ में कमजोरी या चोट की भी सम्भावना है।

आपमें दो वर्ग विशेष रूप में मिलाते हैं। एक वर्ग उन लोगों का है जिन्हें मध्य आयु के बाद तेजी से थोड़ा-थोड़ा चढ़ने लगता है। यदि आप इस वर्ग में से हैं तो दिल की बीमारी या मस्तिष्क के कौमा से अपनी रक्षा कीजिए। इसके विपरीत यदि आप उन लोगों में से हैं जो मध्य आयु के बाद तेजी से धनले होने लगते हैं तो सभी प्रकार की स्नायुविक बीमारियाँ से सावधान रहिए। ऐसा न करने पर बाद में पचाधान का खतरा रहता है।

आपका सड़ने महत्वपूर्ण अंक 'चार' है जो जीवन भर महत्वपूर्ण रहेगा। 21 जून में अगस्त के अंत तक और 21 दिसम्बर में 19 फरवरी तक 'भाठ' का अंक विशेष महत्वपूर्ण होगा। आप उक्त मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा सावधान महसूस करेंगे। आप देखेंगे कि आपके भ्रातृ में उनकी बहुत-कुछ, निर्णायक भूमिका रहती है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'भाठ' मूलांक वाले ही होंगे।

आपको सफलता प्रदान करने वाले रंग ये ही हैं जो जुलाई में इन तिथियों की जन व्यक्तियों के लिए हैं गहरा नीला, या समुद्री नीला और सुनहरा, पीला नारंगी तथा भूरा। भ्रातृ रत्न हैं नीलम, हीरा, जामना और पुष्कराज।

5, 14, 23 (मूलांक 5) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध, सूर्य और यूरेनस हैं। यह एक अच्छा मानसिक ग्रह-योग है। इससे बौद्धिकता और निर्णय की शक्ति बढ़ती है। मुख्य घटना यह है कि यह व्यक्ति को जल्दबाज बनाता है। यह महत्वाकांक्षी स्वभाव प्रदान करता है। सेवकों, कसाकारों, अभिनेताओं आदि के लिए यह योग विशेष लाभकारी है।

बुध और सूर्य का योग आत्मविश्वास और आर्थिक योग्यता देता है, लेकिन कभी-कभी तटस्थता में भारी जोखिम उठाने की प्रवृत्ति भी देता है। इस प्रवृत्ति को दूर से जाग्रत रखने पर यह एक भाग्यशाली योग है।

बुध और यूरेनस का योग जीवन में आकस्मिक और अप्रत्याशित परिवर्तन लाएगा। वृत्ति या व्यवसाय में भी। साथ ही स्वभाव में चंचलता और स्थान परिवर्तन का भाव को वलवती उत्कण्ठा देता है। जो अत्यन्त सचेतनीय और भ्रम तौर से भारी तनाव की स्थिति में रहेंगे।

नाथ ही, छोटी अवधि के किमी निश्चय नष्ट की निद्रि के लिए काम करने में आरंभ इच्छाशक्ति और आत्मसमर्पण देना रहने। देरनर चलने वाले काम या एकरता से घृणा करेंगे। सबसे अधिक सफलता आकस्मिक आपात स्थिति में काम

करने अथवा अपनी मन पसन्द योजना, उद्देश्य या आदर्श के लिए घुमाधार गति से काम करने में मिलेगी।

प्रेम-प्रसंगों में भी आप परिवर्तन चाहेंगे। नया चेहरा सदा आपको सुभाषण। नयापन रहने तक आप व्यक्तियों और परिस्थितियों में खूब रच-खप कर रहेंगे।

आप नृत्य, गीत और चंचलता या शीघ्रता चाहने वाले खेलों के शौकीन होंगे। आप विमानों और तेज मोटरकारों में, दरअसल दूरी घटाने वाले सभी साधनों में, दिलचस्पी लेंगे। आपको ससाह देना या समझाना आसान नहीं होगा क्योंकि आप में अपने ही कायदे-कानूनों पर चलने की प्रवृत्ति है।

आर्थिक दशा

दूसरों के लिए योजनाएँ बनाने में आप अत्यधिक कुशल होंगे। आप इतने बहु-मुखी और हर काम के अनुरूप अपने को ढाल लेने वाले होंगे कि कोई काम आपसे छूटेगा नहीं। सबसे बड़ा खतरा ऐसे अवाञ्छनीय परिचितों से होगा जो आपके समूहत्व से पहले ही आपको परेशानी में डाल सकते हैं।

स्वास्थ्य

आप अपने स्नायुओं से बहुत अधिक काम लेंगे और अपने को पका लेंगे। आप शरीर के विभिन्न भागों में नसों में दर्द से पीड़ित हो सकते हैं। कभी-कभी आपको अपचन की तीव्र शिकायत और अन्दरूनी अंगों में गड़बड़ी की शिकायत होगी। इस स्थिति में आप ऐसे उपायों की ओर दौड़ेंगे जो आपको जल्दी-से-जल्दी आराम दे सकें। आप मादक द्रव्यों या उत्तेजक हवाओं के आदी हो सकते हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक, विशेषकर जून और सितम्बर में 'पाच' है। इसके बाद 'एक' है। आपको अपने कार्यक्रम और योजनाएँ इन्हीं मूलानुवासी तिथियों पर पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही मेरा कहना है कि जहाँ तक अंक का नियम है, पाच अंक वाले व्यक्ति उससे सबसे कम प्रभावित होते हैं। वे सभी अंगों और व्यक्तियों के अनुरूप अपने का ढाल लेते हैं।

यही बात रंगों के बारे में है। आप कोई भी रंग पहन सकते हैं किंतु दिल से हल्के रंगों को पसन्द करेंगे। आपके भाव्य रत्न हैं हीरा, मोती, और धमकीले लज्ज।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' मूलानुवासी वाले होंगे। इसी मूलानुवासी तिथियों का पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप कुछ सगाव महसूस कर सकते हैं।

6, 15, 24 (मूलानुवासी 6) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके चरित्र यह शुक्र, गुरु और यूरेनस हैं। आपके जीवन और वृत्ति में शुक्र का स्नेही या प्रेमी स्वभाव प्रमुख रूप में प्रकट होगा। आप स्वभावतः सम्पन्न

मे आने वाले सभी व्यक्तियों के साथ सहानुभूति और उदारता से पेश आएंगे। विपरीत लिंगों आपकी ओर आकर्षित होंगे। आपमें प्रेम की तीव्रता इतनी अधिक होगी कि उसने किसी-न-किसी रूप के बिना जी नहीं सकेंगे। इसका यह मतलब नहीं है कि वासना या पाशविक वृत्ति आपके जीवन में छाई रहेंगी। इसके विपरीत यह योग आपको परिवार के प्रति आशा से अधिक स्नेहानु और उच्च आदर्शों वाला बनाएगा।

आप जहाँ जहाँ होंगे, आत्मानो और तेजी से मित्र बना लेंगे। आप सामाजिक जीवन के लिए तय होंगे। मित्रों का सत्कार करना सामर्थ्य के अनुसार उन्हें अच्छे-से-अच्छा खिलाना-पिलाना चाहेगा। पूरी सम्भावना यह है कि अपनी इस इच्छा के कारण आप गुरु का एक या अधिक गुण अपना लेंगे, जैसे सगीत, कला, विशेषकर मंचकला, फिन्मी दुनिया, साहित्य, कविता, गायन, नृत्य आदि।

आप युवकों में गहरी दिलचस्पी लेंगे और सदा उनसे घिरे रहेंगे। शायद इमोजिन आप न कभी बूढ़े दोस्तों और न बुढ़ापा महसूस करेंगे। अपने स्वभाव के इस पक्ष को जीवन रखने के लिए आप इस बात के लिए तालाबिल रहेंगे कि आपका घर हमेशा नये-नये चेहरों से भरा रहे। इसके लिए आपको बहुत गलत भी आका जाएगा और यही आपकी जीवन-नौका के ध्वस्त होने का खतरा है। यूरेनस के प्रभाव से आप विविध, तीक से अलग चलने वाले लोगों को काफी आकर्षित करेंगे।

अपने उदार स्वभाव के कारण आप अपने मित्रों के दोषों की उपेक्षा कर देंगे और जिस बदनामी को आप टाल सकते हैं, उसे अपने सिर पर ले लेंगे। फिर भी यह ग्रह योग शुभ है और आप आशा से अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

मैं आपको चेतावनी देना चाहता हूँ कि अपने मित्रों और सम्बन्धियों के प्रति अनि उदार मत बनिए, दिखावे के चक्कर में अपव्यय कर अपन आर्थिक कोष को खाली मत कीजिए। लेकिन आम तौर से आप भाग्यशाली और सफल जीवन बिताएंगे तथा जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसी में महत्वपूर्ण पद प्राप्त करेंगे।

आर्थिक दशा

आप धन कमाने के बारे में आश्वस्त हो सकते हैं, पूँजी लगाना आपके लिये आम तौर से भाग्यशाली रहेगा और आप धनी व्यक्ति बनेंगे। सगीत, साहित्य, नृत्य, रंगमंच आदि अपनी किसी प्रतिभा को विकसित करने भी धन कमाएंगे।

स्वास्थ्य

आपको बहुत स्वस्थ जीवन बिताना चाहिए। कुछ खतरा पशुओं से रहेगा। शायद उनके प्रति आपका प्रेम इसका कारण हो। बुढ़ापे में दिल की कमजोरी से कुछ परेशानी हो सकती है। जलोदर की भी प्रवृत्ति होगी।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'छ' 'एक' और 'चार' हैं। मैं आपसे अपनी योजनाएँ पूरी करने के लिए 'चार' अक्षरों के काम में लेने की सिफारिश नहीं करूँगा। हमारे प्रभाव पर नज़र रखिए। यह आपके जीवन में बार-बार आएगा, लेकिन आगे के राजाप चेतनाओं के रूप में।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'छ' मूलानों वाले रहेंगे। 'एक' 'चार' 'तीन' या 'छ' मूलानों वाली तिथियों की जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग नीला और गुलाबी, पीला, नारंगी, भूरा हैं। आपके भाग्य रत्न हैं। पीरोडा, सभी नीले रंग, हीरा, पृथ्वी और अम्बर।

7, 16, 25 (मूलांक 7) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह नेप्चून, चंद्र, सूर्य और यूरेनस हैं। यह एक बहुत विचित्र ग्रहण है।

नेप्चून आपको अत्यन्त महत्वाकांक्षी बनाएगा लेकिन सामान्य ढंग में नहीं। यह महत्वाकांक्षा दूसरों पर प्रभुत्व या शासन की नहीं होगी बल्कि आपके काम में सम्बन्धित होगी, उसकी सफलता के लिए।

आपके मन में शुद्ध विद्याओं और दार्शनिक विषयों के साथ ही सभी सतित ब्रह्माण्डों के प्रति प्रेम होगा, जैसे संगीत, चित्रकला, वाद्य, मंचकला आदि। आपका व्यवहार शान्त और शांतिपूर्ण होगा। आपमें झुंझुका होगी जिम्मा सुवाद बहुत-बहुत आध्यात्मवाद की ओर होगा। अपने मादियों के प्रति आप सहृदय और उनका भला करने वाले होंगे। आपके प्रेम-प्रसंगों में अनेक दर्द और निराशाएँ होंगी लेकिन उनके कारण आप अपनी भावनाओं को बँटोर और बढ़ा नहीं होने देंगे।

आप अपने विचारों और दूसरों की राय के बारे में मौनता और स्पष्टता होगी। आप स्पष्ट पसंद और नापसन्द वाले होंगे। आपके जीवन में शोमहर्षक अभियान और असामान्य तथा विचित्र प्रेम-प्रसंग आएंगे जिनकी आलोचना होगी तथा आपकी परेशानी होगी।

आः किन्हीं ऐसे काम में सफल होंगे जिनमें आप विशुद्ध अपने व्यक्तिगत पर निर्भर रहें, व्यापार-व्यवसाय में नहीं।

आपमें सदा यात्रा और ग्यान-परिवर्तन की तीव्र इच्छा रहेगी लेकिन आपको अपने स्वभाव की चकलता की अच्छी तरह नियंत्रण में रखना चाहिए। आप व्यक्तियों और वातावरण दोनों के प्रति अत्यन्त संवेदनशील होंगे। आपको प्रेरणा और उत्प्रेरणा का वरदान होगा। रहस्यवादी या गुप्त विषयों पर लिखने में, या कल्पना-शक्ति चित्रकारी में, या अपने निजी व्यक्तिवादी दृष्टिकोण से साहित्य-रचना में अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

आर्थिक दशा

आपका न तो रुपये-पैसे से मोह होगा और न लीज वाले व्यापारिक जीवन में। फिर भी दूसरों के वत्साण के लिए आत्मत्याग की भावना से घन कमाना चाहेंगे और अपने मन को भाने वाले पद स्वीकार कर लेंगे। इसका यह मतलब नहीं कि आप धन नहीं कमा सकेंगे बल्कि आपके लिए स्वभाव के अनुकूल कुछ कर पाना कठिन होगा। यदि निजी प्रयासों से अलग कोई आय हो तो सट्टेबाजी से या दूसरों की सलाह पर चलकर उसे बढ़ाने का प्रयास कीजिए।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य का प्रश्न पूरी तरह आपके मन पर निर्भर होगा। आप प्रायः में आप देखने में बहुत तगड़े नहीं होंगे, पर तगड़े दीखने वाले लोगों से आपने सहन-शक्ति अधिक होगी। आप भोजन के बारे में विचित्र धारणा रखेंगे और इसमें आपको अपनी अनुप्रेरणा के अनुसार चलना चाहिए।

आपके लिए 'सात' और 'दो' अक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। 21 जून से 30 अगस्त तक और 25 दिसम्बर से मार्च के अन्त तक उनका और भी विशेष मतलब होगा। आपको अपने कार्यक्रम निश्चित करने में इन अकों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। आपको इन्हीं अकों वाले मकानों में रहने का प्रयास करना चाहिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' के मूलकों वाले होंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों की जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे भाग्यवर्धक रंग हल्के हरे, बदतरी, नारंगी, पीले या सुनहरी हैं। नीला रंग भी चलेगा लेकिन गहरे और काले रंगों से यथासम्भव बचिए। आपके भाग्य रत्न हैं, बद्रकात मणि, हीरा, मोती, जेड और अम्बर।

8, 17, 26 (मूलांक 8) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शनि, यूरेनस और सूर्य हैं। 'चार' और 'आठ' के अकों का आपका जीवन या वृत्ति में भारी महत्व रहेगा।

यह एक बहुत विचित्र योग है। यदि आपको अपने जीवन से अधिक-से-अधिक लाभ प्राप्त करना है तो अधिकतम समझदारी से काम लेना होगा। यह योग आपके धर्म और जीवन को विरोधी से दूध बनाएगा, जिससे दूसरे लोगों के लिए आपको समझना या आपके लिए परिस्थितियों का लाभ उठाना बहुत कठिन होगा।

आपका स्वभाव उदार और दूसरों का भला करने वाला होगा, लेकिन आपको उसका उचित ध्येय नहीं मिलेगा। आपमें अत्यधिक दृढ़ इच्छाशक्ति होगी, लेकिन

कठिनाई या विरोध को देखते हुए आपमें हटी होने की प्रवृत्ति रहेगी। आपमें भारी महत्काक्षा होगी, लेकिन दूसरों की योजनाओं से जगवा मेल नहीं बैठेगा। इसलिए आपके लिए सभी प्रकार की सामोदारियों से दूर रहना अच्छा रहेगा। आपको अपने साधियों में अकेले पड़ जाने का डर नहीं होना चाहिए।

दो एकदम विरोधी विचारधाराओं में आप एक पक्ष को चुनेंगे। आप या तो धर्म के प्रति अनास्थावान और नास्तिक बन जाएंगे अथवा इसके एकदम उलट, अर्थात् बहुत कुछ कट्टर और अंध थड़ा वाले। अपने हर काम में तीव्र भावनाओं तथा इच्छाओं का परिचय देंगे। दरअसल अपनी प्रसन्नता और भौतिक सफलता के लिए ता बहुत ही अधिक। एक विविध विरोध की बात यह होगी कि यदि आप प्रारम्भिक आयु में अनास्थावादी या भौतिकवादी हैं तो बाद में आपके इसका छीन उलटा बन जाने की पूरी सम्भावना है। इसी प्रकार यदि प्रारम्भ में कट्टर और अंधधृष्टा बाल हैं तो बाद में अनास्थावादी या भौतिकवादी हो जाएंगे। हर हालत में आपको विविध अनुभव हो सकते हैं।

आपके अनेक गुप्त शत्रु होंगे और अनेक बार बदनामी तथा घोटालों का सामना करना होगा। आप विभीषण पद पर पहुँच जाएँ, छिपे हमलों का खतरा रहेगा ही। अतः आपके लिए सभी प्रकार की क्षतियों और दुर्घटनाओं के लिए बीमा कर लेना अच्छा रहेगा।

पारिवारिक जीवन और विवाह दोनों में आपके असामान्य अनुभव होने की सम्भावना है। अपने और समुदाय वाले सम्बन्धियों से दुःख या परेशानी हो सकती है। आपके सबसे अच्छे मित्र या साथी असामान्य लोग या असाधारण धर्मों में लगे लोग होंगे।

आपको निराशा या गलत समझे जाने की भावना से सावधान रहना चाहिए।

आर्थिक दशा

एए-ईसे के लेन-देन में आपको भारी सतकता बरतनी होगी। आप दूसरों पर भरोसा नहीं कर सकेंगे। नीवर या छोटे लोग आपको सूट सकने हैं या घोषा दे सकते हैं। सफल होने के लिए अपने बारोबार को अपने ही हाथों में रखना चाहिए। पुगने जमे-जमाए बारोबार में, अथवा भूमि, मकान, धान और खनिज के व्यापार में आद पैसा कमा सकते हैं।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के सम्बन्ध में भी परस्पर-विरोधी बातें होंगी। आप या तो असाधारण रूप से लगे होयें या इसके उलट। कुछ रहस्यमय मानसिक प्रभाव ऐसे व्यक्तियों के जीवन का नियंत्रण करते हैं। अपने विरोधियों का विचार ही अपना

बीमार कर सकता है। ऐसी हालत में बीमारी भी विचित्र होगी और साधारण उपायों से उसे ठीक कर पाना आसान नहीं होगा। बढ़िया-ने-बढ़िया डाक्टर भी गलत इलाज कर बैठेंगे।

आप जन्मरूनी दर्दों में पीड़ित हो सकते हैं जिनका निदान बहुत कठिन होगा। आप पर दवाओं का विष शीघ्र प्रभाव पड़ेगा। आँसु में स्वाद होने की सम्भावना है। इसके बावजूद आप उनमें ही रहस्यपूर्ण उपायों से ठीक हो जाएंगे। सम्भावना आपके लम्बी आयु भागने की है।

आप अनेक घटनाओं के गिज़ार हों सकते हैं। इनमें पैरों की हड्डियाँ टूटने या मोच आने की सम्भावना है। आप गट्टियाँ से भी यातना भोग सकते हैं।

आपके महत्त्वपूर्ण अब 'चार' और 'आठ' हैं। मैं इनके भाग्यवर्द्धक होने का आश्वासन नहीं दे सकता, क्योंकि ये बहुत-बुढ़ा भाग्याधीन हैं। उनका सामना करने के लिए आप पहले में तैयार रहें।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सभी गहरे रंग, विशेषकर गहरा जामुनी, काला, गहरा नीला, आपके लिए अनुकूल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न है काला हीरा, काला नीलम, काला मोती और सभी काले नग।

५, 18, 27, (मूलक 9) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह, मंगल, सूर्य और यूरेनस हैं।

मंगल आपको बाफ़ी ऊर्जा शक्ति देगा लेकिन आपको अपने काम में बहुत आवेशों भी बनाएगा। आप धोने में जेन्दवाजी में काम लेंगे, बहुत मुहफ़्ट होंगे, शीघ्र प्रोच में आने वाले होंगे और अपने अद्विष्ट कामों से लोगों को दुश्मन बना सकेंगे।

आपका स्वभाव अत्यन्त स्वतन्त्रताप्रिय होगा। किसी प्रकार का अकुश या आदेश दिया जाना पसंद नहीं करेंगे। आपमें न्याय और कानून की गहरी समझ होगी और सभी विवादों में आम तौर से कमजोर पक्ष का साथ देंगे।

आप बहुत ईमानदार होंगे और दूसरों से मोघ व्यवहार पर बल देंगे। उद्यमी भावना के कारण अपने-क्यों पर बहुत अधिक बोझ उठा लेने का रिश्ता होगा। अपनी सुरक्षित शक्ति को नियन्त्रण में और बचाकर न रखा तो अपने को सका डालेंगे और भीमत्त जानु नहीं भोग पाएँगे। आपका सबसे अच्छा उपयोग व्यापार में या नगर-पालिका, सरकारी दफ्तर, राजनीति, सरकार में या सैनिक मामलों में जिम्मेदारी के पक्ष पर हो सकता है।

आपकी वृत्ति में अनेक उतार-चढ़ाव आने की सम्भावना है। कभी उच्च पदों पर आसीन हो सकते हैं और कभी प्रकटन घटनाचक्र से मेल न खाने के कारण निष्क्रिय होकर बैठ सकते हैं। जाने-अनजाने में आप जो कुछ करेंगे, उसमें काफी दुश्मनी और अपनी योजनाओं का विरोध पैदा कर लेंगे। आप ऐसे दुश्मन पाल सकते हैं, जिसकी दुश्मनी जीवन भर चलेगी।

दिल से आप वास्तव में उदात्त और उदार होंगे, लेकिन सड़ाई जारी रहने तक इन गुणों को प्रकट नहीं कर सकेंगे। जब दुश्मन पिट चुकेगा तब सम्भवतः आप उसे अपने पैरों पर खड़े होने में सहायता करें।

अनेक अनसमर्थ स्थितियाँ, हिंसा, आग, विस्फोट, आग्नेयास्त्रों में जीवन को धारा आदि का सामना करना पड़ सकता है। दुष्टद्वारा में मिर या पाशों को काट पट्टन सकती है। लेकिन मृत्यु का सबसे बड़ा खतरा अत्यधिक परिश्रम के फलस्वरूप मूर्च्छा से या दिल के दौरों में हो सकता है।

आपने अनेक विविध प्रेम-प्रसंग, गुप्त मंत्रियाँ और रूमानिया सम्बन्ध रहने की सम्भावना है, लेकिन आम तौर में गलत आदमियाँ के साथ। उनमें प्रायः खतरे का भी कुछ तत्व रहेगा।

आप हमेशा खेतों और जोगिम में भरे दुस्साहमपूर्ण अभियानों के शोकीन होंगे। आपने मशीनों से काम लेंगे, उनका काराबार करने और उनसे सम्बन्धित आविष्कारों की काफी योग्यता होगी। आपने अपने में उच्च पदा पर बैठे व्यक्तिता से भरा रहना चाहिए। आपको सबसे अधिक परशानी छोटे लोगों या नौकरों से होगी।

आर्थिक दशा

रफ्तार-रफ्तार के मामले में शुरू के वर्षों में काफी रुझानधर्मों और निराशा का सामना करना पड़ेगा। 36 वर्ष के बाद व्यापारिक सफलता और विनीत मामलों में आम तौर में बहुत सफल होने की आशा है। आपको सभी प्रकार की मटेरिअली और शैयरी को खरीद में बचना चाहिए।

स्वास्थ्य

आपका शरीर तगड़ा और जोशीला होगा, लेकिन जबस्मान् तापमान बढ़ने और बुखार चढ़ने की प्रवृत्ति रहेगी। कमर में लचका या चोट की सम्भावना है। अनेक दुष्टद्वाराओं और हाथ-पैरों में चोट की भी प्रवृत्ति रहेगी। आपने सबसे भाग्य-वर्द्धक अक्षर 'नौ' और 'एक' हैं। सबसे धटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलान्तर्गत चले रहेंगे। 'नौ' और 'एक' मूलान्तर्गत वाली नितियाँ को जन्मे व्यक्तिता के प्रति आपका एक लक्षण महसूस करेंगे।

आपने भाग्यवशव रण हैं खान, मुनह, पंगना, नागी, भूना। आपने भाग्य रत्न हैं—ताल, तामड़ा, रत्नमणि, हीरा, पुष्कराज।

सितम्बर

कन्या राशि 21 अगस्त से प्रारम्भ होती है लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि सिंह के साथ इसका सधि-काल चलता है, इसलिए 28 अगस्त से ही यह पूरा प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 सितम्बर तक इसका पूरा प्रभाव रहता है। फिर सात दिन तक आगामी राशि तुला के साथ इसकी सधि के कारण इसका प्रभाव उत्तरोत्तर कम होता जाता है।

इस अवधि में, अर्थात् 21 अगस्त से 20-28 सितम्बर तक पैदा हुए व्यक्ति आम तौर से जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। उनमें आश्चर्यजनक स्मरण-शक्ति वाली बुद्धि होती है। अपने सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों में मत्क रहते हैं और उनके प्रति अच्छे-बुर की समझ होती है। आम तौर से उन पर न हावी हुआ जा सकता है और न उन्हें धोखा दिया जा सकता है।

वे हर बात का गहराई से विश्लेषण और परख करते हैं। वे अच्छे आलोचक होते हैं, आम तौर से इतने अधिक कि उन्हें भलाई या प्रशंसा नहीं मिल पाती। बेमेल वस्तुओं पर उनका ध्यान बड़ी जल्दी जाता है। अपने घरों के बारे में उनकी उत्तम रचि होती है।

आमतौर से वे किसी काम के प्रारम्भकर्ता नहीं होते, लेकिन जो योजनाएँ या काम उन्हें आकर्षित करते हैं अथवा जिन्हें दूसरे लोग पूरा करने में विफल रहते हैं, उन्हें वे सफलता से पूरा कर देते हैं। जिस सक्ष्य की ओर उनका ध्यान जाता है, पूरे दृष्टिबिन्दु होकर उसके लिए काम करते हैं और जब तक उसे प्राप्त नहीं कर लेते, रुकने से नहीं बैठते।

वे पद का बहुत अधिक सम्मान करते हैं। कानून तथा कानून के फैसले का उत्साह से समर्थन करते हैं। वे उत्तम वकील और वक्ता बन सकते हैं, लेकिन उनका इत्तम नये विचारों की जन्म देने के बजाय पूर्ण दृष्टान्तों का समर्थन करने की ओर अधिक रहता है। मेहनती स्वभाव, दृष्ट्याशक्ति और सकल्य के कारण वे वैज्ञानिक यात्रा और व्यापार में भी सफल होते हैं।

उनमें अपने तक और अपने विचारों तक सीमित रहने की प्रवृत्ति होती है। सक्ष्य-प्राप्ति के लिए वे स्वार्थ से भी काम लेने दिखाई देते हैं। अन्य किसी वय की अपेक्षा उनमें अच्छाई और बुराई की हद तक जाने की शक्ति अधिक होती है। यदि उनमें पैसों का मोह पैदा हो जाए तो उसे पान के लिए कोई कोश-बसर नहीं छोड़ेंगे।

वे प्रायः किसी भी काम के अनुरूप अपने को ढाल सकते हैं।

प्रेम के विषय में उन्हें समझ पाना सबसे कठिन होता है। सबसे अच्छे और सबसे बुरे स्त्री-पुरुष वर्ग के इस भाग में पैदा हुए हैं। प्रारम्भिक वर्षों में प्रायः सभी नेक और साफ दिल वाले होते हैं। लेकिन जब बदलते हैं तो पूरी प्रतिहिंसा में बदलते हैं और इसके ठीक उल्टे बन जाते हैं। फिर भी कानून के प्रति जमजमा सम्मान-भावना और अपनी स्वाभाविक कुशलता के कारण वे दूसरे वर्ग के लोगों की अपेक्षा अपनी भावनाओं को छिपाने में अधिक सफल रहते हैं। यदि स्वयं पर काबू नहीं हुआ तो उनमें प्राम-मादक द्रव्यों और शराब के सेवन की प्रवृत्ति पैदा हो जाती है।

स्वास्थ्य के बारे में आम तौर से वे रोगों के अपेक्षाकृत कम शिकार होते हैं, लेकिन उनमें एक विचित्र बात यह होती है कि अघायारों में पड़कर हर बीमारी में स्वयं के पीड़ित होने की कल्पना करने लगते हैं।

भोजन के बारे में वे बहुत सुरक्षित रहते हैं। खिचड़ा भोजन न मिलने पर उनकी भूख मर जाती है। चातावरण के प्रति वे अत्यन्त संवेदनशील होते हैं। तान-मेन में जरा-सी कमी या चिड़न से उनकी स्वाधु प्रणाली पर प्रभाव पड़ता है और उन्हें बच्चा या पशु की शिवायत हो सकती है। उनमें फँसकों की परेशानी की भी प्रवृत्ति होती है। कष्टों और भ्रूजाओं की नसों में दर्द हो सकता है।

इस अवधि में पैदा हुए लोगों को अपेक्षाकृत अधिक धूप और ताज़ी हवा की आवश्यकता होती है।

ऐसे लोग सबसे प्रबल मानसिक धरातल पर होते हैं। जीवन के प्रति उनके विचार आम तौर से व्यापकवादी, विरलेषणात्मक, सदेही, चतुर और पारखी होते हैं। भीड़ का साथ देने के बजाय वे प्रायः एक अलोकप्रिय उद्देश्य की हिमायत करते हैं।

मानव स्वभाव के उत्तम पारखी होने के कारण वे आम तौर से अपनी पहली धारणा पर मरोसा कर सकते हैं। लेकिन वे बात की छात निवातने वाले होते हैं और यदि इस प्रवृत्ति का ठीक से नियंत्रण नही रखेंगे तो बाद में रोगग्रामी हो जाएंगे। इन लोगों के लिए पैसों की बहुत कीमत होती है।

साहित्य-रसमीदान और कला-रसमीदान के रूप में वे प्रायः अत्यन्त कुशल रहते हैं। स्मरणशक्ति अच्छी होती है, तेज़ी से पढ़ सकते हैं और उनका ध्यान बमजालियों की ओर शीघ्र चल जाता है। बड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और असाधारण परिशुद्धता से वे प्रायः सफलता प्राप्त कर लेते हैं, हालांकि वर्षों तक वे छिपे रहे जाते हैं। देर-सबेर उन्हें प्रमुखता मिलती ही है।

उनमें प्रेम का बहुत गहरा भाव होता है, लेकिन भावुक या दिखावे वाला नहीं। एक बार प्रेम पैदा हो जाने पर वे बहुत बफादार रहते हैं, लेकिन ईप्सानु होने की भी प्रवृत्ति होती है। उनके विचार दृढ़ और ओजस्वी होते हैं। एक बार निश्चय

कर लेने पर दुनिया या कोई उपदेश उन्हें अपने विचारों से तितलभर नहीं डिगा सकता। उनमें प्रायः वस्त्रों और माज-शृंगार पर बहुत अधिक ध्यान देने की प्रवृत्ति रहती है।

दृढ़ इच्छाशक्ति और मन्त्र के कारण वे जन्मानों से हिम्मत नहीं हारते। उनकी बौद्धिकता मूलतः प्रयत्निशील होती है, किन्तु विम्वार पर वे बहुत अधिक ध्यान देते हैं। उन्हें दूसरों के गुणों को मराहने, अधिक महिष्णु होने और जानोत्रण में अधिक नहीं बरतने की आदत टाकनी चाहिए।

कन्या राशि में जन्मे लोग सम्मीर और विचारक होते हैं। ऐसा पान प्राप्त करना चाहते हैं और प्रायः भाषणों और कथाओं में उपस्थित रहते हैं। अच्छे बक्ताओं को सुनना पसन्द करते हैं और स्वयं भी तापा पर अच्छा जोरदार रखते हैं।

इन लोगों के बारे में एक विचित्र बात यह है कि वे भद्रा ज्ञान "हते हैं और उनकी जायु मान्य नहीं होती है। छाटी-छाटी बातों पर वे बिना और नागज हो जाते हैं लेकिन रक्तपात से घृणा करते हैं। वे अच्छे मध्यस्थ और प्रवर्तिनिधि होते हैं।

आर्थिक दृष्टि

वर्ष के दस मास में पैदा होना आर्थिक दृष्टि से शुभ है। व्यापार की अच्छी योग्यता, मावधान अल्पधन की स्वभाव। दूसरों के यंत्रावे में न आने वाले मकाना, भूमि आदि में पूजा लगाने के लिए यह शुभ योग है।

स्वास्थ्य

कन्या में जन्मे लोग अत्यन्त मवेदनशील होते हैं और उन पर बिना का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव पड़ता है। पावन अथ आम तौर से कमजोर होते हैं और भोजन में सावधानी न बरतने पर अक्सर आमाशय में पाव हो जाते हैं। हल्का सादा भोजन, देर सारा पानी, ताजा हवा, धूप स्नान और सामान्य से अधिक निद्रा और विराम आम तौर से इन लोगों की पुनः स्वस्थ कर देते हैं।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारिया

अपनी निजी राशि कन्या (21 अगस्त से 20 नितम्बर) बल त्रिकोण की दो अन्य राशियों वृष (21 अप्रैल से 20 मई) और मकर (21 दिसम्बर से 20 जनवरी) इनके पीछे के सधि-काल के सात दिन तथा अपने छ सातवीं राशि-मिथुन (परवरी से मध्य मार्च तक) के दौरान पैदा हुए व्यक्तियों के साथ कन्या राशियों के वैवाहिक या साझेदारी के सम्बन्धों की सफलता की सबसे अधिक सम्भावना है।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह सूर्य यूरेनस और बुध (सौम्य) हैं। इस राशि में सूर्य आपको बहुत सक्रिय भस्तिष्क देगा जो ज्ञान को आसानी से ग्रहण कर सकेगा।

आप जो भी काम या अध्ययन हाथ में लेंगे उसी में विचारशील प्रकृति के सच्चे अध्येता और बहुत परिश्रमी होंगे।

आपका भाषा पर अच्छा अधिकार होगा। सुन्दरता को हर रूप में प्यार करेंगे। लेकिन अपना सच्चा व्यवसाय चुनने में भारी कठिनाई होगी। आप अनेक दिशाओं में प्रयास करेंगे और अन्त में जिस रास्ते पर चलना है, उस पर पाव जमाने के लिए मध्य आयु या उसके बाद तक प्रतीक्षा करनी होगी। आपमें सम्पत्ति प्राप्त करने की काफी उत्कठा होगी, लेकिन शुरू के वर्षों में उसका सग्रह करने में भारी कठिनाई होगी।

आपका मुख्य दोष यह है कि बड़ी आसानी से ऊब उठते हैं, और बहुत अधिक चिन्ता करने लगते हैं। आपको एकाग्रचित्त होने, अपने से तथा अपने सक्षय में विश्वास पैदा करने और अपनी योजनाओं के अन्त में विलम्ब या उत्साह भय को बाधक न बनने देने का प्रयास करना चाहिए। इस प्रकार काम करने से अन्त में आप अधिकांश धन्य लोगो से अधिक सफल होंगे।

आर्थिक दशा

पैसा कमाने के लिए आपको परिस्थितियां आम तौर से बहुत शुभ हैं। आप आसानी से दूसरों का विश्वास प्राप्त करेंगे और वे आपको विश्वास तथा जिम्मेदारी के पदों पर बैठाएंगे। स्वयं पूजी लगाने में और उद्योग या व्यापार उमाने में भाग्य-शाली होंगे।

स्वास्थ्य

आप अच्छे स्वास्थ्य और शक्ति की अपेक्षा कर सकते हैं लेकिन एकदम ठीक रहने के लिए अधिक-से-अधिक ताजा हवा लीजिए और व्यायाम कीजिए। स्वभाव से आप तप बस्तिवों में या घर में घुसकर रहन लायक नहीं है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' है। 'पाच' भी महत्वपूर्ण भूमिका भवा करेगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' मूलांक वाले रहेंगे। 'एक', 'दो', 'चार' और 'सात' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सभी हलके रंग भाग्यदायी रहेंगे, विशेषकर हल्का पीला, मुनहरी, नारंगी और हलका नीला। आपमें भाग्य रत्न है होरा, पुण्यरात्र, नीलम।

2, 11, 20, 29, (मूलांक 2) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह चन्द्रमा, नेप्चून और बुध हैं।

आपमें बहुत उर्बल कल्पना शक्ति और उत्तम मानसिक क्षमता होगी किन्तु बार-बार परिवर्तन का चाव आपको अपनी योग्यताओं से पूरा लाभ उठाने नहीं देगा। आगमें सभी जौद्विक अध्ययनों की गहरी इच्छा होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में जाने के बजाय ऐसे काम करना अधिक पसन्द करेंगे।

आपमें आत्मस्वर नहीं होगा, बल्कि बिना दिखावे का शांत जीवन पसन्द करेंगे। जिस काम में भी लगे होंगे पूरे भरोसे और ईमानदारी से काम करेंगे लेकिन पर्याप्त आत्मविश्वास और अपनी योग्यता में यकीन न होने के कारण उत्साह का अभाव रहेगा। प्रयत्न से आप अपनी इस दुबलता को दूर कर सकते हैं।

आप शांत छात्र के रूप में, माहिर में, कलात्मक काम में और कैमिस्ट या किसी विज्ञान के काम में भी, अच्छी सफलता पा सकते हैं। आपको फूला, बागवानी और प्रकृति में घनिष्ठ रूप में जुड़ी वस्तुओं तथा घरती के पदार्थों से प्रेम होगा, लेकिन व्यावसायिक भावना न होने से उनसे आर्थिक लाभ नहीं उठा सकेंगे।

आपमें मित्र बनान और मित्रता बनाए रखने की क्षमता है, विशेषकर अपने विपरीत निर्गमियों से। आप अनेक बार स्थान परिवर्तन और यात्रायें करेंगे।

अपने जीवन साथी के चुनाव में विशेष मावधानों वरतिए और जल्दबाजी में निर्णय मत कीजिए। अच्छा हो यदि बड़ी आयु में विवाह करें क्योंकि मध्य आयु के लगभग या बाद में आपके विचारों में क्रांतिकारी परिवर्तन हो सकता है।

कभी-कभी आपको निराशा और उदासी के क्षीरे पड़ने की भी सम्भावना है। उनके अध्ययन में पता चलेगा कि चन्द्रमा का आप पर कितना प्रभाव है। आपका सबसे अच्छा समय भुवन पक्ष का होगा। इसी में अपनी योजनायें पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। कृष्ण पक्ष में सुपचाप रहे जाना बेहतर होगा। निराशा और उदासी में दूर रहिए क्योंकि इसका आपके पावन आत्मा और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

आप बूतने का मन पढ़ने के गुणों का विकास कर सकते हैं। किन्तु उन्हें बहुत कुछ अपने तक सीमित रखेंगे।

आर्थिक दशा

आप व्यापार व बजाय दिमागी काम से धन कमाएंगे, किन्तु धन की इच्छा में जाकपित होने पर बड़े उद्यमों के प्रमुख के रूप में भी अच्छा काम कर सकते हैं। आप माहिर में आलोचक, पुस्तक समीक्षक, प्रकरोडर के रूप में, शिक्षक, सचिव, या नट-नट वस्तुओं के लिए यात्री के रूप में अच्छा काम कर सकते हैं। आप अल्पव्ययी और पैसे का सावधानी से खर्च करने वाले होंगे। भविष्य के बारे में बहुत चिन्तित

रहेगे लेकिन अपनी आवश्यकताओं के लायक आपके पास काफी धन रहने की आशा है।

स्वास्थ्य

पाचन अंगों, बैठ और आतों की गठबटी से आपको अनेक घबरे लगेंगे। भोजन का अध्ययन कर और अपने शरीर के अनुकूल पदार्थ चुनकर उनमें दब मरने दें। बच्चे-मरने जाने के प्रति आप अत्यधिक संवेदनशील होंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो' और 'सात' हैं। सत्रों घटनापूर्ण रई 'दो' के मूलांक बाने रहेंगे। 'दो-सात' मूलांक वाले व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए भाग्यबंधन रंग हैं हलने हरे, सितेटी और नीले। आपको गहरे, काले रंगों से बचना चाहिए। आपके भाग्य रत्न हैं जेड, पद्मनाभ मणि, मोती। हरा जेड सर्वोत्तम रहेगा।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) सितम्बर की जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु और बुध हैं।

दिल से आप अत्यन्त महत्वाकांक्षी होंगे और अपने जन्म के तथा प्राग्भित जीवन के वातावरण से ऊंचे उठने के लिए सबत्पबद्ध होंगे। आप किसी पद पर पहुँच जायें, आसानी से सन्तुष्ट नहीं होंगे। आप बेतहाशा गति से आगे बढ़ना चाहेंगे। यदि इस प्रवृत्ति पर नियन्त्रण नहीं लगाया तो कभी-कभी निडाल होकर बैठ जाने का खतरा है।

आपके लिए अपने आस-पाम के लोगों पर प्रभुत्व जमाना एकदम स्वाभाविक है। अपनी योजनायें पूरी करने के लिए आपमें दृढ़ इच्छाशक्ति और सबत्प हर्ष, लेकिन साथ ही दूसरों के विरोध के मुकाबले में बहुत आगे तक नहीं बढ़ेंगे और अपने को बश में रखेंगे।

सम्पत्ति जमा करने की इच्छा में आप सामारिजता बरतते दिखाई देंगे, किन्तु अपने ढंग से उदार और उदात्त भी होंगे। अपने व्यवहार में आप विवेक और समझ से काम लेंगे। अपना सनिष्ठा व्यावहारिक ढंग का होना और सामने आने वाले किसी भी मामले का शीघ्र विश्लेषण कर देना।

आप वैज्ञानिक जाच-पडताल और शोध से आकर्षित होंगे लेकिन अपनी लक्ष्य-प्राप्ति के लिए उनका नीवर की भांति उपयोग करेंगे। यदि सम्पत्तिवान हुए तो विश्व-विद्यालयों को दान देंगे और शोध कार्य में छात्रों की सहायता करेंगे। आपका सबसे अच्छा काम उत्तरदायित्व-अधिकार और विश्वास के पदों पर होगा।

आप अच्छे सगठनकर्ता होंगे। दूसरों के लिए कानून बनाएंगे लेकिन अपने

कानून आप स्वयं होंगे। सम्भवतः आपको अपनी योजनाएँ पूरी करने में कुछ भी अनुचित या लीक से हटकर दिखाई नहीं देगा। आप उच्च श्रेणी के बुद्धिजीवी होंगे। कार्यकाल के विभिन्न चरणों में सामने आने वाली कठिन-से-कठिन समस्याओं को भी मन से स्वीकार कर लेंगे।

आप दूसरों की ज़मकर आलोचना करने वाले और मित्रों तथा परिचितों के चुनाव में सावधान होंगे। कुछ ही लोग आपके निकट आ पाएंगे। विवाह एक विचित्र अनुभव रहने की सम्भावना है। विवाह अपने से नीचे काम करने वाले या ऐसे व्यक्ति से करेंगे जिस पर आप मानसिक रूप से छाए हुए हों।

आपको भूमि या मकान में पूँजी लगाने अथवा देश के विकास में पहल करने, अथवा विदेशों या जन्म-स्थान से बहुत दूर के स्थानों में सम्पत्तियों से लाभ होगा। आप जन-जीवन में या जनता के सामने खाने वाले किसी घड़े में भी सफ़र होंगे।

आपके जीवन का पूरा रुख सफलता का रहेगा। एकमात्र खतरा सीमा से बाहर निकलने या किसी अति महत्वाकांक्षी योजना में सब कुछ दाख पर लगा देने का है। यदि आप अपने को नियन्त्रण में रखेंगे तो अपने साधियों से कहीं ऊँचे उठने की आशा कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

आपको अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है, हालाँकि आप अति चिन्तित हो सकते हैं। आप किसी एक उद्योग के काम से चिपके नहीं रहेंगे। लेकिन कई कामों में अपने पांव फसाए रहेंगे। आप में भारी दूरदर्शिता और नियंत्रण-बुद्धि होगी तथा अपने काम में सदा अपने प्रतिस्पर्द्धों से एक कदम आगे ही रहने का प्रयास करेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के सम्बन्ध में प्रमुख प्रवृत्ति पेट के ऊपरी भाग, जिगर, तिल्ली और पाचन अंगों में गड़बड़ा और मधुमेह की होगी। आप अपने को मशीन समझकर अपना इलाज खुद करना चाहेंगे और डाक्टर को उसी भाँति बुलाएंगे जैसे मशीन ठीक करने के लिए मैकेनिक को बुलाते हैं।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'पाच', और 'छ' हैं। अपनी योजनाएँ इसी मूलानुवाती त्रितियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष तीन मूलानुवाती वाले रहेगे। 'तीन', 'पाच', या 'छ' मूलानुवाती त्रितियों को जन्मे व्यक्ति के प्रति गहरा लगाव महसूस करने की सम्भावना है।

30 सितम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए आगामी राशि तुला शुरू हो जाती है। आपमें सितम्बर की 'तीन' मूलानुवाती त्रि-अंश त्रितियों को जन्मे व्यक्तियों जैसे ही गुण होंगे, लेकिन उनसे अधिक भाग्यशाली रहेगे।

आपने लिए सभी इतने रंग और उनसे साथ जामुनी, फालसाई तथा बैंगनी रंग भाग्यवद्धक रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, सभी चमकीले नय और कटंसा।

4, 13, 22 (मूलांक 4) सितम्बर को जन्मे व्यक्तित्व

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और बुध हैं। यूरेनस के प्रभाव का बड़ा दलचस्प महत्व है। यह आपको विचारों और कार्य में इतना मौलिक और स्वतन्त्र बनाएगा कि अधिकांश लोग शायद आपको विचित्र और सनकी समझें। यदि आपको दूसरे लोगों से पुलने-मिलने के लिए विवश होना पड़ा तो आमतौर से इसे बहुत कठिन और परेशानी वाला पाएंगे।

आप आसानी से मित्र बनाने वाले व्यक्ति नहीं होंगे और जिन मित्र बनाएंगे उनके आपके जीर आपकी योजनाओं के लिए सहायक होने की आशा नहीं है। आप जीवन की अधिकांश लोगों से भिन्न कोण से देखेंगे। अन्य लोगों के और विशेषकर अपने परिजनो के, विचारों से आपके विचार मेल नहीं खाएंगे।

आप असाधारण रूप से प्रबल इच्छाशक्ति और स्वल्प वासे होंगे। हठी भी हो सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से आप दूसरों जैसा सफल नहीं रहेंगे क्योंकि प्रायः आपको हितों के विरुद्ध काम करेंगे और सामने उठने वाले प्रश्न के भौतिक या अधिक फलि-साय की अधिक चिन्ता नहीं करेंगे।

आप अनेक लोगों की दुश्मन बना लेंगे क्योंकि आपके उद्देश्यों की ठीक में नहीं समझा जाएगा। आपको ऐसे लोगों से विचित्र अनुभव होंगे। वे आपको गिराने की योजना और षड्यन्त्र रचेंगे और कभी-कभी आपको भारी परेशानी में भी डाल सकते हैं।

आपके बारे में झूठी कहानियाँ और गुमनाम पत्र प्रचारित किए जाएंगे। बार-बार गुप्त सूत्रों से घोटाले और बदनामी की चबरे उठने की भी सम्भावना है। आपके लिए सपासम्भव मुकदमेबाजी से दूर रहना उचित होगा क्योंकि आपको निजी तौर पर या अपने उद्देश्य के लिए न्याय मिलना कठिन है।

किसी अदृश्य कारण से दूसरे लोग आपने मामलों में एक के बाद एक ताल-मेल पैदा करेंगे और मामलों की सीधा राहों के आपके प्रयासों में भारी रोड़ा अटकाएंगे। ऐसा होने पर यदि आप अपनी पहल पर काम करें और अपने निर्णय तथा अन्तःप्रेरणा पर भरोसा करें तो आप अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

आप किसी प्रश्न पर वाद विवाद की गर्मी में फँसता न करें। आदवा स्वभाव तक के उससे पक्ष को देखने का है। इससे मामला उत्तरोत्तर ही और लोग आपके विरोधी हो जाएंगे।

यदि आप किसी स्वतन्त्र पद पर हैं और लोगों के विचारों के अनुसार

नहीं चलना होता, तो आप अपने लोक में हटे विचारों पर अमल कर पाएंगे और अपनी मौलिकता से सफल होंगे। लेकिन यदि आप इतने शक्तिशाली नहीं हैं कि दूसरे लोगों के विचारों की चिन्ता न करें तो हर हालत में आलोचना के शिकार बनेंगे। आपके साथ और आपके लिए सदा 'अप्रत्याशित' ही घटेगा।

इस प्रयोग ने साथ साझेदारी या विवाह से प्रसन्नता मिलना बहुत सन्देहास्पद है। विवाह में सफलता तभी मिल सकती है जब आपका जीवनसाथी आपके विचारों और योजनाओं को अपना ले।

आप सबसे अधिक बौद्धिक वस्तुओं की चिन्ता करेंगे। आप 'नये विचारों' पर चलेंगे। दर्शन, विज्ञान, रसायन शास्त्र, विजली, टेलीविजन या रेडियो, दरअसल लोक से हटकर किसी भी काम से सम्बन्धित चीजों में आपको सफलता मिलने की आशा है।

आर्थिक दशा

वसूली में कमी या भुवदमेबाजी से आपका रूपया-पैसा छिन सकता है। घन कमाने के लिए अधिकतर अपने प्रयासों पर निर्भर रहना होगा। लोक से हटकर रचनात्मक कामों से आप ऐसा कर सकते हैं लेकिन सदा अकेले काम करते हुए ही सफल होंगे। आपका कर्मचारियों, नौकरों और अपने से छोटे लोगों की धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

आप डाक्टरों के लिए पहेली रहेंगे। अधिनाशन दुर्बोध ढग की आकस्मिक और असामान्य बीमारियां होगी। जिनकी जल्दी बीमार पड़ेंगे, उतनी ही जल्दी ठीक हो जाएंगे। मन के सकल से आप अपेक्षाकृत दूसरों से अधिक स्वयं को ठीक कर लेंगे।

- ये सभी लक्षण 22 मितम्बर को जन्मे व्यक्तियों के बारे में इतने प्रबल नहीं होंगे। देर-सदेर में लोग अपने जीवन में 'चार' और 'आठ' अंकों के महत्व को देखेंगे। मैं इन्हें 'भग्यवर्द्धक अंक' नहीं समझता क्योंकि आम तौर से उनके गंभीर या भाया-धीन परिणाम होते हैं।

सबसे भटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' -मूलकों वाले होंगे। दर्हा मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आप नीले, सुनहरे, पीले और गूरे रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं - नीलम, पुखराज, हीरा और चमकीले नग।

5, 14, 23 (मूलक 5) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह बुध है, जिसका मूलक पात्र है। आप दस अंश में अथ

सोचों की अपेक्षा अधिक प्रभावित होंगे।

बैस इस अव में अन्य सभी अर्थों के अनुरूप अपने को ढाल लेने का विचित्र गुण है। 'पाष' अर्थात् वाता व्यक्ति भी अपने सम्पर्क में आने वाले तत्पक्षरह के सोचों के अनुरूप अपने को बना लेने की क्षमता रखता है। 21 वगस्त से 23 सितम्बर तक जन्मे व्यक्तियों पर अन्य बर्णों की अपेक्षा भाव्य का प्रभाव कम पड़ता है। उनको काम करने की अधिक स्वतन्त्रता रहती है। सम्भवतः इसी कारण वे किसी विशेष कार्यक्षेत्र में न मितव्यय सभी कार्य क्षेत्रों में मिलते हैं।

आप ऐसे किसी काम में सफल हो सकते हैं जिसमें दिमाग और मानसिक योग्यता चाहिए। लेकिन आपको सबसे बड़ा दोष यह है कि आप अति बहुमुखी हों, कई नाका पर सवार रहेंगे और अनेक बार सन्ता बदलेंगे।

आप किसी भी एक काम को नापसन्द करेंगे। आपको सबसे अधिक काम देने व्यवसाय में होगा जिसमें आप शीघ्र पैसा कमा सकते हैं। दूसरों के प्रभाव में आए बिना यदि आप अपने स्वभाव का काम अपनाएँ तो बहुत सफल होंगे, लेकिन दूसरों के प्रभाव में आना बहुत-बहुत निश्चित ही है क्योंकि सौम्य बुद्धि के प्रभाव के कारण आपमें आज का प्रभाव रहेगा। आप दूसरों की सलाह से बहुतकर या तात्कालिक मनक में अपना धन्य बदलकर अपने सर्वोत्तम अवसर गवा देंगे। अतः इन निषिद्धों में पैदा होने पर आपको अधिक दृढ़ और ओजस्वी बनने का प्रयास करना चाहिए और जो भी काम करें, प्रयास जारी रखने की आदत डालनी चाहिए।

आप जहाँ जाएँगे, आसानी से मित्र बना लेंगे। विदेशों की परिस्थितियों के अनुसार अपने का ढाल लेंगे। आप भाषाएँ सीखने के बजाय श्रोतना पसन्द करेंगे। आप किसी क्षण चल देने के लिए कमर बन्धे रहेंगे। आपके अनेक घर होंगे, लेकिन स्वयं उनमें रहने के बजाय, कम-से-कम कुछ समय तक टिककर, दूसरों के लिए घर बनाने की ओर आपका झुकाव होगा।

आपमें काफी व्यवहार-कुशलता और बटनीतिव्य प्रतिभा होगी। आप मिलन-सार और कुशल सत्कारकर्ता होंगे। जहाँ जाएँगे वही लोग आपके धाम-धाम घिरे रहेंगे।

लेकिन अब तमबीर का दूसरा पहलू देखिए—यदि आप सावधान नहीं रहे तो आपने स्वभाव के ये ही गुण आपके पतन का कारण बन जाएँगे। आपने मिलन-सार स्वभाव पर दूसरे लोग आसानी से छा सकते हैं। कुशल बहुमुखी दिमाग और शीघ्र पैसा कमाने की भावना का साथ अधिक मगरमच्छ उठा सकते हैं। मित्र बनाने और दूसरों के अनुरूप अपने को ढालने की प्रवृत्ति से आप हर प्रकार के छत्रों में पड़ सकते हैं। उनमें कुछ आपको परिवर्तन के लिए गहरी उत्प्रेक्षा और आवेग के परस्पर हो सकते हैं। यदि आप अपने को ठीक से अनुशासन में रखें तो यह सब कुछ पटना उम्मीद नहीं है।

आपमें नई-नई बातों की खोज के लिए काफी प्रविष्टि, मानसिक योग्यता और अपनापन है, अतः आप साहित्य या पत्रकारिता में अच्छा काम कर सकते हैं। कठिनाई यही है कि आप जमकर प्रयास नहीं करना चाहते और किसी भी अकुश या एकरस काम को नापसन्द करते हैं।

विवाह बहुत भाग्यशाली रहने के संकेत नहीं हैं और एक से अधिक विवाहों की निश्चित सम्भावना है।

आर्थिक दशा

घन कमाने के लिए कोई एक धन्या अपनाता प्रायः असम्भव होगा। आप किसी पद और किसी काम में पैसा कमा सकते हैं। कभी-कभी 'संभाषण के दौर' भी आएंगे लेकिन आप बुझावे के लिए पैसा जमा नहीं कर सकेंगे। मेरी सलाह है कि अच्छे दिनों में वार्षिकी ऋणपत्र आदि खरीद रखिए जो भविष्य में जरूरत के समय काम आ सकें।

स्वास्थ्य

आप आम तौर पर हजकाम होंगे और अपनी स्नायुओं से बहुत काम लेंगे। सदा ऊँचे तनाव की स्थिति में रहेंगे जिसका परिणाम स्वाभाविक टूटन में हो सकता है। आपके चेहरे के किसी भाग में फडकन, हकलाहट, जिह्वा की नसों में परेशानी और बुझावे में पक्षाघात या पावों में ऐंठन हो सकती है। आप कम सोने वाले या अनिद्रा के शिकार हो सकते हैं और आपको पर्याप्त विश्राम तथा नींद नहीं मिल पाएगी।

आप अपनी योजनाओं या कार्यक्रम 'पाच' मूलक वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए, हालाँकि अक्सर और तिथियों का आपके लिए इतना महत्व नहीं होगा। आपके जीवन में सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' मूलक वाले रहेंगे। इसी मूलक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेषकर आपके अपने महीने, जून और फरवरी में पैदा हुए लोगों के प्रति सहाय्य महसूस कर सकते हैं।

आप किसी खास रंग तक सीमित नहीं रहेंगे लेकिन आम तौर से सभी हल्के रंग अधिक शुभ रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं: हीरा और सभी कमकीले नंग।

6, 15, 24, (मूलक 6) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक यह शुक्र और बुध हैं। शुक्र के गुण विशेष रूप से परिलक्षित होंगे।

आपका स्वभाव अत्यन्त सहानुभूतिपूर्ण होगा—ऐसा बड़ा प्यार और रोमांस

महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। लेकिन प्रेम प्रसंगों में काफी बटिनाटमा आने की सम्भावना है—प्रायः सदा एक साथ दो प्रेम-प्रसंग चलेंगे। प्रारम्भिक वर्षों में आप 'गलत व्यक्ति' की ओर झुकते दिखाई देंगे—पहले से विवाहित या आपके पद में छोटा व्यक्ति। बाद में आप इस सबको जलटहर टोक से बिबाह करेंगे।

आपने शीघ्र वयस्क होने की प्रवृत्ति होगी—'जवान बांधों पर चुपुं निर'। शुरू में ही आपके सामने दो रास्ते खुलेंगे। एक भक्ति भाव या गहरे धर्मभाव के रसान वाला बहुत बठोर, शुद्ध जीवन होगा जिस पर आपके परिवार और रासन-पालन का भारी प्रभाव होगा। दूसरा घर के दानावरण में मुक्ति की भावना का, दुस्साहसिक अभियान और सज्जिव जीवन से प्रेम का गन्ना होगा। प्रारम्भिक जीवन की परिस्थितियों और प्रेम-सम्बन्धों के अनुसार उनमें से आप एक या दूसरा रास्ता चुनेंगे।

आप खुले जीवन के शौकीन, हर प्रकार के रेतों में उत्तम और कुत्तो, छोड़ो तथा जानवरों से भारी लगाव रखने वाले होंगे। आप मैनों बाड़ी में या किसी बड़े इन्डि-विकास कार्य में या, देशों की खोज में बहुत मगन हो सकने हैं।

आपके स्वभाव का एक दूसरा पक्ष भी है जो जल्दा ही प्रयत्न होगा। मुक्त और बुद्ध के ग्रहणों में जन्मे होने के कारण आप संगीत, चित्रकारी या मंच जैसा कोई कलात्मक व्यवसाय अपना सकते हैं। इनमें आपको काफी मगनता मिलेगी। कुछ भी हो, आप जो भी कृति अपनाएंगे, उसी में कोई ऊना पद प्राप्त करेंगे।

आर्थिक दशा

आपके लिए यह चाम्पशाती मवाल है। बाटनई के समय लोगों या मित्रों में सहायता मिलेगी। विरामत और उपहारों में लाभ मिलेगा। अपनी ओर से अच्छी जगह पूजी लगाएंगे, बिरोपकर घर, भूमि, सम्पत्ति आदि में।

हवामय

इस सवाल की अधिक परेशान नहीं करना चाहिए क्योंकि आपका काम बढ़िया होगा लेकिन ज्ञान-सौरभ से लयाय के कारण आप उसे आपन पट्टा मचने हैं। बीमारिया में आपको गले, श्वास-नसिका और पेटों की परेशानी, छाती, कंधों, मुड़ाओं तथा पायों में पाव या चोट की सम्भावना है।

आपके लिए सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'पाव' और 'छ' हैं। अपनी योग्यता और कार्यक्रम जहां तक हो सके, इन्हो मूतारों वाली दिवसों में पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके करने घटनापूर्ण वष भी इन्हो मूतारों वाले होंगे। इन्हो मूतारों वाली दिवसों की जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए मायबर्धक रंग हैं—नीले, सफेद, ग्रीम और चमकीले। माय-रत्न हैं फीरोजा और नीले नग, हीरा, मोती और हलके चमकीले नग।

-7, 16, 25 (मूलांक 7) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

— आपके कारक ग्रह नेप्चून, चन्द्र और बुध हैं। जून की इसी तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के स्वभाव से आपके स्वभाव की बहुत-सी बातें मिलती-जुलती होंगी। उनके साथ आपको पटरी भी बैठेगी लेकिन आप उन जैसे ओजस्वी नहीं होंगे। आपमें वैसा ही आदर्श, दिचारो का परिष्कार और कल्पना-अमता होगी, किन्तु आप उनसे अधिक भौतिकवादी होंगे।

आप भी रहस्यवाद और गुप्त विद्याओं को ओर काफी आकर्षित होंगे लेकिन अधिक आलोचना करने वाले और सदेही होंगे। हर बात को तर्क से समझना चाहेंगे। एक बार सतुष्ट हो-जाने पर अपने विश्वास में अत्यन्त ईमानदार रहेंगे, लेकिन अपने विचार दूसरे लोगों पर लादेंगे नहीं। इन विषयों पर शोधकार्य में आप काफी समय लगाएंगे। ऐसी सम्भावना है कि अपने विश्वास पर अंतिम रूप से पहुँचने से पहले आप अनेक घमों और विश्वासों की छानबीन करेंगे।

आप मनोविज्ञान और ऐसे अन्य विषयों में और लेखक, संगीतज्ञ, रसायन-शास्त्रा या उद्योगों के संगठनकर्ता के रूप में भी अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

भौतिक दृष्टि से जीवन के प्रारम्भिक वर्ष अच्छे रहने की सम्भावना नहीं है लेकिन बाद की आयु में अपनी वृत्ति में धन, अच्छा पद और सफलता, सभी का आवागमन होगा।

आप बूढ़ों को अपनी ओर अधिक आकर्षित करेंगे और आपके सबसे अच्छे मित्र विचित्र सनकी और अपने काम तथा विचारों में सबसे अलग लोग होंगे।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप अति चिंताग्रस्त दिखाई देंगे। आप दूसरे लोगों के हिनाब किनाब की अच्छी व्यवस्था करेंगे और उन्हें धन कमाकर भी दे सकते हैं, लेकिन निजी मामलों में इतने सतर्क रहेंगे कि मार्ग में आने वाले अवसरों का पूरा लाभ नहीं उठा पाएँगे।

स्वास्थ्य

आपके स्वास्थ्य पर भी आपके मन का भारी प्रभाव पड़ेगा। चिन्ता से शीघ्र अस्व-स्व और तनावग्रस्त हो जाएंगे। पाचन अंग आपको काफी परेशान कर सकते हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंग 'सर्ज' और उसके बाद 'दो' है। अपनी योजनाएँ

और कार्यक्रम इन्हीं मूल्यों को वाली तिथियों पर पूरे करने का पूरा प्रयास कीजिए । आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूल्यों वाले होंगे । इन्हीं मूल्यों को वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस कर सकते हैं ।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए जेप्सून (कबूतरी व हलके) और चन्द्र (हलका हरा, नीम, सफेद) के रंगों के कपड़े पहनिए । आपके भाग्य रत्न हैं - हरा जेड, मोती, चट्ठाकत, जणि, चमकीले नय ।

8, 17, 26 (मूल्य 8) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक बृह शनि और बुध (सौम्य) हैं । आपके स्वभाव में भी बहुत-सी बातें ऐसी होंगी जो जून में इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के स्वभाव में हैं । आपकी उनके जैसे ओजस्वी या उग्र नहीं होंगी ।

आरम्भिक वर्षों में, लगभग 35 वर्ष की आयु तक आपको अनेक बाधक प्रभावों का सामना करना पड़ेगा । उसके बाद आप अपने प्रतिकूल वातावरण से मुक्त हो जाएंगे और आपकी जाकासाए पूरी होगी ।

आप धीरे गम्भीर होंगे, असामान्य विषयों का अध्ययन करना चाहेंगे और आपने अपने ही घोंस में रहे आने की प्रवृत्ति होंगी । आम लोगों के बारे में आपका दृष्टान्त उनकी अति आलोचना करने और सदेही होने का होगा ।

अपने काम में आप पूरे ईमानदार होंगे लेकिन उसमें जितना दिमाग लगाएंगे उसका आपकी उचित खेय नहीं मिलेगा । आप पुरानी पुस्तकें, पुस्तकालय और सग्रहालय पसंद करेंगे और ऐसे विषयों पर पुस्तकें लिखना या संकलित करना चाहेंगे ।

लेकिन यदि आप 26 सितम्बर को पैदा हुए हैं तो आप आगामी राशि युक्त के संधि-काल में इतने आगे बढ़ चुके होंगे कि ये सभी गुण पृष्ठभूमि में पड़ने के साथ ही आप भौतिक दुनिया में अधिक आगे आएंगे । आपकी आम वृत्तियाँ भी अधिक प्रबल होंगी ।

आर्थिक दशा

हर हालत में अति-सतकता की भावना के कारण आप धन कमाने के अनेक अच्छे अवसर भगा देंगे । इसके लिए आप प्रायः पश्चात्ताप भी करेंगे । लेकिन आप कुछ छोटे छोटे या नोकसा खान, भूमि और मकान जैसी सम्पत्ति में अच्छी पूँजी लगाएंगे ।

स्वास्थ्य -

आप शरीर से बहुत तगड़े होंगे और दिमागी काम में भी भारी सहन-शक्ति और समता होगी । बहुत अधिक बैठकर काम करने में आँखों की रुकावट, हँसियाँ, खुजली जैसे रोगों के आप शिकार हो सकते हैं । खुले में जितना व्यायाम कर सकते हो, कीजिए । अनेक दुर्घटनाओं का सामना करने और अल्प-मृत्यु की भी आशा है ।

'चार' और 'आठ' के अंक आपके जीवन में बार-बार आते रहेंगे । सबसे घटना-भूरी वर्ष भी इन्हीं मूलान्तों वाले रहेंगे । इन्हीं मूलान्तों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति काफी लगाव महसूस करेंगे ।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गहरे रंगों से बचिए और हल्के रंगों के कपड़े पहनिए । आपके भाव्य रत्न हैं काला मोती, काला हीरा, गहरा नीलम और सभी काले नग ।

9, 18, 27 (मूलान्त 9) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति -

9 या 18 सितम्बर को जन्मे होने पर आप मयल और बुध के प्रभाव में आते हैं । आपके गुण बहुत कुछ वैसे ही होंगे वैसे जून में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के । अंतर इतना ही होगा कि आप विचारों में या अपनी योजनाएँ पूरी करने में अधिक कूठनीतिज्ञता दिखाएँगे ।

मेरे मन से मयल और बुध एक दूसरे के मित्र हैं । मयल बुध को अपना काफी जीव, ऊर्जा और सँकल्प प्रदान करता है । यह सहयोग आपको मन से बहुत सक्रिय बनाएगा और जोखिम तथा दुस्साहस से प्रेम देगा । 9 और 18 जून को पैदा हुए व्यक्तियों की तरह आप भी अपने मुहफ़टपन से और बाणी से सीधी चोट कर दूसरों को अपना दुश्मन बना लेंगे ।

कभी-कभी आप व्यर्थ में बात करेंगे । बहुत पारखी, आलोचक और छोटी-छोटी बातों पर बिठ जाने वाले होंगे । उद्यमों में, या इजीनियरी में, या कारखानों के निर्माण में, रचनात्मक काम के लिए आप बहुत उपयुक्त रहेंगे । अपने उद्यमों में मशीनों का काफी उपयोग करेंगे ।

शून्य-चित्रितक या दत्त-चित्रितक के रूप में और महीन औजारों से काम लेने में भी आप में काफी योग्यता होगी । सभी नई वैज्ञानिक खोजों में आपको गहरी दिलचस्पी होगी । दार्शनिक, विचारक या लेखक के रूप में अपने को अभिव्यक्त करने में आपको सफलता मिलेगी ।

अपने स्वभाव के एक और पक्ष से आप कृषि भूमि के विकास में या नई मशीनों से काम लेने में पटल करेंगे ।

जून की इन्ही तिथियों को पैदा हुए लोगों की भाँति आप दुर्घटनाओं और

मशीनो से कुछ अधिक हो दुपटनाग्रस्त होंगे। पशुओं विमानों और विमान-यात्रा से भी छत्रा हो सक्ता है।

27 सितम्बर को पैदा होने पर दुपटनाए अधिक गम्भीर होगी। भाग और आग्नेयास्त्रों से भी छत्रा है। आपके कारक ग्रह मंगल-बुध के साथ जुक्त भी हैं। वैसे 9, 18 और 27 सितम्बर को पैदा हुए व्यक्ति जो भी काम करेंगे, उसी में सफल होंगे।

आर्थिक दशा

आप पैसा कमाने में आम तौर पर सफल होंगे। जो काम करेंगे उसी में अपने नये विचारों से बहुत धनी हो जाएंगे।

स्वास्थ्य

आप बीमारी के बजाय दुपटनाओं के अधिक शिकार होंगे। 27 सितम्बर को पैदा होने पर अनेक बार शल्य-चिकित्सक के चाकू का भी अनुभव करने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'नौ' और 'पाच' हैं। हो सके तो अपनी महत्वपूर्ण योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलकावा वाली तिथियाँ का पूरा कीजिए। 27 सितम्बर को जन्मे लोग 'छ' और 'नौ' अक्षरों को सबसे महत्वपूर्ण पाएँगे।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलकावा वाले होंगे। आपके 'तीन' 'छ' और 'नौ' मूलकावा वाले व्यक्तियों के प्रति आकर्षित होने की सम्भावना है।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए साल, गुलाबी और हल्के रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं साल, तामड़ा साल या गुलाबी नग, हीरा, रक्त मणि।

अक्तूबर

तुला राशि 21 सितम्बर से प्रारम्भ होती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि कर्का के साथ इसका संधि-काल चलने से यह 28 सितम्बर से ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 अक्तूबर तक द्रवका प्रभाव पूर्ण रहता है। फिर आगामी राशि दूरिचक के साथ इसकी संधि प्रारम्भ हो जाने से सात दिन तक इसके प्रभाव में उतरोत्तर कमी होती जाती है।

इस अवधि में, अर्थात् 21 सितम्बर से 20-27 अक्तूबर तक, जन्मे व्यक्तियों के चरित्र में भारी विविधता मिलती है, लेकिन अपने सभी कामों में वे स्पष्ट मन से प्रभावित होते हैं। उनमें इतनी प्रबल तर्क-भावना होती है कि वे प्रायः अपने को भी उस पर कब्जे में नहीं चूकते। लेकिन एक बार अपना मार्ग चुन लेने पर वे हर मूल्य पर उस पर आगे बढ़ते हैं।

उनके सामने जो भी तर्क आता है, उसे वे अपने मन में अच्छी प्रकार तोलते हैं। उनका भाषा पर या तो पूर्ण अधिकार होता है या वे अपनी बात छोटे-छोटे सशक्त वाक्यों में कहते हैं। लेकिन दोनों ही स्थितियों में उनके लिए भाषा का भारी महत्व होता है।

इस अवधि में जन्मे व्यक्ति प्रायः सार्वजनिक जीवन में मिलते हैं, लेकिन आम तौर पर वे अपने लोगों की दृष्टि सुधारने के लिए सतुलन ठीक करने की भावना से अपनाते हैं।

साधारण परिस्थितियों में इनमें से अनेक लोग स्वभावतः कानून के अध्ययन की ओर उन्मुख होते हैं। उनमें तक की जागरूकता समझ होती है। उनमें कानून बनाने या ऐसे विषयों पर लिखने की बारी प्रवृत्ति रहती है। अनेक लोग अपना जीवन किसी विशेष अध्ययन या शोध कार्य में लगा देते हैं। कुछ उत्तम वैज्ञानिक और डाक्टर बनते हैं और अपने क्षेत्र में विशेष शाखा का अध्ययन करते हैं। वे कुछ भी करें, आम तौर पर बहुत अच्छी तरह करते हैं।

वे अपने वनावरण के प्रति असामान्य रूप से सचेत रहते होते हैं। यदि वह अनुकूल न हो तो शीघ्र उद्धार हो जाते हैं, उनका मन भुग जाना है और वे अपने ध्यान में मगल जाते हैं।

आम तौर पर वे ज्ञान स्वभाव के होते हैं। वे जन्मजात शान्ति दूत होते हैं क्योंकि विवाद और झगडा के दुश्मन को पसन्द नहीं करते। वे साफ-सुधरे रहते हैं और

अस्तव्यस्तता उन्हें नहीं सुहाती। अपने दिखाने और परिधान का काफी ध्यान रखते हैं किंतु वस्त्रों का दिखावा नहीं करते।

उनकी राशि का स्वामी शुक्र (मौम्य) है। यदि इस राशि में उच्च का है और सूर्य नीच का। इस राशि में सूर्य की विशेष स्थिति उनकी जटिल प्रकृति, समचित्तता की उनकी प्रबल समझ और उनके स्वभाव में आशावादिता तथा उदासी के मिश्रण के लिए जिम्मेदार है। अपनी बहुरूपी प्रकृति के अनेक मूढ़ा का वे अनेक प्रकार से अभिव्यक्त करते हैं। उदात्त आदर्शवाद और उच्च नैतिक सिद्धान्त उनके चरित्र का आधार है। वे विचारों और कार्यों में स्पष्ट और निर्णयमय होते हैं। अपनी आदर्शवादी स्वभाविक अतः प्रेरणा की समीक्षामय तर्क में दवाएँ रखने की उनमें प्रबल भावना होती है। निश्चित प्रमाण के बिना वे किसी बात का स्वीकार नहीं करते।

प्रेम-मन्त्रियों के ये व्यक्ति बहुत दिखावा करने वाले नहीं होते, बल्कि घात की घात निकालने वाले और उसके प्रयोजन को लौटलौट कर करते हैं। वे घुन जाते हैं कि प्यार के पद्यों को छुईछोत से नहीं देखा जाता। अतः वे प्रायः भ्रम और गिरावट के शिकार होते हैं। आमतौर से तुला वाले व्यक्ति भारी लोकप्रियता प्राप्त करते हैं, ठेठ-सारे मित्र बना लेते हैं, और साथ ही बहुत कुछ अपने स्वयं की सीमा में रहते हैं।

उनके लिए धन का बहुत कम या नगण्य महत्व है। वे शाप ही मट्टेबाजी या अविचारित उद्यम के चक्कर में फँसते हैं।

वे अच्छा वातावरण पसंद करते हैं और उनमें काफी प्रभावित भी होते हैं। अपने आस-पास के लोगों के मनोवैज्ञानिक प्रभाव के प्रति वे अत्यन्त सचेत रहते हैं। उनके स्वभाव का कलात्मक पक्ष बहुत प्रबल होता है। वे संगीत और कला के भारी शौकीन होते हैं और प्रायः उनमें काफी दखल रखते हैं। अध्ययनशील, पौष्टिक और शोध प्रेमी होने से वे शिक्षा-क्षेत्र में भी प्रमुखता प्राप्त करते हैं। स्वभावतः वर्तमान में रहे जाने के कारण उन्हें विगत के बच्चों की कम और भविष्य की कल्पनाओं की ओर भी कम ध्यान देना पड़ता है। शुक्र और जनि के महयोग के कारण वे प्रेम या कर्तव्य भावना से प्रायः भारी त्रासित रहते हैं। आम जीवन में साधारणता उन पर किसी बुराई की छत्रछाया रहती है। ऐसा न होने पर वे कम आयु में ही विवाह कर लेते हैं। प्रायः अपना जीवन माँ की या बच्चे उनकी मट्टेबाजी में पूरी होने में बाधा पहुँचाते हैं।

आर्थिक दशा

तुला राशि में जो तो अनेक प्रसिद्ध और दबंग व्यक्ति पैदा हुए हैं, फिर भी यदि वे लोग धन कमाने में सफल हो जाते हैं तो बुढ़ापे में शाप ही उन्हें अपने पास रख पाते हैं। इसका एक उदाहरण मार्ग बर्न हार्ट है। वह 22 अक्टूबर को पैदा

हुई थी। अभिनेत्री के रूप में उसने विपुल धन कमाया लेकिन मरी अत्यन्त गरीबी की दशा में। दूसरा उदाहरण 16 अक्तूबर को जन्मे औस्कर वाइल्ड का दिया जा सकता है। किसी समय वह दुनिया के अश्विकतम पैसा पाने वाले नाटककार थे, लेकिन अन्तिम वर्षों में गुजारा भी मुश्किल से हो पाता था। उन्हें दफनाया भी बचे-खुबे थोड़े से मित्रों के दान में गया। थियोसोफिकल सोसाइटी की अध्यक्ष ऐनी बेमैंट, जो ॥ अक्तूबर को पैदा हुई, तुला वाले जातक का एक और उदाहरण है जिन्हें ऊँचा पद मिला लेकिन धन नहीं। (इस सूची में महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को भी जोड़ सकते हैं—सम्पादक)

ऐसा नहीं कि तुला राशि में पैदा हुए व्यक्ति धन कमा ही नहीं सकते लेकिन शायद ही कभी उसे अपने पाम रख पाते हों या भविष्य के लिए व्यवस्था कर पाते हों।

स्वास्थ्य

तुला राशि स्वास्थ्य और सफाई की सहज प्रवृत्ति देती है। आम तौर से वे अपना सतुलन बनाए रखते हैं और गम्भीर बीमारियों के शिकार होने से बच जाते हैं। लेकिन बहुत अधिक परिश्रम करने या अत्यधिक भावुक हो उठने पर स्वास्थ्य पर उसका हल्का प्रभाव पड़ेगा।

अधिक परिश्रम के सबसे अधिक लक्षण गुर्दों में प्रकट होने हैं जो आवश्यकजनक रूप से सवेदनशील होते हैं। उनमें बहुत अधिक शारीरिक शक्ति नहीं होती, हालांकि शीघ्र स्वस्थ हो जाने की क्षमता रहती है। उन्हें बड़ी मात्रा में ताज़ा हवा चाहिए। सम्भव हो तो सादा जीवन बिनाए। भोजन के मामले में पूरी सावधानी बरतें।

विवाह, सम्बन्ध, सामेदारिया

इस अवधि में जन्मे व्यक्तियों के आम तौर में अपनी निजी राशि तुला (21 सितम्बर से 20 अक्तूबर), वायु-त्रिकोण की अन्य दो राशियाँ, मिथुन (21 मई से 20 जून) तथा कुम्भ (21 जनवरी से 19 फरवरी), इनके पीछे का सात दिन का भविष्य-ज्ञ और अपने से सातवीं राशि में (21 मार्च से अप्रैल के अंत तक) के दौरान जन्मे व्यक्तियों के साथ अत्यन्त मधुर सम्बन्ध रहेंगे।

1, 10, 19, 28, (मूलांक 1) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपने कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस, शुक्र और शनि हैं लेकिन 28 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति वृश्चिक राशि के प्रभाव में आते हैं जिसका स्वामी मंगल है। 28 अक्तूबर तक शुक्र अपनी सौम्य राशि में है, शनि उच्च का है, मंगल अस्त राशि में है और सूर्य नीच का है।

अहं ग्रहयोग वदुरूपी स्वभाव प्रदान करेगा। साधारणता महं यश के लिए शुभ योग है। अपने निजी गुणों के विकास की दृष्टि में आपको अनेक गुणवत्तर मिलेंगे।

मूल पाप से प्यार और संतुलन देगा। अपने वानावरण में शान्ति और सौहार्द पैदा करने की भावना होगी। आपमें 'शान्ति दूत' की प्रवृत्ति होगी। जब तक अपनी प्रवर न्याय-भावना से हमके लिए विवश ही न हो जाए, आप हर प्रकार के खनपान और युद्ध में घुणा करेंगे। शुत्र अपने सौम्य भाव में होने से आप प्यार के लिए तरमंग, आप त्याग करेंगे और फिर भी आपका बहुत कम सतोष मिलेगा।

आपमें भारी महत्वाकांक्षा रहेगी, लेकिन उसे पूरा करने में अनेक बाधाएं आएंगी। आपकी योजनाओं का हमसा काफी विरोध होगा।

दूसरों के प्रति पाप की भावना आपके स्वभाव में इतनी ममार्द हुई है कि आप कानून के अध्ययन में भारी योग्यता प्राप्त कर सकते हैं। आप ईमानदार वकील या जज के रूप में प्रसिद्ध होंगे। आप किसी प्रकार के राजनीतिज्ञ जीवन में भी सफल हो सकते हैं, लेकिन साधारण राजनीतिज्ञ की दृष्टि के बजाय कानूनों में सुधार की दृष्टि में। आप चित्तिष्ठा और अभी तरह के शोध-कार्य में भी सफल रहेंगे।

अपने इकट्ठे किए तथ्यों को जोरदार ढंग में पेश करने की तांत्र उतकठा में आप अनेक नामों का शत्रु बना लेंगे। जो लोग तर्कपूर्ण ढंग में बात नहीं कर सकते उनका आपसे लिए कोई उपयोग नहीं है। अक्सर में इन निधियों को जमे व्यक्तित्व अनेक प्रकार की क्षतिग्रस्त अपना सकते हैं।

यदि आप 28 अक्टूबर को जमे हैं तो आपका सूर्य कुंज के अधिकार से निरन्तर वृश्चिक में प्रवेश कर चुका है। आपन बारे में जानकारी के लिए आप तन्त्रमन्त्र में 'एक' श्लोक वाली त्रियिका को जमे व्यक्तियों की जानकारी प्राप्त कीजिए।

आर्थिक दशा

आपने लिए साक्षात्त ढंग के कामों की अपेक्षा मानविक व्यवसायों में पैसा कमान और अपनी निजी महत्वाकांक्षाएं पूर्ण करने की सम्भावना अधिक है। आप निजों मग्न हूँ बजाय अपन धर्म के लिए सम्पत्ति की प्रवृत्ति करेंगे।

स्वास्थ्य

आपन व्यक्ति में आपकी स्वास्थ्य के बारे में कम चिन्ताएं होंगी। जब तक पूर्णतया में काम करेंगे, ठीक रहेंगे। निद्रियता का आरंभ लिए मननर है मोन। यदि अभी कष्ट हुआ तो दुष्टताओं में शान्त मनन के कारण होगा। दुष्टताओं में शान्त

निर और बड़े पर आने की अधिक सम्भावना है, लेकिन आपको पेट और आंतों का अनरेशन करना पड़ सकता है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' और 'छ' हैं। 'चार', 'आठ' तथा 'नौ' भी जीवन में बार-बार आएंगे लेकिन मैं आपको इन्हें अपना 'अंक' चुनने की सलाह नहीं दूंगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' 'छ' और 'आठ' भूलाकी वाले रहेंगे। 'एक' 'चार', 'छ' और 'आठ' भूलाकी वाली विधियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप सतर्क रहनुम करेंगे।

अनार प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (कुम्हार, पोसा नारंगी, भूरा), यूरेनस (निन्देरी या शोख) और शुक्र (नीला) के रंग के कपड़े पहनिए। आरके भाव्य रत्न हैं हीरा, पुष्पाज, अम्बर, नीसम।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आरके कारक ग्रह चन्द्र, मेषून, बुध और शनि हैं। आप कोई वृत्ति अपनाएँ कारक प्रेरणा का बरदान प्राप्त होगा। आरामकाल में आपमें पूर्व ज्ञान की गहरी मन्य रही। आप अपनी योजनाओं के निष्कर्ष को पहले से ही भाव लेते और फिर हर विरोध के बावजूद उसे पूरी करेंगे।

आम बानों में आपमें अनि-मवेदनशील होने और आलोचना को महसूस करने की द्रव्यि होगी, लेकिन आपात स्थिति पैदा होने ही आपके स्वभाव का प्रदण पथ रति में आ जाएगा। इसलिए महत्वपूर्ण मामलों पर फैसले उस समय लीजिए जब कम अंश हो और दूसरों के विचारों के प्रभाव से मुक्त हों। कर्मी-भभी आरकी निराशा के दोरे पड़ेंगे और आपकी अपनी कार्यशमता पर हो संदेह होना दिखाई देगा।

दिन से आपका स्वभाव बहुत स्नेही है और आप प्यार की महरी आवश्यकता महसूस करेंगे। लेकिन इन मामलों में आप इतने संवेदनशील और बहु आलोचक होंगे कि अन्धे अवसर गवा सकते हैं। 2, 11, 20 या 29 तारीखों को जन्मे लोग यदि कम आयु में ही विवाह नहीं कर लेते तो प्रायः कुआरे ही रहे आने हैं। आगामी एनि बुधिक में 29 अक्तूबर को पैदा हुए लोग अपने विपरीत विधियों से काफी प्रभावित होंगे और उनके जीवन में अनेक समानो प्रसव आएंगे। वे यात्रा के ओर जन स्थान से दूर देशों में रहने के भी बहुत शौकीन होते हैं। समुद्र या विशाल जल रणि में उन्हें मोह होता है लेकिन यात्रा के दौरान डूबने या दुष्प्रनाप्रस होने का कभी खतरा रहता है।

आरके मन में समीत, चित्रकला, काव्य और सभी सतिष्ठ कलाओं के प्रति गहरा प्रेम होगा। यदि इन्हे वास्तु के रूप में अपनाते का अवसर मिलता तो काफी

सफलता मिलेगी। कपडों में आपकी पहचान सचि होगी। शोष और दूसरों की नज़रों की भी इच्छा होगी।

20 अक्तूबर को पैदा हुए व्यक्ति, जब सूर्य वृश्चिक के सध्रि-वात में प्रवेश कर रहा होता है, 2 या 1। अक्तूबर को पैदा हुए व्यक्ति से अधिक आत्मविश्वासों होगा। 19 अक्तूबर को पैदा हुए लोग और भी आत्मविश्वासी होंगे। उनके लिए सफलता की संभावना भी अधिक रहेगी, विशेषकर कला, साहित्य, संगीत, वायल या नाटक में।

आर्थिक वसा

जब तक आप में साम उठाने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों से आत्मरक्षा के लिए आप नारेबदी नहीं करेंगे, आपके लिए यह विषय शुभ नहीं होगा। व्यवसाय और लीव वाला काम आपको प्रतिकूल होगा, लेकिन आपात स्थिति में कल्पना तथा प्रेरणा के वरदान में आप घन कमा सकते हैं और सफल हो सकते हैं। परिस्थितियाँ अनुकूल होने पर आप बहुत यात्राएँ करेंगे, विदेशों में सचि सँगे और उनके सम्बन्ध में सफलता प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में आपके छोटे-नाज़े या अस्तिशाली होने की सम्भावना नहीं है। मन से आप बहुत नज़िय होंगे और दिवाम्बन्ध वास्तविक सँगों। आप कमर या रीढ़ की विचित्र कमजोरी के शिकार हो सकते हैं और कमर झुक सकती है। आपको शीघ्र सर्दी-जुकाम पकड़ सकता है और सावधानी नहीं करती तो गले, फेफड़ों, नासिका-रन्ध्रों आर कानों में परेशानी हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण शक हैं 'दो' और 'सात'। अपनी योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्षों में 'दो' और 'सात' मूलकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा समर्थ महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र (हरा, प्रीम, सफेद) शुक्र (नीला), नेप्चून (बबूनी, हल्के नील शोथ) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, मोती, चन्द्रकान, मणि, पुष्कराण, अम्बर, फोरोज।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके शरारत सह, शुक्र और शनि हैं। शुक्र के प्रभाव के कारण आपके दृढ़तर गुण अधिक प्रभाव में आएंगे, जैसे महत्वाकांक्षा, इच्छा शक्ति, सफल। यह सह

योग इतना शुभ है कि आपका कोई ध्येय हो, आपको जीवन में काफी सफलता मिलेगी।

आपमें इतनी महत्वाकांक्षा होगी कि कोई साधारण पद आपको सतोष नहीं दे पाएगा किन्तु महत्वाकांक्षा बहुत उदात्त ढंग की होगी। अपने शायियों से ऊँचे उठकर आप जिम्मेदारी तथा विश्वास के पदों पर पहुँचेंगे लेकिन आपका सबसे अधिक प्रयास आम मानवता के कल्याण के लिए होगा।

कुछ भी करें, स्वभाव से आप ईमानदार होंगे। आप न्यायप्रिय, अत्यन्त उदार और दानशील तथा सार्वजनिक संस्थाओं, अस्पतालों, अनायालय आदि में समय और धन लगाने वाले होंगे। व्यक्ति के वजाय सम्पत्तियों की अधिक सहायता करेंगे। यदि आपके परिवारजन आपको सत्ताह पर चलेँगे तो उनके प्रति भी इतने ही उदार होंगे।

भूख और लम्पट व्यक्तियों से आपको कुछ लेना-देना नहीं होता। आपकी जब उनके लिए एक बार खुल सकती है, दो बार नहीं। आप न्यायप्रिय तो होंगे लेकिन साथ ही कठोर भी होंगे। किसी का आपसे लाभ उठाने का प्रयास आपको अच्छा नहीं लगेगा।

उच्च पदस्थ लोगों को, विशेषकर धर्म कानून या सरकार के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों को शीघ्र अपना मित्र बना लेंगे। आप कानून और व्यवस्था के उत्साही समर्थक होंगे, साथ ही अपने नीचे काम करने वालों के लिए एक अच्छे मालिक सिद्ध होंगे।

आपके वैवाहिक सम्बन्ध और घरेलू जीवन सुखद रहने की आशा है। बच्चों से भारी सुख मिलेगा।

कभी-कभी शत्रुता का भी सामना करना पड़ेगा और ईर्ष्यालु प्रतिस्पर्द्धी आपके सम्मान को थोड़ा पहुँचाएँगे। ऐसी बातों की आप कम ही चिन्ता करेंगे और अपने ध्येय से तिलमल नहीं डिंगेंगे।

21 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियों का सूर्य, वृश्चिक के सन्धि-काल में पहुँच चुका होता है। उनमें बहुत कुछ 3 और 12 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियों जैसे ही गुण होंगे, किन्तु पारिवारिक जीवन इतना सुखद नहीं रहेगा। 30 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति वृश्चिक राशि में प्रवेश कर गए होने हैं। उनको भी साप्ताहिक सफलता के लिए शुभ परिस्थितियाँ हैं।

आर्थिक बड़ा

आप व्यापार, आर्थिक देने लेने या उद्योग में आम तौर से काफी भाग्यशाली रहेंगे। शक्तिशाली मित्रों, विपरीत तिथियाँ या विवाह से लाभ होगा।

स्वास्थ्य

शरम्भित वर्षों के बाद स्वास्थ्य आम तौर से अच्छा रहेगा। 2। वर्ष की आयु इस बारे में मोड़ हो सकती है। किसी बीमारी का नाम सेना बठिन है, लेकिन दुपटनाओं से चोट खा सकते हैं, विशेषकर बार, रेत या ट्रक दुपटना से।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'छ', हैं। 'आठ' और 'चार' के अंक भी जीवन में आएंगे लेकिन आमतौर से विरोध या दुःख लेकर आएंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' और 'छ' मूलकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैदनी, फातसई, जामुनी), तथा शुक्र (नीला) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य चतुर् है बटंसा, सभी जामुनी नग, पीगोजा, सभी नीले नग।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारव ग्रह धूरेनम, सूर्य, शुक्र और शनि हैं। 4, 13 या 22 अक्तूबर का जन्मे हान पर धूरेनम तथा शनि के मिले-जुले प्रभाव से जीवन असामान्य होने की सम्भावना है। अनेक ऐसे परिघटन और विविध अनुभव होंगे जिन पर आपका नियंत्रण नहीं रहेगा। शुक्र के अपने सौम्य भाव में होने से प्रेम और विवाह के सम्बन्ध में अतीस अनुभव होंगे। आप विविध और बहुत कुछ सतर्की व्यक्तियों की और आकर्षित होंगे जो माता-पिता दृष्टि से आपके लिए भाग्यशायी नहीं रहेंगे।

यदि आप किसी को गृहराई से चाहते तो उतने कामों की कितनी ही आलोचना हो, आपके प्रेम में कमी नहीं आएगी। ऐसे मामलों में आप बापों जितनी होंगे। अपने परिवार के सदस्यों के विरोध और मनमुटाव का भी सामना करना पड़ सकता है। सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के कारण आपको दुःख या सनसनीपेज अनुभव हो सकते हैं और निर्दोष होने हुए भी बदनामी या थोटापा की सम्भावना है।

आपके विचार लोक से हटकर, कुछ सम्कीर्ण लिए हुए होंगे। आपको साहित्यिक और कलात्मक कार्य में अपने का अभिव्यक्त करने का खासा बरदान मिला हुआ है जिसका आप लाभ उठा सकते हैं।

पानेदारिया या विवाह सम्बन्ध तभी टिक हो सकते हैं जब असामान्य परिस्थितियों में हों और आप अपनी आत्म-चाह का परिचय दें।

आपने कुछ विचारों के अध्ययन की प्रवृत्ति और सम्मोहन—या दूसरा के मत को पढ़ने की योग्यता हो सकती है। आपका आध्यात्मिक, विचारों की दृष्टि से दुपटना का खतरा है। सुमा, विज्ञान, विमान दुपटना जैसा हवाई खतर भी आपके जीवन में आ सकते हैं।

यदि आप 31 अक्टूबर को पैदा हुए हैं तो आपका सूर्य वृश्चिक राशि के प्रारम्भ में होगा। जहाँ तक निजी प्रगति और भौतिक सफलता की बात है, यह आपके लिए अधिक शुभ है।

आर्थिक दशा

आपके प्रारम्भिक वर्ष आम तौर से आर्थिक कठिनाई में गुज़ारेंगे। या तो मा-बाप आपके लिए अधिक पैसा नहीं छोड़ेंगे या आप कोई ऐसा धन्य करने में जिम्मे शुरु में योग्यता दिखाने की अधिक गुज़ाइश नहीं होंगी। लेकिन बाद में आप सफल होंगे, विशेषकर यदि 22 या 31 अक्टूबर को पैदा हुए हों। आपको सबसे बड़ा खतरा यह है कि कितना भी पैसा कमा लें, धुंधले के लिए कुछ बचाकर नहीं रखें और प्राप्त गरीबी की दशा में मरेंगे।

स्वास्थ्य

4 या 13 अक्टूबर को जन्मे व्यक्ति अक्सर किसी असामान्य बीमारी के शिकार हो सकते हैं। उन्हें गले, नाक, चेहरे और बदलती अंगों का आपरेशन भी कराना पड़ सकता है।

22 या 31 अक्टूबर को जन्मे व्यक्ति बचपन में आम तौर से कमजोर होंगे लेकिन 31 वर्ष की आयु के बाद बीमारी में लड़ने की भारी शक्ति पैदा कर लेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'चार' और 'आठ' हैं। लेकिन मैं आपको अपनी ओर में इन अक्षरों से काम लीने की सलाह नहीं दूँगा। 'एक' या 'छ' के अक्षर आपके लिए अधिक भाग्यशाली रहेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलकों वाले हो रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति जान गहरा लगाव महसूस करेंगे।

कपड़ों में भी आप मुनहरे, पीले, नीले, नारंगी और नीले रंग का प्रयोग कीजिए। आपके भाग्य रत्न हैं पुत्रराज, हीरा, पीरोवा।

5, 14, 23 (मूलांक 5) अक्टूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह बुद्ध, शुक, जनि और सूर्य हैं। यह बहुत दिलचस्प यह योग और आम तौर से आपने परिवर्तन को बन प्रदान करने में बहुत महत्वपूर्ण भी।

शुक उच्च के शक्ति के साथ अपने शीघ्र भाग में होने के आप प्रेम-प्रयोगों में समाप्त परीक्षाओं की आशा कर सकते हैं। अधिकांश जीवन-काल में आप भाग्य, या या किसी सम्बन्धी के प्रति प्रबल कर्तव्य भावना से प्रेरित होकर आत्म-ज्ञान

करते रहेंगे। इस उच्च ध्येय के लिए अपनी योजनाओं तथा महत्वाकांक्षाओं को भी तिलाजलि दे देंगे। आपके लिए यह इस भावना के कारण और भी कठिन होगा कि आपको औसत से अधिक बुद्धि मिली हुई है और यदि आपको छुलकर काम करने की और अदसरो से पूरा लाभ उठाने की छूट मिले तो आप अपनी प्रतिभा से बहुत कुछ कर सकते हैं।

आपका स्वभाव अत्यन्त शांत होना, जरा-सा भी अकथन या भद्दापन आपको चुभेगा। हर पीड़ा के प्रति आपके मन में दया, सहानुभूति और कल्याण होगी, फिर भी आप सही नियम और उत्तम तर्क-शक्ति की क्षमता से सम्पन्न व्यावहारिक तथा ठंडे दिमाग से सोचने वाले व्यक्ति होंगे। व्यवहार में शांत और सरल, मिठानों में पक्के। आपकी सबसे बड़ी भावना अपने आस-पास के लोगों में सौहार्द और शांति स्थापित करने की होगी। आप रक्त बहाने वाले घोड़ा नहीं होंगे। आप विवाद या झगड़े नापसन्द करेंगे लेकिन अपने सिद्धांतों पर अडिग रहेंगे और अन्याय के विरुद्ध अन्तिम दम तक लड़ेंगे।

इन निषियों को जन्मे व्यक्ति बहुमुखी प्रतिभा वाले और परिस्थितियों के अनुकूल अपने को ढाल लेने वाले दोनों होते हैं। जिस काम में भी हाथ डालेंगे कर सकेंगे। वे हर प्रकार के व्यक्तियों में खन-खन सकते हैं, केवल उनकी छोड़कर जो अपनी रुचियों और विचारों में भड़े और शांतिनता रहित होते हैं। वे महान और बुद्धिमानों में एक-जैसे धीर मग्मीर रहते हैं। वे धन के लिए मरते नहीं, लेकिन भविष्य की चिन्ता अवश्य करते हैं। इसलिए वे विफायतमार्ग और सावधानी से खर्च करने वाले होते हैं तथा बुढ़ापे के लिए उचित व्यवस्था करने का जी-तोड़ प्रयास करते हैं।

14 अक्तूबर को जन्मे लोगों में वे गुण सबसे अधिक होते हैं लेकिन प्रेम और सम्बन्धों के कारण सबसे अधिक बच्चे भी वे ही भोगते हैं। वे बहुत युवा और हंसमुख दिखाई देते हैं और बुढ़ापे में भी दिल से युवा बने रहने के लिए अपना कोई दर्शन बना लेते हैं।

वे बहुत अच्छे समालोचक और श्रुतरीहर भी होते हैं। दूसरे कामों से समय निकाल सेंगे तो अच्छे लेखक भी बन जाते हैं।

आर्थिक दशा

आप दूसरों को अच्छी आर्थिक सलाह दे सकेंगे लेकिन स्वयं उस पर नहीं चलेंगे। 23 से 50 वर्ष की आयु तक किसी व्यवसाय में या मानसिक योग्यता से अच्छी आय होगी। लेकिन बिना भी धन कमा लेंगे, अपनी उदारता के कारण बुढ़ापे के लिए शायद ही अधिक बचा पाएँ।

स्वास्थ्य

आप भारी उत्तेजना के शिकार रहेंगे। काया कृश होगी लेकिन उसमें रोगों से लड़ने की काफी शक्ति रहेगी। सारी आयु पेट प्रायः नाजुक बना रहेगा, पाचन अंग भी। आप अन्य लोगों की भांति नहीं खा सकते और भोजन के बारे में विशेष सावधान रहेंगे। आँधों, चेहरे, हाथ-पैरों में नसों की फटकन हो सकती है। जिह्वा और मुख में विकार तथा तीव्र न्यूराल्जिया भी हो सकते हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पाच', और उसके बाद 'छ' है। सबसे घटना-पूर्ण वर्ष 'पाच' मूलांक वाले रहेंगे। 'पाच', 'छ' और 'आठ' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति काफी लगाव महसूस करेंगे।

रंगों और रत्नों का आप पर अधिक प्रभाव नहीं होगा। सभी हलके रंगों के वस्त्र और हीरे तथा चमकीले नग ठीक रहेंगे।

6, 15, 24 (मूलांक 6) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र और चानि हैं। शुक्र अपने सौम्य भाव में आपके जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जहाँ कहीं रहेंगे, आपके मित्रों की बड़ी सख्या होगी और आप काफी लोकप्रिय होंगे। विपरीत लिंगियों के लिए आपमें भारी आकर्षण और प्रभाव होगा।

आप दूसरों का सत्कार करना पसन्द करेंगे और उस पर काफी खर्च भी करेंगे, लेकिन घर बर्बाद करने वाले या अल्पखर्च नहीं होंगे। आपमें थोड़े-से खर्च में बड़े ठाढ़-बाट पैदा कर देने की क्षमता है।

आपके अनेक प्रेम-प्रसंग और एक से अधिक विवाह होंगे। लेकिन ऐसे मामलों में अनेक परेशानियों, निराशाओं और विभिन्न अनुभवों से भी गुजरना होगा।

अपनी निजी प्रतिभा से आप उच्च सामाजिक पदों पर पहुँचेंगे और उच्च परत्स्य तथा धनी व्यक्तियों से सम्बन्ध बनाएंगे।

साहित्य, संगीत, चित्रकला, काव्य, नाटक और ललित कलाओं में आम तौर से आपकी भारी रुचि होगी। यदि स्वयं नहीं अपनाएंगे तो उन्हें सरसग प्रदान करेंगे और वताकारों में दिलचस्पी लेंगे। यदि आप किसी कला को वृत्ति के रूप में अपनाना चाहेंगे तो आपको उसमें भारी सफलता मिलेगी।

आर्थिक दशा

पूरी विनियोग और आर्थिक मायलों में आप भाग्यशाली रहेंगे, विशेषकर अपनी प्रेरणा के अनुसार चलने पर। आम जनता से जुड़ी सामेदारिया व्यापारिक विनियोग में शुभ होगी।

स्वास्थ्य

आपकी जान में शीघ्र टीक हो जाने का गुण है, अतः आपकी जान बीमारी नहीं होगी। कभी-कभी खरोखो से ञोहे बन सकते हैं। प्रारम्भिक वर्षों में श्रान्ति फूलने और जिह्वा के रिछले भाग तथा दाँतों में भी कुछ घटवडी होने की सम्भावना है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ' है, विशेषकर मई और अक्टूबर के महीनों में। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलांक वाले होंगे। इसी मूलानुसारी विधियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप भारी लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (नीला) और सूर्य (सुन्हरा, पीला, नारंगी, भूरा) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं होंरा पुत्रराज, अम्बर, पीरोया।

7, 16, 25 (मूलांक 7) अक्टूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण छह नेप्चून, शुक्र और मंगि हैं, लेकिन यदि आप 25 अक्टूबर को पैदा हुए हैं तो मागामी ग्रह वृश्चिक के सधि-काल में आपकी आँखें निकल चुके होंगे और आपके गुण पूर्व विधियों पर जन्मे व्यक्तियों में अधिक प्रसर होंगे।

आपकी उच्च मानसिकता का बरदान है। यदि सन्तुलन बनाए रख सकें तो जो भी कृति अपनाएँगे, उल्लेखनीय काम कर दिखाएँगे, विशेषकर काम्य, साहित्य, चित्रकला, संगीत या ललित कलाओं जैसे कल्पना-प्रधान क्षेत्रों में।

7 अक्टूबर को पैदा हुए व्यक्ति प्रायः इनके संवेदनशील होते हैं कि वे अपने काम में पीछे हटकर छोड़े होते हैं। 16 अक्टूबर को पैदा हुए लोग बहुत शीघ्र आकाशो बँटते हैं। 25 अक्टूबर को पैदा हुए लोग अपने काम में अधिक साहसी और आवेश में काम करने वाले होते हैं।

अपने सभी कामों में इन तीनों प्रकार के व्यक्तियों का सीक में हटकर रवाना होता है। विशेषकर उनकी बहुत आलोचना और बदनामी होती है। अनेक मामलों में छोटासे भी होते हैं। जब तक आपकी मावधानों न बरनी जाएँ, यह काम-काज विवाह तथा सामंशरिया के लिए घुम नहीं है।

आर्थिक दशा

आपके आर्थिक मामलों में आपकी उन्नत-वृद्धि आएगा। कभी आपकी अमीरी होगी, कभी इसका उल्टा। आम तौर से आप मटेबाबी में भाग्यशाली नहीं रहेंगे क्योंकि वेदमान लोग आपका पैसा हृष्य लेंगे। आपको नै यही सर्वोत्तम मताह दे सकता है कि सरकारी बाडों में पैसा लगाइए। कम लेकिन अरोमेनद धन्य में

मुझाग कीजिए । सबसे अधिक बुद्धि के लिए वार्षिकी (एनुटी) खरीदकर रखिए ।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में अनेक विचित्र अनुभव होने की सम्भावना है । कभी विष का खतरा भी हो सकता है, खाने में, सम्योग से या आपको अपनी असावधानी से । गुर्दे, तिल्ली और अपेंडिक्स परेशान कर सकते हैं ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात-दो' हैं । आप इन्हीं मूलाको वाली तिथियों को अपनी योजनाएं तथा कार्यक्रम पूरे करने और इन्हीं मूलाको के भक्तियों में रहने का प्रयत्न कीजिए । सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलाको वाले ही होंगे । इन्हीं मूलाको वाले व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे ।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र (हरा, नीम, सफ़ेद), नेप्चून (कबूतरी, हलवा या शोखी) और शुक्र (नीला) के रंगों के वस्त्र पहनिए । आपके भाग्य रत्न हैं - हरा जेड, मोती, चंद्रकांत मणि, फीरोजा ।

8, 17, 36 (मूलांक 8) अक्टूबर को जन्मे व्यक्ति

आपने कारक ग्रह शनि और शुक्र हैं । लेकिन यदि आप 26 अक्टूबर को पैदा हुए हैं तो आप आगामी राशि वृश्चिक के सधि-काल में काफी आगे बढ़ चुके होंगे और आपकी परिस्थितियाँ अधिक अनुकूल होंगी ।

यदि विरासत में आपको पैसा नहीं मिला है तो आपका समय आम तौर से आराम से नहीं बीतेगा और आपकी आगे बढ़ने के लिए बड़ी परिश्रम करना पड़ेगा ।

आप उच्च बुद्धिजीवी होंगे । सामाजिक जीवन में आने के बजाय किसी सम्मौर अध्ययन में अपना समय लगाना चाहेंगे । पुरुष अच्छे डाक्टर, वैज्ञानिक और वकील बन सकते हैं । महिलाएँ पढ़ाई, प्रायः सामाजिक सुधारों पर लिखने वाली होती हैं । वे जनता को प्रभावित करने वाले व्यापक राजनीतिक प्रश्नों में दिलचस्पी लेने लगती हैं, अथवा पूरे दिलो-दिमाग से किसी ऐसे काम में लग सकती हैं जिसे वे मानवता के लिए कल्याणकारी समझती हैं । किन्तु स्त्री और पुरुष दोनों कोई मुखिल वृत्ति चुनेंगे जिसमें अपने विचारों के लिए उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा ।

साप्ताहिक दृष्टिकोण से आप प्रायः पैसे वाले बन जाएंगे । ऐसा होने पर अपना पैसा किसी असाधारण काम में लगाएँ, जैसे वैज्ञानिक शोध को आगे बढ़ाने के लिए संस्थाओं तथा अस्पतालों की स्थापना अथवा कोई राजनीतिक सुधार का काम ।

इन तिथियों को पैदा हुए लोगों को भारी दुःख या कष्ट उठाने पड़ते हैं ।

किसी प्रियजन की क्षति, माता-पिता या निकट सम्बन्धी की बीमारी तथा मृत्यु या परिवार में तनाव । इस अवधि में शक्ति इतना शक्तिशाली रहता है कि ये व्यक्ति किसी उच्च पद पर पहुँच जाते हैं । लेकिन बुढ़ापे में उनके हाथों से सभी कुछ निकल जाता है और उन्हें बदनामी तथा धोखाओं का भी शिकार होना पड़ता है ।

ये लोग यदि कर्मचारियों के रूप में काम करेंगे तो शाब्द ही कभी मनोनुकूल पदा पर पहुँचते और बहुत दुखी जीवन बिताते हैं । दूसरे, लोग उन्हें बहुत गलत समझते हैं । शान्ति स्वभाव के होने के कारण वे ठीक से अपनी सफाई भी नहीं दे सकते । अक्सर उन्हें कार्यभार और अपने वरिष्ठ अधिकारियों से कठोर व्यवहार मिलता है ।

आर्थिक दशा

आर्थिक दृष्टि से आप आम तौर से भाग्यशाली नहीं होंगे । पैसा कमाएंगे तो तत्काल खर्च हो जाएगा । आप भविष्य के प्रति प्रायः अति चिन्तित रहेंगे । एकाकी रहने पर विभिन्न स्थानों पर पैसा जमा करने की प्रवृत्ति होगी । प्रायः वह खो जाएगा या लूट लिया जाएगा । हर प्रकार की सट्टेबाजी या जुए से बचिए । बैंकगिरफ्त, डाक्टर, वकील जैसे लोगों को भी अपनी मेहनत का पैसा पाने में भारी कठिनाई होगी ।

स्वास्थ्य

मानसिक निराशा से और अपने साथ हुए अन्यायों के बारे में सोचते रहने से आप अनेक बीमारियों के शिकार हो जाएंगे । अनेक मामलों में आप यह विचार मन में पालेंगे कि आप शहीद हैं और अपनी गलतियों का वास्तविक या प्रायः काल्पनिक चिन्तन करेंगे । इसके पत्रस्वरूप पैदा होने वाली उदासी के कारण मन और शरीर दोनों की स्थिति बदतर होगी ।

आमतौर से स्वास्थ्य सदा विचित्र रहेगा । घाना आसानी से हजम नहीं होगा, अपच रहेगा, मँडगि होगी और भारी सिरदर्द रहा जाएगा । सम्भव हो तो घुला जीवन बिताए, ठंड नारा व्यायाम कीजिए, सादा भोजन कीजिए और अजिर्न-मे अजिर्न फल तथा सखियाँ कीजिए ।

आपके जीवन में 'बार' और 'आठ' के अब एकदम अप्रत्याशित ढंग से आएँगे । दर-मदर आप स्वयं देखेंगे कि आपके छंदों में और निजी जीवन में इन अकों का बिनाम महत्व है । पढ़ते से सोचें बिना ही इन अकों वाले घरों को आग और उन व्यक्तिता की ओर आकर्षित होंगे जिनकी जन्मतिथि इन अकों वाली है । आपके सगस पटनापूर्ण वर्ष 'आठ' मूलक वाले ही होंगे ।

आपके लिए सबसे उपयुक्त रत्न काता मीनी, काता हीरा और सभी काले नग रहेंगे।

9, 18, 27 (मूलांक 9) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके करक ग्रह मंगल, शनि और शुक्र हैं। यदि 27 अक्तूबर को पैदा हुए हैं तो आप आगामी राशि वृश्चिक में प्रवेश कर चुके होंगे। यह मंगल (सौम्य) का भाव है और इसका अंक 'नौ' है। यह आपमें मंगल के गुणों को बढ़ाएगा, जिसकी आपके जीवन और वृत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

आपमें जल्दबाजी और जावेश की प्रवृत्ति इतनी अधिक होगी कि उसमें आपका अहित हो सकता है। अपनी विवादप्रियता और अपने विचारों तथा मित्राणों के लिए लड़ने की भावना से आप विरोध पैदा करेंगे और अनक लोगों को अपना दुश्मन बना लेंगे। ऐसे मामलों में अपने मन को काबू में रखना और अधिक कूटनीति से काम लेना बेहतर होगा। हालांकि आपके स्वाभाविक गुण आपको सफल वकील या बक्ता बना सकते हैं, तथापि अपनी कटु आलोचना से आप ऐसी वृत्ति में भी मुश्किलें पैदा कर लेंगे।

शल्य-चिकित्सक के रूप में भी आप सफल होंगे। मरत आपको शल्य के लिए चाकू चलाने और मेज़ी से आपरोशन करने की योग्यता देता है। विज्ञान और उसमें सम्बन्धित नए विचारों में भी आपका दिमाग खूब चलेगा, लेकिन अपने विचारों में आप इतने आपसी होंगे कि उनका काफी विरोध उठ खड़ा होगा।

यदि किसी व्यवसाय में उतरे तो काफी उद्यमी रहेंगे, लेकिन जो भी काम करेंगे उसमें कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। सगठनकर्त्ता के रूप में और बड़े मस्यानों के प्रमुख के रूप में भी आप अच्छा काम कर सकते हैं और सफल भी हो सकते हैं, लेकिन आपको कर्मचारियों के विरोध, हड़ताला और जान पर हमले तक का सामना करना पड़ सकता है। सबसे बढ़िया आप किसी महत्वपूर्ण सरकारी पद पर रहेंगे जहाँ अपनी सगठन-क्षमता से आपको अच्छा लाभ होगा।

विपरीत लिंगियों को आपके प्रति भारी आकर्षण रहेगा, लेकिन प्रेम-प्रसंगों में तनाव में काफी चिन्ता और चिदैन होगी। अपनी अधीर प्रवृत्ति के कारण आप कम आयु में ही विवाह की ओर दौड़ सकते हैं। फिर अपने जीवन भागियों से विवादों तथा असहमति में फँसे। विस्तार की बात यह होगी कि बच्चा से आपको काफी मनोरंजन मिलेगा। उनका ऊँचा बौद्धिक स्तर होने की सम्भावना है। व्यवसाय में आप अनेक काम करने हुए अधिक सफल होंगे।

आर्थिक दशा

आम तौर से आप सफल रहेंगे। जिम्मेदारी और अधिकार के पदों पर पहुँचेंगे,

विन्तु यदि अपनी अधीर प्रवृत्ति, क्रोध और कूटनीति की कमी पर काबू नहीं किया तो अधिक समय तक बहा नहीं टिक पाएंगे।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में नाजुक स्वास्थ्य, बुपार, बँस की परेशानी और फोड़े-पुसी आदि की प्रवृत्ति रहेगी, लेकिन इक्कीस वर्ष की आयु से स्वास्थ्य का एक नया चक्र शुरू होगा। आपमें शक्ति और ऊर्जा का संचार होगा। आपके आग, विस्फोटकी तथा दुर्घटनाओं में जान पर हमले का खतरा है। दाँतो, जबड़े सेहरे और सिर की हड्डी में परेशानी हो सकती है। घाव या चोटें भी लग सकती हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नौ' और उसके बाद 'छ' रहगा। अपनी योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलांक वाली तिथियाँ को पूरे करने का प्रयत्न कीजिए। इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलांक वाले रहेंगे।

जहाँ तक हो सके मंगल (लाल) और शुक्र (नीला) के रंगों को बपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, लामड़ा, रक्तराज, हीरा, पीरोना।

नवम्बर

॥ अक्तूबर से वृश्चिक राशि प्रारम्भ हो जाती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि तुला के साथ इसका सधि-काल चलता है, अतः 28 अक्तूबर तक यह पूर्ण प्रभाव में नहीं आ पाती। इसके बाद 20 नवम्बर तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि धनु के साथ सधि-काल प्रारम्भ हो जाने के कारण सात दिन तक इसने प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

वृश्चिक जल-चिह्न का दूसरा भाव है और इसका स्वामी मंगल (सौम्य) है। इस अवधि में अर्थात् 21 अक्तूबर से 20-28 नवम्बर तक जन्मे व्यक्ति या तो बहुत अच्छे होते हैं या बहुत बुरे। लगभग हर तीन वर्ष की आयु तक वे अत्यंत पवित्र हृदय और धर्मात्मा होते हैं। लेकिन यदि उनकी काम-भावना जाग उठे तो प्रायः वे इसकी उलटी दिशा में मुड़ जाते हैं। फिर भी, कुछ अत्यंत उदात्त मनुष्य इस राशि में पैदा हुए हैं। लेकिन सभी अत्यंत भावुक होते हैं जो उनकी प्रकृति के सभी रूपों की विशेषता है।

इस अवधि में पैदा हुए लोगों में असाधारण आकर्षण शक्ति होती है। वे उत्तम डाक्टर, सर्वेक्षक, कण्ट्रोलर, उपदेशक और वक्ता बनते हैं। सार्वजनिक जीवन में श्रीमताओं पर उनका भारी प्रभाव पड़ता है जिन्हें वे अपनी इच्छानुसार किसी दिशा में मोड़ सकते हैं। उनका भाषा पर अधिकार होता है, बोलने और लिखने दोनों में, और अपनी वर्ण-शैली में अत्यंत नाटकीय होते हैं।

उनकी सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि जिसके सम्पर्क में आते हैं, उसी जैसे बन जाते हैं। फलस्वरूप उन्हें प्रायः दूसरों के दोषों के लिए भुगतना होता है।

यदि वे इस राशि के उच्च धरातल वाले हों तो मानवीय, अत्यंत उदार और आत्म-त्यागी होत हैं। मरुट काल और आपदा स्थिति में शांति और दृढ़-सहृदयी रहने हैं तथा उन पर पूरा भरोसा किया जा सकता है। व्यापार, राजनीति, साहित्य या जिम और भी दिमाग लगाए, विचारों में अत्यंत भौतिक होते हैं तथा आम तौर से सफल रहने हैं।

वे भाव की विविध प्रतिकूलता के भी शिकार होते हैं। प्रायः गलत अफवाहें और कहानियाँ फैलाकर उन्हें बदनाम किया जाता है। जीवन-सपर्यं ये वे बहुत कुछ 'भाव की मर्तल' होते हैं।

शरीर के बजाय वे मन से अधिक सहने वाले होते हैं। यदि मृत के लिए

विवश हो ही आए तो अच्छे सगठनकर्त्ता बनते हैं, लेकिन आम तौर से ये स्वनपात से घृणा करते हैं।

कूटनीतिज्ञ या वार्ताकार के रूप में वे उत्तम कार्य करते हैं। दूसरे लोगों के झगड़े निपटाने या शत्रुओं की एक स्थान पर लाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

वे बिच्छू की तरह डक भी मार सकते हैं लेकिन थोड़ा-सा भी दुःख प्रकट कर देने पर आम तौर से उनका क्रोध उतर जाता है और वे तत्क्षण अपने शत्रुओं को क्षमा कर देते हैं। लेकिन अच्छे गुणों की प्रधानता हो या बुरे गुणों की उतम तुल्यता जीवन जीने की प्रवृत्ति होती है—एक दुनिया को दिखाने के लिए, दूसरा अपन लिए। निचले या अधिक भौतिक घराबल पर यह प्रवृत्ति अधिक विवशित होती है। ऐसी दशा में वे एक सुखी पारिवारिक जीवन बिताने भी देते गए हैं और एक दूसरी गृहस्थी को भी पालने पाए गए हैं। उच्च घराबल पर यह प्रवृत्ति मानसिक जीवन को अधिक प्रभावित करती है। आम तौर से वे दो धंधे अपनाते हैं और दोनों में सफल होते हैं।

देर-सदेर, वे गुप्त विद्याओं में दिलचस्पी लेने लगते हैं। वे शीघ्र अन्तर्धान की शक्ति पा लेते हैं और प्रायः लेखक, चित्रकार, कवि या संगीतज्ञ के रूप में नाम कमाने हैं। वे स्वाभाविक, दार्शनिक और प्रकृति के अध्ययन में होत हैं। दूसरों के चरित्र को बहुत अच्छी तरह से देख पड़ सकते हैं।

जो उन्हें मानते हैं, वे आम तौर से प्यार और सराहना करते हैं। लेकिन शायद ही कुछ लोग कभी-न-कभी बदनामी या पाटासों के शिकार होने में बच पाते हो।

इन अवधि में पैदा हुए व्यक्तियों की आय के आम तौर से दो माध्य होते हैं। प्रारम्भिक वर्षों में उन्हें काफी परेशानियों और शठिनाइयों का सामना करना होता है। प्रायः एकांतवास भी करना होता है। लेकिन ऐसी परीक्षाओं में उनकी इच्छा शक्ति और महत्वाकांक्षा बढ़ती ही है तथा देर-सदेर सफलता और यश मिलते हैं।

जित घड़े या व्यक्तियों में लगे होते हैं, जगों में बठोर परिश्रम करते हैं। कोई कोर पसर नहीं छोड़ते। उनकी इच्छाशक्ति और मकस्य उन्हें काम करते रहने को प्रेरित करते रहते हैं। उनकी ध्येय की अच्छी योग्यता होती है और अपने काम में उपाय-मुक्त होते हैं।

वे अच्छे सरकारी कर्मचारी बनते हैं। विशेषकर उन्हें कूटनीतिक स्थितियों से निपटने और गुप्त मिशन पूरे करने का बरदान मिला जाता है। वे प्रायः सफल जामून और अपराधों का पता लगाने वाले पुलिस अधिकारी बनते हैं।

वे अच्छे वैज्ञानिक, रसायनशास्त्री या जांच पड़ताली बनते हैं, विवेचना के लिए। उनमें अक्सर खतरनाक उद्यमों में लगने की प्रवृत्ति रहती है, जैसा गुप्त

खाने, छिपी खानों की खाज, रहस्यपूर्ण तथा जान-बोझिम से अथ वान ।

उच्च धरातल वाले गुण विद्याओं तथा मनोविशेषण में गहरी दिव्यचम्पी लेने हैं । निचले स्तर वाले गुडों और गुण मस्याओं में सम्बन्ध जोड़ना चाहते हैं । उच्च स्तर वाले प्रायः उच्च कुल में विवाह करते हैं । उन्हे विवाह में लाभ होता है । यदि नहीं होता तो भी कम-से-कम ऐसा जीवन साथी चुनते हैं जो उच्च दीर्घिक स्तर वाला होता है अथवा नाम बना चुका होता है ।

स्वास्थ्य

वृश्चिक में जन्मे लोग बचपन में प्रायः माजुब होते हैं और जीवन में अधिक बाल-रोगों से शिकार होते हैं । उनकी क्षीमाश्रया आम तौर पर बड़ी आता और मन-मूढ मार्ग में सम्बन्धित होती है । वे भयङ्कर पित्तान्ध में भूजन, कामागो से मन्त्र और प्रथियों की परगानी में पीड़ित हो मरने हैं ।

जीवन में वे शायद ही किसी दुष्टता से या शत्रु से शायी चोट में बच पाते हैं । फेफड़ा के क्लेश भाव और प्वास नलिका कमजोर होते हैं । वृश्चिक में जन्म सभी लोग अपने एक-दूसरे वर्षों के बाद बीमारी में असाधारण प्रतिक्रिया का परिचय देने हैं ।

आर्थिक दशा

इन लोगों का भाग्य का असाधारण उतार-चढ़ाव का अनुभव करना पड़ता है । उनमें दूसरा घर अधिक भरोसा करने और अधिक आत्मवारी होने की प्रवृत्ति होती है । वे आमतौर पर ऐसी योजनाओं में फँस जाते हैं जिनका लाभ आता नहीं होता । वे अनि उदार और उन्मुख भी होते हैं । सहायता की पुराण होने पर, विशेषकर विपरीत दिशा में वे अपने आसनों पर नहीं पाते । वेना उनकी जेब में रहता है । अपनी मानसिक योग्यताओं से वे पैसा कमा तो सकते हैं लेकिन शायद ही वास्तव में पाते हैं ।

परिस्थितियाँ अनुकूल होने पर वे खूब यात्राएँ करने हैं और नए परिस्थितियाँ और वातावरण के अनुकूल और प्रगति को ध्यान लेने हैं ।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारियाँ आदि

इन लोगों के मरने अधिक साहसपूर्ण सम्बन्ध अपनी निजी राशि वृश्चिक (29 अक्टूबर से 20 नवम्बर), जन-विशेषण की अथ राशिवाय भोग (19 फरवरी से 20 मार्च) तथा कर्क (21 जून से 20 जुलाई) तक पीछे के संधिकाल में जन्म स्थितियों के साथ रहता है । वे अपनी राशि में मानवी रूप (21 अप्रैल से 20-27 मई) के लोग जन्मे लोगों से भी काफी प्रभावित होते हैं ।

9, 10, 19, 28 (मूलांक 1) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह सूर्य, उच्च का दूरनग और मंगल (शमीय) ह। 28 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि धनु के प्रभाव में आते हैं जिसका स्वामी गुरु (ओज) है।

वैश्विक राशि में सूर्य का प्रभाव विशेष प्रबल होता है, अतः 1, 10 तथा 19 नवम्बर का पैदा हुए लोग अत्यधिक ऊर्जा का परिचय देने हैं और दूसरों पर उनका भारी प्रभाव होता है। वे सृजनशील और दृढ़ होते हैं। दूसरों पर शासन के बारे में उनके अच्छे विचार होते हैं और राजनीतिक जीवन में वे प्रायः भारी सफलता प्राप्त करते हैं। वे पारखी और आलोचक, अपनी योजनाओं में कुछ तेज और सकलता फिर भी अपने अधीनस्थों के लिए विनम्र और सहायक होते हैं।

उनमें व्यंग्य और परिहास की अच्छी समझ होती है। लेकिन उनके तीव्र व्यंग्य जिष्णु की तरह डक मार सकते हैं और वे गंभीर सेगम्यता प्रयोगों को भी पहिचान में उठा सकते हैं।

वे संवेदनशील होते हैं और उपेक्षा से घृणित आह्वान होते हैं, लेकिन क्रोध को मन में दब तक नहीं पाते रहते। वे विनाश दृश्य और मृत्युओं को क्षमा कर देना चाहते हैं।

य सभी व्यक्ति और 28 नवम्बर का जन्मे व्यक्ति भी बड़े माहसी और उद्यम पक्षी हैं। वे ठेकेदार, भवन-निर्माता, बड़े इंजीनियर आदि के रूप में सफल हो सकते हैं। दूसरी दृष्टि से उनमें साहित्य, नाटक, भाषण आदि के क्षेत्र में भी भारी सृजनशील योग्यता रहती है।

28 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति दिल में भारी महत्वाकांक्षी होते हैं। जो भी क्षति भोगना, उसी में नाम कमाते हैं और प्रमुखता प्राप्त करते हैं। लेकिन वृश्चिक राशि में पैदा हुए लोगों की भावि जायद ही कभी अमीर बन पाते हैं।

आर्थिक दशा

आप धन वसतन और जीवन में सफल होने की आशा कर सकते हैं। आपकी एकमात्र कठिनाई अपने साथ का बनाए रखने की होगी।

स्वास्थ्य

इस्लाम धर्म की आयु में स्वास्थ्य में परिवर्तन होना दिखाई देगा। बचपन में वायु ताजुब रहेगी, लेकिन बाद में शक्तिशाली और रोग प्रतिरोधी हो जाएगी। मरे, फेंकने और श्वासनली की बीमारियां होने की सम्भावना है। आपका टो, नम जन-पादु नही रहना चाहिए, यदि घुटा का अधिकांश में अधिक सेवन करना चाहिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 1-4 और 2-7 होंगे। इन्हीं मूलांकों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'चार' मूलांकों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (पीला, सुनहला, नारंगी, भूरा), यूरेनस (मिलेटी, हलका तथा गोख), चंद्र (हरा, नीला, सफेद) और नेपचून (बबूतरी) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न है हीरा, पुखराज, अम्बर, चन्द्रकांत मणि, नीलम।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

2, 11 या 20 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए बारूक यह चन्द्र, नेपचून और मंगल हैं। 29 नवम्बर इस वर्ग में नहीं है, क्योंकि यह तिथि धनु के प्रभाव में है जिसका स्वामी गुरु (ओख) है।

मंगल (सौम्य) के माद वृत्तिक में गोख का चन्द्र विचित्र और परस्पर-विरोधी दशाओं वाला ग्रह योग बनाता है। चन्द्र के लिए यह स्थिति शुभ नहीं है। अतः नवम्बर की इन तिथियाँ जो जन्मे व्यक्तियों को अपने मुन्नावा की बहुत मावशानी से परख करती चाहिए। उन्हें अपने निर्णयों में स्पष्ट और अधिक आत्म-निर्भर बनना चाहिए। इन लोगों का प्रारम्भिक वर्षों में अपनी वृत्ति का निश्चय कर पाना प्रायः असम्भव होता है।

उनमें कलात्मक या कल्पनाशील कार्य के लिए काफी प्रतिभा होती है, किन्तु वे अपने ही सपनों के ससार में रहे आते हैं और उस प्रतिभा का व्यावहारिक उपयोग नहीं कर पाते।

दूसरों को सबूत में उधारने के लिए वे उन पर आरोप कर उनकी सहायता के लिए मैदान रहते हैं। फलस्वरूप उन्हें अनेक कष्ट निराशाओं का सामना करना पड़ता है। जीवन उनके लिए एक कठोर युद्ध क्षेत्र बन जाता है, जिसके लिए वे बिल्कुल तैयार नहीं होते। महिलाएँ पुरुषों से अधिक कष्ट उठाती हैं। अपनी अति भावुकता में वे प्रायः ग़नत व्यक्ति से विवाह कर लेती हैं और जनजाने में अपने सर्वनाश को न्योतनी हैं। 2 नवम्बर को जन्मी फ्रांस की रानी मारी एताइनेत इसका उदाहरण है। उसने राजा से विवाह किया था लेकिन उसका हर काम उस बिसौटिन की आर खींच कर वे गया।

स्त्री-मुख्य दोनों रोमानों को चकाचौंध में डमकर अपने तथाकथित प्रेम की भारी कीमत चुकाने हैं। वे विपरीत सिगियों की आर शीघ्र आरुपित हो जाते हैं लेकिन उनका प्रेम का बंधन बहुत कम टिक पाता है। तलाक़ में कुछ समय के लिए तो उनके मन की चोट पहुँचती है, लेकिन आम तौर पर यह पलती वे बार-बार दुहराते हैं।

फिर भी, यदि वे अपनी भावुकता पर बाधू करने का प्रयास करें और अपनी किसी गुप्त प्रतिभा को प्रकट होने का अवसर दें तो वे क्या नहीं हो सकते ! जरा सोचिए कितने कवियों, चित्रकारों, लेखकों या संगीतज्ञों को वे निषिद्ध छिपाए रहती हैं ! यदि आप इनमें से किसी तिथि को पँदा हुए हैं तो आपको मेरी नेक सलाह है कि किसी एक विषय पर मन को केन्द्रित कीजिए ! उसमें सफलता पाने के बाद फिर जितना जो चाहें प्रेम की पीथ बटाइए !

29 नवम्बर को जन्म व्यक्तियों को 2, 11 तथा 20 दिसम्बर का जन्म व्यक्तियों के साथ अपनी मूल प्रवृत्ति और स्वभाव की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए । वैसे लोग का चरित्र अधिक ओजस्वी होगा और अपनी योजनाओं को सफलता तक पहुँचाने में ये अधिक भाग्यशाली रहेंगे ।

आर्थिक दशा

यदि आप पूरी बुद्धिमत्ता और सावधानी से काम नहीं लेंगे तो आर्थिक मामला में चिन्ता रहनी । कभी अपन निजी प्रयाग से अवकाश बिहार से आपका धन प्राप्त सम्पत्ति मिल सकती है, लेकिन उमके टिकने की सम्भावना नहीं है । आप अपनी निजी प्रतिभा का विकास कर धन कमा सकते हैं, दूसरों के वायदों के भरोसे नह ।

स्वास्थ्य

आपके बहुत माट-माजे होने की सम्भावना नहीं है । अपनी शक्ति का अधिक से अधिक उपयोग कर लीजिए और अपन को अधिक थका-ए नही । आपमें आतंरिक दुबलता या कामाग में मूलन की प्रवृत्ति होगी । नामिका-रक्षा, यो जो जाना में परागनी है । यकी है । आप जति सवेदनशील होगे और दुःख का कारण का जानने स्वास्थ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा । आपकी निराशा के दाँ पर बाधू पाते हैं जो नाह प्रवास करना चाहिए ।

आपकी योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'म' और 'ग' है । इसी मूलकों और 'क' व 'घ' मूलकों का जो निषिद्धा के न म व्यक्तियों के प्रति आप बहुत जगह महसूस करेंगे । आपकी मरत घटगाया पय भी दाँ और 'ग' मूलकों का जो है ।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, वीम, मरुद) और नक्षत्र (मरुद, हनर, माघ) का रखा का वरत धारण कीजिए । आपका भाग्य मरुद का मरुद, मरुद, चंद्रवर्त मणि, मरुद ।

3, 12, 21, 30 (मूलक 3) नवम्बर की जन्म व्यक्तियों

यदि आप 3, 12, तथा 21 नवम्बर या पँदा हुए हैं तो आपकी भाग्य दशा

गुरु और मंगल हैं। 30 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति धनु राशि के अन्तर्गत आते हैं और उनके कारक यह गुरु और सूर्य हैं।

गुरु और मंगल का योग बहुत शक्तिशाली है। इसका ठीक से उपयोग करने पर आपको अपनी वृत्ति में निश्चय ही सफलता और प्रमुखता मिलेगी। आपमें काफी आत्मविश्वास रहेगा जो देर-सवेर कन्धों पर आने वाली जिम्मेदारियाँ निभाने में काम आएगा।

जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में अनेक बाधाओं और कठिनाइयों का सामना करना होगा। माता या पिता की मृत्यु, पत्नस्वरूप उसकी छत्रछाया न मिल पाना, और सम्भवतः धन का अभाव भी, ऐसी बाधाएँ हो सकती हैं। लेकिन ऐसी कठिनाइयाँ प्रच्छन्न बरदान सिद्ध होंगी। वे कम आयु में ही आपको जिम्मेदारियाँ उठाना सिखा देंगी।

बचपन की ओर देखने पर आप पाएँगे कि एक या दूसरे कारण से आपके छोटे बच्चों को दूसरों का भार उठाना पड़ा। आयु के साथ-साथ जिम्मेदारियाँ भी बढ़ती हैं। एक प्रकार से आप परिवार के मुखिया बन गए। शुरू में इन सब बातों से कठिनाई हुई होगी। आपको योजनाओं और व्यय की पूर्ति में वित्तम्ब भी हुआ होगा। लेकिन चरित्र निर्माण के लिए यह आवश्यक था जिसका उद्देश्य शायद अन्त में वृश्चिक राशि में आपको गुरु और मंगल की योग्य सन्तान बनाना था।

आप पुरुष हो या महिला, आत्मप्रमित या आत्मप्रवर्धित हुए बिना आपके मन में सदा बढप्पन की चेतना रही है। आप दिस से जानते थे कि आपने बड़े-बड़े काम करने की क्षमता है और अवसर मिलने पर आप उन्हें करेंगे भी। इसीलिए आपने किसी जिम्मेदारी से झुह नहीं मोड़ा। जन बल्लभ के सचिव का पद मिला तो आपने उसे स्वीकार कर लिया। बाद में अव्यक्त बन गए। इस प्रकार सदा ऊँचे चढ़ते चले गए। महिला होने पर भी आपने शायद यही रास्ता अपनाया। अथवा आपको घर की जिम्मेदारियाँ सम्हालने, बच्चे पालने आदि से छुट्टी न मिल पाई हो।

अब मैं आपके दोषों और कमजोरियों का विश्लेषण करता हूँ। अच्छे-से-अच्छे लोगों में भी कुछ-न-कुछ दोष तो होते ही हैं। आप पुरुष हो या महिला, धनरा यह है कि आप कंधों पर बहुत अधिक बोझ उठाकर अपने को थका मारेंगे। आपमें अधिकार या तानाशाही की प्रवृत्ति भी आ सकती है जिससे नौकरो, कमचारियों या अधीनस्थों में परेगाती पैदा हो सकती है। इस कमजोरी से आपने दुश्मन पात लिए होंगे और आपके मन में कटुता या निराशा आ गई होगी। ऐसा है तो आप अपने मूल पर लौट जाएँ, अपने कन्धों पर बोझ तौलिएँ और सब कुछ नये विरे से शुरू कीजिए। जान लीजिए कि अपनी कमजोरी को जीतने के लिए आपको यह करना है। यदि आप 30 नवम्बर को पैदा हुए हैं, या गुरु (मोज) की धनु राशि में मूलांक 'वीन' की

प्रथम तिथि है तो आप अपने प्रयासों में काफी सफलता की आशा कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

ईश्वर ने आपको जो भी काम सौंपा हो, उसी में आप पैसा कमा करेंगे। खतरा यह है कि अति-प्रयासों से आप सीमा पार करने लग सकते हैं या स्वास्थ्य में टूट सकते हैं, जिससे कुछ समय के लिए धन्य से अलग हो जाएंगे।

स्वास्थ्य

यदि आप अत्यन्त परिश्रम से अपने स्वास्थ्य को खराब कर लें तो इससे लिए स्वयं को ही दोषी ठहराना चाहिए। लेकिन आपको यह जानकारी प्रसन्नता होनी चाहिए कि आपका जन्म सम्भवतः अत्यन्त सही राशियों की सुलना में अधिक स्वस्थ परिस्थितियों में हुआ है। बचपन चिन्ता और घम से ही आप बीमार हो सकते हैं। लेकिन यदि बीमार होंगे तो गर्भोत्तर रूप से होंगे और पुनः स्वस्थ होने में तम्बा गमन लगाएंगे।

आयु बढ़ने के साथ दिल परेशान कर सकता है। उच्च रक्तचाप और निम्नरक्तचाप की शिकायतें हो सकती हैं। इलाज और बीमारी आपसे अपन हाथों में है—जिम्मेदारियाँ कम कीजिए, मादा भोजन कीजिए और अधिक-से-अधिक सोइए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'नौ' हैं, विशेषकर नवम्बर, दिसम्बर, फरवरी, मार्च, अप्रैल और मई में। इन्हीं मूलानों वाली तिथियों को अपनी याजनाएँ और कार्यक्रम पूरा करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। गवने पटनापूर्व वर्ष भी इन्हीं मूलानों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, पालागर्द, जामुनी) और मंगल (लाल) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं—कटता, सभी बैंगनी, जामुनी और तांग रत्न।

4, 13, 22 (मूलांक 4) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारों ग्रह सूर्यम, सूर्य और मंगल हैं। बुधिवर म दृष्ट एव विचित्र और जटिल ग्रहयोग है। ध्यान रखना चाहिए कि सूर्यम और मंगल और मंगल के सबसे विध्वंसक ग्रह है और मंगल (गौम्य) के भाव बुधिवर म उनके माध्यम्य रहने से अपटित हो ही सम्भावना करनी चाहिए।

प्रसिद्ध व्यापारिक विनियम तिथि न 1647 में ही सूर्यम के चार म तिथि या दस ग्रह के प्रभाव का व्यक्ति जगन्माय विषय के अध्ययन में रचित है।

उनमें उन्नेडनीय गरिष्कारक क्षमता होती है और उनके द्वारा नई-नई खोज होने की सम्भावना है।

एक अन्य प्रसिद्ध ज्योतिषी इवेजनील आदम्स का 1930 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'एन्ट्रोपी' में बौद्धिक में यूरेनस के बारे में कहता है — 'यूरेनस और वृश्चिक के बीच स्वभावतः एक प्रबल आकर्षण है। कुछ व्यक्तियों में वैज्ञानिक खोज-बोध प्रवृत्ति में प्रबल होमी जो वृश्चिक का महत्त्वपूर्ण तत्व है, कुछ में इस रहस्यमय राशि का कभी नया मूढम बुद्धि वाला गुण प्रकट होगा। और एक तीसरे वर्ग में हम बहुत गहरी काम-कामना पाएंगे।'।

३। अक्रूर (वृश्चिक में 'चार अरु बायीं पहली तिथि), 4, 13 तथा 22 नक्षत्रों को जिनमें व्यक्ति यूरेनस के प्रभाव में उत्तेजनीय काम कर सकते हैं। मैं यहाँ कहूँ कि निम्नपूर्ण मन्त्र में ऐसा कोई यह योग नहीं है जिस पर इतने आत्म-समर्पण की आवश्यकता हो। इन तिथियों को जिनमें व्यक्ति यदि कोई काम करने का इच्छा रखेगा वह तो वे आविष्कार के अपने करदान, मौलिकता और सनकीपन तक का, जो उनके स्वभाव का निश्चय अंग है, अच्छा उपयोग कर भारी यश प्राप्त करेंगे हैं। लेकिन उह अन्त इन गुणों पर अपनी इच्छा-शक्ति और सत्त्व की लगाम दृढ़ता में धाम रहना चाहिए। इन लोगों का लक्ष्य अपने मन के आध्यात्मिक पक्ष का विकास परत का होना चाहिए जिससे वे क्रूर भाव के घपेड़ों और प्रहार से मुक्त रह सकें। हिंसा न करने पर दूसरे लोगों के अवहार पर उनके मन में कटुता भर जाती है। उन्हें यह मानकर चलना चाहिए कि 'उनके विचारों और कामों को गलत समझा जाय, उनकी मौलिकता तथा सनक का मन्त्र उड़ाया जाएगा, उनके साथ भारी अपराध होगा और दुनिया आम तौर से उनके प्रति बहुत कठोर होगी।

यदि उनके 'महान उद्देश्य' पर से उनका विश्वास डिय गया, उन्होंने अपने स्वभाव के पीछे रहने वाले मानसिक मगल को यूरेनस की तोड़-फोड़कारी शक्तियों के साथ मिल जाने दिया, तो उनके सभी अच्छाइयों के बिखड़ उठ उठे हान की सम्भावना है। इसमें उनकी आम मानवी की तुलना में कहीं बहुत अधिक पीड़ा भोगनी पड़ सकती है। इन व्यक्तियों को अपने स्वभाव के मनकीपन को बाह्य में रखना चाहिए।

इन ग्रहयोग में जिनमें व्यक्तियों के अच्छे गुणों में अपन कर्तव्य के प्रति लगन तथा देश के कानूनों, या सामाजिक जीवन में सुधार की भावना है। मैं इन लोगों को सलाह दूँ कि वे अपने वातावरण में सान्निध्य और प्रेम पैदा करने का लक्ष्य बनाएँ। मन में शांति मिल जाने पर वे अपने स्वभाव के सद् और आध्यात्मिक पक्ष का विमर्श करें।

आर्थिक दशा

इन लोगों को आर्थिक मानस में गवधानी और बुद्धि से काम करना चाहिए।

वे दूसरों की महानता या वायदों पर कम-से-कम निर्भर रहे। मिलजुल कर काम करने या साझेदारियों के लिए यह राशि शुभ नहीं है, लेकिन ये व्यक्ति लोक से अलग अपने मौनिक विचारों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कभी-कभी वे साहित्य-मूदन में या बिजली, काररेलेस, रेडियो, सिनेमा, टेलीविजन आदि के क्षेत्र में विकसित दम की खोजों में सफल होते हैं।

स्वास्थ्य

इन लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि अस्वास्थ्य केवल उनकी अपनी भावना की उपज होगा। यदि वे व्यक्तिगत में भगल और और घरेलू के विघटनक तत्त्वों की हावी होने देंगे तो इन ग्रहों में प्रतिविम्बित बीमारियाँ के शिकार हो सकते हैं। बिना स नवम डिस्प्लिया, पेट की गड़बड़ी, आन्त्रिक घाव, ट्यूमर, भोजन विष, दिल की कमजोरी, दुर्बल रक्त-संचार जैसे रोगों के आ घेरने की सम्भावना है। उन्हें जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और वातावरण के अनुरूप अपने को ढालने का प्रयास करना चाहिए।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'चार', 'आठ', और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलार्थों वाली तिथियों का जन्म व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलार्थों वाले होंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग नीले और लाल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं : नीलम, लाल, तामड़ा, सभी लाल नग और रत्नमणि।

5, 14, 23 (मूलार्थ 5) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कात्व ग्रह बुध और भगल हैं। भगल (सोम्य) के भाव में बुध आपको बहुत हाज़िर जवाब बनाएगा। आपमें भारी मानसिक योग्यता, सगठन क्षमता और साक्षियों की अच्छी परख होगी। आप चतुर, लेकिन दूसरों के प्रति मदेही और अविश्वसनी होंगे। अमाशरण लोगों में या किसी अज्ञातमान्य पेशे या कृति से धन कमाएंगे। ज्ञान और सौन्दर्य के प्रति भावों महदा प्रेम होगा और आपका कल्पना-शील कामों का अरदान होगा।

आप विपरीत तिथियाँ के प्रति काफी आकर्षित होंगे। आपके अनेक प्रेम प्रसंग होंगे, लेकिन आपको र्गिच बदलती हुई और अस्थिर होगी। इनमें से किसी प्रसंग का आरंभ स्वभाव पर महदा या स्थायी प्रभाव नहीं पड़ेगा। अपने इस स्वभाव का देखते हुए अच्छा है यदि आप विवाह न करें, कम-से-कम मध्य आयु निकल जाने तक।

आप अज्ञान रहेंगे, परिस्थितियों के अनुसार अधिक-से-अधिक यात्राएं करेंगे और अपना निवास कई बार बदलेंगे।

आयिक दशा

आयिक मामलों में आपके बहुत भाग्यशाली रहने की सम्भावना है, कम-से-कम सौभाग्य के क्षणों में। लेकिन मंगल के योग के कारण आप उदात्त प्रकृति के होंगे और ताम को हाथ में रख नहीं पाएंगे।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में सभी बातें रोग आपको परेशान करेंगे। बाद में आप कृश-काय होंगे। बीमारी को शीघ्र उतार फेंकेंगे लेकिन हमेशा भारी तनाव में रहेंगे।

छोटी छोटी बातों पर शीघ्र चिढ़ जाना और क्रोध करना आपके शरीर में विष घोल देगा। सब मिलकर आप स्वस्थ जीवन बिताएंगे, लेकिन सम्भावना लम्बी बीमारी के बिना अवस्मात् जीवन का अन्त होने की है।

आपके महत्वपूर्ण भक्त 'पाच' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप कुछ लगाव महसूस करेंगे। आपके घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलकों वाले रहेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग हलके रंग होंगे, जैसे सफ़ेद, नील, चमकीले और लाल भी। आपके भाग्य रत्न हैं - ममी हलके चमकीले नय, लाल, तामबा और लाल नय।

6 15, 24 (मूलांक 6) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण ग्रह शुक्र और मंगल हैं। मंगल (वीर्य) के भाव में शुक्र की स्थिति अनेक प्रकार से शुभ है, केवल प्रेम में निराशा और आम लह-सम्बन्धों में परेशानी उठानी होती है।

ऐसे व्यक्तियों का स्वभाव अत्यन्त स्नेही होता है। सम्बन्धियों या माता पिता के प्रति उनमें काफी आत्म-त्याग की भावना होती है। आम तौर से उन्हें सदा किसी न किसी की देखभाल करनी ही होती है। प्रारम्भिक वर्षों में उन्हें अनेक कठिनाइयों के लिए तैयार रहना चाहिए, जैसे माता या पिता में से किसी एक की मृत्यु। इससे उनके बच्चों पर जिम्मेदारी आ जाती है और उन्हें अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने में बाधा पड़ सकती है।

सम्पन्न या उच्च समाज में पैदा होने पर स्थिति इतनी ही कठिन होगी। उन्हें अपना प्रिय शौक छोड़ना पड़ सकता है और दूसरों की इच्छा के अनुसार जीवन व्यतीत करना पड़ सकता है। ऐसी दशा में अपनी मुक्ति के लिए अपने से नीचे स्तर के व्यक्ति से कम आयु में ही विवाह कर सकते हैं और शुरु में ही अपने लिए परेशानी पैदा कर सकते हैं।

इन व्यक्तियों में विपरीत-तिथियों के लिए प्रबल आकर्षण रहता है, लेकिन

उनको पसन्द प्रायः ठीक नहीं होती—प्यार दूसरों के दोषों के प्रति उन्हें अच्छा बना देता है। अन्य मामलों में वे विवाह में काफी देर लगाते हैं और फिर जन्मदात्री में गलत जीवन-भाषी चुन बैठते हैं। उन्हें प्रेम-प्रयोग में सम्भोर दुर्घटनाओं और दुर्घातों का सामना करना पड़ता है। बृश्चिक में शुक्र वाले लोग जितनी देर में विवाह करेंगे, सुख-सफलता के उतने ही अधिक अवसर होंगे।

कलाशा में उनकी प्रतिभा अधिक चमकती है। महीन, विषयमय कृति कला या अभिनय में, कभी-कभी लेखक के रूप में वे अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे। प्रायः उन पर भारी जिम्मेदारी के पद घोष दिए जाते हैं और उनका काफी नाम होना है।

परिस्थितिका यदि उन्हें अपने धर्म में शोचमर्या का बान करना पड़े तो वे हठान् परिश्रम करते हैं और पूरी ईमानदारी में मालिक की सेवा करते हैं। इन निधियों को जन्मे व्यक्तियों का भरा तथा सम्मान प्राप्त करता प्रायः निश्चित है और अनेक लोग सम्पत्ति तथा उच्च पद भी प्राप्त करते हैं।

आर्थिक दशा

ये लोग यदि अपनी प्रेरणा पर चलेंगे तो आर्थिक मामलों में आम तौर से भाग्यशाली रहेंगे। परिधान और टोपटाप के शौकीन होने हुए भी वे धन कमा सकते हैं और जोड़ भी सकते हैं। महिलाएँ प्रायः धनी लोगों से विवाह करती हैं, विधेयकर जब वे बड़ी आयु में विवाह करें।

स्वास्थ्य

आम तौर से ये व्यक्ति बहुत स्वस्थ और दृढ़काय होते हैं। मुग्ध खाना आयु बढ़ने के साथ-साथ बढ़ावा घटने का है और अन्तिम वर्षों में वे दिन की बीमारी के शिकार हो सकते हैं। फेफड़ों, पेट, नासिका-राम्रो और बान में सूजन की सम्भावना हो सकती है।

आपने सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'छ' और 'नी' हैं। इन्हीं सूत्रों की वाली निधियों को जन्मे व्यक्तियों की ओर आप लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनानुं वर्ष भी इन्हीं सूत्रों की बातें रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (मीना) और मंगल (ताल) के रत्नों के बपड़े पहनिए। आपने भाग्य रत्न हैं : पीतल या मधो नीले नंग, लाल, लाला और लाल मग।

7, 16, 25 (सूत्रांक 7) नवम्बर की जन्मे व्यक्ति

आपने कारन यह नेप्चून, चन्द्र और मंगल हैं। नेप्चून मानसिक दृष्टि और मन के गुप्त गुणों पर उनका अधिकार है, जैसे उत्तेजन, स्वयं, दिवान्धन, उच्च

आविष्कारी योग्यता। मंगल (सौम्य) की दृष्टिक 'राशि' में यह अत्यन्त प्रबल होता है। सौम्य मंगल और चन्द्र को भी मानसिक ग्रह ही कहा जा सकता है।

व्यक्तियों और अपने वातावरण के प्रति आप अति सवेदनशील होंगे। दुःखद परिस्थितियों में बहुत दुखी और असंतुष्ट रहेंगे। मन में अपनी भलाई का बहुत खयाल रखेंगे और दूसरे लोगों के साथ घुलने-मिलने में कठिनाई होगी। गुप्त विद्याओं से आपको गहरा प्रेम होगा, जैसे उच्च रसायनशास्त्र। हर प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में अथवा मनोवैज्ञानिक के रूप में सफल होंगे।

आप भौतिकता से दूर रहना चाहेंगे। इससे आपको सनकी समझा जा सकता है। लेकिन निजी विचारों पर चमकर आप प्रमुखता प्राप्त कर सकते हैं। अपने काम में आप असाधारण लगन का परिचय देंगे। आप अपने मन की बात छिपाने वाले और आत्मकेन्द्रित भी होंगे।

यह ग्रह योग गुप्त विद्याओं, रहस्यवाद, सम्मोहन विद्या आदि के अध्ययन के लिए भी सम्मान देता है। इसमें आप भौतिक से अधिक मानसिक पक्ष की ओर आकर्षित होंगे। आप ओझा भी बन सकते हैं। आपको बहुत गलत समझा जाएगा। हालांकि आप दूसरे लोगों के कार्यों के प्रति सवेदनशील हैं तथापि उनकी ऐसी रायों पर अधिक ध्यान नहीं देंगे।

आर्थिक दशा

आप अपनी सोम्यताओं से भौतिक लाभ कमाना नहीं चाहेंगे, फिर भी आपको विचित्र ढंग से आर्थिक लाभ होने की सम्भावना है। उपहार और विरासत से, वैज्ञानिक खोज या आविष्कार से अथवा अपने निजी पूर्व ज्ञान से भी आपसे लाभ हो सकता है।

स्वास्थ्य

आप बहुत दृढ़काय नहीं होंगे। आप अपने मन पर बहुत बोझ डालेंगे। नाय ही जीवन के सम्बन्ध में अपने किसी विविध दर्शन का विकास कर लेंगे जिससे आप जीवन से अधिक आनन्द भोग सकेंगे।

आपके महत्वपूर्ण वर्ष 'दो', 'सात' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएँ या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटना-पूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलकों वाले होंगे। 2-7 और 1-4 मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप सावधान रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र (हरा, नीम, सफेद) नेप्चून (कबूतरी, हलके, गोबर) और मंगल (लाल) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं सिलेटी जेड, चन्दन मणि, मोती, लाल, ताम्र और लाल नग।

8, 17, 26 (मूसांक 8) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह घनि और मजबूत है। मुझे यह कहते हुए श्रेष्ठ है कि इन तथ्यों में जन्म लेने वालों के लिए यह यह योग कदापि शुभ नहीं है, जब तक कि आप आत्मसमय से काम न लें। अपने कुछ सदगुणों का पूरा उपयोग करने के लिए कसर न करें। शनि को अनेक ज्योतिषियों ने सौर मंडल का 'बुद्धा स्कूल मास्टर' कहा है। वह निरवयव ही अपने छात्रों की जमकर पिटाई करता है, विशेषकर प्रारम्भिक वर्षों में।

इस अवधि में मंगल अपनी सौम्य राशि में आपकी पीठ पर है। शनि के भाग्याघात प्रभाव को दूर करने में वह अपनी मानसिकता द्वारा सहायता करता है। अपने मानसिक गुणों का विश्वास रखें ही आप आगे बढ़ सकते हैं और दूसरों के सामने सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अपने पर विजय ही सबसे बड़ी विजय है।

यदि आप 8 या 17 नवम्बर को पैदा हुए तो जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में आपको बहुत बड़ी चढ़ाई चढ़नी होगी। 26 नवम्बर अधिक शुभ है क्योंकि यह शुभ के आगामी भाग धनु के राशि-काल में है। फिर भी शनि की भाग्याघाती प्रवृत्तियों का इस पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

यदि आप 8 या 17 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आप मनमर्जी से काम करने वाले होंगे और आपके साम निबाह कठिन होगा। सही हो हा गलत, आप अपने विचारों पर अड़े रहेंगे। आप हर चीज को एक ही माप से देखेंगे। लोगों के कामों पर सन्देह करेंगे, भले ही वे आपकी भलाई के लिए हों। यह महसूस करेंगे कि सभी लोग आपके विरोधी हैं। यदि आप इस भावना पर बाजू नहीं करेंगे तो आप 'उत्पीडन-भावना' से ग्रसित हो जाएंगे।

बदनाम प्रेम-मसखी और गुप्त मैत्रियों से आपको काफी दुःख उठाना पड़ सकता है। ऐसे मामलों में आप जिद्दी होंगे और किसी की सलाह मानने को तैयार नहीं होंगे।

इसके बावजूद आप अति चतुर हैं। अपने ध्येय को पूरा करने में आप अपने अभियन्तपन का अच्छा उपयोग कर सकते हैं। अपने तीव्र प्रेम-भाव को आत्म-त्याग से संचित विचार तब पट्टा सकते हैं। आपके प्रवक्तृत्व स्वभाव को यदि कानून में रखा जाए, तो यह आपके मार्ग की बाधाएं दूर करेगा और आपका लिए समर्थक जुड़ने का साधन बन सकता है।

आम तौर में पहले वैनीस या सलीम वर्ष आपके लिए सबसे बुरा होंगे, विशेषकर 17 नवम्बर को जन्मे लोगों के लिए यह समय बिना किसी दुर्घटना के विकास देने का प्रारम्भिक प्रवृत्तियां दूर हो जाने की आशा है। फिर अगले वैनीस वर्ष अच्छे होंगे।

आर्थिक दशा

यह आप पर निर्भर है कि भारी सफलता प्राप्त करते हैं या विफलता। आपके लिए कोई मध्य मार्ग नहीं है—इस पार या उस पार। अपने अडियल स्वभाव से आप अपने ध्येय में आगे बढ़ सकेंगे।

स्वास्थ्य

आप अत्यन्त सबल होंगे या अत्यन्त दुर्बल। बाबंरल, फोडे आदि के शिकार हो सकते हैं। गाँठिया या रूमेटिक बुखार भी हो सकता है। मादक द्रव्यों या शराब से बचिए। इनका दुष्प्रभाव आपके दिमाग पर पड़ेगा। कभी-कभी भारी तनाव या उत्तेजना से मानसिक सन्तुलन खो सकते हैं। यह आपके आत्म-समय पर निर्भर है कि आप बीमार रहते हैं या स्वस्थ।

'चार', 'आठ' और 'नौ' अंक आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं 'चार' और 'आठ' को चुनने की सलाह नहीं दूँगा। आप सावधानी से उन पर नज़र रखिए। आप 'चार' और 'आठ' मूलानकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलानकों वाले होंगे।

गहरे रंगों के कपड़ों से बचिए, हालाँकि उनकी ओर आपका झुकाव होगा। लाल फलक वाले हलके रंग के कपड़े पहनना बेहतर रहेगा। आपके भाग्य रत्न लाल, रामड़ा, रक्त मणि और सभी लाल नग हैं।

9, 18, 27 (मूलांक 9) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आप दुहरे मंगल के प्रभाव में हैं। लेकिन 27 नवम्बर को जन्मे होने पर आर गुह (ओज) के भाव धनु, राशि के सच्चि-काल में काफी आगे निकल चुके होंगे जो आपके जीवन तथा वृत्ति पर एकदम भिन्न प्रभाव डालेगा।

मंगल आग का प्रतीक है। आप सोच सकते हैं कि दुहरे मंगल का क्या मननब हो सकता है। बुद्धिक में 'नौ' का अंक श्रवण मंगल 27 अक्तूबर से प्रारम्भ होता है। अमरीका के राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट का जन्म इसी तिथि को हुआ था। सभी जानते हैं कि यह व्यक्ति मन से कितना सझका था। न्यूयार्क के गवर्नर के रूप में दुराचार और भ्रष्टाचार को दवाने के लिए उसने हर विरोध से टक्कर ली बाद में स्पनिश-अमरीकी युद्ध में उसने 'रूजवेल्टम रफ राइटर्स' का गठन किया। अमरीका के राष्ट्रपति के रूप में वह अपने काल का लौह पुरुष था। जैसे महत्वपूर्ण पदों पर पहुँचने वाले सभी मंगली व्यक्ति जान पर हमने के शिकार होते हैं, वह भी अपवाद नहीं रहा। 14 अक्तूबर, 1912 को एक अराजकतावादी द्वारा हत्या के प्रयास में वह घायल हुआ।

'दुहस मान' भेष राशि में भी आता है और 27 मार्च, 9 तथा 18 अप्रैल को जन्मे लोगों को प्रभावित करता है।

यदि आप 27 अक्तूबर, 9 नवम्बर या 18 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आप में भारी कार्यकारी क्षमता और सगठन क्षमता होगी। आप अोजस्वी, दृढ़ सन्ध्या वाले और सरकारी कार्य तथा 'प्रशासन' में उत्तम होंगे। निजी जीवन में आप शान्त-चिन्तितक के रूप में, या ऐसे घाघो में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे जिनमें काटने वाले और भारी को काम में लिया जाता है। इन्जीनियरिंग या निर्माण-कार्य अथवा व्यापारी उद्यमों में अधिकारी पदों पर भी।

अपने आजाद स्वभाव, दृढ़ इच्छा-शक्ति और दबंगपन में आप अनेक लोगों को अपना दुश्मन बना लेंगे, लेकिन जो भी काम करेंगे उसमें बड़बड़ कर सफलता प्राप्त करेंगे। 27 नवम्बर भी, जो शुक्र के प्रभाव में होता है, इतना ही बलवान है।

आर्थिक दशा

प्रारम्भिक वर्षों में कठोर संघर्ष के बाद आप हर काम में सफल होंगे। आप सभी बाधाओं और कठिनाइयों से पार पाने तथा धन और पद प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। 27 नवम्बर को पैदा होने पर आप प्रारम्भिक वर्षों में अधिक भाग्य-शाली रहेंगे। बुढ़ापे के लिए सावधानी से पैसा बचाने का प्रयास कीजिए।

स्वास्थ्य

सभी प्रकार के बुखारों, उच्च रक्तचाप और दिल पर अधिक तनाव की शिकायतें हो सकती हैं। अनेक दुर्घटनाओं से घाला पड़ेगा, मुख्यतः मशीनों से तथा आग्नेयास्त्रों से भी। आप पर प्राणघातक हमला हो सकता है। दिल के दौरे से या दिमाग में रक्त का दबाव बढ़ जाने से आकस्मिक मृत्यु भी हो सकती है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नौ' है। इसी मूलतक वाली तिथियाँ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी मूलतक वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए ताल रख का प्रयास कीजिए। आपके भाग्य रत्न हैं : ताल, तामड़ा और सभी ताल नय।

27 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए 'तौन' और 'नौ' के अंक अधिक शुभ रहेंगे। रंगों में फातसई, बैंगनी तथा जामुनी भी शुभ हैं। आप 'तौन' और 'नौ' मूलतक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

दिसम्बर

धनु राशि 21 नवम्बर से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि 'वृश्चिक' के साथ इसका संधिकाल चलना है जिससे यह 28 नवम्बर को ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 दिसम्बर तक इसका पूरा प्रभाव रहता है। उसके बाद आगामी राशि मकर के साथ संधि-काल प्रारम्भ हो जाने से सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

इस अवधि में, अर्थात् 21 नवम्बर से 20-27 दिसम्बर तक, पैदा होने वाले व्यक्तिों में इस राशि के प्रतीक धनुर्धारी के गुण मिलते हैं। वे अपने काम में सीधा सत्यबोध करते हैं। वे स्पष्ट बोलने वाले और मुह फट होन हैं जिससे प्रायः जानी दुश्मन पाल लेते हैं। वे अपना सारा ध्यान उस एक कर रहे काम पर केंद्रित रखते हैं और जब तक पूरे प्रयास कर सक नहीं जाते, किसी दूसरी आर निगाह भी नहीं करते हैं।

उनके मस्तिष्क में इतनी शीघ्रता से विचार कौंधते हैं कि वे प्रायः दूसरों के बार्तालाप में बीच में टपक पड़ते हैं और धीरे-धीरे रुककर बोलने वालों के प्रति अधीरता प्रकट करते हैं।

एकदम सत्यवादी होने से वे दूसरों को छलने के प्रयासों का भडाफोट कर देते हैं, भले ही उनका यह कार्य अपने हितों के विरुद्ध हो। वे अपने काम में तब तक विभ्राम नहीं लेते जब तक सबकुछ चूरचूर नहीं हो जाने अथवा काम करते हुए मृत्यु को प्राप्त नहीं हो जाते।

व्यापार या अन्य किसी कार्य में वे भारी उद्यमी होते हैं लेकिन अपने को कभी एक दिन के काम में बंधा महसूस नहीं करते। अतः वे तेजी से अपने विचार बदलते रहते हैं। राजनीतिज्ञ के रूप में अपनी नीतियों में अनेक बार परिवर्तन करेंगे। धर्म-प्रचारक के रूप में वे धर्म के बारे में अपने विचार बदल सकते हैं। वैज्ञानिक प्रायः अपना धंधा छोड़कर किसी उद्योग को अपना सकते हैं।

उनमें अति तब जाने की प्रवृत्ति होती है। तत्काल निर्णय ले लेते हैं जिसके लिए बाद में पछता भी सकते हैं, लेकिन अभिमानी इतने होते हैं कि अपनी गलतियों को स्वीकार नहीं करते।

अधिकार से प्रेम उनका प्रमुख गुण होता है। यदि वे महसूस करें कि अपना सत्य प्राप्त नहीं कर सकने तो बीच में ही रुक जाते हैं। अपनी महत्वाकांक्षा

को तिलाजति दे एकदम नया काम शुरू कर देते हैं अथवा फिर जीवन भर कुछ नहीं करते।

इस राशि के नर-नारी प्रायः भावुकता के क्षण में विवाह करते हैं और फिर बाद में पछताते हैं। लेकिन अभिमान के कारण अपनी गतती स्वीकार नहीं करते और लोग प्रायः उनके वैवाहिक सुख को आदर्श समझ बैठते हैं।

वे बानून् और व्यवस्था के पक्ष के समर्थक होते हैं। पूजा-स्वतंत्र पर नियमित रूप से आते हैं, दूसरों के साथ वे लिए अपना उदाहरण प्रस्तुत करने के विचार में अधिक, स्वयं धार्मिक वृत्ति के होने के कारण कम। वे प्रायः भारी लोभ-निन्दन प्राप्त करते हैं, 'जन आदर्श' बन जाते हैं और उन पर यज्ञ तथा पद थोप दिए जाते हैं।

इस राशि में महिलाएँ पुरुषों से अधिक उदात्त होती हैं। अपने पति और बच्चों की सफलता के लिए जितना कर सकती है, करती हैं और आत्म-त्याग को तैयार रहती हैं। घर से उन्हें गहरा प्रेम होता है तथा विवाह मुष्की न होने पर भी वे इस घाटे के सोदे से अधिक-से-अधिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास करती हैं। उन्हें सम्मान और कर्तव्य के प्रति ऊँची समझ होती है, लेकिन जीवन के प्रति उनका दृष्टि कोण बहुत स्वतन्त्र होता है।

इस अवधि में जन्मे लोग स्नायुओं के तीव्र रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। आयु बढ़ने पर वे टांगों के दर्द से परेशान हो सकते हैं। यदि महीने के उत्तरार्द्ध में पैदा हुए हो तो पावों के किसी पक्षाघात के भी शिकार हो सकते हैं। नाक का रोग भी हो सकता है।

जन्म-काल पर धनु में सूर्य की स्थिति से स्वभाव पर गुद का जो प्रभाव पड़ता है, वह प्रवृत्ति को कुछ दुरंगो बनाता है। वे लोग एक पक्ष में संवेदनशील, दूसरों के बहकावे में आने वाले और शान्त हो सकते हैं, दूसरे हो क्षण के पूर्ण, आवेशी और दुस्माहसी हो सकते हैं।

मत्स्य, शक्ति और न्याय के पक्षधर होने के कारण उनका सच्चा घृणा पीड़ितों की सेवा है। मताये हुए और दबाए हुए लोगों के साथ उनकी प्रबल महानुभूति होती है। कभी-न कभी वे किसी मानवीय या सुधार काय में अपना झण्डा गाड़ते हैं। उनमें परिहास की गहरी समझ होती है और सब करना पसंद करते हैं। वस्तुतः वे मित्रों में वाद-विवाद की असाधारण कुशलता के लिए जाने जाते हैं।

धुत्ती हवा और घर से बाहर आमोद-प्रमोद के जीवीन होने के कारण वे जगती, ऊबड़-धामंड पर्वतीय प्रदेश की खोज करते या यहाँ विचरण करने अपने स्वाभाविक रूप में होते हैं। वे स्पष्ट, खुले दिलवाले और बहुत उदार होते हैं। उनका व्यवहार आम तौर पर विनम्र होता है लेकिन अब अपनी पर उतर आए तो रुने और उग्र हो जाते हैं। उनमें उच्चकोटि का पूर्वज्ञान रहता है और गुप्त ज्ञान तथा मन-विषयक मामलों में अभिरुचि प्रदर्शित करते हैं।

उनकी उदारता का 'लोग प्राप्' अनुचित लाभ उठाते हैं। उन्हें धोखा देने और मनगढ़ान कहानियों से उनकी सहानुभूति पाने का प्रयास करते हैं। वे संगीत और साहित्य के प्रेमी होने हैं तथा इनमें दक्षता भी रखते हैं। उनका स्वभाव मूलतः आशावादी होता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य को एकमात्र स्तंभ मान और शरीर से सीमा से अधिक काम लेने से है। उनके हाथ में इनकी योजनाएँ—परियोजनाएँ रहती हैं कि सभी पर ठीक से ध्यान दे पाना सम्भव नहीं होता। फलस्वरूप शक्ति के अपव्यय से जीवनी शक्ति का निर-पर ह्रास होता रहता है।

वे गर्मी-सर्दी के बारे में भी सापरवाह रहते हैं जिसमें तीव्र बाकाइडिम के शिकार हो जाते हैं, लेकिन फिर जल्दी ठीक भी हो जाते हैं। आम तौर से रक्त और जिगर की बीमारियाँ होंगी। रक्त शुद्ध रखना चाहिए, मादक द्रव्यों से बचना चाहिए और सफाई में रहना चाहिए। दिमाग को अधिक आराम देना चाहिए और शरीर को अधिक-से-अधिक ढीला छोड़ने का अभ्यास करना चाहिए।

आर्थिक वंशा

दिमागी काम से धन कमाने की सम्भावना सबसे अधिक है। उनमें बिचारों की काफी मौलिकता होती है। अपने पूर्व ज्ञान से काम लेना चाहिए। मासिकदारी और सहयोगियों से मिलकर नायब हो ठीक से काम कर पाएँ। फिर भी कर्मचारियों, नौकरों और अधीनस्थों का काफी प्रेम मिलना है।

उन्हें प्राप्त विरासत और उपहारों में साम होता है लेकिन आम तौर से अधिक सम्पत्ति नहीं जोड़ पाते। यदि जोड़ लें तो बुढ़ापे में किसी रहस्यमय कारण से हड़पी जा सकती है या कम-से-कम उसमें काफी कमी आ सकती है।

विवाह, सम्बन्ध, मासिकदारी आदि

इस अवधि में ज में लोगो के सबसे अधिक हार्दिक सम्बन्ध अपनी निजी राशि धनु (21 नवम्बर से 19 दिसम्बर), अग्नि-त्रिकोण की अन्य दो राशियों सिंह (21 जुलाई से 20 अगस्त) तथा मेष (21 मार्च से 19 अप्रैल), तथा इनके पीछे के सात दिनों के संधि-काल में जन्मे व्यक्तियों के साथ रहेंगे। मानवी राशि म्रियुन (21 मई से 20-27 जून) के दौरान जन्मे लोगो का भी उन पर काफी प्रभाव पड़ेगा।

1, 10, 19, 28 (मूलार्क 1) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

अपने शरकर ग्रह सूर्य, यूरेनस और शुरु हैं। 28 नवम्बर को भी दिसम्बर

के क्षेत्र में शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि तब तब धनु राशि प्रारंभ हो चुकी होती है। वास्तव में 28 नवम्बर इन राशि की प्रथम भू-1 तिथि है। इसी प्रकार 28 दिसम्बर की तिथि धनु राशि के क्षेत्र से निवृत्त कर आगामी राशि मकर के क्षेत्र में प्रवेश कर गई होती है।

इन तिथियों में जाने व्यक्ति हसमुख और आशावादी स्वभाव के होते हैं। कोई कठिनाई उनके उत्साह को क्षीबित नहीं कर सकती। दूसरों के प्रति वे विचार में भी उदार होते हैं, यद्यपि बात करने में मुहफ़्त और खुले दिन बातें रहने हैं। वे अत्यन्त उद्यम और साहसी होते हैं। एक दिशा में विघ्न होने पर दूसरी दिशा में और फिर तीसरी दिशा में प्रयास करेंगे और अन्त में सफलता प्राप्त करेंगे ही रहें।

वे अपना सर्वस्व देने के लिए तैयार रहते हैं। कम भावशासी लोगों की सहायता की इच्छा से स्वयं गरीबी ओढ़ने के लिए भी उद्यम रहते हैं। माप ही वे शायद ही धोखा खाते हैं। जो उन्हें क्षमा देना चाहते हैं, उन्हें वे अपने अन्यायों से पहचान लेते हैं। लेकिन उनके प्रति भी दुर्भावना नहीं दिखाते और उनकी सहायता के लिए तैयार रहते हैं।

उनमें अत्यधिक ऊर्जा होती है। काम करते समय अपने को बचाने नहीं। वे किसी की अधीनता में काम करना पसन्द नहीं करते, इसीलिए आम तौर से अपने बल पर ही जागे बढते हैं। उनमें भारी महत्वाकांक्षा होती है लेकिन उन पर पूरी तरह बाध रहते हैं। कभी असम्भव की भाग नहीं करते बल्कि बीने की भाँति पाट्टा को छूने का प्रयास नहीं करते।

वे अत्यन्त सम्मानप्रिय होते हैं और ऐसा कोई नहीं सँते जिसे अदा न कर सकें। दिल से वे कानून और व्यवस्था का भारी सम्मान करते हैं। उन पर बतम्ब-नातन में बंध सत्ता की सहायता के लिए भरोसा किया जा सकता है।

वे मैदानी क्षेत्रों को पसन्द करते हैं और आम तौर से उनमें महारथ हाँसित करते हैं। इस राशि का प्रतीक आधा घोड़ा आधा मानव है, अतः उनमें प्रबल पाश विष भावनाएँ होती हैं, लेकिन वे अच्छी तरह से मन के बाध में रहते हैं।

विज्ञान, दर्शन और धर्म के लिए उनके मन में गहरा आसुर होता है, और वे प्रान-उत्तम धर्म प्रचारक या पादरी बनते हैं लेकिन शब्दाट्म्बर तथा पाण्डु में दूर रहते हैं। वे अच्छे वक्ताओं को सुनना पसन्द करते हैं, अपने किसी विचार भी प्रकट करना चाहते हैं लेकिन अति सबेदनशील होने के कारण उनकी भावप्रकृति का जोहर तभी देखने को मिलता है जब वे कोई सन्देश देना चाहते हैं। उनका कहा हुआ वाक्य तौर को भाँति अपने लक्ष्य पर चोट करना है।

आर्थिक दशा

वे हर काम में पैसा देना कर सकते हैं लेकिन उनका मुँहब ओंछिम उठाने

की ओर होता है और कभी-कभी वे सट्टे में भारी रकम गवा बैठते हैं। हानि होने पर भी वे निराश नहीं होते और न उसने लिए दूसरों को दोष देते हैं। शांति से अपने काम में जुट जाते हैं और पुनः रकम जोड़ना शुरू कर देते हैं।

स्वास्थ्य

उन्हे उत्तम स्वास्थ्य का बरदान मिला होता है। एकमात्र छतरा अधिक परिश्रम से स्नायविक टूटन का है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' और 'तीन' है। इन्हीं मूलांको वाली तिथियों पर अपनी योजनाएँ और कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं मूलांको वाली तिथियों पर जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांको वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और बुध (फालसई, जामुनी, बैंगनी) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुष्कराज, अम्बर और बटैसा।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) विसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह बुध, नेप्चून और गुरु हैं। 29 नवम्बर को इन्हीं तिथियों के साथ शामिल कर लेना चाहिए, जब कि 29 दिसम्बर धनु राशि के क्षेत्र से निकल कर मकर राशि में प्रवेश कर चुका होता है। उसके गुण भिन्न होते हैं।

इस मास की दो मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में एक मूलांक वाले व्यक्तियों जैसा दबगपन नहीं मिलता। वे अधिक विनम्र, कम आशावादी और कम आत्म-विश्वासी होते हैं। वे भौतिक से अधिक विचारों के आध्यात्मिक घरातल पर रहते हैं। साथ ही उन्हें बहुत उच्च स्तर का मानसिक बरदान मिला होता है। उनमें दर्शन, धर्म, रहस्यवाद और गुप्त विद्याओं के अध्ययन के लिए रम्यान रहेगा। वे स्वप्नदर्शी और भविष्यवक्ता होते हैं। कम से कम घटनाओं के मोड़ के बारे में उन्हें पूर्वाभास हो जाता है। आम तौर से वे इतने सवेदनशील होते हैं कि अपनी प्रतिभा का तब तक अधिक उपयोग नहीं कर पाते जब तक उनके दृष्टिकोण से पूरी सहानुभूति रखने वाले लोग न मिलें।

वे स्वाभाविक गुरु दिखाई देते हैं और इस रूप में अथवा दुर्बोध वैज्ञानिक विषयों के अध्ययन में सफलता प्राप्त करते हैं। वे भारी प्रकृति प्रेमी होते हैं और यात्रा करने तथा दूर देशों में जाकर वहाँ के प्राकृतिक आश्चर्यों को देखने के लिए उनका मन सदा लालायित रहता है। उनकी रचि परिष्कृत होती है।

अत्यन्त सवेदनशील और कलाप्रिय होने से स्वभावतः सुन्दर वस्तुएँ उन्हें आकर्षित करती हैं जैसे कलाकृतियाँ, संगीत, चित्रकला, काव्य, उच्च स्तर का

साहित्य और भाषण-कला । उन्हें इस बात की बहुत कम परवाह होती है कि वे अमीर हैं या गरीब । उनकी सम्पत्ति उनके अपने मन में रहती है और साधारणतः वे अपनी दशा से प्रसन्न और सन्तुष्ट रहते हैं । ११ तथा 20 दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति अपने मायों तथा विचारों में अधिक ओजस्वी तथा सफलवान होते हैं ।

यदि आप 29 दिसम्बर को पैदा हुए हैं तो आप शनि (भोज) के भाव मकर में दो अक्ष वाले व्यक्तियों के वर्ग में आते हैं । यह ठोस परिश्रमों स्वभाव प्रदान करता है और आप दूसरों के लिए भारी जिम्मेदारियां ओढ़ने के लिए तैयार रहने हैं ।

आर्थिक दशा

वे लोग पैसा कमाने के मामले में बहुत कुछ उदासीन होते हैं, लेकिन प्रायः ऊँचे पदों पर पहुँच जाते हैं । जीवन में किसी ध्येय के लिए या दूसरों की सहायता के लिए वे पैसा कमाने का काम कर सकते हैं, लेकिन व्यक्तिगत लाभ के लिए शायद ही ऐसा करें ।

स्वास्थ्य

बड़ा चौपटा होते हुए भी ये लोग शायद ही दुबकाव होते हों । भोजन से उनको पूरा पोषण नहीं मिलता । यदि ऊँचे और शुष्क स्थानों में नहीं रहेंगे तो फफड़ों की परेशानी, र्वास नलिका की बमजोरी, गले में परेशानी और जोड़ों के दर्द की शिकायतें हो सकती हैं ।

आपके महत्वपूर्ण अक्ष 'दो' 'तीन' और 'सात' हैं । इन्हीं मूलांशों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे । आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांशों वाले ही रहेंगे ।

- बपटो में हरे, सफ़ेद, नील, बज्रवरी, फालसई, बैंगनी तथा जामुनी रंगों का प्रयोग कीजिए । आपके भाग्य रत्न हैं मोती, छट्कात मणि, हरा या सिलेंटी जेड, बटैला और सभी जामुनी गग ।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक पह गुरु और सूर्य हैं । 30 दिसम्बर की तिथि इस वर्ग में नहीं आती । वह आगामी राशि मकर के अंतर्गत आती है । 3, 12 या 21 दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति गुरु (भोज) के भाव में 'तीन' अक्ष वाले होने के कारण दुहरे गुरु के प्रभाव में होते हैं । 30 दिसम्बर की तिथि को भी इन्हीं के साथ शामिल किया जाना चाहिए ।

यह एक अत्यन्त बलवान प्रयोग है । इन तिथियों को जन्मे लोग कोई वृत्ति अपनाएँ, उसी मर्यादा में सफलता की आशा कर सकते हैं । वे अपने समाज के नेता के

रूप में जीवन आरम्भ करते हैं। वे बढ़िया सगठनकर्ता होते हैं, विशेषकर राजनीतिक आन्दोलनों में। आम तौर से सम्मान, पुरस्कार और जिम्मेदारी के ऊँचे पद प्राप्त करते हैं। वे रेलों, परिवहन, जहाजरानी के उत्तम ठेकेदार, निर्माता और डिजाइनर बनते हैं अथवा औद्योगिक संस्थानों के प्रमुख बनते हैं। यदि सरकारी क्षेत्र में जाएं तो वहां भी प्रतिष्ठा के पद प्राप्त करते हैं।

उन तिरियों को पैदा हुए कुछ लोग अध्यात्मिक और धार्मिक रुझान वाले भी होते हैं, अथवा इसके एकदम उल्टे, सभी धर्मों के प्रति अनास्थावादी हो जाते हैं।

कलम की शक्ति में उनका गहरा विश्वास होता है और प्रायः उच्च स्तर के पत्र-पत्रिकाओं की स्थापना करते हैं, अथवा अपने विशेष विचारों के प्रचार के लिए प्रचार सामग्री का प्रकाशन करते हैं।

अपनी शानदार प्रतिभाओं के बावजूद बुढ़ापे में वे अपने धन को अपनी आंखों के सामने ही लोप होते देखते हैं और इसे रोकने के लिए कुछ नहीं कर पाते।

आर्थिक दशा

ऐसे लोगों की मेरी चेतावनी है कि सम्पन्नता के दिनों में कुछ पैसा भविष्य के लिए बचाकर अवश्य रखें। पचास वर्ष की आयु के बाद दुर्दिनों से उनके प्रभावित होने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

वे लोग शानदार जाया वाले होते हैं और साठ वर्ष की आयु तक बहुत कम बीमारियां उन्हें परेशान कर पाती हैं। इस समय परिवर्तन दिखाई पड़ने लगता है। यदि अपनी जिम्मेदारियां कम नहीं करेंगे तो स्वास्थ्यिक प्रणाली टूटनी शुरू हो जाएगी। कुछ मामलों में रीढ़, हाथ और दिमाग का पक्षाघात हो सकता है।

आपका महत्वपूर्ण अंक 'तीन' है जिसकी 'छ' और 'नौ' से भी बदला-बदली हो सकती है। इन तीनों मूलांकों वाली तिरियों को जन्मे व्यक्ति आपको आकर्षित करेंगे, लेकिन 30 दिसम्बर वाली को 'तीन' और 'आठ' वाले सबसे अधिक आकर्षित करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' के मूलांक वाले रहेंगे।

आपके भाग्य रत्न कटौता और बैंगनी नग हैं। इसके बाद फीरोजा, लाल, तामड़ा और लाल नगों का नम्बर है। 30 दिसम्बर वाली को लाल नग न पहनकर उनकी जगह नीलम पहनना चाहिए।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके चरक ग्रह यूरेनस, सूर्य और बुध हैं। 31 दिसम्बर का अंक 'चार' है

किन्तु यह तिथि मकर राशि में होने से इस वय में नहीं जाती ।

4, 13 या 22 दिसम्बर को पैदा हुए व्यक्तियों के जीवन में भाग्य के अप्रत्याशित मोड़ आने रहते हैं । उन पर यूरेनस का प्रबल प्रभाव रहता है जो 'शनि का जुड़वा भाई' कहलाता है । शनि के प्रभाव में पैदा हुए व्यक्तियों की भाति वे भी बहुत कुछ 'भाग्य की मन्तान' होते हैं ।

वे कुशल, अत्यन्त बुद्धिमान अपनी विशेषता लिए हुए अद्भुत मानसिक गुणों वाले होते हैं । उन्हें आश्चर्यजनक कल्पना का और प्रायः शोधपरकता का बरदान होता है । वे दूसरों से भिन्न जीवन जीने लगते हैं और आप सोच उन्हें बहुत गलत समझते हैं । आम तौर से वे नूरतम बदनामी के शिकार होते हैं और अपनी सफाई देने में असह्य लगते हैं ।

उनके मन का झुकाव दिवास्वप्नों, विचित्र सपनों और पूर्वज्ञान की ओर होता है । दश-नवेंर उनमें गुप्त विद्याओं के अध्ययन के लिए प्रेम जाग उठता है ।

उनका स्वभाव अत्यन्त स्वतन्त्र होता है और वे विचार तथा कार्य की स्वतन्त्रता के लिए लड़ते हैं । उनका जीवन कम अधिक सीक से अलग होता है और वे किसी प्रकार का प्रथन या अनुज्ञ सहन नहीं कर सकते । शायद इसीलिए उनका विवाहित जीवन बर्दाश्त ही सफल रहता हो । अपने जीवन साथी से उनका मनमुटाव बसा आता है ।

वे शायद ही जोखिम, आम और धनरों में मुक्त रह पाते हों और आम, बार, लामास सौंझका भाग्य पाइये आदि से अनेक दुर्घटनाओं के शिकार हों जाते ह । उन्हें विमान से भी यात्रा नहीं करनी चाहिए । वरसे ता देर-सबेर बटाधार होगा ।

वे धार्मिक मन्त्रदायी या गुप्त सत्साधना के विरोध और आकाश के शिकार होते हैं । ऐसी मन्त्रदायी से जुड़ना उनके हित में नहीं होगा । भौतिक दृष्टि से वे दिमागी कार्यों में या किसी असाधारण साहित्यिक कार्य से तथा संगीत और चित्रकला में भी धन कमा सकते हैं लेकिन बर्दाश्त ही उत हाथ में रख पाने या बच पाने हो । युंते दिमाग के और अजान उदार होने पर भी गवि-अगवि में दूढ़ होते ह, जिन पर अनुज्ञ माना उनमें लिए बर्दाश्त होगा है ।

आर्थिक दशा

उन लोगों के लिए यह बहुत अनिश्चित प्रश्न है । पैसा जमाकर या विचित्र ढंग में आ सकता है । वे बर्दाश्त ही देर तक उन अपने हाथ में रख सकें । लेकिन जीवन की वे दार्शनिक ढंग स देखने हैं—बोर्ड व-बाई उनको महायन्त्र को आग आगार हो । और आश्चर्य की बात है कि आम तौर से ऐसा होता भी है ।

स्वास्थ्य

उन लोगों में दो वर्ग होने हैं। एक वर्ग जरा भी आभास के बिना सभी प्रकार की विविध या रहस्यमय बीमारियों का शिकार होता है जैसे बेट में मरोह, तोंत्र सर्दों, बुखार, फेफड़े, गले और नाक की परेशानी। दूसरा वर्ग दुर्दुर्भाग्य न होते हुए भी किसी गम्भीर बीमारी के बिना जीवन काट देता है, केवल दुर्घटनाओं का शिकार होता है।

आपके महत्वपूर्ण चार 'चार' और 'आठ' हैं। लेकिन मैं इन्हें स्वयं चुनने की सलाह नहीं दूंगा। आप 'एक' और 'तीन' के अंक चुनिए : 'एक', 'तीन', 'चार' तथा 'आठ' मूल्यों को वाली लिखिया तो अपने व्यक्तियों के प्रति आप सगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूल्यों वाले रहेंगे।

आपके फण्ड के लिए सबसे शुभ रंग मुनहरा, पीला, गहरा नीला, भूरा, फालगुनी, जामुनी, बैंगनी हैं। आपके भाग्य रत्न हैं नीलम, हीरा, पुखराज, अम्बर, हरा या रीता जेड।

5, 14, 23 (मूलांक 5) दिग्म्वर की जन्मे व्यक्ति

आपके कारण वह बुद्ध और गुरु हैं। आपके जीवन में बुद्ध का प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। आप मन में अस्माभ्याय रूप से चंचल, बुरात तथा हाजिर जवाब होंगे। आपको दिमाग या हाथों में किसी न-किसी काम में लगे रहना आवश्यक है।

आप महाकाशी, आजाद तबीयत और विचारा म ओजस्वी हैं। अपनी रचि-अरचि में भी आप जल्दबाज तथा आवेशी हैं। माध ही आपको दिमागी शक्ति का गानदार आजार मिला हुआ है। अपनी चंचलता को बाध में रखें तो अपने सभी कामों में सफल होंगे।

- आम तौर में आप सैतो के बेहद शौकीन होंगे, - विशेषकर घुड़दौड़ या पशुओं से सम्बन्धित सैतों के। आप पर गति का भूत सवार होगा। परिस्थितिमा ऐसी हुई तो तेज कारों या विमानों में जीवन का या क्षय पैसे को जोखिम में डालेंगे। आप शायद ही किसी भयकर दुर्घटना को टाल पाएँ। - नहीं भी मरे तो अपन तो हा ही जाएंगे।

जमकर बैठने पर आप साहित्य-मेवा, विमान, चिकित्सा, कानून या मकद कालीन नेता के रूप में सफल होंगे। आप तर्क या वाद-विवाद के बेहद शौकीन होंगे। कटु व्यंग्यात्मक भी कर सकते हैं, लेकिन जहाँ बहस समाप्त हुई, आप विवादों के प्रति कोई शत्रुता या मनमुटाव नहीं रखेंगे।

विपरीत निमित्तों की ओर अपना काफी आकर्षण होगा। आम तौर में विवाद

ठीक रहता, लेकिन जितनी देर से विवाह-बंधन में बंधें उतनी ही सुखी रहने की अधिक सम्भावना होगी।

आर्थिक दशा

ये व्यक्ति प्रायः धन कमाने वाले होते हैं, लेकिन किसी विचित्र ढंग से। अपने पूर्व ज्ञान के विनिर्योग में प्रायः भाग्यशासी रहते हैं, लेकिन धन की अधिक महत्व नहीं देते।

स्वास्थ्य

ये लोग बहुत कम किसी गम्भीर बीमारी के शिकार होते हैं। होते हैं तो अपनी असावधानी और धीयपूर्वक भोजन न करने से। आँखों या चेहरे में फट्कन और घोलने में हकलाहट तुलनाहट की शिकायत भी हो सकती है।

'तेल' और 'पाच' के अर्थ आपके जीवन में बार-बार आएंगे। आप भी इन्हें अधिक-से-अधिक काम में लीजिए। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति या के प्रति आप आकर्षित होंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' मूलक वाले रहेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग फालसई या जामुनी फलव लिए हलके रंग रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं बटैला, हीरा और चमकौले नग।

6, 15, 24 (मूलक 6) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण ग्रह शुक्र और गुरु हैं। गुरु (भोज) के माघ में शुक्र की स्थिति अत्यन्त शुभ है। ये दोनों ग्रह एक-दूसरे के भिन्न रहे जाते हैं।

6, 15, या 24 दिसम्बर को पैदा हुए व्यक्ति प्रसन्नचिन्त और हममुख स्वभाव के होते हैं। वे प्रकृति के वैभव और सभी प्रकार की सुन्दरता के प्रेमी होते हैं। उनके बारे में कोई ओछी बात नहीं होती। अपने मित्रों को धिलाने पिताने में प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। मैदानी मैलों और पशुओं में विशेषकर कुत्तों और घोड़ों से प्रेम करते हैं। फुटबॉल पसन्द करते हैं और आम तौर से थोड़े पालते भी हैं। ऐसे उद्यमों में उन्हें भारी सफलता और धन की प्राप्ति होती है। वे अपने आसपास सौहार्दपूर्ण वातावरण पमद करते हैं। सबसे अधिक पीडा उन्हें ऐसे लोगों के सम्बन्ध में आने से होती है जो कंधे पर बढगा लिए जाते हैं।

धनु राशि में पैदा होने से उनकी आय के दो साधन हाने हैं। उनके लिए हर बात दुर्घट और साधनायक रहती है। महिला होने पर उनके दो पति और दो बच्चे होने प्रायः निश्चित हैं। इन तिथियों को पैदा हुए व्यक्ति प्रायः विदेशियों से या अपने जन्मस्थान से दूर पैदा हुए व्यक्तियों से विवाह करते हैं। सभी विपरीत तिथियों के प्रति तीव्रता से आकर्षित होते हैं—प्रेमी नहीं होते तो अश्वे सापी जरूर बन जाते हैं।

और अपने सभी सम्बन्धों में आम तौर से बहुत सम्मानजनक तथा यफ़ादार रहने हैं।

वे कुछ दम्भी होते हैं और उच्च सामाजिक पद या प्रभाव वाले व्यक्तियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, जैसे सरकारी अधिकारी, अलंकारकारी या धार्मिक नेता।

वे यात्रा के बेहद शौकीन होते हैं, और यात्रा के दौरान माजीवन मित्र बना लेते हैं। नर-नारी दोनों बड़े-बड़े विचारक होते हैं और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए प्रायः आवश्यक घन खींच लेते हैं।

वे विद्वानों का भारी आदर करते हैं। साहित्य, चित्र-कला, संगीत आदि में नाम कमाने वालों को अपने घर बुलाते हैं। भले ही स्वयं कोई बौद्धिक कार्य न करें लेकिन उसमें काफी रुचि लेते हैं। उनका घर कलाकृतियों और सुन्दर वस्तुओं से भरा रहता है।

आर्थिक दशा

घन कमाने का प्रयास करें या न करें वे प्रारम्भिक वर्षों में आम तौर से भाग्य-शाली रहने हैं। उनको विवाह, विरासत और उपहारों से लाभ होता है। लेकिन भाग्य जीवन भर साथ नहीं देता। अच्छा हो, वे मुदापे के लिए घन खपाकर रखें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में भी वे इतने ही भाग्यशाली होते हैं। केवल जब बहुत अधिक शान से रहने के चक्कर में पड़ते हैं जो आम तौर से उनकी कमजोरी होती है तो उनका स्वास्थ्य बिगड़ता है। जीवन के अन्तिम दिनों में प्रायः आँखें और छाती में कैंसर तथा ट्यूमर की प्रवृत्ति रहती है।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'छः' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों का अपनी योजनाएँ या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे। कभी 'पाच' अंकवालों के प्रति भी लगाव होगा लेकिन वे आपके जीवन में अधिक काल तक नहीं रहेंगे और न आपके लिए इनमें भाग्यशाली होंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' और 'छ' मूलकों वाले रहेंगे।

आपके कपड़ों के लिए सबसे शुभ रंग फाल्गुनी, बैंगनी, जामुनी, नीले और लाल रंग की शानक लिए हुए होंगे। आपके भाग्य रत्न हैं बर्टेला, फीरोजा, सात, तामरा और लाल नख।

7, 16 25 (मूलांक 7) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारके ग्रह नेप्चून, चन्द्र और गुरु हैं। 25 दिसम्बर आगाना राशि

मकर के अधि-काल में काफी आगे निकल जाने के कारण उस दिन जन्मे लोगों पर काफी भिन्न प्रभाव डालेगी।

गुरु (ओज) के भाव में नेप्चून और चन्द्र की स्थिति कुछ बहुत महत्वपूर्ण संकेत देती है। एक प्रकार से वे परस्पर-विरोधी हैं। नेप्चून और चन्द्र विनम्र और झुकने वाले हैं जबकि गुरु अपने निजी भाव धनु में दबंग, महत्वाकांक्षी और तानाशाही स्वभाव वाला है।

नेप्चून का शरीर से अधिक मन पर प्रभाव है। विचित्र सपनों, दिवास्वप्नों, प्रेरणा और रहस्यमय अनुभवों से यह व्यक्ति को प्रभावित करता है। यह जाग्रत अवस्था में अवचेतन मन पर प्रभाव डालता है। चन्द्र के साथ नेप्चून रहस्यवादी कवि, चित्रकार, संगीतज्ञ या अध्यात्मवादी लेखक बनाता है। यदि गुरु की महत्वाकांक्षी प्रकृति सजिय न हो तो ऐसे गुण सम्भवतः सपनों की दुनिया में खोए रहते हैं।

यही विरोधाभास महसूस होता है। नेप्चून और चन्द्र के स्वप्नदर्शों अपने अपने स्वभाव के विपरीत कर्म में ठेस दिए जाते हैं। वे पदार्थ पर मन की शक्ति का एहसास कराने की पुकार सुनते हैं। यदि वे इसी बान से सन्तुष्ट रहें तो ठीक है। लेकिन इस प्रयोग में जन्मे व्यक्तियों का एक वर्ग ऐसा भी होता है जो अपनी अधि-कार-भावना को दूसरी सभी बातों पर हावी हो जाने देते हैं। देर-मदेर इससे वे अपनी मौन बुला लेते हैं।

दूसरा वर्ग, जो अध्यात्म की भीतिमत्ता पर हावी होने देता है, कवि, चित्रकार, संगीतज्ञ, लेखक या नेता के रूप में यश कमाकर प्रायः दुनिया में अपना नाम छोड़ जाता है।

आधिक दशा

इन लोगों के आधिक मामले विचित्र रहते हैं। यदि घन कमाते हैं तो बड़ाचिन्त ही किसी आम व्यपसाय से। बुझावे में विनियोगों से भारी हानि उठाने की सम्भावना है। वे बेईमान कम्पनी प्रमोटरो के शिकार हो जाते हैं या अपनी योजनाओं में सीमा का अतिक्रमण कर बैठते हैं। 25 दिसम्बर को जन्मे व्यक्तियों की अधिक निराशाओं का सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य

इन लोगों का पाचन बहुत अच्छा नहीं होता। उनमें मध्य-वे-मध्य धाने की प्रवृत्ति होती है और वे अपने शरीर का पर्याप्त खयाल नहीं रखते। अत्यधिक संवेदन-शील होने से वे अपने को, पूर्ण स्वस्थ महसूस नहीं करते। मन से अपने को बहुत अधिक पका संते हैं और शायद ही कभी ठीक से सो और विश्राम कर पाते हैं।

आपके सबसे अधिक महत्वपूर्ण अंक 'दो' और 'सात' हैं। अपनी योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं तिथियों और कभी-कभी 'तीन' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले हो रहेंगे।

आपको हरे नीम, सफ़ेद, कबूतरों और हलके रंगों के कपड़े पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हैं हथ जेठ, मोती, चांदकान्त मणि, बटैला तथा जामुनी मग।

8, 17, 26 (मूलांक 8) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शनि और बुध हैं। 26 दिसम्बर आगामी राशि मकर के मध्य-काल में बहुत आगे है, अतः उस पर शनि का प्रभाव अधिक है। वस्तुतः यह मकर राशि की पहली 'आठ' अंकवाली तिथि है।

बुध के भाव में शनि भारी शक्ति और सकल्प बल-प्रदान करता है। जीवन के प्रारम्भ में प्रायः सदा कठिनाई रहती है और महत्वाकांक्षा की पूर्ति में भारी बाधा आती है। 8, 17 या 26 दिसम्बर को पैदा हुए लोगों में प्रबल सहन शक्ति होती है। उनका कोई काम आसानी से नहीं होता, लेकिन अपने धैर्य और अध्यवसाय से वे अपने लिए ठोस स्थिति का निर्माण कर लेते हैं।

वे उत्तम न्यायाधीश, बकील या व्यापारी बनते हैं। दूसरे लोगों के हित में काम करत हुए वे विशेषकर बहुत सतर्क रहते हैं। वे अपने काम में बहुत ईमानदार होते हैं लेकिन यदि अधिक पहल और आत्मविश्वास से काम लें तो भौतिक दृष्टि से अपना ज्यादा भला कर सकते हैं।

वे आत्म-केन्द्रित और अपने रहस्य छिपा लेने वाले होते हैं तथा निन्दा या आलोचना से क्षीघ्र आहत हो जाते हैं। जब अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े होते हैं तो निश्चयता से उसका प्रतिरोध करते हैं और अपने स्पष्ट रवैये से अनेक लोगों को बहुरूपी बना लेते हैं।

वे बहम में तीव्र कटूक्तियों को सदा हृदयारो की भाँति काम में लेते हैं।

26 दिसम्बर को जन्मे लोग प्रायः बहुत उच्च पदों पर पहुँचते हैं और सम्मान प्राप्त करते हैं। लेकिन कोई असावधानी कर बैठने से या अति-उदारता दिखाने से दुर्लभ जनता का अपने विरुद्ध कर लेते हैं और अपना पद छो देते हैं। स्पेनिश-अमरीकी युद्ध का हीरो एडमिरल रूडोल्फ़ इमका उदाहरण है। राष्ट्र ने उसे सम्मानों से नवा दिया और वाणिज्य में एक बख्ता भी दिया। लेकिन उसने यह बगला जब अपनी पत्नी को दे दिया तो लूकान उठ खड़ा हुआ और उसकी लोकप्रियता उसी को भारी पड़ गई।

आपिक दशा

ये लोग धीरे-धीरे लेकिन लगातार घन सचय कर लेते हैं। आम तौर से कम मजदूरी सम्बन्धी या पारिवारिक बन्धनों से उनके साधनों का ह्रास होता है। वे प्रायः जुए और शोष घन पाने वाली योजनाओं से बचते हैं तथा सरकारी सिक्कुरिटिमें वे या ठोस उद्यमों में अपना धन लगाते हैं, लेकिन सतत रूप से बावजूद जीवन के अन्तिम दिनों में वे प्रायः भारी हानि उठाते हैं।

स्वास्थ्य

इन लोगों की काया मुदयत अच्छी और मासुन हानी है। लेकिन वे आनरिक रोगों के काफी शिकार होते हैं और प्रायः गम्भीर शल्य-चिकित्सा करानी पड़ती है।

आपके जीवन पर 'चार' और 'आठ' अक्षरों का और इनसे सम्बद्ध व्यक्तिओं का भारी प्रभाव पड़ेगा। इन लोगों से प्रति आप गहरा सचाय महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'आठ' मूलतः काले रहेंगे।

आपको गहरे रंग के कपड़े पहनना चाहिए और काया मोती, काया हीरा तथा कलरिड नग धारण करने चाहिए।

9, 18, 27, (मूलतः 9) दिसम्बर की जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह मंगल और शुक्र हैं। 27 दिसम्बर की तिथि मकर राशि की 'नौ' अंक वाली तिथि होने के कारण 9 या 18 दिसम्बर से प्रभाव में भिन्न है। वह मंगल और जनि के प्रभाव में है।

9, 18 और 27 दिसम्बर की तिथियों शुक्र, मंगल और जनि जैसे बलवान ग्रहों के प्रभाव से भारी महत्वानुशा तथा सत्यता वाले व्यक्ति के जन्म देती है। ये लोग अपने विचारों में ओजस्वी और काम में तानाशाही प्रवृत्ति वाले होते हैं।

वे आपातकाल में विशेष रूप से सफल रहते हैं। उनमें नैतिक और शारीरिक साहस होता है तथा हर माम की विविक्षा को जानते भी नहीं। समय मिलन पर वे घर से बाहर का परिधायी जीवन पसन्द करते हैं। मोहो और आम पशुओं पर उनका भारी अधिकार होता है। विपरीत तिथियों के लिए उनके मन में गहरा आवेग रहता है और आम तौर से विवाह के मामले में भाग्यशाली रहते हैं। लेकिन एक या अधिक सम्बन्धों की सम्भावना की जा सकती है।

वे हर प्रकार के दुस्साहस के असाधारण रूप से शायीन होते हैं और उनमें साजसज्जा बन सकते हैं। उनका मन खल होता है और कामे यात्रा की, विशेषकर मुद्र या अनजान क्षेत्रों की, तीव्र उत्पत्ति रहती है। वे हर समय विनी भी आश्रित हैं। नैवार रहते हैं और अपन द्येय नै पूर्ति में प्रायः भारी खतरा उठाते हैं।

रपए-यैसे के प्रति वे एक प्रकार से उदासीन होते हैं। परेशानी में पड़े लोग के लिए बहुत उदार होते हैं। पैसा पास हो तो धर्मार्थ सस्थाओं को विपुल दान देते हैं। पैसा पास न हो तो अपना समय या दिमाग लगाते हैं।

मशीनों के बारे में उनमें काफी जानकारी रहती है विशेषकर गतिशील मशीनों के बारे में।

आर्थिक बरत

ये लोग आर्थिक मामलों में आम तौर से भाग्यशाली रहते हैं। उन्हें अप्रत्याशित बिरासत, विवाह या सट्टे से लाभ होता है। कुछ मामलों में वे काफी पैसा जमा कर लेते हैं, लेकिन ऐसा होने पर दानशील बन जाते हैं।

कुछ मामलों में, उद्यम में हिस्सा से काम लेकर, या शीघ्र आमदनी वाला व्यवसाय खड़ा कर वे अर्थ प्राप्त में सफल होते हैं। व्यवसायों की अपेक्षा वे आम तौर से कुछ व्यक्तिगत डब में दिमागी काम में अधिक सफल होते हैं। 27 दिसम्बर को जन्मे लोग इनमें सबसे अधिक बुद्धिमान होते हैं। शनि का प्रभाव मंगल के स्वभाव पर अक्रूर लगाकर भारी बोन और जिम्मेदारी सौंपता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य में मामले में अपने दुश्मन के स्वयं होते हैं। वे शायद ही कभी अपने स्वास्थ्य की परवाह करते हों। अन्तिम कहा कुछ करते रहने की भावना से उमे जोखिम में डालते हैं। अठारह वर्ष की आयु के बाद वे तगड़े हो जाते हैं, लेकिन चौवन वर्ष से स्नायविक तनाव अपना प्रभाव दिखाने लगता है। वे शायद ही गम्भीर दुर्घटनाओं से बच पाते हों। आम तौर से ये दुर्घटनाएँ बटूक, आग, विस्फोट से अथवा कार, विमान या पशुओं से होती हैं।

आपका सबसे घटनापूर्ण अंक 'नी' है। इसी मूलांक वाली तिथियाँ को अपनी योजनाएँ या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी मूलांक वाले रहेंगे। 'तीन', 'छ' और 'नौ' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके दस्तों के लिए सबसे शुभ रंग लाल है। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, ताम्र और सभी लाल जग।

अंक 13 का आतंक

अंको में जितना आतंक 13 के अंक का है, उतना किसी अन्य अंक का नहीं। पश्चिम में बहुत-से लोग उससे वैसा ही भय खाते हैं जैसे किसी भूतहा मकान में या सड़ियों से वीरान पड़े खण्डहर से। किसी समय बड़ा के निवासिया का विश्वास था कि यदि 13 व्यक्ति किसी स्थान पर एक साथ भोजन करें तो वष भर दे अन्दर हो उनमें से किसी एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाना निश्चित है। आज भी अनेक हादसों में 13 नम्बर का कमरा नहीं होता। 12 के बाद 12-ए क्रम का कमरा होना है और फिर 14 नम्बर का। इसी प्रकार अनेक नगरों की गलियाँ में 13 नम्बर के मकान नहीं मिलते।

हमारे देश में भी 13 का अंक शुभ नहीं समझा जाता। यहाँ के बहुसंख्यक सम्प्रदाय में किसी परिवार में मृत्यु होने पर 13 दिन तक शाक मकानों की प्रथा रही है। मृतक भोज में भी तरह बह्याण हो निमन्त्रित किए जाते हैं।

हमारी भाषा में महावत है तीन-तेरह कर देना, अर्थात् किसी काम को बनते-बनते बिगाड़ देना। यदि त्रिपि-क्षय के कारण कोई चन्द्र पक्ष केवल 13 दिन का रह जाए तो भविष्यवक्ता उसे अशुभ सूचक और भारी विपत्ति लाव वाला समझते हैं।

'महाभारत' के युद्ध में एक प्रकार से 13वाँ दिन ही निर्णायक सिद्ध हुआ। कौरव सेनापति गुरु द्रोणाचार्य चक्रव्यूह की रचना कर इस दिन पांडवों के युवराज अभिमन्यु का घघ कराने में सफल हुए, किन्तु कौरव सेना की दृढ़ता अधिक शक्ति हुई कि फिर उसके लिए अर्जुन, भीम, सात्यकि, धृष्टद्युम्न, पटोव्यूह जैसे वीरों का वेग सम्हालना असम्भव हो गया। 13 दिन तक युद्ध का पतला बहून-बुछ कौरवों के पक्ष में था। किन्तु 14वें दिन से ही वह उत्तरोत्तर पांडवों के पक्ष में मुक्तता गया।

गेलों में, विशेषकर क्रिकेट के खेल में भी 13 अंक का अच्छा नहीं समझा जाता। अनेक बाटी के खिलाड़ी 13 रन पर आउट हुए हैं। उनमें सर्वाधिक शतक बनाने वाले सुनील गावस्कर भी हैं। 13 के अतिरिक्त 49 ($4+9=13$) और 94 ($9+4=13$) रन बनाकर आउट होने वाले खिलाड़ियों की भी एक बड़ी संख्या है। इस प्रकार के अर्थशून्य या शून्य बनाने के रौरव से बचते रह गए हैं।

अब यह प्रश्न पैदा होना स्वाभाविक है कि 13 अंक क्या बालक में अशुभ है? और उसे आतंकपूर्ण मनाने के मूल में क्या आधार है?

यह प्रश्न इसलिए भी काफी महत्वपूर्ण है कि अंक विद्या का ज्ञान न रखने वाले व्यक्तियों में भी यह धारणा काफी व्यापक है।

वीरों ने ऐसे दो प्रमुख व्यक्तियों का उल्लेख किया है जिनकी धारणा थी

कि 13 तारीख को जन्म लेने के कारण उन्हें अपने जीवन में अनेक दुर्भाग्यों का सामना करना पड़ा। उनमें एक वे ब्रिटिश राजनीतिज्ञ लार्ड रेडोल्फ चर्चिल (जन्म 13 फरवरी) और दूसरी थी सुप्रसिद्ध अमरीकी आपेरा-अभिनेत्री एम्मा इम्स (जन्म-तिथि 13 अगस्त)। कीरो ने उन्हें ममझाया कि 13 तारीख जन्म तिथि होने का विशेष महत्व नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि 13 अंक मूलांक 4 की ही अगली कड़ी है और मूलांक 4 यूरेनस तथा सूर्य के प्रभाव में एक भाग्यवादी अंक है। मूलांक 4 वाले प्रायः सभी व्यक्ति व्यवहार में सकोची और प्रदर्शन से दूर रहने वाले होते हैं।

मूलांक 4 से प्रभावित व्यक्ति दूसरों को सरलता से अपना मित्र नहीं बनाते। उनका अपना निराशा स्वभाव होता है। किसी बात को देखने का उनका ढंग प्रायः दूसरे लोगों से उलटा या विपरीत होता है। फलस्वरूप वे अनेक शत्रु और विरोधी बना लते हैं। वे शीघ्र आवेश में आ जाते हैं और दूसरों को बात का बुरा मान बैठते हैं।

ऐसे लोग परम्पराओं के विरोधी होते हैं और उनका बस चले तो वे सब कुछ उलट-पलट देते हैं। वे वैधानिक सत्ता का विरोध करते हैं, सामाजिक सुधारों में दिलचस्पी लेते हैं और अपने निजी नियमों की रचना तथा पालन करते हैं। सकलता में मिलने पर वे बहुत जल्द निराश भी हो जाते हैं।

ये लोग व्यावहारिक मामलों में अधिक सफल नहीं होते। धन एकत्र करने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। कर भी ले तो असामान्य रूप से उसे छत्र कर देते हैं। आप से अधिक व्यय करने के कारण वे प्रायः आर्थिक कठिनाइयों से घमिल रहते हैं।

कीरो का अनुकरण करने हुए अनेक भारतीय अकविदों की भी यह धारणा है कि 13 का आतंक अनावश्यक है और इसे अत्यन्त अशुभ समझने का कोई कारण नहीं है। किंतु यह अंक आकस्मिक परिवर्तनों का चोतक अवसर है और इसका कोई वैज्ञानिक कारण नहीं बताया जा सकता। इस मूलांक वाले व्यक्तियों का व्यवहार भी प्रायः अस्थिर होता है। उनके प्रेम-सम्बन्धों और सासारिक प्रगति में स्थायित्व नहीं होता। शायद इसीलिए लोग इस अंक से इतने भयभीत हैं।

कुछ-कुछ ऐसा ही व्यवहार 49 ($4+9=13$) अंक से प्रभावित लोगों का होता है।

यह कह पाना कठिन है कि इस अंक का आतंक कब से प्रारम्भ हुआ, किन्तु मध्य युग में उसका अस्तित्व था, यह विवादास्पद कहा जा सकता है। इसका एक कारण इस अंक का संकेत चित्र द्वारा समझा जा सकता है, जो इस प्रकार है—“एक ककान हसिये से एक घास के मैदान में उन व्यक्तियों की गर्दन काटता जा रहा है, जो घास के ऊपर अपना सिर उठाते हैं।”

कुछ प्राचीन लेखकों का कहना है कि 'जो बच्चा 13 के प्रभाव की समझना है वह अधिकार और प्रभुत्व प्राप्त करता है।' हमने यह निष्कर्ष निकाला या मरता है कि यह बच्चा उपलब्ध-मुपलब्ध का सूचक है। यह योजनाओं तथा कार्यक्रमों में, स्थान में भी, परिवर्तन का द्योतक है। यह अधिकार और प्रभुत्व तो प्रदान करता है किन्तु उचित रूप से उनका उपयोग न किया जाए तो ध्वंसकारी भी हो सकता है। यदि यह बच्चा मनना में आए तो उसे अज्ञात तथा अप्रत्याशित घटनाओं की चेतावनी समझना चाहिए।

नेताजी (मुभाषचन्द्र बोस) का जीवन इस बच्चे के प्रभाव का ज्वलन्त उदाहरण है। उनके पूरे नाम का संयुक्त बच्चा 13 ही बनता है। उसका प्रभाव उनके जीवन पर स्पष्ट है।

एक अन्य उदाहरण भूतपूर्व ब्रिटिश प्रधान मंत्री नेविल चैम्बरलेन का है। उनका जन्म 13 जनवरी को हुआ था। हिटलर के उदय-काल (म्यूनख कतार) से द्वितीय महायुद्ध के आरम्भकाल तक वही ब्रिटेन के प्रधान मंत्री रहे थे। उनके जीवन काल की राजनीतिक घटनाओं और उनके उनकी भूमिका में इतिहास का हर विद्यार्थी परिचित है। म्यूनख कतार पर हस्ताक्षर कर और हिटलर की महत्वाकांक्षा को बढ़ावा देकर द्वितीय महायुद्ध शुरू बनाने का दोष उन्हीं के निर मारा जाता है। बाद में उनके बादकाल के बीच ही उन्हें इस पद से हटाकर सर बिस्मिल चर्चिल को नया प्रधान मंत्री बनाया गया।

वास्तव में 13 एक प्रबल भाग्यवादी बच्चा है। वह जहाँ अनेक व्यक्तियों के जीवन में और साथ ही राष्ट्र के जीवन में भारी उपलब्ध-मुपलब्ध लाता है, वहाँ कुछ व्यक्तियों के लिए सौभाग्य का सूचक बनकर भी आता है। स्वयं बोरो के कुछ उदाहरणों से यह बात स्पष्ट हो जाती है।

डेनवर (कोलोरेडो) में एच० सी० डारमन नामक एक व्यक्ति ने 13 तारीख को मिस टीम्स के सम्मुख विवाह का प्रस्ताव रखा। उनका विवाह 13 जून 1913 को वस दज्जर 13 मिनट पर सम्पन्न हुआ। पति-पत्नी दोनों का जन्म 13 तारीख को हुआ था। विवाह-समग्रीह में 1। अतिथि सर्पायुक्त थे और वधू के हाथ में गुदाब के 13 फूलों का गुनदस्ता था।

डोवर (ब्रिटेन) का दुलिन सार्जेंट जॉन जॉन 13 अक्टूबर के परिवार में में एक था। उसने 13 वर्ष की आयु में काम करना आरम्भ किया और पहली नौकरी पर 13 वर्ष तक रहा। 13 अप्रैल को डोवर दुलिन में धनी हुआ। उनके परिवार में पति, पत्नी और बच्चों सहित 13 सदस्य थे।

नार्थ बर्टन, यार्क के फुवाह रव दिन के दोरे ने 13 तारीख को मृत्यु को प्राप्त हुए। स्थानीय बनब से वह 13 सप्ताह में आर्थिक महापिता में रहे थे। मृत्यु के

[illegible]

संयुक्त राष्ट्रीय समूह एक समिति का बना 13 जनवरी को हुआ था। 13 वर्षों में बहुत से कार्य किए गये हैं। 26 वर्ष (13 x 2) की आयु में प्रथम राष्ट्र-संयुक्त समूह बना। तबसे 13 वर्ष तक समूह अपने कार्य में बड़ा कामकाज करता रहा। 13 वर्षों में बहुत-से कार्य हुए। 13 वर्षों तक समिति रही। समिति का नाम (13 x 2) राष्ट्रों को है। दुनिया में 1895 (1 + 8 + 9 + 8) = 26 = (13 x 2) में 55 (5 - 8 = 13) वर्षों की आयु में हुआ। 13 वर्षों में 13 राष्ट्रों को है। 13 राष्ट्रों में 39 (13 x 3) वर्षों तक समिति रही और 1903 (1 + 9 + 0 + 3 = 13) में उसे छोड़ दिया।

13 अरु से प्रभावित होय केय राजनीति मे हो रही निपटे बरत अनेक प्रमुख जोडी बनरत, घमांचाई, सेवक आदि भी 13 तारीख को पैदा हुए हैं। कुछ अन्य प्रमुख गन हैं—भारत कोकिला करोजिनो नाम्दू (13 जुलाई), अमरीका के दुर्ग राइनरि दानस बैरुलन (13 अगस्त), पोप पावसर्व (13 मई), तुर्किय अन्तर करि लमा सेवक डम्बू० बी० मोदस (13 जून), उपन्यासकार राबर्ट सुई स्टीवेंस (13 नवम्बर), मेद्व मे फासोसी सेवा का समर्पण करने वाले फील्ड मार्शल ब्रह्म (13 फरवरी), प्रधान महापुरुष के फील्ड मार्शल सर बिन बर्गुड (13 डिसेम्बर), महापुरुष मे अमरीकी सेवा के प्रधान जनरल जॉन पैरिस (13 नवम्बर) आदि।

परिशिष्ट

कीरो की भविष्यवाणियां

कीरो की गणना अपने समय के विश्व के प्रमुखतम ज्योतिषियों में होती है। अपने जीवनकाल में उन्होंने अनेक आश्चर्यजनक भविष्यवाणियां कीं। ब्रिटेन के राजा एडवर्ड अष्टम के प्रेम-प्रसंग और तिहासन-व्याघ्र की भविष्यवाणी भी उनमें एक थी, जिस पर सारा समार चकित रह गया था।

कीरो हमारे सामने तो प्रकाश पड़ित थे ही, अब विज्ञान में भी उनकी पूर्ण गति थी। वह सगमग चालीस वर्षों तक इन गुप्त विद्याओं के शोध और प्रचार में लिप्त रह। अपने शोध और अनुभव के आधार पर वह अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें लिख कर हमारे लिए छोड़ गए हैं, जो आज भी इन विद्याओं के अध्ययन करने का आधार बनी हुई हैं। अब विज्ञान का तो एक प्रचार में उन्हें जनक कहना अधिक उचित होगा। चान्दियन काल में अपने समय तक उपलब्ध इस विषय की सम्पूर्ण जानकारी का गहन अध्ययन कर उन्होंने अपने कुछ नियम प्रतिपादित किए। इससे अब विज्ञान पर शोध को एक नई दिशा मिली।

प्रस्तुत पुस्तक, 'आप और आपने घर' अब विज्ञान पर कीरो की सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक है। इसमें उन्होंने अनेकों जन्म तिथि के आधार पर व्यक्ति के चरित्र और स्वभाव का निरूपण करने तथा उसकी आर्थिक दशा और स्वास्थ्य की सम्भावनाओं को बताते का प्रयास किया है। अपना भविष्य बनाने या बिगाड़ने में इनकी जानकारी निश्चय ही महत्वपूर्ण और लाभकारी रहेगी।

कीरो का वास्तविक नाम वाउट सुई हेमन था। उनका जन्म 1866 में एक नार्मन परिवार में हुआ था। बाद में वह इंग्लैंड जाकर बस गए जहां 1936 में उनकी मृत्यु हुई। अपने जीवनकाल में उन्होंने अनेक देशों की यात्राएं कीं जिनमें भारत भी था। विभिन्न क्षेत्रों में वायंगरन विश्व के, बिरोपकर पश्चिमी देशों के, अनेक प्रमुख व्यक्तियों से दृष्ट मिले और उनमें अपनी विद्या का सोहा बनवाया।

यहां हम उनकी भविष्यवाणियों से सम्बंधित कुछ रोचक प्रसंग दे रहे हैं।

दुबूक ओक ओर्नियन्स और फ्रांस की गरी के दावेदार सुई किलिय का जन्म 6 फरवरी 1869 को हुआ था। उनके जीवन में 'छ' के अब का घात महत्व रहा। वह 1887 (मूलान 6) में फ्रांस में निर्वासित किए गए। उन्होंने 1896 (मूलान 6) में आस्ट्रिया की आर्बंडबैस मारिया से विवाह किया। उनकी निमृक्ति इंग्लिश रेजी-मेंट की 60 (6) की राष्ट्रपति में हुई।

अमाधारण महिला जामूस मानाहारी से मैं पहली बार पेरिस में 1900 में

मिला। मैंने उसके हाथ का छाया लिया और अक्टूबर 1917 में हिमक मृत्यु की भविष्यवाणी की। महापुरुष में जर्मन जागृत बनने पर भी वह इसे भूली नहीं। उसे फायो दी जा से पहले जब अगस्त में अचानक हमारी पुनः भेंट हो गई तो उसके अंतिम शब्द थे 'अतविदा—अक्तूबर में मुझे भूलिए नहीं।'

मेरी दुःखद भविष्यवाणी के अनुसार उसी मास और वर्ष में उसकी मृत्यु हुई। अनेक क्षण तक वह अभिनेत्री भाव्य की मिपाही रही। उसने आँख पर पट्टी बंधवाने में इनकार कर दिया, अपने हाथ को चूमा और मुमकराने हुए बिदा हो गई।

(माताहारी का जन्म 31 (मूलतः 4) मार्च को हुआ था।)

फरवरी 1904 में रूस यात्रा के दौरान विदेशमंत्री अर्लकजेंडर इजवोत्स्की सेंट पीटर्सबर्ग (अब लेनिनग्राद) में मेरे हॉटेल में मुझसे मिलने आए। उन्होंने मुझसे अपनी जन्मस्थली बनान को कहा। उसे तैयार कर मैं विदेश मंत्रालय में उद्घटन देने गया। मेरे मन में भागी चबराहट थी क्योंकि मैंने जितनी जन्म पत्रिया बनाई, उनमें यह सबसे अधिक जगुभ सनेतो वाली जन्म पत्रियों में से थी।

लेकिन मंत्री महोदय मेरी भविष्यवाणियों पर जी खालकर हसे। 'कीरो' मेरा परिचित और स्वभाव बखानने में आप सही हो सकते हैं, लेकिन भविष्य के बारे में आपके पूर्वानुमान एकदम बेहूदा हैं। आप रूस को नहीं जानते, नहीं तो आप यह शक्य नहीं देंगे कि ऐसा देश जापान से (रूस-जापान युद्ध तभी शुरू हुआ था) हार सकता है, या मेरी सारी सम्पत्ति छिन जाएगी और मैं विदेश में शरीबी की हालत में मरूंगा। आपने 1914 में शुरू हो रहे रूस के अगुभ ग्रहों के बारे में जो कुछ अनुमान व्यक्त किया है, वह सब बकवास है। और आपने 1917-18 में उसके टूटने की जो बात कही है, वह पागल के प्रसाप जैसी है। रूस कभी नहीं टूट सकता, वह हर वर्ष आगे ही बढ़ता जाएगा।'।

मेरी निराशाजनक भविष्यवाणी ही अंत में सही सिद्ध हुई। पूरे महापुरुष के दौरान इजवोत्स्की फ्रांस में रूस के राजदूत रहे। बोल्शेविक क्रान्ति में उनकी सब-कुछ लपट हो गया और 16 अगस्त, 1919 को पेरिस में एक दुष्टता में उनका निधन हुआ।

(अर्लकजेंडर इजवोत्स्की का जन्म 17 (मूलतः 8) मार्च को हुआ था।)

नार्वे के नाविक और दिसम्बर 1911 में दक्षिणी ध्रुव की खोज करने वाले रोमान्ड एमडसन एक अद्भुत व्यक्ति थे। 1927 में हालीबुड, कैलिफोर्निया में वह मुझसे मिलने आए। साहम और महान सफलता के बावजूद वह अत्यंत विनम्र थे। उन्होंने मुझे अपने हाथ का छाया दिया, किन्तु साथ ही यह मनोभावना व्यक्त की कि उनकी मृत्यु अधिक दूर नहीं है। एक वर्ष बाद समाचार मिला कि जनरल नोवाइल का इटालवी उत्तरी ध्रुव अभियान-पीन टूट गया है और जनरल का कोई पता नहीं

है। एमटसन ने तत्काल उनकी धोज के लिए अपने को देश दिया। उनका अंतिम समाचार 19 जून, 1928 को मिला।

(रोआल्ड एमटसन का जन्म 16 (मूलतः 7) जुलाई को हुआ था।)

आइरिश एथोक्लरल सोसाइटी के सरयापक सर होरेस प्लेवेट ने दक्षिण आयरलैंड में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए किसी भी देशभक्त से अधिक धर्म दिया। स्वतंत्र आयरिश राज्य की स्थापना के बाद विद्रोहियों ने डबलिन के निश्चित स्थित उनके गुदर घर, उनकी नवाहृतियों और बहुमूल्य पुस्तकों को जलाकर राख कर दिया। दिल टूट जाने पर यह इर्लैंड लौट आए और कुछ वर्षों बाद वही उनकी मृत्यु हो गई।

उनका जन्म-अंक अक्टूबर में 'बार' था। इस तिथि वालों को आग, विस्फोट और सम्पत्ति नाश का खतरा रहता है। मैंने उन्हें अपने गुदर घर का बीमा करा देने को कहा था। 1918 की अन्तःक्रय में इस घंटाघड़ी को फिर दुहराया। लेकिन अब बहुत देर हो चुकी थी क्योंकि आयरलैंड में तत्कालीन उपद्रवों को देखते हुए कोई बीमा कम्पनी इससे लिए संभार नहीं होती।

किसी अज्ञान कारण से, स्वतंत्र राज्य की स्थापना और अंग्रेजी फौजों के हट जाने के बाद कुछ स्वतंत्रता सेनानियों ने सर होरेस के घर को घेर लिया और आग से लपट कर दिया। मालिक की जान भुविस्त से ही बच पाई।

(जन्म 4 अक्टूबर को)

अमरीकी लेख मालिकों और पहले गणपुम्बों भयनों के नवज्ञानवीस एल्फ्रेड बामप की पत्नी धीमती एमिली बासप को भरे हस्तरेखा और अक्षज्ञान में गहरी दिल-धस्पी थी। बैलिफोनिया में मेरे रवाना होने के बाद उन्होंने लिखा 'आपके द्वारा विमानों से पतरे की चेतावनी दिए जाने के बावजूद वायु विक्षोभ के दूसरे भाव, 'तुला की सतान' होने में मैंने विमानों में उड़ना फिर शुरू कर दिया है। मैं इस रोक नहीं सकती। अतः मुझे यदि कुछ हुआ तो बम-ले-बम आपको तो पता चले ही जाएगा—भाग्य में ऐसा ही बदा था।'

उनकी मृत्यु 27 जुलाई 1932 को विमान दुर्घटना में हो गई। वह विमान से फ़ास जा रही थी। विमान उनका अपना पुत्र ही चला रहा था। फ़ार्महाम इंग्लैंड के ऊपर आनाश में ही उससे विस्फोट हो गया। उनका शव टुकड़े-टुकड़े हो गया। उनसे छोट छोट भाग ही मिल सके।

(जन्म 22 (मूलतः 4) अक्टूबर)

द्वेनो रिचर्ड हाफ्टमैन 'बार' और 'माठ' अर्थों की दुरभिसंधि का विविध उदाहरण है

जन्म 26 नवम्बर

2+6=8

भाट हम्बलेख विशेषज्ञा की प्रतिभूत मवाही

8

बर्नस चार्ल्स लिडवर्ग की जन्म तिथि	फरवरी 4
प्राणदंड की तिथि	मार्च 31 = 4
छूट की घोषणा 31 मार्च को रात्रि 8 बजे	4 और 8
छूट मजूर हुई 48 घंटों के लिए	4 और 8
प्राणदंड अप्रैल 4 को	4
इलेक्ट्रिक चेयर पर बैठाया गया	8 40 बजे
मृत घोषित किया गया	8 44 बजे
क्षमादान के सदस्यों की संख्या	8
सरकारी गवाहा की संख्या 88	8

हाउसमैन ने अपना अपराध स्वीकार नहीं किया। उसको प्राणदंड मिलने पर भी यह रहस्य ही बना रहा कि बेबी लिडवर्ग की हत्या किसने की।

4 और 8 के योग पर 'बीरोज बुक ऑफ नम्बर्स' में लिखते हुए मैन कहा है ये अरु होते व्यक्ति के द्योतक हैं जो भयकर रूप से भाग्य के अधीन है। मैंने इन मूल अंकों बाते अनेक व्यक्तियों के प्राय पर नजर रखी है। देर सवेर 8 से उनका टकराव होता है जो 'मानव न्याय' का प्रतीक है। आम तौर से आम सामाजिक जीवन में भी परिस्थितियों प्रमाण विपरीत होने से उन्हें मृत्यु दंड मिलता है, और वे प्राय अपना रहस्य अपने मन में छिपाए हो इस ससार से विदा हो जाते हैं, दूसरी दुनिया में मानव न्याय के विरुद्ध ईश्वरीय न्याय से अपील करते हुए।'

कुछ प्रमुख व्यक्तियों की जन्म तिथियां (जिनका मूल पुस्तक में उल्लेख है)

सांडे बर्जेन (मृतपूर्व वापसराय)	जनवरी	11
डेविड लायड जार्ज (प्रथम महापुंड के दौरान गिरफ्तार के प्रभाव मंत्री)	,	17
सोमर मेट माम (प्रमुख लेखक)	,	25
बैमर विल्हेमिन (प्रथम महापुंड के दौरान जर्मनी का उद्घाटन)	"	27
चान्स डिक्लन (उपन्यासकार)	फरवरी	7
जॉन रॉबिन (लेखक)	,	8
अब्राहम निरन (अमरीकी राष्ट्रपति जिनकी हत्या हुई)	,	12
जॉर्ज वाशिंगटन (प्रथम अमरीकी राष्ट्रपति)	"	22
विक्टर ह्यूगो (उपन्यासकार)	,	26
एन्ड्रयू आर्न्स्टीन (प्रमुख वैज्ञानिक)	मार्च	14
डेविड रिचमण्डन (अमरीकी राष्ट्रपति)	,	19
मैक्सिम गोर्की (साहित्य लेखक)	,	26
राउट टाट्टर (वापसराय जिनका मृत्यु हुआ)	"	30
मातागोर्गी (जर्मन वापसराय)		31

विस्माहें (आधुनिक जर्मनी का निर्माता)	अप्रैल	1
विलियम वड् मवर्थ (कवि)	"	7
चार्लो चैपलिन (हास्य अभिनेता)	"	16
एडोल्फ हिटलर (तानाशाह)	"	20
रानी एलिजाबेथ	"	21
देनिस	"	23
शेक्सपियर	"	23

(मृत्यु 23 अप्रैल)

ड्यूक ऑफ बैचिंगटन (वाटरलू विजेता)	मई	1
बार्न माक्ल (साम्प्रदाय के जनक)	"	5
फारनहोर्ट (थर्मामीटर निर्माता)	"	14
फ्लोरेन्स नाईटिंगेल (नर्स)	"	15
निकोलस 18 (रूस का अंतिम цар जिसको मृत्यु दंड दिया गया)	"	18
बेदांड रमस (दार्शनिक)	"	18
सर आर्थर शानन डायल ('गरलक होम्स' के लेखक)	"	22
रानी विक्टोरिया	"	24
जार्ज तृतीय (जिनके शासन काल में अमरीका आजाद हुआ)	जून	4
बैंगन स्ट्राट (दक्षिणी ध्रुव अन्वेषक)	"	7
जार्ज म्टीफेसन (रैब इजिन आबिष्कर्ता)	"	9
एडवर्ड अष्टम (सिंहामन त्यागी)	"	23
रोआल्ड एमडसन (दक्षिणी ध्रुव अन्वेषक)	अगस्त	16
मुसोलिनी (इटाली का तानाशाह)	"	20
जार्ज बर्नार्ड शा (नाटककार)	"	26
शैली (कवि, दूबने से मृत्यु)	अगस्त	4
मापीया (कामीकी लेखक)	"	5
लाइ टैनीसन (कवि)	"	6
नपोलियन बोनापार्ट	अगस्त	15
लुई 16 (फ्रांसीसी नरेश जिन्हें मार दिया गया)	"	23
ग्रेट (जर्मन कवि-लेखक)	"	28
नियो टाग्नटाज (रूसी लेखक)	सितम्बर	9
एब० जी० वेन्स (वैज्ञानिक लेखक)	"	12
छेडा गायों (अभिनेत्री)	"	18
डा० एनी बेसेंट	अक्तूबर	1
महारमा गांधी	"	2

फील्ड मार्शल फौच (प्रथम महायुद्ध में मित्र राष्ट्रीय सेनापति)	अक्तूबर	2
फील्ड मार्शल हिडेनबर्ग (प्रथम महायुद्ध में जर्मन सेनापति)	"	2
एमन डी बेत्तर (आयर नेता)	"	11
नीत्शे (कवि-दार्शनिक)	"	15
एल्फ्रेड नोबेल (जिनके नाम पर नोबेल पुरस्कार दिया जाता है)	"	21
दाते (मराठी क्रांतिकारी)	"	26
बैन्टेन ब्रुक (महान अन्वेषक)	"	28
जान कीट्स (कवि)	"	29
कोरो (प्रमुख ज्योतिषी)	नवम्बर	1
मेरी एंतिपोनेत (फ्रांस की रानी जिसे गिलोटिन बिछा गया)	"	2
सिल्वी पात्रा	"	2
ओलिवर गोल्डस्मिथ (कवि-लेखक)	"	10
आर० एल० स्टोवेंशन (उपन्यासकार)	"	13
ब्लान्च प्रथम (जिसका सिर काटा गया)	"	19
जार्ज ईलियट (कवि)	"	22
जोनाथन स्विफ्ट (व्यंग्य लेखक)	"	30
विन्टन चर्चिल (द्वितीय महायुद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री)	"	30
वाल्ट डिस्ने (व्यंग्य फिल्मकार)	दिसम्बर	5
मैक्समुलर (जर्मन भारतविद्)	"	6
जान मिन्टन (कवि)	"	9
स्टालिन (सोवियत नेता)	"	21
सर आइज़क न्यूटन (वैज्ञानिक)	"	25
सुई पास्चर (चिकित्सक)	"	27
हडमाई रिप्लिंग (लेखक-गणकार)	"	30
(जिनका मूल पुस्तक में उल्लेख नहीं है)		
जॉन ऑफ आर्क (फ्रांसीसी वीरांगना)	जनवरी	6
स्वामी विवेकानन्द	"	12
कूदन साल सहगल (संगीतज्ञ)	"	18
मुभायबन्द बोस (नेताजी)	"	23

१. रामचरण परमहंस

स्वाधी-धेदानंद

मोरावजी देसाई

रवीन्द्रनाथ ठाकुर

गोपाल कृष्ण गोखले

विनायक दामोदर सावरकर

तिळक

मनोज्ञ गावस्कर (क्रिकेट खिलाडी)

डा. विन (जीव-वैज्ञानिक)

मरोजिनी नायडू (कवयित्री-राजनीतिज्ञ)

शिवाजी

प्रेमचंद

बाल गंगाधर तिलक

योगिराज अरविंद

राजीव गांधी

गाविंद बल्लभ पंत

आचार्य विनोबा भावे

शरच्चन्द्र चट्टोपाध्याय

लाल बहादुर शास्त्री

अमिताभ बच्चन

सरदार बल्लभ भाई पटेल

जवाहरलाल नेहरू

इंदिरा गांधी

हरिद्वाराय बच्चन

ठाकुर बापा

जगदीशचंद्र बगु (वैज्ञानिक)

टीगू गुवाहाटी

डा० राजेंद्र प्रसाद

जयलाल नेहरू

महात्मा गांधी

मिना गांधी

बा० रामचरण

प० गदगाडगा माताजी

गंगाधर अरवि

करवरी 5

" 9

" 29

मई 7

" 9

" 28

जुलाई 1

" 10

" 12

" 13

" 19

" 31

अगस्त 1

" 15

" 20

सितम्बर 10

" 11

" 15

अक्तूबर 2

" 11

" 31

नवम्बर 14

" 19

" 27

" 29

" 30

दिसम्बर 1

" 3

" 4

" 14

" 19

" 23

" 25

" 25

०००